

नमो नमो निम्मलदंसणस्स
पूज्य आनंद-क्षमा-ललित-सुशील-सुधर्मसागर गुरुभ्यो नमः

On Line – आगममंजूषा

[१५] पन्नवणा

* संकलन एवं प्रस्तुतकर्ता *

मुनि दीपरत्नसागर [M.Com., M.Ed., Ph.D.]

॥ किंचित् प्रास्ताविकम् ॥

ये आगम-मंजूषा का संपादन आजसे ७० वर्ष पूर्व अर्थात् वीर संवत् २४६८, विक्रम संवत्-१९९८, ई.स.1942 के दौरान हुआ था, जिनका संपादन पूज्य आगमोद्धारक आचार्यश्री आनंदसागरसूरिजी म.सा.ने किया था। आज तक उन्ही के प्रस्थापित-मार्ग की रोशनी में सब अपनी-अपनी दिशाएँ ढूँढते आगे बढ़ रहे हैं।

हम ७० साल के बाद आज ई.स.-2012, विक्रम संवत्-२०६८, वीर संवत्-२५३८ में वो ही आगम-मंजूषा को कुछ उपयोगी परिवर्तनों के साथ इंटरनेट के माध्यम से सर्वथा सर्वप्रथम “**OnLine-आगममंजूषा**” नाम से प्रस्तुत कर रहे हैं।

* मूल आगम-मंजूषा के संपादन की किंचित् भिन्नता का स्वीकार *

- [१] आवश्यक सूत्र-(आगम-४०) में केवल मूल सूत्र नहीं है, मूल सूत्रों के साथ निर्युक्ति भी सामिल की गई है।
[२] जीतकल्प सूत्र-(आगम-३८) में भी केवल मूल सूत्र नहीं है, मूलसूत्रों के साथ भाष्य भी सामिल किया है।
[३] जीतकल्प सूत्र-(आगम-३८) का वैकल्पिक सूत्र जो “पंचकल्प” है, उनके भाष्य को यहाँ सामिल किया गया है।

[४] “ओघनिर्युक्ति”-(आगम-४१) के वैकल्पिक आगम “पिंडनिर्युक्ति” को यहाँ समाविष्ट तो किया है, लेकिन उनका मुद्रण-स्थान बदल गया है।

[५] “कल्प(बारसा)सूत्र” को भी मूल आगममंजूषा में सामिल किया गया है।

-मुनि दीपरत्नसागर

: Address:-

Mnui Deepratnasagar,
MangalDeep society, Opp.DholeswarMandir,
POST:- THANGADH Dist.surendranagar.
Mobile:-9825967397 jainmunideepratnasagar@gmail.com

मुनि दीपरत्नसागर



श्रीप्रज्ञापनोपांगम्-

ववगयजरमरणभये सिद्धे अभिवन्दिऊण तिविहेणं । वन्दामि जिणवरिन्दं तेलोक्कगुरुं महावीरं ॥ १ ॥ सुयरयणनिहाणं जिणवरेण भवियजणणिव्वुड्ढकरणं ।
उवदंसिया भगवया पन्नवणा सन्नभावाणं ॥ २ ॥ वायगवरवंसाओ तेवीसइमेण धीरपुरिसेण । दुद्धरधरेण मुणिणा पुव्वसुयसमिद्धबुद्धीणा ॥ ३ ॥ सुयसागरा
विणेऊण जेण सुयरयणमुत्तमं दिन्नं । सीसगणस्स भगवओ तस्स नमो अज्जसामस्स ॥ ४ ॥ अज्झयणमिणं चित्तं सुयरयणं दिट्ठिवायणीसन्दं । जह वन्नियं भगवया अहमवि तह वन्नइ-
स्सामि ॥ ५ ॥ पन्नवणा ठाणाइं बहुवत्तव्वं ठिईं विसेसा य । वक्कन्ती ऊसासो सन्ना जोणी य चरिमाईं १० ॥ ६ ॥ भासा सरीर परिणाम कसाए इन्दिय प्पओगो य । लेसा कायठिईं या
सम्मत्ते अन्तकिरिया २० य ॥ ७ ॥ ओगाहणसंठाणा किरिया कम्मे इयावरे । बन्धए वेदवेदस्स, बन्धए वेयवेयए ॥ ८ ॥ आहारे उवओगे पासणया ३० सन्नि सज्जमे चेव । ओही पवि-
यारण वेदणा य तत्तो समुग्घाए ३६ ॥ ९ ॥ से किं तं पन्नवणा ?, पन्नवणा दुविहा पण्णत्ता तंजहा-जीवपन्नवणा य अजीवपन्नवणा य । १ । से किं तं अजीवपन्नवणा ?, अजीवपन्नवणा
दुविहा पं० तं०-रूविअजीवपन्नवणा य अरूविअजीवपन्नवणा य, से किं तं अरूविअजीवपन्नवणा ?, २ दसविहा पं० तं०-धम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे धम्मत्थिकायस्स पदेसा
अधम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकायस्स देसे अधम्मत्थिकायस्स पदेसा आगासत्थिकाए आगासत्थिकायस्स देसे आगासत्थिकायस्स पदेसा अद्दासमए १०, सेत्तं अरूविअजीवपन्नवणा
। ३ । से किं तं रूविअजीवपन्नवणा ?, २ चउव्विहा पं० तं०-खन्धा खन्धदेसा खन्धपएसा परमाणुपोग्गला, ते समासओ पञ्चविहा पं० तं०-वण्णपरिणया गन्ध० रस० फास० सण्ठाण-
परिणया, जे वण्णपरिणया ते पञ्चविहा पं० तं०-कालवण्णपरिणया नील० लोहि० हालिह० सुक्खिहवण्णपरिणया, जे गन्धपरिणता ते दुविहा पं० तं०-सुब्भिगन्धपरिणता य दुब्भि-
गन्धपरिणता य, जे रसपरिणता ते पञ्चविहा पं० तं०-तित्तरसपरिणता कडुय० कसाय० अम्बिल० महुररसपरिणया, जे फासपरिणया ते अट्ठविहा पं० तं०-कक्खडफास० मउय०
गुरुय० लहुय० सीय० उसिण० णिद्ध० लुक्खफासपरिणया, जे सण्ठाणपरिणया ते पञ्चविहा पं० तं०-परिमण्डलसण्ठाण० वट्ठ० तंस० चउरंस० आयतसण्ठाणपरिणया, जे वण्णओ
कालवण्णपरिणता ते गन्धओ सुब्भिग० दुब्भिग० रसओ तित्तरस० कडुय० कसाय० अम्बिल० महुररस० फासओ कक्खडफास० मउय० गुरुय० लहुय० सीय० उसिण० णिद्ध०
लुक्ख० सण्ठाणओ परिमण्डलसण्ठाण० वट्ठ० तंस० चउरंस० आयतसण्ठाणपरिणयावि २०, जे वण्णओ नीलवण्णपरिणता ते गन्धओ सुब्भिगन्ध० दुब्भि० रसओ तित्त्त० कडुय०
कसाय० अम्बिल० महुर० फासओ कक्खडफास० मउय० गुरुय० लहुय० सीत० उसिण० निद्ध० लुक्ख० सण्ठाणओ परिमण्डलसण्ठाण० वट्ठ० तंस० चउरंस० आयत० २०, जे वण्ण-
ओ लोहियवण्णपरिणया ते गन्धओ सुब्भिगन्ध० दुब्भि० रसओ तित्त्त० कडुय० कसाय० अम्बिल० महुर० फासओ कक्खडफास० मउय० गुरुय० लहुय० सीत० उसिण० निद्ध०
लुक्ख० सण्ठाणओ परिमण्डलसण्ठाण० वट्ठ० तंस० चउरंस० आयत० २०, जे वण्णओ हालिहवण्णपरिणया ते गन्धओ सुब्भिगन्ध० दुब्भिगं० रसओ तित्तरस० कडुय० कसाय०
अम्बिल० महुर० फासओ कक्खडफास० मउय० गुरुय० लहुय० सीय० उसिण० णिद्ध० लुक्ख० सण्ठाणओ परिमण्डलसण्ठाण० वट्ठ० तंस० चउरंस० आयतसं० २०, जे वण्णओ सु-

नील० लोहिय० हालिद० सुक्लि० गन्धओ सुभिगन्ध० दुब्भि० रसओ तित्तरस जाव महुर० फासओ कक्खड० जाव लुक्खफासपरिणयावि २०, जे संठाणओ वट्टसंठाणपरिणता ते वण्णओ कालवण्ण० जाव सुक्लि० गन्धओ सुभिगन्ध० दुब्भि० रसओ तित्तरस जाव महुर० फासओ कक्खड० जाव लुक्खफासपरिणयावि २०, जे संठाणओ तंसंठाणपरिणता ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि जाव सुक्लि० गन्धओ सुभिगन्ध० दुब्भि० रसओ तित्तरस जाव महुरसपरिणयावि फासओ कक्खडफास० जाव लुक्खफासपरिणयावि २०, जे संठाणओ चउरंसंठाणपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणतावि जाव सुक्लि० गन्धओ सुभिगन्ध० दुब्भि० रसओ तित्तरस जाव महुर० फासओ कक्खडफास० जाव लुक्खफासपरिणयावि २०, जे संठाणओ आयतसंठाणपरिणता ते वण्णओ कालवण्णपरिणतावि जाव सुक्लि० गन्धओ सुभिगन्ध० दुब्भि० रसओ तित्तरस जाव महुरसपरिणयावि फासओ कक्खडफास० जाव लुक्खफासपरिणतावि २०, १००। सेत्तं रूविअजीवपन्नवणा। सेत्तं अजीवपणवणा। ४। से किं तं जीवपन्नवणा?, २ दुविहा पं० तं०-संसारसमावण्णजीवपन्नवणा य असंसारसमावण्णजीवपणवणा य। ५। से किं तं असंसारसमावण्णजीवपणवणा?, २ दुविहा पं० तं०-अणन्तरसिद्धअसंसार० य परम्परसिद्धअसंसार० य। ६। से किं तं अणन्तरसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपणवणा?, २ पण्णरसविहा पं० तं०-तित्थसिद्धा अतित्थसिद्धा तित्थगरसिद्धा अतित्थगरसिद्धा सयंबुद्धसिद्धा पत्तेयबुद्धसिद्धा बुद्धबोहियसिद्धा इत्थील्लिङ्गसिद्धा पुरिसलिङ्गसिद्धा नपुंसकलिङ्गसिद्धा सलिङ्गसिद्धा अन्नलिङ्गसिद्धा गिहिलिङ्गसिद्धा एगसिद्धा अणेगसिद्धा, सेत्तं अणंतर०। ७। से किं तं परम्परसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपणवणा?, २ अणेगविहा पं० तं०-अपढमसमयसिद्धा० दुसमयसिद्धा० तिसमयसिद्धा० चउसमयसिद्धा० जाव सङ्खिजसमयसिद्धा० असङ्खिजसमयसिद्धा० अणन्तसमयसिद्धा०, सेत्तं परम्परसिद्धासंसारसमावण्णजीवपणवणा, सेत्तं असंसारसमावण्णजीवपणवणा। ८। से किं तं संसारसमावण्णजीवपणवणा?, २ पञ्चविहा पं० तं०-एगेंदियसंसारसमावण्णजीवपणवणा बेइन्दिय० तेइन्दिय० चउरिन्दिय० पञ्चिन्दियसंसारसमावण्णजीवपणवणा। ९। से किन्तं एगेन्दियसंसारसमावण्णजीवपणवणा?, २ पञ्चविहा पं० तं०-पुढवीकाइया आउ० तेउ० वाउ० वणस्सइकाइया। १०। से किं तं पुढवीकाइया?, २ दुविहा पं० तं०-सुहुमपुढवीकाइया य बादरपुढवीकाइया य। ११। से किन्तं सुहुमपुढवीकाइया?, २ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तसुहुमपुढवीकाइया य अपज्जत्तसुहुमपुढवीकाइया य, सेत्तं सुहुमपुढवीकाइया। १२। से किं तं बादरपुढवीकाइया?, २ दुविहा पं० तं०-सण्हबादरपुढवीकाइया य खरबादरपुढवीकाइया य। १३। से किं तं सण्हबायरपुढवीकाइया?, २ सत्तविहा पं० तं०-किण्हमत्तिया नील० लोहिय० हालिद० सुक्लि० पाण्डु० पणगमत्तिया, सेत्तं सण्ह०। १४। से किं तं खरबायरपुढवीकाइया?, २ अणेगविहा पं० तं०-‘पुढवी य सक्करा वालुया य उवले सिला य लोणूसे। अय तंब तउय सीसय रूप सुवन्ने य वड्रे य ॥ १० ॥ हरियाले हिंगुलए मणोसिला सासगंजण पवाले। अब्भपडलऽब्भवालुय बायरकाए मणिविहाणा ॥ ११ ॥ गोमेजए य रुयए अंके फलिहे य लोहियक्खे य। मरगय मसारगळे भुयमोयग इन्दनीले य ॥ १२ ॥ चंदण गेरुय हंसगब्भ पुलए सोगन्धिए य बोद्धवे। चन्दप्पभवेरुलिए जलकंते सूरकंते य ॥ १३ ॥ जे यावन्ने तहप्पगारा, ते समासओ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं असंपत्ता, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा एतेसिं वच्चादेसेणं गन्धादेसेणं रसादेसेणं फासादेसेणं सहस्सग्गसो विहाणाइं सङ्खेज्जाइं जोणिप्पमुहसतसहस्साइं, पज्जत्तगणिस्साए अपज्जत्तगा वक्कमंति जत्थ एगो तत्थ नियमा असङ्खेज्जा, सेत्तं खरबायरपुढवीकाइया, सेत्तं बायरपुढवीकाइया, सेत्तं पुढवीकाइया। १५। से किं तं आउकाइया?, २ दुविहा पं० तं०-सुहुमआउकाइया य बादरआउकाइया य, से किं तं सुहुमआउकाइया?, २ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तसुहुमआउकाइया य अपज्जत्तसुहुम० य, सेत्तं सुहुमआउकाइया, से किं तं बादरआउकाइया?, २ अणेगविहा पं० तं०-उस्सा हिमए महिया करए हरतणुए सुद्धोदए सीतोदए उसिणोदए खारोदए खट्ठोदए अम्बिलोदए लवणोदए वारुणोदए खीरोदए घओदए खोतोदए रसोदए जे यावन्ने तहप्पगारा, ते समासओ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं असंपत्ता, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा एतेसिं वण्णादेसेणं गन्धादेसेणं रसादेसेणं फासादेसेणं सहस्सग्गसो विहाणाइं संखेज्जाइं जोणिप्पमुहसयसहसाइं पज्जत्तगणिस्साए अपज्जत्तगा वक्कमंति जत्थ एगो तत्थ नियमा असंखिज्जा। से तं बादरआउकाइया। १६। से किं तं तेऊकाइया?, २ दुविहा पं० तं०-सुहुमतेऊकाइया य बादरतेऊकाइया य, से किन्तं सुहुमतेऊकाइया?, २ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, सेत्तं सुहुमतेऊकाइया। से किं तं बादरतेऊकाइया?, २ अणेगविहा पं० तं०-इङ्गाले जाला मुम्मुरे अच्ची अलाए सुद्धागणी उक्का विज्जू असणी णिग्घाए संघरिससमुट्टिए सूरकन्तमणिणिस्सिए जे यावन्ने तहप्पगारा, ते समासओ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं असंपत्ता, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा एएसिं णं वच्चादेसेणं गन्धादेसेणं रसादेसेणं फासादेसेणं सहस्सग्गसो विहाणाइं सङ्खेज्जाइं जोणिप्पमुहसयसहसाइं पज्जत्तगणिस्साए अपज्जत्तगा वक्कमंति जत्थ एगो तत्थ नियमा असंखिज्जा। सेत्तं बादरतेऊकाइया। सेत्तं तेऊकाइया। १७। से किन्तं वाउकाइया?, २ दुविहा पं० तं०-सुहुमवाउकाइया य बादरवाउकाइया य, से किन्तं सुहुमवाउकाइया?, २ दुविहा (१६९)

पं० तं०-पज्जत्तगसुहुमवाउकाइया य अपज्जत्तगसुहुमवाउकाइया य, सेत्तं सुहुमवाउकाइया, से किन्तं बादरवाउकाइया ?, २ अणेगविहा पं० तं०-पाईणवाए पडीणवाए दाहिणवाए उदीणवाए उड्ढवाए अहोवाए तिरियवाए विदिसीवाए वाऊभामे वाउकलिया वायमंडलिया उकलियावाए मंडलियावाए गुंजावाए झंझावाए संवट्ठावाए घणवाए तणुवाए सुद्धवाए जे यावण्णे तहप्पगारा, ते समासओ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते असंपत्ता, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा एतेसिं णं वण्णादेसेणं गन्धादेसेणं रसादेसेणं फासादेसेणं सहस्सग्गसो विहाणाइं संखेजाइं जोणिप्पमुहसयसहस्साइं पज्जत्तगनिस्साए अपज्जत्तया वक्कमंति जत्थ एगो तत्थ नियमा असंखेजा, सेत्तं बादरवाउकाइया, से तं वाउकाइया । १८ । से किं तं वणस्सइकाइया ?, २ दुविहा पं० तं०-सुहुमवणस्सइकाइया य बायरवणस्सइकाइया य । १९ । से किन्तं सुहुमवणस्सइकाइया ?, २ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगसुहुमवणस्सइकाइया य अपज्जत्तगसुहुमवणस्सइकाइया य, सेत्तं सुहुमवणस्सइकाइया । २० । से किन्तं बादरवणस्सइ० ?, २ दुविहा पं० तं०-पत्तेयसरीरबादरवणस्सइ० साहारणसरीरबादरवणस्सइ० । २१ । से किन्तं पत्तेयसरीरबादरवणस्सइकाइया ?, २ दुवालसविहा पं० तं०-‘रुक्खा गुच्छा गुम्मा लता य वल्ली य पद्मगा चेव । तण वलय हारिय ओसहि जलरुह कुहणा य बोद्धवा ॥ १४ ॥ २२ । से किन्तं रुक्खा ?, २ दुविहा पं० तं०-एगट्टिया य बहुबीयगा य, से किं तं एगट्टिया ?, २ अणेगविहा पं० तं०-‘णिंबंजंबुकोसंबसालअंकुल पीलु सेलु य । सल्लइ मोयइ मालुय बउल पलासे करंजे य ॥ १५ ॥ पुत्तंजीवयऽरिट्ठे विहेलए हरिडए य भिल्लाए । उंबेभरिया खीरिणि बोद्धवे धायइ पियाले ॥ १६ ॥ पूइय निंब करज्जे सुण्हा तह सीसवा य असणे य । पुन्नाग नागरुक्खे सोवणि तहा असोगे य ॥ १७ ॥ जे यावण्णे तहप्पगारा, एएसिं णं मूलावि असंखेजजीविया कंदावि खंधावि तयावि सालावि पवालावि, पत्ता पत्तेयजीविया, पुप्फा अणेगजीविया फला एगट्टिया, सेत्तं एगट्टिया, से किं तं बहुबीयगा ?, २ अणेगविहा पं० तं०-‘अत्थिय तेंदु कविट्ठे अंबाडग माउलिंग बिल्ले य । आमलग फणिस दालिम आसोढे उंबर वडे य ॥ १८ ॥ णग्गोह णंदिरुक्खे पिप्परि सयरी पिलक्खुरुक्खे य । काउंवरि कुत्थुंभरि बोद्धवा देवदाली य ॥ १९ ॥ तिलए लउए छत्तोह सिरीस सत्तवन्न दहिवन्ने । लोद्ध द्वव चंदणऽज्जुण णीमे कुडए कयंबे या ॥ २० ॥ जे यावन्ने तहप्पगारा, एतेसिं णं मूलावि असंखेजजीविया कंदावि खंधावि सालावि, पत्ता पत्तेयजीविया पुप्फा अणेगजीविया फला बहुबीयगा, सेत्तं बहुबीयगा, सेत्तं रुक्खा, से किं तं गुच्छा ?, २ अणेगविहा पं० तं०-‘वाइंगणि सल्लइ थुण्डई य तह कत्थुरी य जीभुमणा । रुवी आढइ णीली तुलसी तह माउलिंगी य ॥ २१ ॥ कच्छुंभरि पिप्पलिया अतसी बिल्ली य काइमाईया । वुच्चू (प्र० च्चा) पडोलकंदे विउवा (प्र० चुण्ण) वत्थलंदरे ॥ २२ ॥ पत्तउर सीयउरए हवंति तहा जवसए य बोद्धवे । णिग्गू मिअकं तवरि अत्थई चेव तलउ दाडा ॥ २३ ॥ सण पाण कास मुद्दग अग्घाडग साम सिंदुवारे य । करमइ अइडूसग करीर एरावण महित्थ ॥ २४ ॥ जाउ-लग मील परिली गयमारिणि कुब्बकारिया भंडा । जीवइ केयइ तह गंज पाडला दासि अंकोले ॥ २५ ॥ जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं गुच्छा, से किं तं गुम्मा ?, २ अणेगविहा पं० तं०-‘सेणयए णोमालिय कोरंटय बंधुजीवग मणोज्जे । पिइयं पाणं कणयर कुज्जय तह सिंदुवारे य ॥ २६ ॥ जाई मोग्गर तह जूहिया य तह मल्लिया य वासंती । वत्थुल कत्थुल सेवाल गंठी मगदंतिया चेव ॥ २७ ॥ चंपग जीई णिइया कुंदो (कन्दो) तहा महाजाई । एवमणेगागारा हवंति गुम्मा मुणेयवा ॥ २८ ॥ सेत्तं गुम्मा, से किं तं लयाओ ?, २ अणेगविहाओ पं० तं०-‘पउमलया णागलया असोग चंपगलया य चूतलता । वणलया वासंतिलया अइमुत्तय कुंद सामलया ॥ २९ ॥ जे यावन्ना तहप्पगारा, सेत्तं लयाओ, से किं तं वल्लीओ ?, २ अणेगवि-हाओ पं० तं०-‘पूसफली कालिंगी तुंबी तउसी य एलवालुंकी । घोसाडइ पंडोला पंचंगुलि आय णीली या (प्र० नाली य) ॥ ३० ॥ कंगूया कंडुइया कक्कोडइ कारियल्लई सुभगा । कुयवाय वागली पाव वल्ली तह देवदाली य ॥ ३१ ॥ अप्फेया अइमुत्तग णागलया कण्ह सूरवल्ली य । संघट्ट सुमणसावि य जासुवण कुर्विदवल्ली य ॥ ३२ ॥ मुद्दिय अंबावल्ली किण्हल्ली-रालि जयंति गोवाली । पाणी मासावल्ली गुंजीवल्ली य विच्छाणी ॥ ३३ ॥ ससिवी दुगोत्तफुसिया गिरिकण्णइ मालुया य अंजणई । दहिफोल्लइ कागलि मोगली य तह अक्कबोदी य ॥ ३४ ॥ जे यावन्ना तहप्पगारा, सेत्तं वल्लीओ, से किं तं पद्मगा ?, २ अणेगविहा पं० तं०-‘इक्खू य इक्खुवाडी वीरुणी तह एक्कडे य मासे य । सुंठे सरे य वेत्ते तिमिरे सतपोरग णले य ॥ ३५ ॥ वंसे वच्छू कणए कंकावंसे य चाववंसे य । उदए कुडए विसए कंडा वेले य कल्लाणे ॥ ३६ ॥ जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं पद्मगा, से किं तं तणा ?, २ अणेगविहा पं० तं०-‘सं-डिय मंतिय होत्तिय दम्भ कुसे पद्मए य पोडइला । अज्जुण असाढए रोहियंसे सुयवे य खीर भुसे ॥ ३७ ॥ एरंडे कुरुविदे करजर सुंठे तहा विमंगू य । महुरतण छुरय सिप्पिय बोद्धवे सुंकलितणे य ॥ ३८ ॥ जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं तणा, से किं तं वलया ?, २ अणेगविहा पं० तं०-‘ताल तमाले तक्कलि तेयली साली य सारकत्ताले । सरले जावति केतइ कदली तह धम्मरुक्खे य ॥ ३९ ॥ मु(भु)यरुक्खे हिंगुरुक्खे लवंगुरुक्खे य होइ बोद्धवे । पूयफली खज्जुरी बोद्धवा णालिएरी य ॥ ४० ॥ जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं वलया, से किं तं हरिया ?, २

अणेगविहा पं० तं०-‘अजोरुह वोडाणे हरितग तह तंदुलजगतणे य। वत्थल पोरग मजारयाइ बिल्ली य पालका ॥४१॥ दगपिप्पली य दबी सोत्तिय साए तहेव मंडुकी। मूलग स-
रिसव अंबिल साएय जियंतए चेव ॥४२॥ तुलसे कण्ह उराले फणिजए अजए य भूयणए। वारग दमणग म(ख)रुयग सतपुप्फीदीवरे य तहा ॥४३॥ जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं
हरिया, से किं तं ओसहीओ?, २ अणेगविहाओ पं० तं०-साली वीही गोहूमजवजवजवा कलमसूरतिलमुग्गमासणिप्फावकुलत्थआलिसंदसतीणपलिमंथा अयसीकुसुंभकोद्वकंगूराल-
गमासकोदंसा सणसरिसवमूणि(ल)गबीया जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं ओसहीओ, से किं तं जलरुहा?, २ अणेगविहा पं० तं०-उदए अवए पणए सेवाले कलंबुया हटे कसेरुया
कच्छभाणी उप्पले पउमे कुमुदेणल्लिणे सुभए सुगंधिए पोण्डरीए महापुंडरीयए सयपत्ते सहस्सपत्ते कल्हारे कोकणदे अरविंदे तामरसे भिसे पोक्खले पोक्खलत्थिभूए जे यावन्ने तहप्प-
गारा, सेत्तं जलरुहा, से किं तं कुहणा?, २ अणेगविहा पं० तं०-आए काए कुहणे कुणके दव्हलिया सफाए सज्झाए छत्तोए वंसीण हिताकुरए जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं कुहणा,
‘णाणाविहसंठाणा रुक्खाणं एगजीविया पत्ता। खंधावि एगजीवा तालसरलणालिएरीणं ॥४४॥ जह सगलसरिसवाणं सिलेसमिस्साण वट्टिया विट्ठी। पत्तेयसरीराणं तह होंति सरीरसंधाया
॥४५॥ जह वा तिलपप्पडिया बहुएहिं तिलेहिं संहता संती। पत्तेयसरीराणं तह होंति सरीरसंधाया ॥४६॥ सेत्तं पत्तेयसरीरबादरवणप्फइकाइया। २३। से किं तं साहारणसरीरबादरव-
णस्सइकाइया?, २ अणेगविहा पं० तं०-‘अवए पणए सेवाले लोहिणी मिहुत्थु हुत्थिभागा(य)। अस्सकन्नि सीहकन्नी सिउंढि तत्तो मुसुंढी य ॥४७॥ रुरुकुण्डरिया जीरू छीर विराली
तहेव किट्ठीया। हालिद सिंगबेरे य आतुलुगा मूलए इय ॥४८॥ कंबूयं कन्नुकडं सुमत्तओ वलइ तहेव महुसिंगी। नीरुह सप्पसुयंधा छिन्नरुहा चेव बीयरुहा ॥४९॥ पाढा मियवालुंकी
महुररसा चेव रायवल्ली य। पउमा माढरि दंतीति चंडी किट्ठी(ट्ठी)त्ति यावरा ॥५०॥ मासपणी मुग्गपणी जीवियरसहे य रेणुया चेव। काओली खीरकाओली तहा भंगी नही इय ॥५१॥
किमिरासि भइ मुच्छा, णंगलई पेलुगा इय। किण्हा पउले य हटे, हरतणुया चेव लोयाणी ॥५२॥ कण्हे कंदे वजे सूरणकंदे तहेव खल्लुरे। एए अणंतजीवा जे यावन्ने तहाविहा ॥५३॥
तणमूल कंदमूले, वंसीमूलेत्ति आवरे। संखिजमसंखिजा, बोद्धवाऽणंतजीवा य ॥५४॥ सिंघाडगस्स गुच्छो अणेगजीवो उ होइ नायवो। पत्ता पत्तेयजीवा दोन्नि य जीवा फले भणिया
॥५५॥ जस्स मूलस्स भग्गस्स, समो भंगो पदीसइ। अणंतजीवे उ से मूले, जे यावन्ने तहाविहा ॥५६॥ जस्स कंदस्स भग्गस्स, समो भंगो पदीसइ। अणंतजीवे उ से कंदे, जे यावन्ने
तहाविहा ॥५७॥ जस्स खंधस्स भग्गस्स, समो भंगो पदीसइ। अणंतजीवे उ से खंधे, जे यावन्ने तहाविहा ॥५८॥ जीसे तयाए भग्गाए, समो भंगो पदीसए। अणंतजीवा तया सा उ,
जे यावन्ना तहाविहा ॥५९॥ जस्स सालस्स भग्गस्स, समो भंगो पदीसए। अणंतजीवे य से साले, जे० ॥६०॥ जस्स पवालस्स भग्गस्स, समो०। अणंतजीवे पवाले से, जे० ॥६१॥
जस्स पत्तस्स भग्गस्स, समो०। अणंतजीवे उ से पत्ते, जे० ॥६२॥ जस्स पुप्फस्स भग्गस्स, समो०। अणंतजीवे उ से पुप्फे, जे० ॥६३॥ जस्स फलस्स भग्गस्स, समो०। अणंतजीवे
फले से उ, जे० ॥६४॥ जस्स बीयस्स भग्गस्स, समो०। अणंतजीवे उ से बीए, जे० ॥६५॥ जस्स मूलस्स भग्गस्स, हीरो भं०। परित्तजीवे उ से मूले, जे० ॥६६॥ जस्स कंद०,
हीरो भं०। परित्तजीवे उ से कंदे, जे० ॥६७॥ जस्स खंध०, हीरो०। परित्तजीवे उ से खंधे, जे० ॥६८॥ जीसे तयाए भग्गाए, हीरो०। परित्तजीवा तया सा उ, जे० तहाविहा
॥६९॥ जस्स साल०, हीरो०। परित्तजीवे उ से साले, जे० ॥७०॥ जस्स पवाल०, हीरो०। परित्तजीवे पवाले उ, जे० ॥७१॥ जस्स पत्त०, हीरो०। परित्तजीवे उ से पत्ते, जे० ॥७२॥
जस्स पुप्फ०, हीरो०। परित्तजीवे उ से पुप्फे, जे० ॥७३॥ जस्स फल०, हीरो०। परित्तजीवे फले से उ, जे० ॥७४॥ जस्स बीय०, हीरो०। परित्तजीवे उ से बीए, जे० ॥७५॥ जस्स
मूलस्स कट्ठाओ, छल्ली बहुलतरी भवे। अणंतजीवा उ सा छल्ली, जे० ॥७६॥ जस्स कंदस्स कट्ठाओ, छल्ली०। अणंतजीवा उ सा छल्ली, जे० ॥७७॥ जस्स खंधस्स कट्ठाओ, छल्ली०।
अणंतजीवा उ सा छल्ली, जे० ॥७८॥ जीसे सालाए कट्ठाओ, छल्ली०। अणंतजीवा उ सा छल्ली, जे० ॥७९॥ जस्स मूलस्स कट्ठाओ, छल्ली तणुययरी भवे। परित्तजीवा उ सा छल्ली,
जे० ॥८०॥ जस्स कंदस्स कट्ठाओ, छल्ली तणुययरी भवे। परित्त०, जे० ॥८१॥ जस्स खंधस्स कट्ठाओ, छल्ली०। परित्त०, जे० ॥८२॥ जीसे सालाए कट्ठाओ, छल्ली०। परित्त०,
जे० ॥८३॥ २४। चक्कागं भज्जमाणस्स, गंठी चुन्नघणो भवे। पुढवीसरिसभेएण, अणंतजीवं वियाणाहि ॥८४॥ गूढसिरागं पत्तं सच्छीरं जं च होइ निच्छीरं। जंपि य पणट्ठसन्धि
अणंतजीवं वियाणाहि ॥८५॥ पुप्फा जलया थलया य बिट्ठबद्धा य नालबद्धा य। संखिजमसंखिजा बोद्धवाऽणंतजीवा य ॥८६॥ जे केइ नालियाबद्धा पुप्फा संखिजजीविया
भणिया। निहुया अणंतजीवा जे यावन्ने तहाविहा ॥८७॥ पउमुप्पलिणीकंदे अंतरकंदे तहेव झिल्ली य। एए अणंतजीवा एगो जीवो बिसमुणाले ॥८८॥ पलंडू ल्हसुणकंदे य, कंदली
य कुसुं(प्र० कंदं)बए। एए परित्तजीवा. जे० ॥८९॥ पउमुप्पलनलिणाणं, सुभगसोगंधियाण य। अरविंदकुंकणाणं, सयवत्तसहस्सपत्ताणं ॥९०॥ बिटं बाहिरपत्ता य कन्निया चेव एम-

जीवस्स । अन्धितरगा पत्ता पत्तेयं केसरा मिजा ॥ ९१ ॥ वेणुनल इक्खुवाडिय समासइक्खु य इक्कडेरंडे । करकर सुंठि विहंगू तणाण तह पव्वगाणं च ॥ ९२ ॥ अचिंछ पव्वं बलिमोडओ य एगस्स होंति जीवस्स । पत्तेयं पत्ताइं पुप्फाइं अणेगजीवाइं ॥ ९३ ॥ पूसफलं कालिंगं तुंबं तउसेल एलवालुंकं । घोसालय पंडोलं तिंदूयं चेव तेंदूसं ॥ ९४ ॥ बिंस(टं)मं सकडाहं एयाइं हवंति एगजीवस्स । पत्तेयं पत्ताइं सकेसरं केसरं मिजा ॥ ९५ ॥ सप्फाए सज्झाए उबेहलिया य कुहण कंदुक्के । एए अणंतजीवा कंदुक्के होइ भयणा उ ॥ ९६ ॥ २५ । बीए जो-णिब्भूए जीवो वक्कमइ सो व अन्नो वा । जोऽविय मूले जीवो सोऽविय पत्ते पढमयाए ॥ ९७ ॥ सबोऽवि किसलओ खलु उग्गममाणो अणंतओ भणिओ । सो चेव विवड्ढंतो होइ परित्तो अणंतो वा ॥ ९८ ॥ समयं वक्कताणं समयं तेसिं सरीरनिव्वत्ती । समयं आणुग्गहणं समयं ऊसासनीसासो ॥ ९९ ॥ इक्कस्स उ जं गहणं बहूण साहारणाण तं चेव । जं बहुयाणं गहणं समासओ तंपि इक्कस्स ॥ १०० ॥ साहारणमाहारो साहारणमाणपाणगहणं च । साहारणजीवाणं साहारणलक्खणं एयं ॥ १ ॥ जह अयगोलो धंतो जाओ तत्ततवणिज्जसंकासो । सबो अगणिपरिणओ निगोयजीवे तहा जाण ॥ २ ॥ एगस्स दोण्ह तिण्ह व संखिज्जाण व न पासिउं सक्का । दीसंति सरीराइं निगोयजीवाणऽणंतारणं ॥ ३ ॥ लोगागासपएसे निगोयजीवं ठवेहि इक्किंकं । एवं मविज्जमाणा हवंति लोगा अणंता उ ॥ ४ ॥ लोगागासपएसे परित्तजीवं ठवेहि इक्किंकं । एवं मविज्जमाणा हवंति लोगा असंखिज्जा ॥ ५ ॥ पत्तेया पज्जत्ता पयरस्स असंखभागमित्ता उ । लोगाऽसंखा पज्जत्तयाण साहारणमणंता ॥ ६ ॥ एएहिं सरीरेहिं पच्चक्खं ते परूविया जीवा । सुहुमा आणागिज्झा चक्खुप्फासं न ते इति ॥ १०७ ॥ जे यावन्ने तह-प्पगारा, ते समासओ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं असंपत्ता, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा तेसिं णं वन्नाएसेणं गंधाएसेणं रसाएसेणं फासा-एसेणं सहस्सग्गसो विहाणाइं संखिज्जाइं जोणिप्पमुहसयसहस्साइं, पज्जत्तगनीसाए अपज्जत्तगा वक्कमंति जत्थ एगो तत्थ सिय संखिज्जा सिय असंखिज्जा सिय अणंता, एएसिं णं इमाओ गाहाओ अणुगंतवाओ, तं०-कंदा य कंदमूला य, रुक्खमूला इयावरे । गुच्छा य गुम्म वल्ली य, वेणुयाणि तणाणि य ॥ ८ ॥ पउमुप्पल १० संघाडे हडे य सेवाल किण्हए पणए । अवए य कच्छभाऽऽणी कंदुक्केगूणवीसइमे ॥ ९ ॥ तयछल्लिपवालेसु (य), पत्तपुप्फफलेसु य । मूलग्गमज्झबीएसु, जोणी कस्सवि कित्तिया ॥ ११० ॥ सेत्तं साहारणसरीरबायरवणस्सइ-काइया, सेत्तं बायरवणस्सकाइया, सेत्तं वणस्सइकाइया, सेत्तं एगिंदिया । २६ । से किं तं बेइंदिया ?, २ अणेगविहा पं० तं०-पुलाकिमिया कुच्छिकिमिया गंदूयलगा गोलोमा णेउरा सो-मंगलगा वंसीमुहा सूइमुहा गोजलोया जलोया जालाउया संखा संखणगा घुल्ला खुल्ला गुलया खंधा वराडा सोत्तिया मुत्तिया कलुयावासा एगओवत्ता दुहओवत्ता नंदियावत्ता संबुक्का माइवाहा सिप्पिसंपुडा चंदणा समुहल्लिक्खा जे यावन्ने तहप्पगारा, सबे ते संमुच्छिमा णपुंसगा, ते समासओ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, एएसिं णं एवमाइयाणं बेइ-दियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं सत्त जाइकुलकोडिजोणीपमुहसयसहस्सा भवंतीति मक्खायं, सेत्तं बेइंदियसंसारसमावन्नजीवपन्नवणा । २७ । से किं तं तेइंदियसंसारसमावन्नजीवपन्नव-णा ?, २ अणेगविहा पं० तं०-ओवइया रोहिणिया कुंथू पिपीलिया उइंसगा उदेहिया उक्कलिया उप्पाया उप्पडा तणहारा कट्टहारा मालुया पत्ताहारा तणबेंटिया पत्तबेंटिया पुप्फबेंटिया फलबेंटिया बीयबेंटिया तेवुरणमिजिया तओसिमिजिया कप्पासट्टिमिजिया हिल्लिया झिल्लिया झिगिरा किंगिरिडा बाहुया लहुया सुमगा सोवत्थिया सुयबेंटा इंदकाइया इंदगोवया तुरुंतुंबगा कुत्थलवाहगा जूया हालाहला पिसुया सयवाइया गोम्ही हत्थिसोंडा जे यावन्ने तहप्पगारा, सबे ते संमुच्छिमा नपुंसगा, ते समासओ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्ज-त्तगा य, एएसिं णं एवमाइयाणं तेइंदियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं अट्ट जाइकुलकोडिजोणिप्पमुहसयसहस्सा भवंतीतिमक्खायं, सेत्तं तेइंदियसंसारसमावन्नजीवपन्नवणा । २८ । से किं तं चउरिंदियसंसारसमावन्नजीवपन्नवणा ?, २ अणेगविहा पं० तं०-अंधिय पोत्तिय मच्छिय मसगा कीडे तहा पर्यंगे य । ढंकुण कुक्कुड कुक्कुह नंदावत्ते य सिंगिरिडे ॥ १११ ॥ किण्हपत्ता नीलपत्ता लोहियपत्ता हालिइपत्ता सुक्किल्लपत्ता चित्तपक्खा विचित्तपक्खा ओहंजलिया जलचारिया गंभीरा णीणिया तंतवा अच्छिरोडा अच्छिवेहा सारंगा नेउरा दोला भमरा भरिली जरूला तोट्टा विंछुया पत्तविच्छुया छाणविच्छुया जलविच्छुया पियंगाला कणगा गोमयकीडा जे यावन्ने तहप्पगारा, सबे ते संमुच्छिमा नपुंसगा, ते समासओ दुविहा पं० तं०-पज्ज-त्तगा य अपज्जत्तगा य, एएसिं णं एवमाइयाणं चउरिंदियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं नव जाइकुलकोडिजोणिप्पमुहसयसहस्साइं भवंतीतिमक्खायं, सेत्तं चउरिंदियसंसारसमावन्नजीवप-न्नवणा । २९ । से किं तं पंचेइंदियसंसारसमावन्नजीवपन्नवणा ?, २ चउबिहा पं० तं०-नेरइयपंचिंदियसंसारसमावन्नजीवपन्नवणा तिरिक्खजोणियपंचिंदिय० मणुस्सपंचिंदिय० देवपं-चिंदि० । ३० । से किं तं नेरइया ?, २ सत्तविहा पं० तं०-रयणप्पभापुढवीनेरइया सक्करप्पभा० वालुयप्पभा० पंकप्पभा० धूमप्पभा० तमप्पभा० तमतमप्पभा०, ते समासओ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, सेत्तं नेरइया । ३१ । से किं तं पंचिंदियतिरिक्खजोणिया ?, २ तिविहा पं० तं०-जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया य थलयर० य खहयर० य

। ३२। से किं तं जलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया ?, २ पंचविहा पं० तं०-मच्छा कच्छभा गाहा मगरा सुंसुमारा, से किं तं मच्छा !, मच्छा अणेगविहा पं० तं०-सण्हमच्छा खवल्ल-
मच्छा जुंगमच्छा विज्झाडियमच्छा हल्लिमच्छा मगरिमच्छा रोहियमच्छा हली सागरा गागरा वडा वडगरा गब्भया उसगारा तिमितिमिगिला णक्का तंदुलमच्छा कणिक्कामच्छा सा-
ल्लिस्थियामच्छा लंभणमच्छा पडागा पडागाइपडागा जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं मच्छा, से किं तं कच्छभा !, २ दुविहा पं० तं०-अट्टिकच्छभा य मंसकच्छभा य, सेत्तं कच्छभा,
से किं तं गाहा ?, २ पंचविहा पं० तं०-दिली वेढगा मुद्धया पुलया सीमागारा, सेत्तं गाहा, से किं तं मगरा ?, २ दुविहा पं० तं०-सोंडमगरा य मट्टमगरा य, सेत्तं मगरा, से किं तं
सुंसुमारा ?, २ एगागारा पं०, सेत्तं सुंसुमारा, जे यावन्ने तहप्पगारा, ते समासओ दुविहा पं० तं०-संमुच्छिमा य गब्भवक्कंतिया य, तत्थ णं जे ते संमुच्छिमा ते सब्बे नपुंसगा, तत्थ णं
जे ते गब्भवक्कंतिया ते तिविहा पं० तं०-इत्थी पुरिसा नपुंसगा, एएसिं णं एवमाइयाणं जलयरपंचिदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं अद्धतेरसजाइकुलकोडिजोणिप्पमुहसय-
सहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, सेत्तं जलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया । ३३। से किं तं थलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया ?, २ दुविहा पं० तं०-चउप्पयथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया
य परिसप्पथलयर० य, से किं तं चउप्पयथलयर० ?, २ चउव्विहा पं० तं०-एगखुरा बिखुरा गंडीपदा सणप्फदा, से किं तं एगखुरा ?, २ अणेगविहा पं० तं०-अस्सा अस्सतरा घोडगा गदभा
गोरक्खरा कंदलगा सिरिकंदलगा आवत्तगा जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं एगखुरा, से किं तं बिखुरा ?, २ अणेगविहा पं० तं०-उट्टा गोणा गवया रोज्झा पसुया महिसा मिया संबरा
वराहा अया एलगरुसरभचमरकुरंगोक्कमादि जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं दुखुरा, से किं तं गंडीपया ?, २ अणेगविहा पं० तं०-हत्थी हत्थीपूयणया मंकुणहत्थी खग्गा गंडा जे या-
वन्ने०, सेत्तं गंडीपया, से किं तं सणप्फया ?, २ अणेगविहा पं० तं०-सीहा वग्घा दीविया अच्छा परच्छा परस्सरा सियाला बिडाला सुणगा कोलसुणगा कोकंतिया ससगा चित्तगा
चिल्ललगा जे यावन्ने०, सेत्तं सणप्फया, ते समासओ दुविहा पं० तं०-संमुच्छिमा य गब्भवक्कन्तिया य, तत्थ णं जे ते संमुच्छिमा ते सब्बे नपुंसगा, तत्थ णं जे ते गब्भवक्कंतिया ते
तिविहा पं० तं०-इत्थी पुरिसा णपुंसगा, एएसिं णं एवमाइयाणं थलयरपंचिदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं दसजाइकुलकोडिजोणिप्पमुहसयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं,
सेत्तं चउप्पयथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया । ३४। से किं तं परिसप्पथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया ?, २ दुविहा पं० तं०-उरपरिसप्प० य भुयपरिसप्प० य, से किं तं उरपरिसप्प० ?,
२ चउव्विहा पं० तं०-अही अयगरा आसालिया महोरगा, से किं तं अही ?, २ दुविहा पं० तं०-दव्वीकरा य मउलिणो य, से किं तं दव्वीकरा ?, २ अणेगविहा पं० तं०-आसीविसा दिट्ठी-
विसा उग्गविसा भोगवीसा तयाविसा लालाविसा उस्सासविसा नीसासविसा कण्हसप्पा सेदसप्पा काओदरा दज्झ(ब्भ)पुप्फा कालाहा मेलिमिंदा सेसिंदा जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं
दव्वीकरा, से किं तं मउलिणो ?, २ अणेगविहा पं० तं०-दिवागा गोणसा कसाहीया वइउला चित्तलिणो मंडलिणो मालिणो अही अहिसलागा वासपडागा जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं
मउलिणो, सेत्तं अही, से किं तं अयगरा ?, २ एगागारा पं०, सेत्तं अयगरा, से किं तं आसालिया ?, कहिं णं भंते ! आसालिया संमुच्छंति ?, गो० ! अंतो मणुस्सखित्ते अट्ठाइज्जेसु दीवेसु
निवाघाएणं पन्नरससु कम्मभूमीसु वाघायं पडुच्च पंचसु महाविदेहेसु चक्कवट्ठिखंधावारेसु वासुदेवखंधावारेसु बलदेवखंधावारेसु मंडलियखंधावारेसु महामंडलियखंधावारेसु गामनिवेसेसु
णगरनिवेसेसु णिगमनिवेसेसु खेडनिवेसेसु कब्बडनिवेसेसु मडंबनिवेसेसु दोणमुहनिवेसेसु पट्टणनिवेसेसु आगरनिवेसेसु आसमनिवेसेसु संवाहनिवेसेसु रायहाणीनिवेसेसु एएसिं णं चेव विणा-
सेसु एत्थ णं आसालिया संमुच्छंति जह० अंगुलस्स असंखेज्जइभागमित्ताए ओगाहणाए उक्को० बारसजोयणाइं तयणुरूवं च णं विक्खंभबाहल्लेणं भूमीं दालित्ताणं समुट्ठेइ, असन्नी
मिच्छादिट्ठी अण्णाणी अंतोमुहुत्तइद्धाउया चेव कालं करेन्ति, सेत्तं आसालिया, से किं तं महोरगा ?, २ अणेगविहा पं० तं०-अत्थेगइआ अंगुलं पि अंगुलपुहुत्तियावि वियत्थिपि विय-
त्थिपुहुत्तियावि रयणिपि रयणिपुहुत्तियावि कुच्छिपि कुच्छिपुहुत्तियावि धणुं पि धणुपुहुत्तियावि गाउयं पि गाउयपुहुत्तियावि जोयणं पि जोयणपुहुत्तियावि जोयणसयं पि जोयणसयपु-
हुत्तियावि जोयणसहस्सं पि, ते णं थले जाता जलेऽवि चरंति थलेऽवि चरन्ति, ते णत्थि इहं, बाहिरएसु दीवेसु समुहएसु हवन्ति, जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं महोरगा, ते समासओ दुविहा
पं० तं०-संमुच्छिमा य गब्भवक्कंतिया य, तत्थ णं जे ते संमुच्छिमा ते सब्बे नपुंसगा, तत्थ णं जे ते गब्भवक्कंतिया ते णं तिविहा पं० तं०-इत्थी पुरिसा नपुंसगा, एएसिं णं एवमा-
इयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं उरपरिसप्पाणं दस जाइकुलकोडिजोणिप्पमुहसयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, सेत्तं उरपरिसप्पा, से किं तं भुयपरिसप्पा ?, २ अणेगविहा पं० तं०-नउला सेहा
सरडा सल्ला सरंठा सारा खोरा घोइला विस्संभरा मूसा मंगुसा पयलाइया छीरविरालिया जहा चउप्पइया जे यावन्ने तहप्पगारा, ते समासओ दुविहा पं० तं०-संमुच्छिमा य गब्भ-
वक्कंतिया य, तत्थ णं जे ते संमुच्छिमा ते सब्बे नपुंसगा, तत्थ णं जे ते गब्भवक्कंतिया ते णं तिविहा पं० तं०-इत्थी पुरिसा नपुंसगा, एएसिं णं एवमाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं भुयपरिस-
प्पाणं नव जाइकुलकोडिजोणिप्पमुहसयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, सेत्तं भुयपरिसप्पथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया, सेत्तं परिसप्पथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया । ३५। (१७०)

से किं तं खहयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया ?, २ चउव्विहा पं० तं०-चम्मपक्खी लोमपक्खी समुग्गपक्खी विययपक्खी, से किं तं चम्मपक्खी ?, २ अणेगविहा पं० तं०-वग्गुली जलोया
 अडिह्ठा भासंडपक्खी जीवंचीवा समुदवायसा कण्णत्ति पक्खिविरालिया जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं चम्मपक्खी, से किं तं लोमपक्खी ?, २ अणेगविहा पं० तं०-ढंका कंका कुरला
 वायसा चक्कागा हंसा कलहंसा रायहंसा पायहंसा आडा सेडी वगा बलागा पारिप्पवा कोंचा सारसा मेसरा मसूरा मयूरा सत्तहत्था गहरा पोंडरीया कागा कामिंजुया वंजुलगा ति-
 त्तिरा वट्टगा लावगा कवोया कविंजला पारेवया चिडगा चासा कुकुडा सुगा बरहिणो मयणसलागा कोइला सेहा वरिल्लगमाई, सेत्तं लोमपक्खी, से किं तं समुग्गपक्खी ?, २ एगागारा
 पं०, ते णं नत्थि इहं बाहिरएसु दीवसमुद्देसु भवन्ति, सेत्तं समुग्गपक्खी, से किं तं विययपक्खी ?, २ एगागारा पं०, ते णं नत्थि इह, बाहिरएसु दीवसमुद्देसु भवन्ति, सेत्तं विययपक्खी,
 ते समासओ दुविहा पं० तं०-संमुच्छिमा य गम्भवक्कंतिया य, तत्थ णं जे ते संमुच्छिमा ते सब्बे नपुंसगा, तत्थ णं जे ते गम्भवक्कंतिया ते णं ति विहा पं० तं०-इत्थी पुरिसा नपुंसगा,
 एएसिं णं एवमाइयाणं खहयरपंचिदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं बारस जाइकुलकोडिजोणिपमुहसयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, 'सत्तट्ठ जाइकुलकोडिलक्ख नव अद्धते-
 रसाइं च । दस दस य होन्ति नवगा तह बारस चेव बोद्धव्वा ॥ ११२ ॥ सेत्तं खहयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया, सेत्तं पंचिदियतिरिक्खजोणिया, सेत्तं तिरिक्खजोणिया । ३६ । से किं तं
 मणुस्सा ?, २ दुविहा पं० तं०-संमुच्छिममणुस्सा य गम्भवक्कंतियमणुस्सा य, से किं तं संमुच्छिममणुस्सा ?, कहिं णं भंते ! संमुच्छिममणुस्सा संमुच्छंति ?, गो० ! अंतो मणुस्सखित्ते
 पणयालीसाए जोयणसयसहस्सेसु अड्ढाइजेसु दीवसमुद्देसु पन्नरससु कम्मभूमीसु तीसाए अकम्मभूमीसु छप्पन्नाए अंतरदीवएसु गम्भवक्कंतियमणुस्साणं चेव उच्चारसु वा पासव-
 णेसु वा खेलेसु वा सिंघाणएसु वा वंतेसु वा पित्तेसु वा पूएसु वा सोणिएसु वा सुक्केसु वा सुक्कपुग्गलपरिसाडेसु वा विगयजीवकलेवरेसु वा थीपुरिससंजोएसु वा नगरनिद्धमणेसु वा सब्बेसु
 चेव असुइट्ठाणेसु, एत्थ णं संमुच्छिममणुस्सा संमुच्छंति, अंगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्ताए ओगाहणाए असक्की मिच्छादिट्ठी अन्नाणी सव्वाहिं पज्जत्तीहिं अपज्जत्तगा अंतोमुहुत्ताउया
 चेव कालं करेंति, सेत्तं संमुच्छिममणुस्सा, से किं तं गम्भवक्कंतियमणुस्सा ?, २ ति विहा पं० तं०-कम्मभूमगा अकम्मभूमगा अन्तरदीवगा, से किं तं अन्तरदीवगा ?, २ अट्ठावीसविहा
 पं० तं०-एगोरुया आहासिया वेसाणिया णंगोला हयकन्ना गयकन्ना गोकन्ना सकुलिकन्ना आयंसमुहा मेंढमुहा अयोमुहा गोमुहा आसमुहा हत्थिमुहा सीहमुहा वग्घमुहा आस-
 कन्ना हरिकन्ना अकन्ना कण्णपाउरणा उक्कामुहा मेहमुहा विज्जुमुहा विज्जुदंता घणदंता लट्ठदंता गूढदंता सुद्धदंता, सेत्तं अन्तरदीवगा, से किं तं अकम्मभूमगा ?, २ तीसविहा पं०
 तं०-पंचहिं हेमवएहिं पंचहिं हिरण्णवएहिं पंचहिं हरिवासेहिं पंचहिं रम्मगवासेहिं पंचहिं देवकुरूहिं पंचहिं उत्तरकुरूहिं, सेत्तं अकम्मभूमगा, से किं तं कम्मभूमगा ?, २ पन्नरसविहा
 पं० तं०-पंचहिं भरहेहिं पंचहिं एरवएहिं पंचहिं महाविदेहेहिं, ते समासओ दुविहा पं० तं०-आ(य)रिया य मिलक्खू य, से किं तं मिलक्खू ?, २ अणेगविहा पं० तं०-सगा जवणा
 चिलाया सबरब्बरमुरंडोइभडगनिण्णगपक्कणिया कुलक्खगोंडसिंहलपारसगोधा कोंचअंबडइल्लदमिलचिल्लपुलिंदहाणरोसदोचवोक्काणगन्धा हारवा बहलियअज्झलरोमपासपउसा मल-
 या य बंधुया य सूयलिकोंकणगमेयपल्हवमालवमग्गरआभासिया कणवीरल्हसियखसा खासियणेदूरमोंढडोंबिलगलओसपओसकक्केयअक्खागहूणरोमगभरुमरुयचिलायवियवासी य
 एवमाई, सेत्तं मिलक्खू, से किं तं आ(य)रिया ?, २ दुविहा पं० तं०-इड्ढिपत्ता(य)रिया य अणिड्ढिपत्ता(य)रिया य, से किं तं इड्ढिपत्ता(य)रिया ?, २ छव्विहा पं० तं०-अरहंता चक्कवट्ठी
 बलदेवा वासुदेवा चारणा विजाहरा, सेत्तं इड्ढिपत्ता(य)रिया, से किं तं अणिड्ढिपत्ता(य)रिया ?, २ नवविहा पं० तं०-खेत्ता(य)रिया जातिआ(य)रिया कुलारिया कम्मारिया सिप्पा-
 रिआ भासारिया नाणारिया दंसणारिया चारित्तारिया, से किं तं खेत्तारिया ?, २ अद्धछव्वीसतिविहाणा पं० तं०-‘रायगिह मगह चंपा अंगा तह तामलित्ति वंगा य । कंचणपुरं कलिंगा
 वाणारसी चेव कासी य ॥ ३ ॥ साएय कोसला गयपुरं च कुरु सोरियं कुसट्ठा य । कंपिल्लं पंचाला अहिच्छत्ता जंगला १० चेव ॥ ४ ॥ बारवई सोरट्ठा मिहिल विदेहा य वच्छ कोसंबी ।
 नंदिपुरं संडिल्ला भदिलपुरमेव मलया य ॥ ५ ॥ वइराड वच्छ वरणा अच्छा तह मत्तियावइ दसण्णा । सोत्तियवई य चेदी वीयभयं सिंधुसोवीरा २० ॥ ६ ॥ महुरा य सूरसेणा पावा भंगी
 य मास पुरिवट्ठा । सावत्थी य कुणाला कोडीवरिसं च लाटा य ॥ ७ ॥ सेयवियाविय णयरी केकयअद्धं च २५ ॥ आरियं भणियं । इत्थुप्पत्ती जिणाणं चक्कीणं रामकण्हाणं ॥ ८ ॥ सेत्तं
 खेत्तारिया, से किं तं जाइआरिया ?, २ छव्विहा पं० तं०-‘अंबट्ठा य कलिंदा य, विदेहा वेदगाइया । हरिया चुंचुणा चेव, छ एया इब्भजाइओ ॥ ११९ ॥ सेत्तं जाइआरिया, से किं तं कुला-
 रिया ?, २ छव्विहा पं० तं०-उग्गा भोगा राइन्ना इक्खागा णाया कोरव्वा, सेत्तं कुलारिया, से किं तं कम्मारिया ?, २ अणेगविहा पं० तं०-दोसिया सुत्तिया कप्पासिया सुत्तवेयालिया
 भंडवेयालिया कोलालिया नरवाहणिया जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं कम्मारिया, से किं तं सिप्पारिया ?, २ अणेगविहा पं० तं०-तुण्णागा तंतुवाया पट्टागा दे(प्र० रा वे) यडा वरुट्ठा

छत्रिया कट्टपाउयारा मुंजपाउयारा छत्तारा वज्झारा पुत्थारा लेप्पारा चित्तारा संखारा दंतारा भंडारा जिज्झागारा सेल्लारा कोडिगारा जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं सिप्पारिया, से किं तं भासारिया?, २ जे णं अद्धमागहाए भासाए भासेति तत्थवि य णं जत्थ बंभी लिबी पवत्तइ, बंभीए णं लिबीए अट्टारसविहे लेक्खविहाणे पं० तं०-बंभी जवणालिया दोसापुरिया खरोट्ठी पुक्खरसारिया भोगवइया पहराइया अंतक्खरिया अक्खरपुट्टिया वेणइया १० निहइयां अंकलिबी गणियलिबी गंधवलिबी आर्यंसलिबी माहेसरी दोमिलिबी पोलिन्दी १८, सेत्तं भासारिया, से किं तं नाणारिया?, २ पंचविहा पं० तं०-आभिणिबोहियनाणारिया सुय० ओहि० मणपज्व० केवलनाणारिया, सेत्तं नाणारिया, से किं तं दंसणारिया?, २ दुविहा पं० तं०-सरागदंसणारिया य वीयरायदंसणारिया य, से किं तं सरागदंसणारिया?, २ दसविहा पं० तं०-निसग्गुवएसरुई आणरुई सुत्तबीयरुइमेव। अभिगमवित्थाररुई किरियासंखेवधम्मरुई ॥ १२० ॥ भूयत्थेणाहिगया जीवाजीवे य पुण्णपावं च। सहसंमुइया आसवसंवरे य रोएइ उ निसग्गा ॥ १ ॥ जो जिणदिट्ठे भावे चउव्विहे सदहाइ सयमेव। एमेव नन्नहत्ति य निसग्गरुइत्ति नायवो ॥ २ ॥ एए चेव उ भावे उवदिट्ठे जो परेण सदहइ। छउमत्थेण जिणेण व उवएसरुइत्ति नायवो ॥ ३ ॥ जो हेउमयाणंतो आणाए रोयए पवयणं तु। एमेव नन्नहत्ति य एसो आणारुई नाम ॥ ४ ॥ जो सुत्तमहिज्जन्तो सुएण ओगाहई उ सम्मत्तं। अंगेण बाहिरेण व सो सुत्तरुइत्ति नायवो ॥ ५ ॥ एगपएऽणेगाइं पदाइं जो पसरई उ सम्मत्तं। उदएव तिल्लिबिंदू सो बीयरुइत्ति नायवो ॥ ६ ॥ सो होइ अभिगमरुई सुयनाणं जस्स अत्थओ दिट्ठं। इक्कारस अंगाइं पइन्नगा दिट्ठिवाओ य ॥ ७ ॥ दव्वाण सव्वभावा सव्वपमाणेहिं जस्स उवलद्धा। सव्वाहिं नयविहीहिं वित्थाररुइत्ति नायवो ॥ ८ ॥ दंसणनाणचरित्ते तवविणए सच्चसमिइगुत्तीसु। जो किरियाभावरुई सो खलु किरियारुई नाम ॥ ९ ॥ अणभिग्गहियकुदिट्ठी संखेवरुइत्ति होइ नायवो। अविसारओ पवयणे अणभिग्गहिओ य सेसेसु ॥ १३० ॥ जो अत्थिकायधम्मं सुयधम्मं खलु चरित्तधम्मं च। सदहइ जिणाभिहियं सो धम्मरुइत्ति नायवो ॥ १ ॥ परमत्थसंथवो वा सुदिट्ठपरमत्थसेवणा वावि। वावन्नकुदंसणवज्जणा य सम्मत्तसदहणा ॥ २ ॥ निस्संकिय निक्कंखिय निव्वितिगिच्छा अमूढदिट्ठी य। उववूह थिरीकरणे वच्छल्ल पभावणे अट्ठ ॥ १३३ ॥ सेत्तं सरागदंसणारिया, से किं तं वीयरायदंसणारिया?, २ दुविहा पं० तं०-उवसंतकसायवीयरायदंसणारिया य खीणकसायवीयरायदंसणारिया य, से किं तं उवसंत०?, २ दुविहा पं० तं०-पढमसमयउवसंत० य अपढमसमयउवसंत० य, अहवा चरिमसमय० य अचरिमसमय० य, से किं तं खीणकसायवीयरायदंसणारिया?, २ दुविहा पं० तं०-छउमत्थखीण० केवलखीण० य, से किं तं छउमत्थखीण०?, २ दुविहा पं० तं०-सयंबुद्धच्छउमत्थखीण० य बुद्धबोहियच्छउमत्थखीण० य, से किं तं सयंबुद्धच्छउमत्थखीण०?, २ दुविहा पं० तं०-पढमसमयसयंबुद्ध० य अपढमसमय० य, अहवा चरिमसमय० य अचरिमसमय० य, सेत्तं सयंबुद्धच्छउमत्थखीण०, से किं तं बुद्धबोहियच्छउमत्थखीण०?, २ दुविहा पं० तं०-पढमसमयबुद्धबोहिय० य अपढमसमयबुद्धबोहिय० य, अहवा चरिमसमय० य अचरिमसमय० य, सेत्तं छउमत्थखीण०, से किं तं केवलखीण०?, २ दुविहा पं० तं०-सजोगि-केवलखीण० य अजोगिकेवलखीण० य, से किं तं सजोगिकेवलि०?, २ दुविहा पं० तं०-पढमसमयसजोगिकेवलि० य अपढमसमयसजोगिकेवलि० य, अहवा चरिमसमयसजोगि० य अचरिमसमयसजोगि०, य सेत्तं सजोगिकेवलि०, से किं तं अजोगिकेवलि०?, २ दुविहा पं० तं०-पढमसमयअजोगिकेवलि० य अपढमसमयअजोगिकेवलि० य, अहवा चरिमसमयअजोगि० य अचरिमसमयअजोगि० य, सेत्तं अजोगिकेवलखी०, सेत्तं केवलखीण०, सेत्तं खीणकसायवीयरायदंसणारिया, सेत्तं दंसणारिया, से किं तं चरित्तारिया?, २ दुविहा पं० तं०-सरागचरित्तारिया य वीयरगचरित्तारिया य, से किं तं सरागचरित्तारिया?, २ दुविहा पं० तं०-सुहुमसंपरायसरागचरित्तारिया य बायरसंपराय० य, से किं तं सुहुमसंपराय०?, २ दुविहा पं० तं०-पढमसमयसुहुम० य अपढमसमयसुहुम० य, अहवा चरिमसमयसुहुम० य अचरिमसमय० य, अहवा सुहुमसंपराय० दुविहा पं० तं०-संकिलिस्समाण० य विसुज्झमाण० य, सेत्तं सुहुमसंपराय०, से किं तं बादरसंपरायसरागचरित्तारिया?, २ दुविहा पं० तं०-पढमसमयबादरसंपराय० य अपढमसमयबादर० य, अहवा चरिमसमयबादर० य अचरिमसमयबादर० य, अहवा बादरसंपरायसरागचरित्तारिया दुविहा पं० तं०-पडिवाई य अपडिवाई य, सेत्तं बादरसंपरायसरागचरित्तारिया, सेत्तं सरागचरित्तारिया, से किं तं वीयर-यचरित्तारिया?, २ दुविहा पं० तं०-उवसंतकसायवीयरायचरित्तारिया य खीणकसाय० य, से किं तं उवसंतकसायवीयरायचरित्तारिया?, २ दुविहा पं० तं०-पढमसमयउवसंतकसाय० य अपढमसमय० य, अहवा चरिमसमय० य अचरिमसमय० य, सेत्तं उवसंतकसायवीयरायचरित्तारिया, से किं तं खीणकसायवीयरायचरित्तारिया?, २ दुविहा पं० तं०-छउमत्थखी-णकसायवीयरायचरित्तारिया य केवलखीण० य, से किं तं छउमत्थखीण०?, २ दुविहा पं० तं०-सयंबुद्धच्छउमत्थखीण० य बुद्धबोहियच्छउमत्थखीण० य, से किं तं सयंबुद्धच्छ-उमत्थ०?, २ दुविहा पं० तं०-पढमसमयसयंबुद्धच्छउमत्थ० य अपढमसमयसयंबुद्धच्छउमत्थ० य, अहवा चरिमसमयसयंबुद्धच्छउमत्थ० य अचरिमसमयसयंबुद्धच्छउमत्थ० य,

सेत्तं सयंबुद्धस्त्रीणकसायवीयरायचरित्तारिया, से किं तं बुद्धबोहियच्छउमत्थस्त्रीणकसायवीयरायचरित्तारिया ?, २ दुविहा पं० तं०-पढमसमयबुद्धबोहिय० य अपढमसमयबुद्धबोहिय०
 य, अहवा चरिमसमयबुद्धबोहिय० य अचरिमसमयबुद्धबोहिय० य, सेत्तं बुद्धबोहिय०, सेत्तं छउमत्थस्त्रीणकसायवीयरायचरित्तारिया, से किं तं केवलस्त्रीणकसायवीयरायचरित्तारिया
 रिया ?, २ दुविहा पं० तं०-सजोगिकेवलस्त्रीणकसायवीयरायचरित्तारिया य अजोगिकेवलि० य, से किं तं सजोगिकेवलि० ?, २ दुविहा पं० तं०-पढमसमयसजोगिकेवलि० य अपढ-
 मसमयसजोगिकेवलि० य, अहवा चरिमसमयसजोगिकेवलि० य अचरिमसमयसजोगिकेवलि० य, सेत्तं सजोगिकेवलि०, से किं तं अजोगिकेवलस्त्रीणकसायवीयरायचरित्तारिया ?
 २ दुविहा पं० तं०-पढमसमयअजोगिके० य अपढमसमयअजोगि० य, अहवा चरिमसमयअजोगि० य अचरिमसमयअजोगि० य, सेत्तं अजोगिकेवलस्त्रीण०. सेत्तं केवलस्त्री-
 णकसाय०, सेत्तं स्त्रीणकसायवीयरायचरित्तारिया, सेत्तं वीयरायचरित्तारिया, अहवा चरित्तारिया पंचविहा पं० तं०-सामाइयचरित्तारिया छेदोवट्टावणीयचरित्तारिया परिहारविमुद्धि-
 चरित्तारिया सुहुमसंपरायचरित्तारिया अहक्खायचरित्तारिया य, से किं तं सामाइयचरित्तारिया ?, २ दुविहा पं० तं०-इत्तरियसामाइयचरित्तारिया य आवकहियसामाइयचरित्तारिया
 य, सेत्तं सामाइयचरित्तारिया, से किं तं छेदोवट्टावणीयचरित्तारिया ?, २ दुविहा पं० तं०-साइयारच्छेदोवट्टावणीयचरित्तारिया य निरइयारच्छेदोवट्टावणीयचरित्तारिया य, सेत्तं छेदा-
 वट्टावणीयचरित्तारिया, से किं तं परिहारविसुद्धियचरित्तारिया ?, २ दुविहा पं० तं०-निव्विस्समाणपरिहार० य निव्विट्टकाइयपरिहार० य, सेत्तं परिहारविमुद्धियचरित्तारिया, से किं तं
 सुहुमसंपरायचरित्तारिया ?, २ दुविहा पं० तं०-संकिलिस्समाणसुहुम० य विसुज्झमाणसुहुम० य, सेत्तं सुहुमसंपरायचरित्तारिया, से किं तं अहक्खायचरित्तारिया ? २ दुविहा पं०
 तं०-छउमत्थअहक्खायचरित्तारिया य केवलिअहक्खायचरित्तारिया य, सेत्तं अहक्खायचरित्तारिया, सेत्तं चरित्तारिया, सेत्तं अणिट्ठिपत्तारिया, सेत्तं कम्मभूमगा, सेत्तं गम्भवक्कंनिया,
 सेत्तं मणुस्सा । ३७ । से किं तं देवा ?, २ चउविहा पं० तं०-भवणवासी वाणमंतरा जोइसिया वेमाणिया, से किं तं भवणवासी ?, २ दसविहा पं० तं०-अमुरकुमारा नाग० मुवन्न० विज्जु०
 अग्गि० दीव० उदहि० दिसा० वाउ० थणियकुमारा, ते समासओ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, सेत्तं भवणवासी, से किं तं वाणमंतरा ?, २ अट्टविहा पं० तं०-किन्नरा
 किंपुरिसा महोरगा गंधवा जक्खा रक्खसा भूया पिसाचा, ते समासओ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, सेत्तं वाणमन्तरा, से किं तं जोइसिया ?, २ पंचविहा पं० तं०-चंदा
 सूरा गहा नक्खत्ता तारा, ते समासओ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, सेत्तं जोइसिया, से किं तं वेमाणिया ?, २ दुविहा पं० तं०-कप्पोवगा य कप्पाइया य, से किं तं
 कप्पोवगा ?, २ बारसविहा पं० तं०-सोहम्मा ईसाणा सणकुमारा माहिंदा बंभलोया लंतया महासुक्का सहस्सारा आणया पाणआ आरणा अच्चुया, ते समासओ दुविहा पं० तं०-
 पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, सेत्तं कप्पोवगा, से किं तं कप्पाइया ?, २ दुविहा पं० तं०-गेविज्जगा य अणुत्तरोववाइया य, से किं तं गेविज्जगा ?, २ नवविहा पं० तं०-हिट्ठिमहिट्ठिमगे-
 विज्जगा हिट्ठिममज्झिमगेविज्जगा हिट्ठिमउवरिमगेविज्जगा मज्झिमहेट्ठिमगे० मज्झिममज्झिमगे० मज्झिमउवरिमगे० उवरिमहेट्ठिमगे० उवरिममज्झिमगे० उवरिमउवरिमगे०. ते
 समासओ दुविहा पं० तं० पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, सेत्तं गेविज्जगा, से किं तं अणुत्तरोववाइया ?, २ पंचविहा पं० तं०-विजया वेजयन्ता जयन्ता अपराजिता सव्वट्टसिद्धा. ते स-
 मासओ दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, सेत्तं अणुत्तरोववाइया, सेत्तं कप्पाइया, सेत्तं वेमाणिया, सेत्तं देवा. सेत्तं पंचिदिया, सेत्तं संसारसमावन्नजीवपन्नवणा. सेत्तं
 जीवपन्नवणा, सेत्तं पन्नवणा । ३८ ॥ पण्णवणाए भगवईए पण्णवणापयं १॥ कहिं णं भंते ! बादरपुढवीकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पं० ? गो० ! सट्टाणेणं अट्टसु पुढवीसु. तं०-रयणप्पभाए
 सक्कर० वालुय० पंक० धूम० तम० तमतम० ईसीपम्भाराए, अहोलोए पायालेसु भवणेसु भवणपत्थडेसु निरएसु निरयावलियासु निरयपत्थडेसु. उड्ढलोए कप्पेसु विमाणेसु विमा-
 णावलियासु विमाणपत्थडेसु, तिरियलोए टंकेसु कूडेसु सेलेसु सिहरीसु पम्भारेसु विजएसु वक्खारेसु वासेसु वासहरपव्वएसु वेलासु वेइयासु दारेसु तोरणेसु दीवेसु समुडेसु. एत्थ णं
 बायरपुढवीकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पं०, उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे सट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे. कहिं णं भंते ! बादरपुढवी-
 काइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पं० ? गो० ! जत्थेव बादरपुढवीकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पं० तत्थेव बादरपुढवीकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पं०. उववाएणं सबलोए समुग्घाएणं
 सबलोए सट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, कहिं णं भंते ! सुहुमपुढवीकाइयाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं य ठाणा पं० ? गो० ! सुहुमपुढवीकाइया जे पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सबे
 एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सबलोयपरियावन्नगा पं० समणाउसो !, कहिं णं भंते ! बादरआउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पं० ? गो० ! सट्टाणेणं सत्तसु घणोदहीसु सत्तसु घणोद-
 हिवलयेसु अहोलोए पायालेसु भवणेसु भवणपत्थडेसु उड्ढलोए कप्पेसु विमाणेसु विमाणावलियासु विमाणपत्थडेसु तिरियलोए अगडेसु तलाएसु नदीसु दहेसु वावीसु पुक्खरिणीसु

दीहियासु गुंजालियासु सरेसु सरपंतियासु सरसरपंतियासु बिलेसु बिलपंतियासु उज्झरेसु निज्झरेसु चिल्ललेसु पल्ललेसु वप्पिणेसु दीवेसु समुद्देसु सव्वेसु चेव जलासएसु जलठाणेसु, एत्थं णं बादरआउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पं०, उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, कहिं णं भंते ! बादर-
 आउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पं० ?, गो० ! जत्थेव बादरआउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पं० तत्थेव बादरआउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पं०, उववाएणं सव्वलोए समुग्घा-
 येणं सव्वलोए सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, कहिं णं भंते ! सुहुमआउकाइयाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं य ठाणा पं० ?, गो० ! सुहुमआउकाइया जे पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे
 एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सव्वलोयपरियावन्नगा पं० समणाउसो !, कहिं णं भंते ! बायरतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पं० ?, गो० ! सट्ठाणेणं अंतोमणुस्सखेत्ते अड्ढाइजेसु दीवसमुद्देसु
 निव्वाघायेणं पन्नरससु कम्मभूमीसु वाघायं पडुच्च पंचसु महाविदेहेसु एत्थं बादरतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पं०, उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे समुग्घाएणं लोयस्स असंखे-
 ज्जइभागे सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, कहिं णं भंते ! बायरतेउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पं० ?, गो० ! जत्थेव बायरतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पं० तत्थेव बायरतेउ०
 अपज्ज० ठाणा पं०, उववाएणं लोयस्स दोसु उड्ढकवाडेसु तिरियलोयतट्ठे य समुग्घाएणं सव्वलोए सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, कहिं णं भंते ! सुहुमतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं य
 अपज्जत्तगाणं य ठाणा पं० ?, गो० ! सुहुमतेउकाइया जे पज्जत्तगा जे अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सव्वलोयपरियावन्नगा पं० समणाउसो ! । ३९ । कहिं णं भंते !
 बादरवाउकाइयाणं ठाणा पं० ?, गो० ! सट्ठाणेणं सत्तसु घणवाएसु सत्तसु घणवायवलएसु सत्तसु तणुवाएसु सत्तसु तणुवायवलेसु अहोलोए पायालेसु भवणेसु भवणपत्थडेसु भवण-
 च्छिदेसु भवणनिक्खुडेसु निरएसु निरयावलियासु निरयपत्थडेसु निरयच्छिदेसु निरयनिक्खुडेसु उड्ढलोए कप्पेसु विमाणेसु विमाणावलियासु विमाणपत्थडेसु विमाणच्छिदेसु वि-
 माणनिक्खुडेसु तिरियलोए पाईणपडीणदाहिणउदीण० सव्वेसु चेव लोगागासच्छिदेसु लोगनिक्खुडेसु य एत्थं णं बादरवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पं०, उववाएणं लोयस्स असंखे-
 ज्जेसु भागेसु समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जेसु भागेसु सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जेसु भागेसु, कहिं णं भंते ! अपज्जत्तबादरवाउकाइयाणं ठाणा पं० ?, गो० ! जत्थेव बादरवाउकाइयाणं
 पज्जत्तगाणं ठाणा तत्थेव बादरवाउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पं०, उववाएणं सव्वलोए समुग्घाएणं सव्वलोए सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जेसु भागेसु, कहिं णं भंते ! सुहुमवाउका-
 इयाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं य ठाणा पं० ?, गो० ! सुहुमवाउकाइया जे पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सव्वलोयपरियावन्नगा पं० समणाउसो !,
 कहिं णं भंते ! बादरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पं० ?, गो० ! सट्ठाणेणं सत्तसु घणोदहीसु सत्तसु घणोदहिवलयेसु अहोलोए पायालेसु भवणेसु भवणपत्थडेसु उड्ढलोए कप्पेसु
 विमाणेसु विमाणावलियासु विमाणपत्थडेसु तिरियलोए अगडेसु तडागेसु नदीसु दहेसु वावीसु पुक्खरिणीसु दीहियासु गुंजालियासु सरेसु सरपंतियासु सरसरपंतियासु बिलेसु बिल-
 पंतियासु उज्झरेसु निज्झरेसु चिल्ललेसु पल्ललेसु वप्पिणेसु दीवेसु समुद्देसु सव्वेसु चेव जलासएसु जलठाणेसु एत्थं णं बादरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पं०, उववाएणं सव्वलोए
 समुग्घाएणं सव्वलोए सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, कहिं णं भंते ! बादरवणस्सइकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पं० ?, गो० ! जत्थेव बादरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा तत्थेव
 बादरवणस्सइकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पं०, उववाएणं सव्वलोए समुग्घाएणं सव्वलोए सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, कहिं णं भंते ! सुहुमवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं अपज्ज-
 त्तागाणं य ठाणा पं० ?, गो० ! सुहुमवणस्सइकाइया जे य पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सव्वलोयपरियावन्नगा पं० समणाउसो ! । ४० । कहिं णं भंते !
 बेइंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पं० ?, गो० ! उड्ढलोए तदेक्कदेसभागे अहोलोए तदेक्कदेसभागे तिरियलोए अगडेसु तलाएसु नदीसु दहेसु वावीसु पुक्खरिणीसु दीहियासु गुंजालि-
 यासु सरेसु सरपंतियासु सरसरपंतियासु बिलेसु बिलपंतियासु उज्झरेसु निज्झरेसु चिल्ललेसु पल्ललेसु वप्पिणेसु दीवेसु समुद्देसु सव्वेसु चेव जलासएसु जलठाणेसु एत्थं णं बेइंदियाणं
 पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पं०, उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, कहिं णं भंते ! तेइंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं
 ठाणा पं० ?, गो० ! उड्ढलोए तदेक्कदेसभागे अहोलोए तदेक्कदेसभागे तिरियलोए अगडेसु तलाएसु नदीसु दहेसु वावीसु पुक्खरिणीसु दीहियासु गुंजालियासु सरेसु सरपंतियासु सर-
 सरपंतियासु बिलेसु बिलपंतियासु उज्झरेसु निज्झरेसु चिल्ललेसु पल्ललेसु वप्पिणेसु दीवेसु समुद्देसु सव्वेसु चेव जलासएसु जलठाणेसु एत्थं णं तेइंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पं०,
 उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, कहिं णं भंते ! चउरिंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पं० ?, गो० ! उड्ढ-
 लोए तदेक्कदेसभागे अहोलोए तदेक्कदेसभागे तिरियलोए-अगडेसु० समुद्देसु सव्वेसु चेव जलासयेसु जलठाणेसु एत्थं णं चउरिंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पं०, उववाएणं लोयस्स
 असंखेज्जइभागे समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, कहिं णं भंते ! पंचिंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पं० ?, गो० ! उड्ढलोयस्स (१७१)

तदेकदेसभाए अहोलोयस्स तदेकदेसभाए तिरियलोए अगडेसु० समुहेसु सवेसु चेव जलासएसु जलठाणेसु एत्थ णं पंचिदियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, उववाएणं लोयस्स असं-
खेज्जइभागे समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । ४१ । कहिं णं भंते ! नेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! नेरइया परिवसन्ति ?,
गो० ! सट्ठाणेणं सत्तसु पुढवीसु तं०-रयणप्पभाए सक्कर० वालुय० पंकप्प० धूमप्प० तमप्प० तमतमप्पभाए एत्थ णं नेरइयाणं चउरासीई निरयावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते
णं नरगा अंतो वट्ठा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिया निच्चंधयारतमसा ववगयगहचंदसूरनक्खत्तजोइसियपहा मेदवसापूयपडलरुहिरमांसचिक्खिल्लित्ताणुलेवणतला असुइबी-
भच्छा (असुई वीसा पा०) परमदुब्धिगंधा काउयअगणिवन्नाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा नरगा असुभा नरगेसु वेयणाओ एत्थ णं नेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०,
उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, एत्थ णं बहवे नेरइया परिवसन्ति काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा
उत्तासणगा परमकिण्हा वज्जेणं पं० समणाउसो !, ते णं तत्थ निच्चं भीता निच्चं तत्था निच्चं तसिया निच्चं उव्विग्गा निच्चं परममसुहसंबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरन्ति । ४२ ।
कहिं णं भंते ! रयणप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! रयणप्पभापुढवीनेरइया परिवसन्ति ?, गो० ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसय-
सहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्समोगाहित्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं रयणप्पभापुढवीनेरइयाणं तीसं निरयावाससयसहस्सा
भवन्तीतिमक्खायं, ते णं नरगा अंतो वट्ठा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिया निच्चंधयारतमसा ववगयगहचंदसूरणक्खत्तजोइसप्पहा मेदवसापूयपडलरुहिरमांसचिक्खिल्लित्ता-
णुलेवणतला असुई वीसा परमदुब्धिगंधा काउअगणिवन्नाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा नरगा असुभा नरगेसु वेयणाओ, एत्थ णं रयणप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं
ठाणा पं०, उववाएणं समुग्घाएणं सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे रय० पुढवीनेरइया परिवसन्ति काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणगा परमकिण्हा
वज्जेणं पं० समणाउसो !, ते णं निच्चं भीता० णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरन्ति, कहिं णं भंते ! सक्करप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! सक्करप्पभापुढवी-
नेरइया परिवसन्ति ?, गो० ! सक्करप्पभापुढवीए बत्तीसुत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे तीसुत्तरे जोयणसय-
सहस्से एत्थ णं सक्करप्पभापुढवीनेरइयाणं पणवीसं निरयावाससयसहस्सा हवन्तीतिमक्खायं, ते णं नरगा अंतो वट्ठा बाहिं चउरंसा० असुभा नरगा असुभा नरगेसु वेयणाओ, एत्थ
णं सक्करप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, उववाएणं समुग्घाएणं सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे सक्करप्पभापुढवीनेरइया परिवसन्ति काला० विहर-
न्ति, कहिं णं भंते ! वालुयप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! वालुयप्पभापुढवीनेरइया परिवसन्ति ?, गो० ! वालुयप्पभापुढवीए अट्ठावीसुत्तरजोयणसयस-
हस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे छवीसुत्तरजोयणसयसहस्से एत्थ णं वालुयप्पभापुढवीनेरइयाणं पन्नरसं निरयावाससयसहस्सा
भवन्तीतिमक्खायं, ते णं नरगा अंतो वट्ठा बाहिं चउरंसा० एत्थ णं वालुयप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, उववाएणं समुग्घाएणं सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे,
तत्थ णं बहवे वालुयप्पभापुढवीनेरइया परिवसन्ति काला० विहरन्ति, कहिं णं भंते ! पंकप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! पंकप्पभापुढवीनेरइया परिव-
सन्ति ?, गो० ! पंकप्पभापुढवीए वीसुत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठारसुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ
णं पंकप्पभापुढवीनेरइयाणं दसं निरयावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं नरगा अंतो वट्ठा०, एत्थ णं पंकप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, उववाएणं समुग्घा-
एणं सट्ठाणेणं लो० असं०, तत्थ णं बहवे पंकप्पभापुढवीनेरइया परिवसन्ति, काला कालोभासा० विहरन्ति, कहिं णं भन्ते ! धूमप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं
णं भंते ! धूमप्पभापुढवीनेरइया परिवसन्ति ?, गो० ! धूमप्पभापुढवीए अट्ठारसुत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे
सोलसुत्तरजोयणसयसहस्से एत्थ णं धूमप्पभापुढवीनेरइयाणं तिन्नि निरयावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं नरगा अंतो वट्ठा०, एत्थ णं धूमप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्ताप-
ज्जत्ताणं ठाणा पं०, उववाएणं समुग्घाएणं सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, एत्थ णं बहवे धूमप्पभापुढवीनेरइया परिवसन्ति, काला० विहरन्ति, कहिं णं भंते ! तमापुढवीनेरइयाणं
पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! तमापुढवीनेरइया परिवसन्ति ?, गो० ! तमाए पुढवीए सोलसुत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हिट्ठा चेगं
जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे चउदसुत्तरजोयणसयसहस्से एत्थ णं तमप्पभापुढवीनेरइयाणं एगे पंचूणे णरगावाससयसहस्से हवन्तीतिमक्खायं, ते णं नरगा अंतो वट्ठा० एत्थ णं

तमापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, उववाएणं समुग्घाएणं सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे तमप्पभापुढवीनेरइया परिवसंति, काला० विहरन्ति, कहिं णं भंते ! तमतमापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! तमतमापुढवीनेरइया परिवसंति ?, गो० ! तमतमाए पुढवीए अट्ठोत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं अद्द-
तेवन्नं जोयणसहस्साइं ओगाहिता हेट्ठावि अद्दतेवन्नं जोयणसहस्साइं वज्जित्ता मज्झे तीसु जोयणसहस्सेसु एत्थ णं तमतमापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं पंचदिसिं पंच अणुत्तरा
महइमहालया महानिरया पं० तं०-काले महाकाले रोरुए महारोरुए अपइट्ठाणे, ते णं नरगा अंतो वट्ठा०, एत्थ णं तमतमापुढवीनेरइयाणं० ठाणा पं०, उववाएणं लोयस्स असंखे-
ज्जइभागे समुग्घाएणं० सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे तमतमापुढवीनेरइया परिवसंति, काला कालोभासा० विहरन्ति, 'आसीयं बत्तीसं अट्ठावीसं च हुंति वीसं च ।
अट्ठारस सोलसगं अट्ठुत्तरमेव हिट्ठिमिया ॥ १३४ ॥ अट्ठुत्तरं च तीसं छट्ठीसं चेव सयसहस्सं तु । अट्ठारस सोलसगं चउदसमहियं तु छट्ठीए ॥ ५ ॥ अद्दतिवन्नसहस्सा उवरिमहे
वज्जिऊण तो भणियं । मज्झे तिसहस्सेसु होन्ति उ नरगा तमतमाए ॥ ६ ॥ तीसा य पन्नवीसा पन्नरस दसेव सयसहस्साइं । तिन्नि य पंचूणेगं पंचेव अणुत्तरा नरगा ॥ १३७ ॥ ४३ । कहिं णं
भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०?, गो० ! उड्ढलोए तदेक्कदेसभाए अहोलोए तदेक्कदेसभाए तिरियलोए अगडेसु तलाये० समुद्देसु सब्बेसु चेव जलासएसु
जलठाणेसु एत्थ णं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइ-
भागे । ४४ । कहिं णं भंते ! मणुस्साणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०?, गो० ! अंतो मणुस्सखेत्ते पणयालीसाए जोयणसयसहस्सेसु अड्ढाइजेसु दीवसमुद्देसु पन्नरससु कम्मभूमीसु तीसाए
अकम्मभूमीसु छप्पन्नाए अंतरदीवेसु एत्थ णं मणुस्साणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे समुग्घाएणं सब्बलोए सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभाए । ४५ ।
कहिं णं भंते ! भवणवासीणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० ? कहिं णं भंते ! भवणवासी देवा परिवसंति ?, गो० ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए
उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं भवणवासीणं देवाणं सत्त भवणकोडीओ बावत्तरिं भवणावासस-
यसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं भवणा बाहिं वट्ठा अंतो चउरंसा अहे पुक्खरकन्नियासंठाणसंठिया उक्किन्नंतरविउलगंभीरखातफलिहा पागारट्ठालयकवाडतोरणपडिदुवारदेसभागा
जंतसयग्घि(प्र० मुसल)मुसंढिपरियारिया अउज्झा सदाजया सदागुत्ता अड्यालकोट्टगरइया अड्यालकयवणमाला खेमा सिवा किंकरामरदंडोवरक्खिया लाउल्लोइयमहिया गोसीस-
सरसरत्तचंदणदहरदिन्नपंचंगुलितला उवचियचंदणकलसा चंदणघडसुकयतोरणपडिदुवारदेसभागा आसत्तोसत्तविउलवट्ठवग्घारियमल्लदामकलावा पंचवन्नसरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजो-
वयारकलिया कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमघंमघंतगंधुदुयाभिरामा सुगंधवरगंधिया गंधवट्ठिभूया अच्छरगणसंघसंविगिन्ना दिव्वतुडियसहसंपणातिया सव्वरयणामया अच्छा
सण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा णीरया निम्मला निप्पंका निक्कं कडच्छाया सप्पहा ससिरिया समिरिया सउज्जोया पासादीया दरिसणिजा अभिरूवा पडिरूवा, एत्थ णं भवणवासिदेवाणं पज्ज-
त्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे भवणवासी देवा परिवसंति, तं०-
'असुरा नाग सुवन्ना विज्जू अग्गी य दीव उदही य । दिसिपवणथणियनामा दसहा एए भवणवासी ॥ १३८ ॥ चूडामणिमउडरयणभूसणणागफडागरुलवडरपुन्नकलसंकउप्फेसा सीह-
मगरगयंकअस्सवरवद्धमाणनिज्जुत्तचित्तचिंधगता सुरूवा महडिढया महज्जुइआ महब्बला महायसा महाणुभावा महेसक्खा (महासोक्खा, महासक्खा पा०) हारविराडअवच्छा
कडगतुडियथंभियभुआ अंगदकुंडलमट्ठगंडतला कन्नपीढधारी विचित्तहत्थाभरणा विचित्तमालामउलिमउडा कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया कल्लाणगपवरमल्लाणुलेवणधरा भासुरबोदी
पलंबवणमालधरा दिव्वेणं वन्नेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघयणेणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चीए दिव्वेणं
तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा ते णं तत्थ साणं २ भवणावाससयसहस्साणं साणं २ सामाणियसाहस्सीणं साणं २ तायत्तीसाणं साणं २ लोगपालाणं साणं
२ अग्गमहिशीणं साणं २ परिसाणं साणं २ अणिआणं साणं २ अणिआहिर्वईणं साणं २ आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं भवणवासीणं देवाणं य देवीणं य आहेवच्चं पोरेवच्चं
सामित्तं भट्ठित्तं महत्तरगतं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा पालेमाणा महताहतनट्ठगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुडंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति । कहिं
णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! असुरकुमारा देवा परिवसंति ?, गो० ! इमीसे रयण० पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं
जोयणसहस्सं ओगाहिता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं असुरकुमाराणं देवाणं चउसट्ठिं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं

भवणा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा पुक्खरकभियासंठाणसंठिया उक्किन्नंतरविउलंगंभीरखायफलिहा पागारट्टालगसुकडतोरणपडिदुवारदेसभागा जंतसयग्घिमुसलमुसंढिपरियारिया अउ-
ज्झा सदाजया सदागुत्ता अडयालकोट्टगरइया अडयालकयवणमाला खेमा सिवा किंकरामरदंडोवरक्खिया लाउल्लोइयमहिया गोसीसरसरत्तचंदणदहरदिन्नपंचंगुलितला उवचितचं-
दणकलसा चंदणघडसुकयतोरणपडिदुवारदेसभागा आसत्तोसत्तविउलवट्टवग्घारियमल्लदामकलावा पंचवन्नसरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिया कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कडज्झंतधू-
वमघमघंतगंधुदुयाभिरामा सुगंधवरगंधिया गंधवट्टिभूया अच्छरगणसंघसंविगिन्ना दिव्वतुडियसइसंपणादिया सब्बरयणामया अच्छा सण्हा लण्हा घट्टा मट्टा णीरया निम्मला निप्पंका
निक्कंकडच्छाया सप्पभा सस्सिरीया समिरीया सउज्जोया पासादीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा एत्थ णं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, उववाएणं लोयस्स
असंखेज्झइभागे समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्झइभागे सट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्झइभागे, तत्थ णं बहवे असुरकुमारा देवा परिवसंति काला लोहियक्खविंबोटा धवलपुप्फदंता असिय-
केसा वामे एगकुंडलधरा अइचंदणाणुलित्तगत्ता ईसीसिलिंधपुप्फपगासाइं असंकिलिट्टाईं सुहुमाईं वत्थाईं पवरपरिहिया वयं च पढमं समइक्कंता बिइयं च वयं असंपत्ता भदे जोव्वणे
वट्टमाणा तलभंगयतुडियपवरभूसणनिम्मलमणिरयणमंडितभुया दसमुद्दामंडियग्गहत्था चूडामणिविचित्तचिंधगया सुरूवा महिडिठया महज्जुइया महायसा महब्बला महाणुभागा
महासोक्खा हारविराइयवच्छा कडयतुडियथंभियभुया अंगयकुंडलमट्टगंडयला कन्नपीढधारी विचित्तहत्थाभरणा विचित्तमालामउली कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया कल्लाणगमल्लाणुले-
वणधरा भासुरबोदी पलंबवणमालधरा दिव्वेणं वन्नेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघयणेणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए
दिव्वाए अच्छीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणे तत्थ साणं २ भवणावाससयसहस्साणं साणं २ सामाणियसाहस्सीणं साणं २ तायत्तीसाणं
साणं २ आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं भवणवासीणं देवाणं य देवीणं य आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महत्तरगत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा पालेमाणा महताहतनट्ट-
गीतवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाईं भुंजमाणा विहरंति, चमरबलिणो इत्थ दुवे असुरकुमारिंदा असुरकुमारायाणो परिवसंति काला महानील-
सरिसा णीलगुलिअगवलअयसिकुसुमप्पगासा वियसियसयवत्तणिम्मलईसिसितरत्ततंबणयणा गरुलाययउज्जुतुंगनासा उवचियसियप्पवालबिंबफलसंनिहाहरोट्टा पंडुरससिसगलविमल-
निम्मलदहिघणसंखगोक्खीरकुंददगरयमुणालियाधवलदंतसेढी हुयवहनिद्धंतधोयतत्तवणिज्जरत्ततलतालुजीहा अंजणघणकसिणगरुयगरमणिज्जणिद्धकेसा वामेयकुंडलधरा अइचंद-
णाणुलित्तगत्ता० दिव्वाइं भोगभागाईं भुंजमाणा विहरंति, कहिं णं भंते! दाहिणिह्ठाणं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते! दाहिणिह्ठा असुरकुमारा
देवा परिवसंति?, गो०! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए० जोयणसयसहस्से एत्थ णं दाहिणिह्ठाणं असुरकुमाराणं देवाणं चउत्तीसं भवणावास-
सयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं भवणा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा सो चेव वण्णओ जाव पडिरूवा, एत्थ णं दाहिणिह्ठाणं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, ती-
सुवि लोगस्स असंखज्झइभागे, तत्थ णं बहवे दाहिणिह्ठा असुरकुमारा देवा देवीओ परिवसंति काला लोहियक्खा तहेव जाव भुंजमाणा विहरंति, एएसिं णं तहेव तायत्तीसगलोगपाला
भवन्ति, एवं सब्बत्थ भाणियच्चं भवणवासीणं, चमरे इत्थ असुरकुमारिंदे असुरकुमाराया परिवसति काले महानीलसरिसे जाव पभासेमाणे, से णं तत्थ चउत्तीसाए भवणावाससयसह-
स्साणं चउसट्टीए सामाणियसाहस्सीणं तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं चउण्हं लोगपालाणं पंचण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाहिर्वईणं
चउण्हं य चउसट्टीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं दाहिणिह्ठाणं देवाणं देवीणं य आहेवच्चं पोरेवच्चं जाव विहरंति, कहिं णं भंते! उत्तरिह्ठाणं असुरकुमाराणं देवाणं पज्ज-
त्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते! उत्तरिह्ठा असुरकुमारा देवा परिवसंति?, गो०! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसह-
स्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हिट्टा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्टहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं उत्तरिह्ठाणं असुरकुमाराणं देवाणं तीसं भवणावासस-
यसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं भवणा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा सेसं जहा दाहिणिह्ठाणं जाव विहरंति, बली एत्थ वइरोयणिंदे वइरोयणराया परिवसति काले महानीलसरिसे जाव
पभासेमाणे, से णं तत्थ तीसाए भवणावाससयसहस्साणं सट्टीए सामाणियसाहस्सीणं तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं चउण्हं लोगपालाणं पंचण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं
सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाहिर्वईणं चउण्हं य-सट्टीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं उत्तरिह्ठाणं असुरकुमाराणं देवाणं य देवीणं य आहेवच्चं पोरेवच्चं० कुव्वमाणे०
विहरइ, कहिं णं भंते! नागकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते! नागकुमारा देवा पारवसंति?, गो०! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसह-

स्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जिता मज्झे अट्टहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं नागकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं चुलसीई भवणा-
वाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं भवणा बाहिं वट्ठा अंतो चउरंसा जाव पडिरूवा, तत्थ णागकुमाराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० तीसुवि लोगस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं
बहवे नागकुमारा देवा परिवसंति महिडिढया सेसं जहा ओहियाणं जाव विहरंति, धरणभूयाणंदा एत्थ णं दुवे णागकुमारिंदा णागकुमाररायाणो परिवसंति महिडिढया सेसं जहा ओ-
हियाणं जाव विहरंति, कहिं णं भंते ! दाहिणिह्ठाणं नागकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! दाहिणिह्ठा नागकुमारा देवा परिवसंति ?, गो० ! जंबुदीवे दीवे
मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जिता मज्झे अट्टहुत्तरे
जोयणसयसहस्से एत्थ णं दाहिणिह्ठाणं नागकुमाराणं देवाणं चउयालीसं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं भवणा बाहिं वट्ठा जाव पडिरूवा, एत्थ णं दाहिणिह्ठाणं
नागकुमाराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, तीसुवि लोयस्स असंखेज्जइभागे, एत्थ णं दाहिणिह्ठा नागकुमारा देवा परिवसंति महिडिढया जाव विहरंति, धरणे इत्थ नागकुमारिंदे
नागकुमारराया परिवसइ महिडिढए जाव पभासेमाणे, से णं तत्थ चउयालीसाए भवणावाससयसहस्साणं छण्हं सामाणियसाहस्सीणं० छण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं
सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाहिवईणं चउवीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं दाहिणिह्ठाणं नागकुमाराणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं० कुवमाणे० विहरइ,
कहिं णं भंते ! उत्तरिह्ठाणं नागकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! उत्तरिह्ठा नागकुमारा देवा परिवसंति ?, गो० ! जम्बुदीवे दीवे मन्दरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं
इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जिता मज्झे अट्टहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं
उत्तरिह्ठाणं नागकुमाराणं देवाणं चत्तालीसं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं भवणा बाहिं वट्ठा सेसं जहा दाहिणिह्ठाणं जाव विहरंति, भूयाणंदे एत्थ नागकुमारिंदे
नागकुमारराया परिवसइ महिडिढीए जाव पभासेमाणे, से णं तत्थ चत्तालीसाए भवणावाससयसहस्साणं आहेवच्चं जाव विहरइ, कहिं णं भंते ! सुवन्नकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं
ठाणा पं० कहिं णं भंते ! सुवन्नकुमारा देवा परिवसंति ?, गो० ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव एत्थ णं सुवन्नकुमाराणं देवाणं बावत्तरिं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं,
ते णं भवणा बाहिं वट्ठा जाव पडिरूवा, तत्थ णं सुवन्नकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, जाव तिसुवि लोगस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे सुवन्नकुमारा देवा परिवसंति
महिडिढया सेसं जहा ओहियाणं जाव विहरंति, वेणुदेवे वेणुदाली य इत्थ दुवे सुवण्णकुमारिंदा सुवण्णकुमाररायाणो परिवसंति महिडिढया जाव विहरंति, कहिं णं भंते ! दाहिणिह्ठाणं
सुवण्णकुमाराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! दाहिणिह्ठा सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति ?, गो० ! इमीसे जाव मज्झे अट्टहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं दाहिणिह्ठाणं
सुवण्णकुमाराणं अट्टत्तीसं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं भवणा बाहिं वट्ठा जाव पडिरूवा, एत्थ णं दाहिणिह्ठाणं सुवण्णकुमाराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा० तिसुवि
लोगस्स असंखेज्जइभागे, एत्थ णं बहवे सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति, वेणुदेवे य इत्थ सुवण्णकुमारिंदे सुवण्णकुमारराया परिवसइ, सेसं जहा नागकुमाराणं, कहिं णं भंते ! उत्तरिह्ठाणं
सुवण्णकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! उत्तरिह्ठा सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति ?, गो० ! इमीसे रयणप्पभाए जाव एत्थ णं उत्तरिह्ठाणं सुवण्णकुमाराणं
चउतीसं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं भवणा जाव एत्थ णं बहवे उत्तरिह्ठा सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति महिडिढया जाव विहरंति, वेणुदाली इत्थ सुवण्णकुमारिंदे
सुवण्णकुमारराया परिवसइ महिडिढीए सेसं जहा नागकुमाराणं, एवं जहा सुवण्णकुमाराणं वत्तव्वया भणिया तहा सेसाणवि चउदसण्हं इंदणं भाणियव्वा, नवरं भवणणाणत्तं इंदणाणत्तं
वन्नणाणत्तं परिहाणणाणत्तं च इमाहिं गाहाहिं अणुगंतव्वं- 'चउसट्ठि असुराणं चुलसीतं चेव होंति नागाणं । बावत्तरिं सुवण्णे वाउकुमाराण छन्नउई ॥ १३९ ॥ दीवदिसाउदहीणं वि-
ज्जुकुमारिंदथणियमग्गीणं । छण्हंपि जुअलयाणं छावत्तरिमो सयसहस्सा ॥ १४० ॥ चउतीसा चउयाला अट्टत्तीसं च सयसहस्साइ । पन्ना चत्तालीसा दाहिणओ हुंति भवणाइ ॥ १ ॥
तीसा चत्तालीसा चउतीसं चेव सयसहस्साइ । छायाला छत्तीसा उत्तरओ हुंति भवणाइ ॥ २ ॥ चउसट्ठी सट्ठी खलु छच्च सहस्साइ असुरवज्जाणं । सामाणिआ उ एए चउग्गुणा आयरक्खा
उ ॥ ३ ॥ चमरे धरणे तह वेणुदेवे हरिकंत अग्गिसीहे य । पुन्ने जलकंते या अमिय विलम्बे य घोसे य ॥ ४ ॥ बलि भूयाणंदे वेणुदालि हरिस्सह अग्गिमाणव वसिट्ठे । जलपह तहऽमिय-
वाहणे पभंजणे य महाघोसे ॥ ५ ॥ उत्तरिह्ठाणं जाव विहरंति, 'काला असुरकुमारा नागा उदही य पंदुरा दोवि । वरकणगनिहसगोरा हुंति सुवण्णा दिसा थणिया ॥ ६ ॥ उत्तत्तकणग-
वन्ना विज्जू अग्गी य होंति दीवा य । सामा पियंगुवन्ना वाउकुमारा मुणेयव्वा ॥ ७ ॥ असुरेसु हुंति रत्ता सिलिंधपुप्फप्पभा य नागुदही । आसासगवसणधरा होंति सुवण्णा दिसा थणिया
॥ ८ ॥ नीलाणुरागवसणा विज्जू अग्गी य हुंति दीवा य । संझाणुरागवसणा वाउकुमारा मुणेयव्वा ॥ १४९ ॥ ४६ । कहिं णं भंते ! वाणमंतराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० (१७२)

कहिं णं भंते ! वाणमंतरा देवा परिवसंति ?, गो० ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगाहिता हिट्ठावि एगं जोयण-
 सयं वज्जित्ता मज्झे अट्टसु जोयणसएसु एत्थ णं वाणमंतराणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जनगरावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं भोमेज्जा णगरा बाहिं वट्ठा अंतो चउरंसा
 अहे० एत्थ णं वाणमंतराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० तीसुवि लोयस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे वाणमंतरा देवा परिवसंति, तं०-पिसाया भूया जक्खा रक्खसा किं-
 नरा किंपुरिसा भुयगवइणो महाकाया गन्धव्वगणा य निउणगंधव्वगीयरइणो अणवन्नियपणवन्नियइसिवाइयभूयवाइयकंदियमहाकंदियकुहंडपयंगदेवा चंचलचलचवलाचित्तकीलणदव-
 प्पिया गहिरहसियगीयणचणरई वणमालामेलमउडकुंडलसच्छंदविउव्वियाभरणचारुभूषणधरा सबोउयसुरभिकुसुमसुरइयपलंबसोहंतकंतविहसंतचित्तवणमालरइयवच्छा कामग(का
 पा०)मा कामरूयदेहधारी णाणाविहवण्णरागवरवत्थललंतचित्तचिह(हलं)गनियंसणा विविहदेसिनेवत्थगहियवेसा पमुइयकंदप्पकलहकेलिकोलाहलप्पिया हासबोलवहुत्ता असिमु-
 ग्गरसत्तिकुंतहत्था अणेगमणिरयणविविहनिज्जुत्तविचित्तचिधगया सुरूवा महिडिढया० ते णं तत्थ साणं २ असंखेज्जभोमेज्जनगरावाससयसहस्साणं साणं २ सामाणियसाहस्सीणं
 साणं २ अग्गमहिसीणं साणं २ परिसाणं साणं २ अणीयाणं साणं २ अणीयाहिवईणं साणं २ आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं वाणमंतराणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं
 पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महत्तरगतं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा पालेमाणा महयाहयनट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिवाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा वि-
 हरंति । ४७ । कहिं णं भंते ! पिसायाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! पिसाया देवा परिवसंति ?, गो० ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयण-
 सहस्सबाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगाहिता हेट्ठा चेगं जोयणसयं वज्जित्ता मज्झे अट्टसु जोयणसएसु एत्थ णं पिसायाणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जनगरावाससयसह-
 स्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं भोमेज्जनगरा बाहिं वट्ठा जहा ओहिओ भवणवन्नओ तहा भाणियव्वा जाव पडिरूवा, एत्थ णं पिसायाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, तिसुवि लोयस्स
 असंखेज्जइभागे, तत्थ बहवे पिसाया देवा परिवसंति महिडिढया जहा ओहिया जाव विहरन्ति, कालमहाकाला इत्थ दुवे पिसायिंदा पिसायरायाणो परिवसंति महिडिढया मह-
 ज्जुइया जाव विहरंति, कहिं णं भंते ! दाहिणिल्लाणं पिसायाणं देवाणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! दाहिणिल्ला पिसाया देवा परिवसंति ?, गो० ! जंबुदीवे दीवे मन्दरस्स पव्वयस्स दाहि-
 णेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगाहिता हेट्ठा चेगं जोयणसयं वज्जित्ता मज्झे अट्टसु जोयणसएसु एत्थ
 णं दाहिणिल्लाणं पिसायाणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जनगरावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं भवणा जहा ओहिओ भवणवन्नओ तहा भाणियव्वा जाव पडिरूवा,
 एत्थ णं दाहिणिल्लाणं पिसायाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, तिसुवि लोयस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे दाहिणिल्ला पिसाया देवा परिवसंति महिडिढया जहा
 ओहिया जाव विहरंति, काले एत्थ पिसायिंदे पिसायराया परिवसइ महिडिढीए जाव पभासेमाणे, से णं तत्थ तिरियमसंखेज्जाणं भोमेज्जनगरावाससयसहस्साणं चउण्हं सामाणिय-
 साहस्सीणं चउण्हं य अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाहिवईणं सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं दाहिणिल्लाणं वाणमं-
 तराणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं जाव विहरइ, उत्तरिल्लाणं पुच्छा, गो० ! जहेव दाहिणिल्लाणं वत्तवया तहेव उत्तरिल्लाणंपि, णवरं मन्दरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं महाकाले एत्थ पिसा-
 पिसायराया परिवसइ जाव विहरइ, एवं जहा पिसायाणं तहा भूयाणंपि जाव गंधव्वाणं नवरं इंदेसु णाणत्तं भाणियव्वं इमेण विहिणा-भूयाणं सुरूवपडिरूवा, जक्खाणं पुन्नभइमाणि-
 भइ, रक्खसाणं भीममहाभीमा किन्नराणं किन्नरकिंपुरिसा, किंपुरिसाणं सप्पुरिसमहापुरिसा, महोरगाणं अइकायमहाकाया, गंधव्वाणं गीयरइगीयजसा, जाव विहरइ काले य महा-
 काले सुरूव पडिरूव पुन्नभइय । तह चेव (प्र० अमरवई) माणिभइ भीमे य तहा महाभीमे ॥ १५० ॥ किन्नर किंपुरिसे खलु सप्पुरिसे खलु तहा महापुरिसे । अइकायमहाकाए गीयरई
 चेव गीयजसे ॥ १५१ ॥ ४८ । कहिं णं भंते ! अणवन्नियाणं देवाणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! अणवन्निया देवा परिवसंति ?, गो० ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स
 जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं जाव अट्टजोयणसएसु एत्थ णं अणवन्नियाणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा णगरावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं जाव पडिरूवा, एत्थ णं अणवन्नि-
 याणं देवाणं ठाणा, उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे अणवन्निया देवा परिवसंति महिडिढया
 जहा पिसाया जाव विहरंति, सन्निहियसमाणा इत्थ दुवे अणवन्नियकुमाररायाणो परिवसंति महिडिढया०, एवं जहा कालमहाकालाणं दोण्हंपि दाहिणिल्लाणं उत्तरि-
 ल्लाणं य भणिया तहा सन्निहियसमाणाणंपि भाणियव्वा संगहणीगाहा-अणवन्नियपणवन्नियइसिवाइयभूयवाइया चेव । कंदिय महाकंदिय कोहंडी पयगए चेव ॥ १५२ ॥ इमे इंदा-

‘संनिहिया सामाणा धाय विधाए इसी य इसिवाले । ईसर महेसराविय हवइ सुवच्छे विसाले य ॥ ३ ॥ हासे हासरईऽविय सेए य तहा भवे महासेए । पयए अ पयगवई नेयवा आणु-
 पुत्रीए ॥ १५४ ॥ ४९ । कहिं णं भंते ! जोइसियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! जोइसिया देवा परिवसंति ?, गो० ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ सत्त णउइजोयणसए उइढं उप्पइत्ता दसुत्तरजोयणसयवाहले तिरियमसंखेज्जे जोइसविसए एत्थ णं जोइसियाणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा जोइसियविमाणावाससय-
 सहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं विमाणा अद्धकविट्ठगसंठाणसंठिया सव्वफालिहामया अब्भुग्गयमूसियपहसिया इव विविहमणिकणगरयणभत्तिचित्ता वाउद्धूयविजयवेजयंतीपडागा
 छत्ताइच्छत्तकलिया तुंगा गगणतलमहिलंधमाणसिहरा जालंतररयणपंजरुम्मिलियव्व मणिकणगथूभियागा वियसियसयवत्तपुंडरीया तिलयरयणइढचंदचित्ता नाणामणिमयदामालं-
 किया अंतो बाहिं च सण्हा तवणिज्जरुइलवालुयापत्थडा सस्सरिया सुरूवा पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा एत्थ णं जोइसियाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०
 तिसुवि लोगस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे जोइसिया देवा परिवसंति, तं० बहस्सई चंदा सूरु सुक्का सणिच्छरा राहू धूमकेऊ बुधा अंगारगा तत्ततवणिज्जकणगवन्ना जे य गहा
 जोइसम्मि चारं चरंति केऊ य गइरइया अट्ठावीसइविहा नक्खत्तदेवतगणा णाणासंठाणसंठियाओ पंचवन्नाओ तारयाओ ठियलेसाचारिणो अविस्साममंडलगई पत्तेयनामंकपागडि-
 यचिंधमउडा महिडिढया जाव पभासेमाणा, ते णं तत्थ साणं २ विमाणावाससयसहस्साणं साणं २ सामाणियसाहस्सीणं० अन्नेसिं च बहूणं जोइसियाणं देवाणं देवीण य आहेवच्चं
 जाव विहरंति, चंदिमसूरिया इत्थ दुवे जोइसिंदा जोइसियरायाणो परिवसंति महिडिढया जाव पभासेमाणा, ते णं तत्थ साणं २ जोइसियविमाणावाससयसहस्साणं चउण्हं सामा-
 णियसाहस्सीणं चउण्हं अग्गमहिंसीणं सपरिवाराणं सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव अन्नेसिं च बहूणं जोइसियाणं देवाणं देवीण य आहेवच्चं जाव विहरंति । ५० । कहिं णं
 भंते ! वेमाणियाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! वेमाणिया देवा परिवसंति ?, गो० ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उइढं चंदि-
 मसूरियगहनक्खत्ततारारूवाणं बहूइं जोयणाइं बहूइं जोयणसयाइं बहूइं जोयणसहस्साइं बहूइं जोयणसयसहस्साइं बहुगाओ जोयणकोडीओ बहुगाओ जोयणकोडीकोडीओ उइढं
 दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदबंभलोयलंतगमहासुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणच्चुयगेवेज्जणुत्तरेसु एत्थ णं वेमाणियाणं देवाणं चउरासीई विमाणावाससयसह-
 स्सा सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं विमाणा सव्वरयणामया अच्छा० पडिरूवा एत्थ णं वेमाणियाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० तिसुवि
 लोयस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे वेमाणिया देवा परिवसंति तं० सोहम्मीसाण० णुत्तरोववाइया देवा, ते णं मिगमहिसवराहसीहच्छगलददुरहयगयवइभुयगखग्गउसभविडिम-
 पागडियचिंधमउडा पसिढिलवरमउडकिरीडधारिणो वरकुंडलुज्जोइयाणणा मउडदित्तसिरया रत्ताभा पउमपम्हगोरा सेया सुहवन्नगंधफासा उत्तमवेउव्विणो पवरवत्थगंधमल्लाणुलेवणधरा
 महिडिढया, ते णं तत्थ साणं २ विमाणावाससयसहस्साणं साणं २ सामाणियसाहस्सीणं साणं २ तायत्तीसगाणं० अन्नेसिं च बहूणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं
 जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति । ५१ । कहिं णं भंते ! सोहम्मगदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! सोहम्मगदेवा परिवसंति ?, गो० ! जंबुदीवे दीवे मंदरस्स
 पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ जाव उइढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं सोहम्मे णामं कप्पे पं० पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिन्ने
 अद्धचंदसंठाणसंठिए अच्चिमालिभासरासिवण्णाभे असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविक्खंभेणं असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ परिक्खेवेणं सव्वरयणामए अच्छे जाव
 पडिरूवे, तत्थ णं सोहम्मगदेवाणं बत्तीसविमाणावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं विमाणा सव्वरयणामया जाव पडिरूवा, तेसिं णं विमाणाणं बहुमज्झदेसभागे पंच वडिसया
 पं० तं० असोगवडिसए सत्तवण्णवडिसए चंपगवडिसए चूयवडिसए मज्झे इत्थ सोहम्मवडिसए, ते णं वडिसया सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा, एत्थ णं सोहम्मगदेवाणं
 पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, तिसुवि लोगस्स असंखिज्जइभागे, तत्थ णं बहवे सोहम्मगदेवा परिवसंति महिडिढया जाव पभासेमाणा, ते णं तत्थ साणं २ विमाणावाससयसहस्साणं साणं
 २ अग्गमहिंसीणं साणं २ सामाणियसाहस्सीणं एवं जहेव ओहियाणं तहेव एएसिंपि भाणियव्वं जाव आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं सोहम्मगकप्पवासीणं वेमाणियाणं दे-
 वाण य देवीण य आहेवच्चं जाव विहरंति, सक्के य इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ वज्जपाणी पुरंदरे सयक्कतू सहसक्खे मघवं पागसासणे दाहिणइढलोगाहिवई बत्तीसविमाणावाससय-
 सहस्साहिवई एरावणवाहणे सुरिंदे अयरंवरवत्थधरे आलइयमालमउडे नवहेमचारुचित्तचंचलकुंडलविलिहिज्जमाणगंडे महिडिढए जाव पभासेमाणे से णं तत्थ बत्तीसाए विमाणावा-
 ससयसहस्साणं चउरासीए सामाणियसाहस्सीणं तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं चउण्हं लोगपालाणं अट्ठण्हं अग्गमहिंसीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणीयाणं सत्तण्हं अणी-

याहिवर्द्धणं चउण्हं चउरासीणं आयरक्खदेवसाहसीणं अन्नेसिं च बहूणं सोहम्मकप्पवासीणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं० कुब्बेमाणे जाव विहरइ । ५२ । कहिं णं भंते ! ईसाणाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! ईसाणागा देवा परिवसंति ?, गो० ! जंबुदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पमाए पुढवीए बहुसमरम-
 णिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहनक्खत्ततारारूवाणं बहूइं जोयणसयाइं बहूइं जोयणसहस्साइं जाव उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं ईसाणे णामं कप्पे पं० पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे एवं जहा सोहम्मे जाव पडिरूवे, तत्थ णं ईसाणगदेवाणं अट्टावीसं विमाणावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं विमाणा सव्वरयणामया जाव पडिरूवा, तेसिं णं बहुमज्झदेसभागे पंच वडिंसया पं० तं०-अंकवडिंसए फलिहवडिंसए रयणवडिंसए जातरूववडिंसए मज्झे य इत्थ ईसाणवडिंसए, ते णं वडिंसया सव्वरयणामया जाव पडि-
 रूवा, एत्थ णं ईसाणगदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० तिसुवि लोगस्स असंखेज्जइभागे, सेसं जहा सोहम्मगदेवाणं जाव विहरंति, ईसाणे इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ सुलपाणी वसहवाहणे उत्तरइढलोगाहिवई अट्टावीसविमाणावाससयसहस्साहिवई अरयंवरवत्थधरे सेसं जहा सकस्स जाव पभासेमाणे, से णं तत्थ अट्टावीसाए विमाणावाससयसहस्साणं असीईए सा-
 माणियसाहस्सीणं० चउण्हं असीईणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं ईसाणकप्पवासीणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं जाव विहरइ, कहिं णं भंते ! सणंकुमारदे-
 वाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! सणंकुमारा देवा परिवसंति ?, गो० ! सोहम्मस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं बहूइं जोयणाइं बहूइं जोयणसयाइं० बहुगाओ जोय-
 णकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं सणंकुमारे णामं कप्पे पं० पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे जहा सोहम्मे जाव पडिरूवे, तत्थ णं सणंकुमाराणं देवाणं बारस विमाणावाससयसहस्सा भवन्तीतिमक्खायं, ते णं विमाणा सव्वरयणामया जाव पडिरूवा, तेसिं णं विमाणाणं बहुमज्झदेसभागे पंच वडिंसगा पं० तं०-असोगवडिंसए सत्तवन्नं० चं-
 पगं० चूयं० मज्झे य एत्थ सणंकुमारवडिंसए, ते णं वडिंसया सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा, एत्थ णं सणंकुमारदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, तिसुवि लोगस्स असंखेज्जइ-
 भागे, तत्थ णं बहवे सणंकुमारदेवा परिवसंति महिड्ढिया जाव पभासेमाणा विहरंति, नवरं अग्गमहिसीओ णत्थि, सणंकुमारे इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ अरयंवरवत्थधरे सेसं जहा सकस्स, से णं तत्थ बारसण्हं विमाणावाससयसहस्साणं बावत्तरीए सामाणियसाहस्सीणं सेसं जहा सकस्स अग्गमहिसीवज्जं नवरं चउण्हं बावत्तरीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव वि-
 हरइ, कहिं णं भंते ! माहिंददेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! माहिंदगदेवा परिवसंति ?, गो० ! ईसाणस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं बहूइं जोयणाइं जाव बहु-
 याओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता इत्थ णं माहिंदे नामं कप्पे० पाईणपडीणायए जाव एवं जहेव सणंकुमारे नवरं अट्ट विमाणावाससयसहस्सा वडिंसया जहा ईसाणे नवरं मज्झे इत्थ माहिंदवडिंसए, एवं जहा सणंकुमाराणं देवाणं जाव विहरंति, माहिंदे इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ अरयंवरवत्थधरे एवं जहा सणंकुमाराणं देवाणं जाव विहरइ नवरं
 अट्टण्हं विमाणावाससयसहस्साणं सत्तरीए सामाणियसाहस्सीणं चउण्हं सत्तरीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव विहरइ, कहिं णं भंते ! बंभलोगदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं
 णं भंते ! बंभलोगदेवा परिवसंति ?, गो० ! सणंकुमारमाहिंदाणं कप्पाणं उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं बहूइं जोयणाइं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं बंभलोए नामं कप्पे पाईणपडीणायए उदी-
 णदाहिणविच्छिण्णे पडिपुन्नचंदसंठाणसंठिए अच्चिमालिभासरासिप्पभे अवसेसं जहा सणंकुमाराणं नवरं चत्तारि विमाणावाससयसहस्सा वडिंसया जहा सोहम्मवडिंसया नवरं मज्झे
 इत्थ बंभलोयवडिंसए, एत्थ णं बंभलोगदेवाणं ठाणा पं० सेसं तहेव विहरंति, बंभे इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ अरयंवरवत्थधरे एवं जहा सणंकुमारे जाव विहरइ, नवरं चउण्हं विमा-
 णावाससयसहस्साणं सट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं चउण्हं सट्ठीए आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं जाव विहरइ, कहिं णं भंते ! लंतगदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं
 णं भंते ! लंतगदेवा परिवसंति ?, गो० ! बंभलोगस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं बहूइं जोयणाइं जाव बहुगाओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं लंतए नामं
 कप्पे पं० पाईणपडीणायए जहा बंभलोए नवरं पण्णासं विमाणावाससहस्सा भवन्तीतिमक्खायं वडिंसगा जहा ईसाणवडिंसगा नवरं मज्झे इत्थ लंतगवडिंसए देवा तहेव जाव विह-
 रंति, लंतए एत्थ देविंदे देवराया परिवसइ जहा सणंकुमारे, नवरं पण्णासाए विमाणावाससहस्साणं पण्णासाए सामाणियसाहस्सीणं चउण्ह य पण्णासाणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं
 अन्नेसिं च बहूणं जाव विहरइ, कहिं णं भंते ! महासुक्काणं० ठाणा० कहिं णं महासुक्का देवा परिवसंति ?, गो० ! लंतगस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं जाव एत्थ णं महासुक्के
 नामं कप्पे पं० पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे जहा बंभलोए नवरं चत्तालीसं विमाणावाससहस्सा भवन्तीतिमक्खायं वडिंसगा जहा सोहम्मवडिंसगा, नवरं मज्झे इत्थ
 महासुक्कवडिंसए जाव विहरंति, महासुक्के इत्थ देविंदे देवराया जहा सणंकुमारे, नवरं चत्तालीसाए विमाणावाससहस्साणं चत्तालीसाए सामाणियसाहस्सीणं चउण्ह य चत्तालीसीणं

आयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव विहरइ, कहिं णं भंते ! सहस्सारदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! सहस्सारदेवा परिवसंति ?, गो० ! महासुक्खस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं सहस्सारे नामं कप्पे पं० पाईणपडीणायए जहा बंभलोए नवरं छविमाणावाससहस्सा भवन्तीतिमक्खायं देवा तहेव जाव वडिसगा जहा ईसाणस्स वडिसगा नवरं मज्झे इत्थ सहस्सारवडिसए जाव विहरंति, सहस्सारे इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ जहा सणकुमारे नवरं छण्हं विमाणावाससहस्साणं तीसाए सामाणियसाहस्सीणं चउण्ह य तीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव आहेवच्चं० कारेमाणे० विहरइ, कहिं णं भंते ! आणयपाणयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! आणयपाणया देवा परिवसंति ?, गो० ! सहस्सारस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं आणयपाणयनामा दुवे कप्पा पं० पाईणपडीणायया उदीणदाहिणविच्छिण्णा अद्धचंदसं-
 ठाणसंठिया अच्चिमालीभासरासिप्पभा सेसं जहा सणकुमारे जाव पडिरूवा, तत्थ णं आणयपाणयदेवाणं चत्तारि विमाणावाससया भवन्तीतिमक्खायं जाव पडिरूवा, वडिसगा जहा सोहम्मं कप्पे, नवरं मज्झे इत्थ पाणयवडिसए, ते णं वडिसगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा, एत्थ णं आणयपाणयदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, तिसुवि लोगस्स असं-
 खेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे आणयपाणयदेवा परिवसंति महिडिढया जाव पभासेमाणा, ते णं तत्थ साणं २ विमाणावाससयाणं जाव विहरंति, पाणए इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ जहा सणकुमारे, नवरं चउण्हं विमाणावाससयाणं वीसाए सामाणियसाहस्सीणं असीईए आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं बहूणं जाव विहरइ, कहिं णं भंते ! आरणच्चुयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! आरणच्चुया देवा परिवसंति ?, गो० ! आणयपाणयाणं कप्पाणं उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं एत्थ णं आरणच्चुया नामं दुवे कप्पा पं० पाई-
 णपडीणायया उदीणदाहिणविच्छिण्णा अद्धचंदसंठाणसंठिया अच्चिमालीभासरासिवण्णाभा असंखिजाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविकखंभेणं असंखिजाओ जोयणकोडाको-
 डीओ परिकखेवेणं सव्वरयणामया अच्छा सण्हा पडिरूवा, एत्थ णं आरणच्चुयाणं देवाणं तिन्नि विमाणावाससया भवन्तीतिमक्खायं, ते णं सव्वरयणामया अच्छा सण्हा पडिरूवा, तेसिं णं विमाणाणं कप्पाणं बहुमज्झदेसभाए पंच वडिसया पं० तं०-अंकवडिसए फलिहवडिं० रयणवडिं० जायरूवव० मज्झे एत्थ अच्चुयवडिसए, ते णं वडिसया सव्वरयणामया जाव पडिरूवा, एत्थ णं आरणच्चुयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, तिसुवि लोयस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे आरणच्चुया देवा परिवसंति, अच्चुए इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ जहा पाणए विहरइ, नवरं तिण्हं विमाणावाससयाणं दसण्हं सामाणियसाहस्सीणं चत्तालीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं आहेवच्चं० कुवमाणे जाव विहरइ, 'बत्तीस अट्ठवीसा बारस अट्ठ चउ-
 रो (य)सयसहस्सा । पन्ना चत्तालीसा छच्च सहस्सा सहस्सारे ॥ १५५ ॥ आणयपाणयकप्पे चत्तारि सयाऽऽरणच्चुए तिन्नि । सत्त विमाणसयाइं चउसुवि एएसु कप्पेसु ॥ ६ ॥ सामाणियसंगह-
 णी गाहा- 'चउरासीई असीई बावत्तरी सत्तरी य सट्ठी य । पन्ना चत्तालीसा तीसा वीसा दस सहस्सा ॥ १५७ ॥ एए चेव आयरक्खा चउग्गुणा, कहिं णं भंते ! हिट्ठिमगेविज्जगाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! हिट्ठिमगेविज्जगा देवा परिवसंति ?, गो० ! आरणच्चुयाणं कप्पाणं उप्पिं जाव उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं हिट्ठिमगेविज्जगाणं देवाणं तओ गे-
 विज्जविमाणपत्थडा पं० पाईणपडीणायया उदीणदाहिणविच्छिण्णा पडिपुन्नचंदसंठाणसंठिया अच्चिमालीभासरासिवण्णाभा सेसं जहा बंभलोगे जाव पडिरूवा, तत्थ णं हेट्ठिमगेविज्जगाणं देवाणं एकारसुत्तरे विमाणावाससए भवन्तीतिमक्खायं, ते णं विमाणा सव्वरयणामया जाव पडिरूवा, एत्थ णं हेट्ठिमगेविज्जगाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं०, तिसुवि लोगस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे हेट्ठिमगेविज्जगा देवा परिवसंति सब्बे समिडिढया सब्बे समज्जुइया सब्बे समजसा सब्बे समबला सब्बे समाणुभावा महासुक्खा अणिंदा अपेस्सा अपुरोहिषा अहमिंदा नामं ते देवगणा पं० समणाउसो !, कहिं णं भंते ! मज्झिमगाणं गेविज्जगाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! मज्झिमगेविज्जगा देवा परिवसंति ?, गो० ! हे-
 ट्ठिमगेविज्जगाणं उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं मज्झिमगेविज्जगदेवाणं तओ गेविज्जगविमाणपत्थडा पं० पाईणपडीणायया जहा हेट्ठिमगेविज्जगाणं, नवरं सत्तुत्तरे विमाणावाससए भवन्तीतिमक्खायं, ते णं विमाणा जाव पडिरूवा, एत्थ णं मज्झिमगेविज्जगाणं जाव तिसुवि लोगस्स असंखिज्जइभागे, तत्थ णं बहवे मज्झिमगेविज्जगा देवा परिवसंति जाव अहमिंदा नाम ते देवगणा पं० समणाउसो !, कहिं णं भंते ! उवरिमगेविज्जगाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! उवरिमगेविज्जगा देवा परिवसंति ?, गो० ! मज्झिमगेविज्जगाणं उप्पिं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं उवरिमगेविज्जगाणं तओ गेविज्जगविमाणपत्थडा पं० पाईणपडीणायया सेसं जहा हेट्ठिमगेविज्जगाणं नवरं एगे विमाणावाससए भव-
 न्तीतिमक्खायं, सेसं तहेव भाणियच्चं जाव अहमिंदा नामं ते देवगणा पं० समणाउसो !, 'एकारसुत्तरं हेट्ठिमेसु सत्तुत्तरं च मज्झिमए । सयमेगं उवरिमए पंचेव अणुत्तरविमाणा ॥ १५८ ॥ कहिं णं भंते ! अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० कहिं णं भंते ! अणुत्तरोववाइया देवा परिवसंति ?, गो० ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिजाओ भूमिभागाओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता सोहम्मीसाणसणकुमारजावआरणअच्चुयकप्पा तिन्नि अट्ठारसुत्तरे गेविज्जगविमाणावाससए वीइवइत्ता तेण परं दूरं गया (१७३)

नीरया निम्मला वितिमिरा विसुद्धा पंचदिसि पंच अणुत्तरा महइमहालया महाविमाणा पं० तं०-विजए वेजयंते जयंते अपराजिए सब्बसिद्धे, ते णं विमाणा सब्बरयणामया अच्छा० पडिरूवा, एत्थ णं अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पं० तिसुवि लोगस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे अणुत्तरोववाइया देवा परिवसंति, सब्बे समिद्धिया० सब्बे सम-बला सब्बे समाणुभावा महासुक्खा अणिंदा अप्पेस्सा अपुरोहिया अहमिंदा नामं ते देवगणा पं० समणाउसो ! ॥ ५३ ॥ कहिं णं भंते ! सिद्धाणं ठाणा पं० कहिं णं भंते सिद्धा परिवसंति ?, गो० ! सब्बसिद्धस्स महाविमाणस्स उवरिल्लाओ थूभियग्गाओ दुवालस जोयणे उड्ढं अबाहाए एत्थ णं ईसीपम्भारा णामं पुढवी पं० पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्रवं भेणं एगा जोयणकोडी बायालीसं च सयसहस्साइं तीसं च सहस्साइं दोन्नि य अउणापन्ने जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्रवेवेणं पं० ईसिपम्भाराए णं पुढवीए बहुमज्झदेसभाए अट्ठजोयणिए खेत्ते अट्ठ जोयणाइं बाहल्लेणं पं० तओ अणंतरे च णं मायाए २ एसपरिहाणीए परिहायमाणी २ सब्बेसु चरमंतेसु मच्छियपत्ताओ तणुययरी अंगुलस्स असंखेज्जइभागं बाहल्लेणं पं०, ईसीपम्भाराए णं पुढवीए दुवालस नामधिजा पं० तं०-ईसिइ वा ईसीपम्भाराइ वा तणुइ वा तणुतणुइ वा सिद्धित्ति वा सिद्धालएति वा मुत्तित्ति वा मुत्तालएइ वा लोयग्गेत्ति वा लोयग्गथूभियाति वा लोयग्गपडिवुज्झणाइ वा सब्बपाणभूयजीवसत्तसुहावहाइ वा, ईसीपम्भारा णं पुढवी सेया संखदलविमलसोत्थियमुणालदगरयतुसारगोक्खीरहारवण्णा उत्ताण-यच्छत्तसंठाणसंठिया सब्बजुणसुवण्णमई अच्छा सण्हा घट्ठा मट्ठा नीरया निम्मला निप्पंका निक्कं कडच्छाया सप्पभा समिरिया सउज्जोया पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा, ईसीपम्भाराए णं पुढवीए सीआए जोयणम्मि लोगंतो तस्स णं जोयणस्स जे से उवरिल्ले गाउए तस्स णं गाउयस्स जे से उवरिल्ले छम्भागे एत्थ णं सिद्धा भगवंतो साइया अपज्जव-सिया अणेगजाइजरामरणजोणिसंसारकलंकलीभावपुणब्भवगम्भवासवसहीपवंचसमइक्कंता सासयमणागयद्धं कालं चिट्ठंति, तत्थवि य ते अवेया अवेयणा निम्ममा असंगा य संसार-विप्पमुक्का एसनिवत्तसंठाणा 'कहिं पडिहया सिद्धा, कहिं सिद्धा पइट्ठिया । कहिं बोदिं चइत्ताणं, कत्थ गंतूण सिज्झइ ? ॥ ९ ॥ अलोए पडिहया सिद्धा, लोयग्गे य पइट्ठिया । इह बोदिं चइत्ताणं, तत्थ गंतूण सिज्झइ ॥ १६० ॥ दीहं वा हस्सं वा जं चरिमभवे हविज्ज संठाणं । तत्तो तिभागहीणा सिद्धाणोगाहणा भणिया ॥ १ ॥ जं संठाणं तु इहं भवं चयंतस्स चरिमसम-यंमि । आसी य पदेसघणं तं संठाणं तहिं तस्स ॥ २ ॥ तिन्नि सया तिन्नीसा धणुत्तिभागो य होइ नायवो । एसा खलु सिद्धाणं उक्कोसोगाहणा भणिया ॥ ३ ॥ चत्तारि य रयणीओ रयणी तिभागूणिया य बोद्धवा । एसा खलु सिद्धाणं मज्झिम० ॥ ४ ॥ एगा य होइ रयणी अट्ठेव य अंगुलाइं साहियया । एसा खलु सिद्धाणं जह० ॥ ५ ॥ ओगाहणाइ सिद्धा भवत्तिभागेण होंति परिहीणा । संठाणमणित्थं जरामरणविप्पमुक्काणं ॥ ६ ॥ जत्थ य एगो सिद्धो तत्थ अणंता भवक्खयविमुक्का । अन्नोऽन्नसमोगाढा पुट्ठा सब्बेवि लोगंते ॥ ७ ॥ फुसइ अणंते सिद्धे सब्ब-पएसेहिं नियमसो सिद्धो । तेऽवि य असंखिज्जगुणा देसपएसेहिं जे पुट्ठा ॥ ८ ॥ असरीरा जीवघणा उवउत्ता दंसणे य नाणे य । सागारमणागारं लक्खणमेयं तु सिद्धाणं ॥ ९ ॥ केवलना-णुवउत्ता जाणंता सब्बभावगुणभावे । पासंता सब्बओ खलु केवलदिट्ठीहिऽणंताहिं ॥ १७० ॥ नवि अत्थि माणुसाणं तं सुक्खं नवि य सब्बदेवाणं । जं सिद्धाणं सुक्खं अब्बाबाहं उवगयाणं ॥ १ ॥ सुरगणसुहं समत्तं सब्बद्धापिंडियं अणंतगुणं । नवि पावइ मुत्तिसुहं णंताहिं वग्गवग्गूहिं ॥ २ ॥ सिद्धस्स सुहो रासी सब्बद्धापिंडिओ जइ हवेज्जा । सोऽणंतवग्गभइओ सब्बागासे न माइज्जा ॥ ३ ॥ जह णाम कोइ मिच्छो नगरगुणे बहुविहे वियाणंतो । न चएइ परिकहेउं उवमाए तहिं असंतीए ॥ ४ ॥ इय सिद्धाणं सोक्खं अणोवमं नत्थि तस्स ओवम्मं । किंचि-विसेसेणित्तो सारिक्खमिणं सुणह वोच्छं ॥ ५ ॥ जह सब्बकामगुणियं पुरिसो भोत्तूण भोयणं कोई । तण्हाछुहाविमुक्को अच्छिज्ज जहा अमियतित्तो ॥ ६ ॥ इय सब्बकालतित्ता अतुलं निव्वाणमुवगया सिद्धा । सासयमद्वाबाहं चिट्ठंति सुही सुहं पत्ता ॥ ७ ॥ सिद्धत्ति य बुद्धत्ति य पारगयत्ति य परंपरगयत्ति । उम्मुक्ककम्मकवया अजरा अमरा असंगा य ॥ ८ ॥ निच्छिन्न-सब्बदुक्खा जाइजरामरणबंधणविमुक्का । अब्बाबाहं सोक्खं अणुहोंती सासयं सिद्धा ॥ १७९ ॥ ५४ ॥ इइ ठाणपयं २ ॥ 'दिसि गइ इंदिय काए जोए वेए कसाय लेसा य । सम्मत्त नाण १० दंसण संजय उवओग आहारे ॥ १८० ॥ भासग परित्त पज्जत्त सुहुम सन्नी भव२०ऽत्थिए चरिमे । जीवे य खित्त बन्धे पुग्गल महदंडए २७ चेव ॥ १८१ ॥ दिसाणुवाएणं सब्बत्थोवा जीवा पच्छिमेणं, पुरच्छिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । ५५ । दिसाणुवाएणं सब्बत्थोवा पुढविकाइया दाहिणेणं उत्तरेणं विसेसाहिया पुरच्छिमेणं विसेसाहिया पच्छिमेणं विसेसाहिया, दिसाणु० सब्बत्थोवा आउक्काइया पच्छिमेणं पुरच्छिमेणं विसे० दाहिणेणं विसे० उत्तरेणं विसे०, दिसाणु० सब्ब० तेउक्काइया दाहिणुत्तरेणं पुरच्छिमेणं संखे० पच्छिमेणं विसे०, दिसा० सब्बत्थोवा वाउक्काइया पुरच्छिमेणं पच्छिमेणं विसे० उत्तरेणं विसे० दाहिणेणं विसे०, दिसाणु० सब्बत्थोवा वणस्सइक्काइया पच्छिमेणं पुरच्छिमेणं विसे०-दाहिणेणं विसे० उत्तरेणं विसे०, दिसा० सब्बत्थोवा बेइंदिया पच्छिमेणं पुरच्छिमेणं विसे० दक्खिणेणं विसे० उत्तरेणं विसे०, दिसा० सब्बत्थोवा तेइंदिया पच्छिमेणं पुरच्छिमेणं विसे०

६९४ प्रज्ञापना: ५६-३

६९५ प्रज्ञापना, ५६-३

बायरतेउ० पज्जत्तयाणं बायरवाउ० पज्जत्तयाणं बायरवणस्सइ० पज्जत्तयाणं पत्तेयसरीरबायरवणस्सइ० पज्जत्तयाणं बायरनिगोयाणं पज्जत्तयाणं बायरतसकाइयपज्जत्तयाण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा बायरतेउकाइया पज्जत्तया बायरतस० पज्जत्तया असंखे० पत्तेयसरीरबायरवणस्सइ० पज्जत्तया असंखे० बायरनिगोया पज्जत्तया असंखे० बायरपुढवी० पज्जत्तया असंखे० बायरआउ० पज्जत्तया असंखे० बायरवाउ० पज्जत्तया असंखे० सुहुमतेउ० पज्जत्तया असंखे० सुहुमपुढवी० पज्जत्तया विसे० सुहुमआउ० पज्जत्तया विसे० सुहुमवाउ० पज्जत्तया विसे० सुहुमनिगोया पज्जत्तया असंखे० बायरवणस्सइ० पज्जत्तया अणंत० बायरपज्जत्तया विसे० सुहुमवणस्सइ० पज्जत्तया असंखे० सुहुमपज्जत्तया विसेसाहिया, एएसिं णं भंते! सुहुमाणं बायराण य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा बायरा पज्जत्तया बायरअपज्जत्तया असंखे० सुहुमअपज्जत्तया असंखे० सुहुमपज्जत्तया संखे०, एएसिं णं भंते! सुहुमपुढवी० बायरपुढवी० य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा बायरपुढवी० पज्जत्तया बायरपुढवी० अपज्जत्तया असंखे० सुहुमपुढवीकाइया अप्प० असं० सुहुम-पुढवी० पज्जत्तया संखे०, एएसिं णं भंते! सुहुमआउकाइयाणं बायरआउ० य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा बायरआउ० पज्जत्तया बायरआउ० अपज्जत्तया असंखे० सुहुमआउ० अपज्जत्तया असंखे० सुहुमआउ० पज्जत्तया संखे०, एएसिं णं भंते! सुहुमतेउ० बायरतेउ० य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा बायरतेउ० पज्जत्तया बायरतेउ० अपज्जत्तया असं० सुहुमतेउ० अपज्जत्तया असंखे० सुहुमतेउ० पज्जत्तया संखे०, एएसिं णं भंते! सुहुमवाउ० बायरवाउ० य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा बायरवाउ० पज्जत्तया बायरवाउ० अपज्जत्तया असंखे० सुहुमवाउ० अपज्जत्तया असंखे० सुहुमवाउ० पज्जत्तया संखे०, एएसिं णं भंते! सुहुमवणस्सइ० बायरवणस्सइ० य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा बायरवणस्सइ० पज्जत्तया बायरवणस्सइ० अपज्जत्तया असंखे० सुहुमवणस्सइ० अपज्जत्तया असंखे० सुहुमवणस्सइ० पज्जत्तया संखे०, एएसिं णं भंते! सुहुमनिगो-याणं बायरनिगोयाण य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा बायरनिगोयया पज्जत्तया बायरनिगोयया अपज्जत्तया असंखे० सुहुमनिगोयया अपज्जत्तया असंखे० सुहुमनि-गोयया पज्जत्तया संखे०, एएसिं णं भंते! सुहुमाणं सुहुमपुढवी० सुहुमआउ० सुहुमतेउ० सुहुमवाउ० सुहुमवणस्सइ० सुहुमनिगोयाणं बायराणं बायरपुढवी० बायरआउ० बायर-तेउ० बायरवाउ० बायरवणस्सइ० पत्तेयसरीरबायरवणस्सइ० बायरनिगोयाणं बायरतस० य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा बादरतेउकाइया पज्जत्तया बायरतस० पज्जत्तया असंखे० बायरतस० अपज्जत्तया असंखे० पत्तेयसरीरबायरवणस्सइ० पज्जत्तया असंखे० बायरनिगोया पज्जत्तया असंखे० बायरपुढवी० पज्जत्तया असंखे० बायरआउ० पज्जत्तया अ-संखे० बायरवाउ० पज्जत्तया असंखे० बायरतेउ० अपज्जत्तया असंखे० पत्तेयसरीरबायरवणस्सइ० अपज्जत्तया असंखे० बायरनिगोया अपज्जत्तया असंखे० बायरपुढवी० अपज्जत्तया असंखे० बायरआउ० अपज्जत्तया असंखे० बायरवाउ० अपज्जत्तया असंखे० सुहुमतेउ० अपज्जत्तया असंखे० सुहुमपुढवी अपज्जत्तया विसे० सुहुमआउ० अपज्जत्तया विसे० सुहुम-वाउ० अपज्जत्ता विसे० सुहुमतेउ० पज्जत्तया असंखे० सुहुमपुढवी० पज्जत्तया विसे० सुहुमआउ० पज्जत्तया विसे० सुहुमवाउ० पज्जत्तया विसे० सुहुमनिगोया अपज्जत्तया असंखे० सुहुमनिगोयया पज्जत्तया संखे० बायरवणस्सइ० पज्जत्तया अणंत० बायरपज्जत्तया विसेसा० बायरवणस्सइ० अपज्जत्तया असंखे० बायरअपज्जत्तया विसेसा० बायरा विसेसा० सुहुमवणस्सइ० अपज्जत्तया असंखे० सुहुमअपज्जत्तया विसेसा० सुहुमवणस्सइ० पज्जत्तया संखे० सुहुमपज्जत्तया विसे० सुहुमा विसेसा० । दारं ५।६२। एएसिं णं भंते! जीवाणं स-योगीणं मण० वइ० काय० अयोगीण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा मणयोगी वय० असंखे० अयोगी अणंत० काय० अणंत० सयोगी विसेसा० । दारं ६।६३। एएसिं णं भंते! जीवाणं सवेयगाणं इत्थी० पुरिस० नपुंसक० अवेयगाण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा पुरिसवेयगा इत्थी० संखे० अवेयगा अणंत० नपुंसक० अणंत० सवेयगा विसे-साहिया । दारं ७।६४। एएसिं णं भंते! सकसाईणं कोह० माण० माया० लोह० अकसाईण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा अकसाई माण० अणंत० कोह० विसेसा० माया० विसेसा० लोह० विसेसा० सकसाई विसेसाहिया । दारं ८।६५। एएसिं णं भंते! जीवाणं सलेसाणं किण्ह० नील० काउ० तेउ० पम्ह० सुक्क० अलेस्साण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा सुक्कलेस्सा पम्ह० संखे० तेउ० संखे० अलेस्सा अणंत० काउ० अणंत० नील० विसेसा० किण्ह० विसेसा० सलेस्सा विसेसाहिया । दारं ९।६६। एएसिं णं भंते! जीवाणं सम्म-दिट्ठीणं मिच्छादिट्ठीणं सम्मामिच्छादिट्ठीणं च कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा सम्मामिच्छादिट्ठी सम्मदिट्ठी अणंत० मिच्छादिट्ठी अणंतगुणा । दारं १०।६७। एएसिं णं भंते! जीवाणं आभिणिबोहियणाणीणं सुय० ओहि० मणपज्जव० केवलणाणीण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा मणपज्जव० ओहि० असंखे० आभिणिबोहिय० सुय० दोवि तुल्ला विसे० केवलनाणी अणंतगुणा, एएसिं णं भंते! जीवाणं मइअच्चाणीणं सुयअ० विभंगणाणीण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा विभंगनाणी मइअ० सुयअ० दोवि तुल्ला अणंतगुणा, एएसिं

णं भंते ! जीवाणं आभिणिबोहियणाणीणं सुय० ओहि० मणपज्जव० केवल० मइअ० सुयअ० विभंगणाणीण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा मणपज्जव० ओहि० असंखे०
 आभिणिबोहिय० सुय० दोवि तुल्ला विसे० विभंगनाणी असंखे० केवलनाणी अणंत० मइअन्नाणी सुयअन्नाणी य दोवि तुल्ला अणंतगुणा । दारं १० । ६८ । एएसिं णं भंते ! जीवाणं
 चक्खुदंसणीणं अचक्खु० ओहि० केवल० य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा ओहिदंसणी चक्खु० असंखे० केवल० अणंत० अचक्खु० अणंतगुणा । दारं ११ । ६९ । एएसिं णं भंते !
 जीवाणं संयताणं असंयताणं संजयासंजयाणं नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजयाण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा संजया संजयासंयता असंखे० नोसंयतानोअसंजयानोसं-
 यतासंयता अणंत० असंजया अणंत० । दारं १२ । ७० । एएसिं णं भंते ! जीवाणं सागारोवउत्ताणं अणागारोवउत्ताण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा अणागारोवउत्ता सागारोवउत्ता
 संखेज्जगुणा । दारं १३ । ७१ । एएसिं णं भंते ! जीवाणं आहारगाण य अणाहारगाण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा अणाहारगा आहारगा असंखेज्जगुणा । दारं १४ । ७२ । एएसिं
 णं भंते ! जीवाणं भासगाणं अभासगाण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा भासगा अभासगा अणंतगुणा । दारं १५ । ७३ । एएसिं णं भंते ! जीवाणं परीत्ताणं अपरीत्ताण य नोपरी-
 त्तनोअपरीत्ताण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा परीत्ता नोपरीत्तानोअपरीत्ता अणंत० अपरीत्ता अणंतगुणा । दारं १६ । ७४ । एएसिं णं भंते ! जीवाणं पज्जत्ताणं अपज्जत्ताणं नो-
 पज्जत्तनोअपज्जत्ताण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा नोपज्जत्तनोअपज्जत्तगा अपज्जत्तगा अणंत० पज्जत्तगा संखिज्जगुणा । दारं १७ । ७५ । एएसिं णं भंते ! जीवाणं सुहुमाणं
 बायराणं नोसुहुमनोबायराण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा नोसुहुमनोबायरा बायरा अणंत० सुहुमा असंखेज्जगुणा । दारं १८ । ७६ । एएसिं णं भंते ! जीवाणं सन्नीणं असन्नीणं
 नोसन्नीनोअसन्नीण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा सन्नी नोसन्नीनोअसन्नी अणंत० असन्नी अणंत० । दारं १९ । ७७ । एएसिं णं भंते ! जीवाणं भवसिद्धियाणं अभवसिद्धियाणं
 नोभवसिद्धियनोअभवसिद्धियाण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा अभवसिद्धिया णोभवसिद्धियणोअभवसिद्धिया अणंत० भवसिद्धिया अणंत० । दारं २० । ७८ । एएसिं णं भंते ! धम्म-
 त्थिकायअधम्मत्थिकायआगासत्थिकायजीवत्थिकायपोग्गलत्थिकायअद्दासमयाणं दव्वट्टयाए कयरे०?, गो०! धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए एए णं तिन्निवि
 तुल्ला दव्वट्टयाए सव्वत्थोवा जीवत्थिकाए दव्वट्टयाए अणंत० पोग्गलत्थिकाए दव्वट्टयाए अणंत० अद्दासमए दव्वट्टयाए अणंत०, एएसिं णं भंते ! धम्मत्थिकायअधम्मत्थिकाय-
 आगासत्थिकायजीवत्थिकायपोग्गलत्थिकायअद्दासमयाणं पएसट्टयाए कयरे०?, गो०! धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए एए णं दोवि तुल्ला पएसट्टयाए सव्वत्थोवा जीवत्थिकाए पए-
 सट्टयाए अणंत० पोग्गलत्थिकाए पएसट्टयाए अणंत० अद्दासमए पएसट्टयाए अणंत० आगासत्थिकाए पएसट्टयाए अणंतगुणे, एयस्स णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स दव्वट्टपएसट्टयाए
 कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवे एगे धम्मत्थिकाए दव्वट्टयाए से चेव पएसट्टयाए असंखे०, एयस्स णं भंते ! अधम्मत्थिकायस्स दव्वट्टपएसट्टयाए कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवे एगे अधम्म-
 त्थिकाए दव्वट्टयाए से चेव पएसट्टयाए असंखे०, एयस्स णं भंते ! आगासत्थिकायस्स दव्वट्टपएसट्टयाए कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवे एगे आगासत्थिकाए दव्वट्टयाए से चेव पएसट्ट-
 याए अणंतगुणे, एयस्स णं भंते ! जीवत्थिकायस्स दव्वट्टपएसट्टयाए कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवे जीवत्थिकाए दव्वट्टयाए से चेव पएसट्टयाए असंखे०, एयस्स णं भंते ! पोग्गलत्थि-
 कायस्स दव्वट्टपएसट्टयाए कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवे पोग्गलत्थिकाए दव्वट्टयाए से चेव पएसट्टयाए असंखे०, अद्दासमये न पुच्छिज्जइ पएसभावा, एएसिं णं भंते ! धम्मत्थिका-
 यअधम्मत्थिकायआगासत्थिकायजीवत्थिकायपोग्गलत्थिकायअद्दासमयाणं दव्वट्टपएसट्टयाए य कयरे०?, गो०! धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए एए तिन्निवि तुल्ला
 दव्वट्टयाए सव्वत्थोवा धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए य एएसिं णं दोन्निवि तुल्ला पएसट्टयाए असंखे० जीवत्थिकाए दव्वट्टयाए अणंत० से चेव पएसट्टयाए असंखे० पोग्गलत्थि-
 काए दव्वट्टयाए अणंत० से चेव पएसट्टयाए असंखे० अद्दासमए दव्वट्टपएसट्टयाए अणंत० आगासत्थिकाए पएसट्टयाए अणंतगुणे । दारं २१ । ७९ । एएसिं णं भंते ! जीवाणं चरि-
 माणं अचरिमाण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा अचरिमा चरिमा अणंतगुणा । दारं २२ । ८० । एएसिं णं भंते ! जीवाणं पोग्गलाणं अद्दासमयाणं सव्वदव्वाणं सव्वपएसणं सव्व-
 पज्जवाण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा पोग्गला अणंत० अद्दासमया अणंत० सव्वदव्वा विसे० सव्वपएसणं अणंत० सव्वपज्जवा अणंतगुणा । दारं २३ । ८१ । खेत्ताणुवाएणं
 सव्वत्थोवा जीवा उड्ढलोयतिरियलोए अहोलोयतिरियलोए विसेसा० तिरियलोए असंखे० तेलुक्के असंखे० उड्ढलोए असंखे० अहोलोए विसेसाहिया । ८२ । खेत्ताणुवाएणं सव्व-
 त्थोवा नेरइया तेलोक्के अहोलोयतिरियलोए असंखे० अहोलोए असंखे०, खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा तिरिक्खजोणिया उड्ढलोयतिरियलोए अहोलोयतिरियलोए विसे० तिरियलोए
 असंखे० तेलोक्के असंखे० उड्ढलोए असंखे० अहोलोए विसे०, खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवाओ तिरिक्खजोणिणीओ उड्ढलोए उड्ढलोयतिरियलोए असंखे० तेलोक्के संखे० अहोलोय-

६९९ प्रज्ञापनां, ५६-३

असंखेज्जगुणा, एएसिं णं भंते! एगपएसोगाढाणं संखेज्जपएसोगाढाणं असंखेज्जपएसोगाढाणं य पोग्गलाणं दव्वट्टयाए पएसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्टयाए संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्टयाए संखे० असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्टयाए असंखे०, पएसट्टयाए सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला पएसट्टयाए संखिज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्टयाए संखि० असंखिज्जपएसोगाढा पुग्गला पएसट्टयाए असंखे० दव्वट्टपएसट्टयाए सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पुग्गला दव्वट्टपएसट्टयाए संखिज्जपएसोगाढा पुग्गला दव्वट्टयाए संखि० ते चेव पएसट्टयाए संखि० असंखिज्जपएसोगाढा पुग्गला दव्वट्टयाए असंखि० ते चेव पएसट्टयाए असंखिज्जगुणा, एएसिं णं भंते! ए-
 गसमयठिइयाणं संखेज्जसमय० असंखिज्जसमय० पुग्गलाणं दव्वट्टयाए पएसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा एगसमयठिइया पुग्गला दव्वट्टयाए संखिज्ज० पुग्गला दव्वट्टयाए संखि० असंखिज्ज० पुग्गला असंखि० पएसट्टयाए सव्वत्थोवा एगसमयठिइया पुग्गला अपएसट्टयाए संखिज्जसमय० पुग्गला पएसट्टयाए संखे० असंखिज्जसमय० पुग्गला पएसट्टयाए असंखेज्जगुणा दव्वट्टपएसट्टयाए सव्वत्थोवा एगसमयठिइया पुग्गला दव्वट्टपएसट्टयाए संखिज्जसमयठिइया पुग्गला दव्वट्टयाए संखि० ते चेव पएसट्टयाए संखि० असंखि-
 ज्जसमयठिइया पुग्गला दव्वट्टयाए असंखि० ते चेव पएसट्टयाए असंखिज्जगुणा, एएसिं णं भंते! एगगुणकालगाणं संखि० असंखि० अणंतगुणा० पुग्गलाणं दव्वट्टयाए पएसट्टयाए दव्व-
 ट्टपएसट्टयाए य कयरे०?, गो०! जहा पुग्गला तहा भाणियव्वा, एवं सेसावि वण्णा गंधा रसा फासा भाणियव्वा, फासाणं कक्खडमउयगुरुयलहुयाणं जहा एगपएसोगाढाणं भणियं तहा भाणियव्वं अवसेसा फासा जहा वच्चा तहा भाणियव्वा । दारं २६।९२। अह भंते! सव्वजीवप्पबहुं महादण्डयं वण्ण(त्त)इस्सामि-सव्वत्थोवा गव्वभवक्कतिया मणुस्सा मणुस्सीओ संखि० बायरतेउपज्जत्तया असंखि० अणुत्तरोववाइया असंखि० उवरिमगेविज्जगा संखि० मज्झिम० संखि० हिट्ठिम० संखि० अच्चुए कप्पे देवा संखि० आरणे संखि० पाणए संखि० १० आणए संखि० अहेसत्तमाए पुढवीए नेरइया असंखि० छट्ठीए असंखि० सहस्सारे असंखि० महासुक्के असंखि० पंचमाए नेरइआ असं० लंतए देवा असंखि० चउत्थीए नेरइआ असंखि० बंभलोए देवा असंखि० तच्चाए नेरइआ असंखि० २० माहिंदे देवा असंखि० सणंकुमारे असंखि० दोच्चाए नेरइया असं० संमुच्छिममणुस्सा असंखि० ईसाणे देवा असंखि० ईसाणे देवीओ संखि० सोहम्मो देवा संखि० सोहम्मो देवीओ संखे० भवणवासी देवा संखेज्ज० भवणवासिणीओ संखेज्ज० ३० इमीसे रयणप्पभाए नेरइआ असं० खहयरपंचिंदियति-
 रिक्खजोणिया पुरिसा असंखि० खह०जोणिणीओ संखि० थलयरजोणिआ पुरिसा संखि० थल०जोणिणीओ संखि० जलयरपुरिसा संखि० जलयरी संखि० वाणमंतरा देवा संखि० वाणमंतरीओ संखि० जोइसिया संखि० ४० जोइसिणीओ संखि० खहयरनपुंसगा संखि० थलयरनपुंसगा संखि० जलयरनपुंसगा संखि० चउरिंदिया पज्जत्तया संखि० पंचिंदिया प० विसे० बेइंदिया प० विसे० तेइंदिया प० विसे० पंचिंदिया अप० असंखे० चउरिंदिया अप० विसे० ५० तेइंदिया अप० विसे० बेइंदिया अप० विसे० पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया प० असंखि० बायरनिगोया प० असंखि० बायरपुढवीप० असंखि० बायरआउप० असंखि० बायरवाउप० असंखि० बायरतेउअप० असंखि० पत्तेयसरीरबायरवणस्सइअप० असंखि० बायरनिगोया अप० असंखि० ६० बायरपुढवीअप० असंखि० बायरआउअप० असंखि० बायरवाउअप० असंखि० सुहुमतेउअप० अप० असंखि० सुहुमपुढवीअप० विसे० सुहुमआउ-
 अप० विसे० सुहुमवाउअप० विसे० सुहुमतेउप० संखि० सुहुमपुढवीप० विसे० सुहुमआउप० विसे० ७० सुहुमवाउपज्जत्ता विसे० सुहुमनिगोया अप० असंखि० सुहुमनिगोया प० संखि० अभवसिद्धिआ अणंतगुणा परिवडियसम्महिट्ठी अणंत० सिद्धा अणंत० बायरवणस्सइपज्जत्तगा अणंत० बायरप० विसे० बायरवण० अप० असंखि० बायरअप० विसे० ८० बायरा विसे० सुहुमवण० अप० असंखि० सुहुमअप० विसे० सुहुमवण० प० संखि० सुहुमप० विसे० सुहुमा विसे० भवसिद्धया विसे० निगोयजीवा विसे० वणस्सइ० जीवा विसे० एगिंदिया विसेसाहिया ९० तिरिक्खजोणिया विसे० मिच्छादिट्ठी विसे० अविरया विसे० सकसाई विसे० छउमत्था विसे० सजोगी विसे० संसारत्था विसे० सव्वजीवा विसेसाहिआ ९८। दारं २७।९३ ॥ पन्नवणाए भगवईए बहुवत्तवयपयं ३ ॥ नेरइयाणं भंते! केवइयं कालं ठिई पं०?, गो०! जहच्चेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, अपज्जत्तने-
 रइयाणं भंते! केवइयं कालं ठिई पं०?, गो०! जहच्चेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, पज्जत्तगनेरइयाणं केवइयं कालं ठिई पं०?, गो०! जहच्चेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं, रयणप्पभापुढवीनेरइयाणं भंते! केवइयं०?, गो०! जहच्चेणं दसवाससहस्साइं उक्को० सागरोवमं, अपज्जत्तरयण०?, गो०! जहच्चेणं अंतो-
 मुहुत्तं उक्को० अंतोमुहुत्तं, पज्जत्तरयण०?, गो०! जहच्चेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं उक्को० सागरोवमं अंतोमुहुत्तूणं, सक्करप्पभा०?, गो०! जहच्चेणं एगं सागरोवमं उक्को० तिन्नि सागरोवमाइं, अपज्जत्तयसक्करप्पभा० जहच्चेणं अंतोमुहुत्तं उक्को० अंतोमुहुत्तं, पज्जत्तसक्करप्पभा० जहच्चेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तूणं उक्को० तिन्नि सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं,

७०१ प्रज्ञापना, ५६-४

मुनि दीपरत्तसागर

७०३ प्रज्ञापना, पद-४

७०४ प्रज्ञापना, पद-४

दो सागरोवमाई उक्को० सत्त सागरोवमाई अपज्ज० जहन्नेणवि उक्को० अंतो० पज्ज० जहन्नेणं दो सागरोवमाई अंतो० उक्को० सत्त सागरोवमाई अंतो०, माहिंदे जह० साइरे-
 गाई दो सागरोवमाई उक्को० साइरेगाई सत्त सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जहन्नेणं दो सागरोवमाई साइरेगाई अंतो० उक्को० सत्त सागरोवमाई साइरेगाई
 अंतो०, बंभलोए जह० सत्त सागरोवमाई उक्को० दस सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जह० सत्त सागरोवमाई अंतो० उक्को० दस सागरोवमाई अंतो०,
 लंतए जह० दस सागरोवमाई उक्को० चउइस सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जह० दस सागरोवमाई अंतो० उक्को० चउइस सागरोवमाई अंतो०, महासुक्के
 जह० चउइस सागरोवमाई उक्को० सत्तरस सागरोवमाई, अपज्जत्तयाणं पुच्छा ?, गो०! जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जह० चउइस सागरोवमाई अंतो० उक्को० सत्तरस सागरोवमाई
 अंतो०, सहस्सारे जह० सत्तरस सागरोवमाई उक्को० अट्ठारस सागरोवमाई अप० जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जह० सत्तरस सागरोवमाई अंतो० उक्को० अट्ठारस सागरोवमाई
 अंतो०, आणए जह० अट्ठारस सागरोवमाई उक्को० एगूणवीसं सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जह० अट्ठारस सागरोवमाई अंतो० उक्को० एगूणवीसं सागरो-
 वमाई अंतो०, पाणए जह० एगूणवीसं सागरोवमाई उक्को० वीसं सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जह० एगूणवीसं सागरोवमाई अंतो० उक्कोसेणं वीसं
 सागरोवमाई अंतो०, आरणे जह० वीसं सागरोवमाई उक्को० एकक्कीसं सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जह० वीसं सागरोवमाई अंतोमुहुत्तूणाई उक्को० एगवीसं
 सागरोवमाई अंतो०, अच्चुए जह० एगवीसं सागरोवमाई उक्को० बावीसं सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जह० इक्कीसं सागरोवमाई अंतो० उक्को० बावीसं
 सागरोवमाई अंतो०, हेट्ठिमहेट्ठिमगेविज्ज० जह० बावीसं सागरोवमाई उक्को० तेवीसं सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो०, पज्जत्तयाणं पुच्छा ?, गो०! जह० बावीसं सागरोव-
 माई अंतो० उक्को० तेवीसं सागरोवमाई अंतो०, हेट्ठिममज्झिमगेवेज्जगे जह० तेवीसं सागरोवमाई उक्को० चउवीसं सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जह० तेवीसं सागरोव-
 माई अंतो० उक्को० चउवीसं सागरोवमाई अंतो०, हेट्ठिमउवरिमगेविज्जगे जह० चउवीसं सागरोवमाई उक्को० पणवीसं सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जह० चउवीसं
 सागरोवमाई अंतो० उक्को० पणवीसं साग० अंतो० मज्झिमहेट्ठिमगेविज्जगे जह० पणवीसं सागरोवमाई उक्को० छवीसं सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्जत्त० जह० पणवीसं
 सागरोवमाई अंतो० उक्को० छवीसं सागरोवमाई अंतो०, मज्झिममज्झिमगेविज्जगे जह० छवीसं सागरोवमाई उक्को० सत्तावीसं सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो०
 पज्जत्त० जह० छवीसं सागरोवमाई अंतो० उक्को० सत्तावीसं सागरोवमाई अंतो०, मज्झिमउवरिमगेविज्जगे जह० सत्तावीसं सागरोवमाई उक्को० अट्ठावीसं सागरोवमाई अपज्ज०
 जह० उक्को० अंतो० पज्जत्त० जह० सत्तावीसं सागरोवमाई अंतो० उक्को० अट्ठावीसं सागरोवमाई अंतो०, उवरिमहेट्ठिमगेविज्जगे जह० अट्ठावीसं सागरोवमाई उक्को० एगूण-
 तीसं सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जह० अट्ठावीसं सागरोवमाई अंतो० उक्को० एगूणतीसं सागरोवमाई अंतो०, उवरिममज्झिमगेविज्जगे जह० एगूणतीसं
 सागरोवमाई उक्को० तीसं सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्जत्त० जह० एगूणतीसं सागरोवमाई अंतो० उक्को० तीसं सागरोवमाई अंतो०, उवरिमउवरिमगेवेज्जगे जह०
 तीसं सागरोवमाई उक्को० एकक्कीसं सागरोवमाई अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जह० तीसं सागरोवमाई अंतो० उक्को० एकक्कीसं सागरोवमाई अंतो०, विजयवेजयं-
 तजयंतअपराजितेसु जह० एकक्कीसं सागरोवमाई उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाई अप० जह० उक्को० अंतो० पज्ज० जह० एकक्कीसं सागरोवमाई अंतो० उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाई
 अंतो०, सब्बट्ठसिद्धगदेवाणं भंते! केवइयं कालं ठिई पं०?, गो०! अजहन्नमणुक्कोसं तेत्तीसं सागरोवमाई ठिई पं० अपज्ज० जह० उक्को० अंतो० पज्जत्त० अजहन्नमणुक्कोसं
 तेत्तीसं सागरोवमाई अंतोमुहुत्तूणाई ठिई पं०। १०२। पन्नवणाए ठिइपदं ४ ॥ कइविहा णं भंते! पज्जवा पं०?, गो०! दुविहा पज्जवा पं० तं०-जीवपज्जवा य अजीवपज्जवा य, जीव-
 पज्जवा णं भंते! किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता?, गो०! नो संखेज्जा नो असं० अणंता०, से केणट्ठेणं भंते! एवं बुच्चइ-जीवपज्जवा नो संखेज्जा नो असं० अणंता?, गो०! असं०
 नेरइया असं० असुरकुमारा असं० नाग० असं० सुवण्ण० असं० विज्जु० असं० अगणि० असं० दीव० असं० उदहि० असं० दिसि० असं० वाउ० असं० थणियकुमारा असंखेज्जा
 पुढवीकाइया असं० आउकाइया असं० तेउ० असं० वाउ० अणंता वणप्फ० असं० बेईदिया असं० तेईदिया असं० चउ० असं० पंचिंदियतिरिक्खजोणिया असं० मणुस्सा असं०
 वाणमंतरा असं० जोइसिया असं० वेमाणिया अणंता सिद्धा, से एएट्ठेणं गो०! एवं बुच्चइ-ते णं नो संखिज्जा नो असंखिज्जा अणंता। १०३। नेरइयाणं भंते! केवइया पज्जवा पं०?,
 गो०! अणंता पज्जवा पं०, से केणट्ठेणं भंते! एवं बुच्चइ-नेरइयाणं अणंता पज्जवा पं०?, गो०! नेरइए नेरइयस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले

सिय अब्भहिए जइ हीणे असंखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जभाग० संखिज्जगुण० वा असंखिज्जगुण० वा अह अब्भहिए असंखिज्जइभागमब्भहिए वा संखिज्ज० वा संखिज्जगुण० वा असंखिज्जगुण० वा, ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए जइ हीणे असंखिज्जइभाग० वा संखिज्जइभाग० वा संखिज्जगुण० वा असंखिज्जगुणहीणे वा अह अब्भहिए असंखिज्जभाग० मब्भहिए वा संखिज्जभाग० वा संखिज्जगुण० वा असंखिज्जगुण० वा, कालवण्णपज्जवेहिं सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए जइ हीणे अणंतभाग० वा असंखेज्जभाग० संखेज्जभाग० वा संखेज्जगुण० वा असंखेज्जगुण० वा अणंतगुण० वा अह अब्भहिए अणंतभागमब्भहिए वा असंखेज्जभाग० वा संखेज्जभाग० वा संखेज्जगुण० वा असंखेज्जगुण० वा अणंतगुण० वा नीललोहियपीयहालिदसुक्खिल्ले० छट्ठाणवडिए, सुब्भिगंध० दुब्भिगंध० य छट्ठाणवडिए, तित्तरसकडुयकसायअंबिलमहुर० छट्ठाणवडिए, कक्खडफासमउयगरुयलहुयसीयउसिणनिद्वलुक्खफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, आभिणिबोहियनाणपज्जवेहिं सुय०ओहि०मइअन्नाणसुयअन्नाणविभंगनाणचक्खुदंसणअचक्खुदंसणओहिदंसण० छट्ठाणवडिए, से तेणट्ठेणं गो०! एवं वुच्चइ-नेरइयाणं नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता पज्जवा पं०। १०४। असुरकुमारणं भंते! केवइया पज्जवा पं०?, गो०! अणंता पज्जवा पं०, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-असुरकुमारणं अणंता पज्जवा पं०?, गो०! असुरकुमारे असुरकुमारस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए ठिईए चउट्ठाणवडिए कालवन्नपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए एवं नीललोहियहालिदसुक्खिल्लसुब्भिगंधदुब्भिगंधतित्तरसकडुयकसायअंबिलमहुरकक्खडमउयगरुयलहुयसीयउसिणनिद्वलुक्ख० आभिणिबोहियनाणसुयओहिमइअन्नाणसुयअन्नाणविभंगनाणचक्खुदंसणअचक्खुओहिदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, से एएणट्ठेणं गो०! वुच्चइ-असुरकुमारणं अणंता पज्जवा पं० जहा नेरइया, जहा असुरकुमारा तहा नागकुमारावि जाव थणियकुमारा। १०५। पुढवीकाइयाणं भंते! केवइया पज्जवा पं०?, गो०! अणंता पज्जवा पं०, से केणट्ठेणं० पुढवीकाइयाणं अणंता पज्जवा पं०?, गो०! पुढवीकाइए पुढवीकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए जइ हीणे असंखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जइभाग० वा संखिज्जइगुण० वा असंखिज्जइगुण० वा अह अब्भहिए असंखि० वा संखिज्जइभाग० वा संखिज्जगुण० वा असंखि०, ठिईए तिट्ठाणवडिए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए जइ हीणे असंखिज्जभाग० वा संखिज्जभाग० वा संखिज्जगुण० वा अह अब्भहिए असंखिज्जइ० वा संखिज्जइ० वा संखिज्जगुणअब्भहिए वा, वन्नेहिं गंधेहिं रसेहिं फासेहिं मइअन्नाणसुयअन्नाणअचक्खुदंस० छट्ठाणवडिए, आउकाइयाणं भंते! केवइया पज्जवा पं०?, गो०! अणंता पज्जवा पं०?, से केणट्ठेणं०?, गो०! आउकाइए आउकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए ठिईए तिट्ठाणवडिए वन्नगंधरसफासमइअन्नाणसुअअन्नाणअचक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, तेउकाइयाणं जाव छट्ठाणवडिए, वाउकाइयाणं जाव छट्ठाणवडिए, वणस्सइकाइयाणं जाव छट्ठाणवडिए, से एएणट्ठेणं गो०! एवं वुच्चइ-वणस्सइकाइयाणं अणंता पं०। १०६। बेइंदियाणं पुच्छा, गो०! अणंता पज्जवा पं०, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-बेइंदियाणं अणंता पज्जवा पं०?, गो०! बेइंदिए बेइंदियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए जइ हीणे असंखिज्जइ० वा संखिज्जइ० वा संखिज्जइगुण० वा असंखिज्जइगुण० वा अह अब्भहिए असंखिज्जभाग० वा संखिज्ज० वा संखिज्जगुण० वा असंखिज्जइगुण० वा, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासआभिणिबोहियनाणसुयनाणमइअन्नाणसुयअन्नाणअचक्खुदंसणपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिए, एवं तेइंदियावि, एवं चउरिंदियावि, नवरं दो दंसणा चक्खुदंसणं अचक्खुदंसणं। १०७। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जवा जहा नेरइयाणं तहा भाणियवा। १०८। मणुस्साणं भंते! केवइया पज्जवा पं०?, गो०! अणंता पज्जवा पं०, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-मणुस्साणं अणंता पज्जवा पं०?, गो०! मणुसे मणुस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए ठिईए चउट्ठाणवडिए वन्नगंधरसफासआभिणिबोहियनाणसुयनाणओहिनाणमणपज्जवनाणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए केवलनाणपज्जवेहिं तुल्ले तीहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए केवलदंसणपज्जवेहिं तुल्ले। १०९। वाणमंतरा ओगाहणट्ठयाए ठिईए चउट्ठाणवडिया वण्णाईहिं छट्ठाणवडिया, जोइसिया वेमाणियावि एवं चेव नवरं ठिईए तिट्ठाणवडिया। ११०। जहन्नोगाहणगाणं भंते! नेरइयाणं केवइया पज्जवा पं०?, गो०! अणंता पज्जवा पं०, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ?, गो०! जहन्नोगाहणए नेरइए जहन्नोगाहणस्स नेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए तुल्ले ठिईए चउट्ठाणवडिए वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं तीहिं नाणेहिं तीहिं अन्नाणेहिं तीहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, उक्कोसोगाहणगाणं भंते! नेरइयाणं केवइया पज्जवा पं०?, गो०! अणंता पज्जवा पं०, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-उक्कोसोगाहणयाणं नेरइयाणं अणंता पज्जवा पं०?, गो०! उक्कोसोगाहणए नेरइए उक्कोसोगाहणस्स नेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए जइ हीणे असंखिज्जभा० वा संखिज्जभाग० वा अह अब्भहिए असंखिज्जभागअब्भहिए वा संखिज्जभागअब्भ०

७०७ प्रज्ञापना, पद-५५

दबट्टयाए तुल्ले पएसट्टयाए ओगाहणट्टयाए तुल्ले ठिईए तिट्ठाणवडिए वन्नगंधं० दोहिं नाणेहिं दोहिं अन्नाणेहिं अचक्खुदंसणं० य छट्ठाणवडिए, एवं उक्कोसोगाहणएवि णवरं णाणा
 णत्थि, अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए जहा जहन्नोगाहणए णवरं सट्ठाणे ओगाहणए चउट्ठाणवडिए, जहन्नठिइयाणं भंते ! बेइंदियाणं पुच्छा, गो० ! अणंता पज्जवा पं०, से केणट्ठेणं भंते !
 एवं वुच्चइ-जहन्नठिइयाणं बेइंदियाणं अणंता पज्जवा पं०?, गो० ! जहन्नठिइए बेइंदिए जहन्नठिइयस्स बेइंदियस्स दबट्टयाए तुल्ले पएसट्टयाए तुल्ले ओगाहणट्टयाए चउट्ठा० ठितीए
 तुल्ले वन्नगंधं० दोहिं अन्नाणेहिं अचक्खुदंसणेण य छट्ठाणवडिए, एवं उक्कोसठिइएवि नवरं दो णाणा अब्भहिया, अजहन्नमणुक्कोसठिइए जहा उक्कोसठिइए णवरं ठिईए तिट्ठाणव-
 डिए, जहन्नगुणकालगाणं बेइंदियाणं पुच्छा, गो० ! अणंता पज्जवा पं०, से केण० बेइंदियाणं अणंता पज्जवा पं०?, गो० ! जहन्नगुणकालए बेइंदिए जहन्नगुणकालगस्स बेइंदियस्स
 दबट्टयाए तुल्ले पएसट्टयाए तुल्ले ओगाहणट्टयाए छट्ठाणवडिए ठिईए तिट्ठाण० कालवन्न० तुल्ले अवसेसेहिं वन्नगंधं० दोहिं नाणेहिं दोहिं अन्नाणेहिं अचक्खुदंसणेण य छट्ठाणवडिए,
 एवं उक्कोसगुणकालएवि, अजहन्नमणुक्कोसगुणकालएवि एवं चेव णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए, एवं पंच वन्ना दो गंधा पंच रसा अट्ठ फासा भाणियत्ता, जहन्नाभिणिबोहियणा-
 णीणं भंते ! बेइंदियाणं केवइया पज्जवा पं०?, गो० ! अणंता पज्जवा पं०, से केण० जहन्नाभिणिबोहियणाणीणं बेइंदियाणं अणंता पज्जवा पं०?, गो० ! जहन्नाभिणिबोहियणाणी बेइं-
 दिए जहन्नाभिणिबोहियणाणिस्स बेइंदियस्स दबट्टपएसट्टयाए तुल्ले ओगाहणट्टयाए चउट्ठाणवडिए ठिईए तिट्ठाणवडिए वन्नगंधं० छट्ठाणवडिए आभिणिबोहिय० तुल्ले सुय०
 अचक्खु० छट्ठाणवडिए, एवं उक्कोसाभिणिबोहियणाणीवि, अजहन्नमणुक्कोसाभिणिबोहियणाणीवि एवं चेव नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए, एवं सुयणाणीवि सुयअन्नाणीवि अचक्खु-
 दंसणीवि, णवरं जत्थ णाणा तत्थ अन्नाणा नत्थि जत्थ अन्नाणा तत्थ णाणा नत्थि, जत्थ दंसणं तत्थ णाणावि अन्नाणावि, एवं तेइंदियाणवि, चउरिंदियाणवि एवं चेव णवरं चक्खुदं-
 सणं अब्भहियं । ११४ । जहन्नोगाहणगाणं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं केवइया पज्जवा पं०?, गो० ! अणंता पज्जवा पं०, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-जहन्नोगाहणगाणं०
 अणंता पज्जवा पं०?, गो० ! जहन्नोगाहणए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहन्नोगाहणयस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स दबट्टयाए पएसट्टयाए ओगाहण० तुल्ले ठिईए तिट्ठाणव-
 डिए वन्नगंधं० दोहिं नाणेहिं दोहिं अन्नाणेहिं दोहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, उक्कोसोगाहणएवि एवं चेव णवरं तीहिं नाणेहिं तीहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, जहा उक्कोसोगाहणए
 तहा अजहन्नमणुक्कोसोगाहणएवि णवरं ओगाहणट्टयाए ठिईए चउट्ठाणवडिए, जहन्नठिइयाणं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं केवइया पज्जवा पं०?, गो० ! अणंता पज्जवा
 पं०, से केण० जहन्नठिइयाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं अणंता पज्जवा पं०?, गो० ! जहन्नठिइए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहन्नठिइयस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स दब-
 ट्टयाए तुल्ले पएसट्टयाए तुल्ले ओगाहणट्टयाए चउट्ठाणवडिए ठिईए तुल्ले वन्नगंधं० दोहिं अन्नाणेहिं दोहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, उक्कोसठिइएवि एवं चेव णवरं दो नाणा दो अन्नाणा दो
 दंसणा, अजहन्नमणुक्कोसठिइएवि एवं चेव नवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए तिन्नि णाणा तिन्नि अन्नाणा तिन्नि दंसणा, जहन्नगुणकालगाणं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा,
 गो० ! अणंता, से केण०, गो० ! जहन्नगुणकालए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहन्नगुणकालगस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स दबट्टयाए तुल्ले पएसट्टयाए तुल्ले ओगाहणट्टयाए चउ-
 ट्ठाणवडिए ठिईए चउट्ठाणवडिए कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले अवसेसेहिं वन्नगंधं० तीहिं नाणेहिं तीहिं अन्नाणेहिं तीहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, एवं उक्कोसगुणकालएवि, अजहन्न-
 मणुक्कोसगुणकालएवि एवं चेव नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए, एवं पंच वन्ना दो गंधा पंच रसा अट्ठ फासा, जहन्नाभिणिबोहियणाणीणं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं केवइया
 पज्जवा पं०?, गो० ! अणंता पज्जवा पं०, से केण०?, जहन्नाभिणिबोहियणाणी पंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहन्नाभिणिबोहियणाणिस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स दबट्टयाए
 तुल्ले पएसट्टयाए तुल्ले ओगाहणट्टयाए चउट्ठाणवडिए वन्नगंधं० छट्ठाणवडिए आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं तुल्ले सुयणाणचक्खुदंसणअचक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए
 उक्कोसाभिणिबोहियणाणीवि णवरं ठिईए तिट्ठाणवडिए तिन्नि नाणा तिन्नि दंसणा सट्ठाणे तुल्ले सेसेसु छट्ठाणवडिए, अजहन्नमणुक्कोसाभिणिबोहियणाणी जहा उक्कोसाभिणिबो-
 हियणाणी णवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए सट्ठाणे छट्ठाणवडिए, एवं सुयणाणीवि, जहन्नोहिनाणीणं भंते ! पंचिंदियतिरिक्ख०?, अणंता पज्जवा पं०, से केण०?, गो० ! जहन्नोहि-
 नाणी पंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहन्नोहिनाणिस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स दबट्टयाए तुल्ले पएसट्टयाए तुल्ले ओगाहणट्टयाए चउट्ठाणवडिए ठिईए तिट्ठाणवडिए वन्न-
 गंधं० आभिणिबोहियणाणसुयणाण० छट्ठाणवडिए ओहिनाण० तुल्ले अन्नाणा नत्थि चक्खुअचक्खुओहिदंसण० छट्ठाणवडिए, एवं उक्कोसोहिनाणीवि, अजहन्नमणुक्कोसोहिना-
 णीवि एवं चेव णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए, जहा आभिणिबोहियणाणी तहा मइअन्नाणी सुयअन्नाणी य, जहा ओहिनाणी तहा विभंगनाणीवि, चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी य
 जहा आभिणिबोहियणाणी, ओहिदंसणी जहा ओहिनाणी, जत्थ नाणा तत्थ अन्नाणा नत्थि जत्थ अन्नाणा तत्थ नाणा नत्थि, जत्थ दंसणा तत्थ णाणावि अन्नाणावि (१७७)

अत्थित्ति भाणियव्वा । ११५। जहन्नोगाहणगाणं भंते ! मणुस्साणं केवइया पज्जवा पं०?, गो०! अणंता पज्जवा पं०, से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ-जहन्नोगाहणगाणं मणुस्साणं अणंता पज्जवा पं०?, गो०! जहन्नोगाहणए मणूसे जहन्नोगाहणगस्स मणूसस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए तुल्ले ठिईए तिट्ठाणवडिअ वन्नगंध० तीहिं नाणेहिं दोहिं अन्नाणेहिं तीहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिअ, उक्कोसोगाहणए एवं चेव नवरं ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अम्भहिअ जइ हीणे असंखिज्जइभागहीणे अह अम्भहिअ असंखे-ज्जइभागअम्भहिअ, दो नाणा दो अन्नाणा दो दंसणा, अजहन्नमणुक्कोसोगाहणएवि एवं चेव, नवरं ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिअ, ठिईए चउट्ठाणवडिअ, आइल्लेहिं चउहिं नाणेहिं छट्ठाणवडिअ, केवलनाण० तुल्ले, तीहिं अन्नाणेहिं तीहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिअ, केवलदंसणपज्जवेहिं तुल्ले, जहन्नठिइयाणं भंते ! मणुस्साणं केवइया पज्जवा पं०?, गो०! अणंता पज्जवा पं०, से केण०?, जहन्नठिइए मणुस्से जहन्नठिइयस्स मणुस्सस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिअ ठिईए तुल्ले वन्नगंध० दोहिं अन्नाणेहिं दोहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिअ, एवं उक्कोसठिइएवि नवरं दो नाणा दो अन्नाणा दो दंसणा, अजहन्नमणुक्कोसठिइएवि एवं चेव नवरं ठिईए चउट्ठाणवडिअ ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिअ आइल्लेहिं चउहिं नाणेहिं छट्ठाणवडिअ केवलनाण० तुल्ले तीहिं अन्नाणेहिं तीहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिअ केवलदंसण० तुल्ले, जहन्नगुणकालयाणं भंते ! मणुस्साणं०?, अणंता, से केण०?, जहन्न-गुणकालए मणूसे जहन्नगुणकालगस्स मणुस्सस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए ठिईए चउट्ठाणवडिअ कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले अवसेसेहिं वन्नगंध० छट्ठाणवडिअ चउहिं नाणेहिं छट्ठाणवडिअ केवलनाणपज्जवेहिं तुल्ले तीहिं अन्नाणेहिं तीहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिअ केवलदंसणपज्जवेहिं तुल्ले, एवं उक्कोसगुणकालएवि, अजहन्नमणुक्कोसगुणकाल-एवि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिअ, एवं पंच वन्ना दो गंधा पंच रसा अट्ठ फासा भाणियव्वा, जहन्नाभिणिबोहियनाणीणं मणुस्साणं केवइया पज्जवा पं०?, गो०! अणंता पज्जवा पं०, से केण०?, जहन्नाभिणिबोहियनाणी मणूसे जहन्नाभिणिबोहियणाणस्स मणुस्सस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिअ ठिईए चउट्ठाणवडिअ वन्नगंध० छट्ठाणवडिअ आभिणिबोहियनाण० तुल्ले सुयनाण० दोहिं दंसणेहिं छट्ठाण०, एवं उक्कोसाभिणिबोहियनाणीवि नवरं आभिणिबोहियनाण० तुल्ले ठिईए तिट्ठाणवडिअ तीहिं नाणेहिं तीहिं दंसणेहिं छट्ठाण०, अजहन्नमणुक्कोसाभिणिबोहियनाणी जहा उक्कोसाभिणिबोहियनाणी नवरं ठिईए चउट्ठाणवडिअ सट्ठाणे छट्ठाणवडिअ, एवं सुयनाणीवि, जह-न्नोहिणाणीणं भंते ! मणुस्साणं केवइया पज्जवा पं०?, गो०! अणंता पज्जवा पं०, से केण०?, जहन्नोहिनाणी मणुस्से जहन्नोहिनाणस्स मणूसस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए ठिईए तिट्ठाणवडिअ वन्नगंध० दोहिं नाणेहिं छट्ठाणवडिअ ओहिनाणपज्जवेहिं तुल्ले मणनाण० छट्ठाणवडिअ तीहिं दंसणेहिं छट्ठाण०, एवं उक्कोसोहिनाणीवि, अज-हन्नमणुक्कोसोहिनाणी एवं चेव नवरं ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिअ सट्ठाणे छट्ठाणवडिअ, जहा ओहिनाणी तहा मणपज्जवन णीवि भाणियव्वे नवरं ओगाहणट्ठयाए तिट्ठाण०, जहा आभिणिबोहियनाणी तहा मइअन्नाणी सुयअन्नाणीवि भाणियव्वे, जहा ओहिनाणी तहा विभंगनाणीवि भाणियव्वे, चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी य जहा आभिणिबोहियनाणी, ओहिदंसणी जहा ओहिनाणी, जत्थ नाणा तत्थ अन्नाणा नत्थि जत्थ अन्नाणा तत्थ नाणा नत्थि, जत्थ दंसणा तत्थ णाणावि अन्नाणावि, केवलनाणीणं भंते ! मणुस्साणं केवइया पज्जवा पं०?, अणंता पज्जवा पं०, से केण०?, गो०! केवलनाणी मणूसे केवलनाणस्स मणुस्सस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिअ ठिईए तिट्ठाणवडिअ वन्नगंध० छट्ठाणवडिअ केवलनाणकेवलदंसण० तुल्ले, एवं केवलदंसणीवि मणूसे भाणियव्वे । ११६। वाणमंतरा जहा असुरकुमारा, एवं जोइसियवेमाणिया नवरं सट्ठाणे ठिईए तिट्ठाणव-डिअ भाणियव्वे, सेत्तं जीवपज्जवा । ११७। अजीवपज्जवा णं भंते ! कइविहा पं०?, गो०! दुविहा पं० तं०-रूविअजीवपज्जवा य अरूविअजीवपज्जवा य, अरूविअजीव० कइविहा पं०?, गो०! दसविहा पं० तं०-धम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे धम्मत्थिकायस्स पएसअहम्मत्थिकाए अहम्मत्थिकायस्स देसे अहम्मत्थिकायस्स पएसआगासत्थिकाए आगा-सत्थिकायस्स देसे आगासत्थिकायस्स पएसअद्धासमए । ११८। रूविअजीवपज्जवा णं भंते ! कइविहा पं०?, गो०! चउविहा पं० तं०-खंधा खंधदेसा खंधपएसपरमाणुपुग्गला, ते णं भंते ! किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता?, गो०! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ-नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता?, गो०! अणंता परमाणुपुग्गला अणंता दुपएसिया खंधा जाव अणंता दसपएसिया अणंता संखिज्जपएसिया अणंता असंखिज्जपएसिया अणंता अणंतपएसिया खंधा, से तेणट्टेणं गो०! एवं वुच्चइ-ते णं नो संखिज्जा नो असंखिज्जा अणंता । ११९। परमाणुपोग्गलार्णं भंते ! केवइया पज्जवा पं०?, गो०! परमाणुपोग्गलार्णं अणंता पज्जवा पं०, से केणट्टेणं० परमाणु० अणंता०?, गो०! परमाणुपुग्गले परमा-णुपोग्गलस्स दव्वट्ठपएसट्ठयाए तुल्ले ओगाहण० तुल्ले ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अम्भहिअ जइ हीणे असंखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जइभाग० वा संखिज्जइगुण० वा असंखि-

ज्जइगुण० वा अह अब्भहि ए असंखिज्जइभागअब्भहि ए वा संखिज्जइभाग० वा संखिज्जगुणअ० वा असंखिज्जगुण० वा, कालवन्नपज्जवेहिं सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहि ए जइ हीणे अणंतभागहीणे वा असंखिज्जइभाग० वा संखिज्जइभाग० वा संखिज्जगुण० वा असंखिज्जगुण० वा अणंतगुण० वा अह अब्भहि ए अणंतभाग० वा असंखिज्जइभाग० वा संखिज्जभाग० वा संखिज्जगुण० वा असंखिज्जगुण० वा अणंतगुण० वा, एवं अवसेसवन्नगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, फासाणं सीयउसिणनिदुल्लुक्खेहिं छट्ठाणवडिए, से तेणट्ठेणं गो०! एवं वुच्चइ-परमाणुपोग्गलाणं अणंता०, दुपएसियाणं पुच्छा, गो०! अणंता पज्जवा पं०, से केण०?, गो०! दुपएसिए दुपएसियस्स दव्वट्ठपएस० तुल्ले ओगाह० सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहि ए जइ हीणे पएसहीणे अह अब्भहि ए पएसमब्भहि ए ठिईए चउट्ठाणवडिए वन्नाईहिं उवरिल्लेहिं चउफासेहिं य छट्ठाणवडिए, एवं तिपएसेवि, नवरं ओगाहण-ट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहि ए जइ हीणे पएसहीणे वा दुपएसहीणे वा अह अब्भहि ए पएसमब्भहि ए वा दुपएसमब्भहि ए वा, एवं जाव दसपएसिए नवरं ओगाहणाए पएसपरिवुड्ढी कायवा जाव दसपएसिए नवरं नवपएसहीणत्ति, संखेज्जपएसियाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण० एवं वुच्चइ०?, गो०! संखेज्जपएसिए संखेज्जपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहि ए जइ हीणे संखेज्जभागहीणे वा संखिज्जगुण० वा अह अब्भहि ए एवं चेव, ओगाहणट्ठयाएवि दुट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइउवरिल्लिचउफासपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिए, असंखिज्जपएसियाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! असंखिज्जपएसिए खंधे असंखिज्जपएसियस्स खंधस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए चउट्ठाण० ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाण० ठिईए चउट्ठाण० वण्णाइउवरिल्लिचउफासेहिं य छट्ठाण०, अणंतपएसियाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! अणंत-पएसिए खंधे अणंतपएसियस्स खंधस्स दव्व० तुल्ले पएस० छट्ठाण० ओगाहण० चउट्ठाण० ठिईए चउट्ठाण० वन्नगंध० छट्ठाण०, एगपएसोगाढाणं पोग्गलाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! एगपएसोगाढे पोग्गले एगपएसोगाढस्स पोग्गलस्स दव्व० तुल्ले पएस० छट्ठाण० ओगाहण० तुल्ले ठिईए चउट्ठाण० वण्णाइउवरिल्लिचउफासेहिं छट्ठाण०, एवं दुपएसो-गाढेवि, संखिज्जपएसोगाढाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०?, गो०! संखेज्जपएसोगाढे पोग्गले संखिज्जपएसोगाढस्स पोग्गलस्स दव्व० तुल्ले पएस० छट्ठाण० ओ-गाहण० दुट्ठाण० ठिईए चउट्ठाण० वण्णाइउवरिल्लिचउफासेहिं य छट्ठाण०, असंखेज्जपएसोगाढाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! असंखेज्जपएसोगाढे पोग्गले असंखेज्जपएसो-गाढस्स पोग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए ठिईए चउट्ठाणवडिए वण्णाइअट्ठफासेहिं छट्ठाणवडिए, एगसमयठिइयाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! एगसमयठिइए पोग्गले एगसमयठिइयस्स पोग्गलस्स दव्व० तुल्ले पएस० छट्ठाण० ओगाहण० चउट्ठाण० ठितीए तुल्ले वण्णाइअट्ठफासेहिं छट्ठाण० एवं जाव दससमयठिइए, संखेज्जसमयठिइयाणं एवं चेव नवरं ठिईए दुट्ठाण०, असंखेज्जसमयठिइयाणं एवं चेव नवरं ठिईए चउट्ठाण०, एकगुणकालगाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! एकगुणकालए पोग्गले एकगुणकालयस्स पोग्गलस्स दव्व० तुल्ले पएस० छट्ठाण० ओगाहण० चउट्ठाण० ठिईए चउट्ठाण० कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले अवसेसेहिं वन्नगंधरसअट्ठफासेहिं छट्ठाण० एवं जाव दसगुणकालए, संखेज्जगुणकालएवि एवं चेव नवरं सट्ठाणे दुट्ठाण०, एवं असंखिज्जगुणकालएवि नवरं सट्ठाणे चउट्ठाण०, एवं अणंतगुणकालएवि नवरं सट्ठाणे छट्ठाण०, एवं जहा कालवन्नस्स वत्तवया भणिया तहा सेसाणवि वन्नगंधरसफासाणं वत्तवया भाणियवा जाव अणंतगुणलुक्खे, जहन्नोगाहणगाणं भंते! दुपएसियाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! जहन्नोगाहणए दुपएसिए खंधे जहन्नोगाहणस्स दुपएसियस्स खंधस्स दव्वट्ठ० तुल्ले पएस० तुल्ले ओगाहण० तुल्ले ठिईए चउट्ठाण० कालवन्नपज्जवेहिं छट्ठाण० सेस-वन्नगंधरसपज्जवेहिं छट्ठाण० सीयउसिणनिदुल्लुक्खफासपज्जवेहिं छट्ठाण० से तेणट्ठेणं गो०! एवं वुच्चइ-जहन्नोगाहणाणं दुपएसियाणं पोग्गलाणं अणंता पज्जवा पं०, उक्कोसोगाहणएवि एवं चेव, अजहन्नमणुक्कोसोगाहणओ नत्थि, जहन्नोगाहणयाणं भंते! तिपएसियाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! जहा दुपएसिए जहन्नोगाहणए, उक्कोसोगाहणएवि एवं चेव, एवं अजहन्नमणुक्कोसोगाहणएवि, जहन्नोगाहणयाणं भंते! चउपएसियाणं पुच्छा, गो०! जहा जहन्नोगाहणए दुपएसिए तहा जहन्नोगाहणए चउप्पएसिए, एवं जहा उक्को-सोगाहणए दुपएसिए तहा उक्कोसोगाहणए चउप्पएसिएवि, एवं अजहन्नमणुक्कोसोगाहणएवि चउप्पएसिए नवरं ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सियमब्भहि ए जइ हीणे पएसहीणे अह अब्भहि ए पएसअब्भहि ए, एवं जाव दसपएसिए नेयव्वं नवरं अजहन्नुक्कोसोगाहणए पएसपरिवुड्ढी कायवा जाव दसपएसियस्स सत्त पएसो परिवुड्ढज्जंति, जहन्नो-गाहणगाणं भंते! संखेज्जपएसियाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो० जहन्नोगाहणए संखेज्जपएसिए जहन्नोगाहणगस्स संखिज्जपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले पएस० दुट्ठाण० ओगाहण० तुल्ले ठिईए चउट्ठाण० वण्णाइचउफासपज्जवेहिं य छट्ठाण०, एवं उक्कोसोगाहणएवि, अजहन्नमणुक्कोसोगाहणएवि एवं चेव नवरं सट्ठाणे दुट्ठाणवडिए, जहन्नोगाहण-

गाणं भंते ! असंखिजपएसियाणं पुच्छा, गो० ! अणंता, से केण० ?, गो० ! जहन्नोगाहणए असंखिजपएसिए खंधे जहन्नोगाहणगस्स असंखिजपएसियस्स खंधस्स दब्बट्ट० तुल्ले पएस० चउट्टाण० ओगाहण० तुल्ले ठिईए चउट्टाण० वण्णाइउवरिल्लफासेहि य छट्टाणवडिए, एवं उक्कोसोगाहणएवि, अजहन्नमणुक्कोसोगाहणएवि एवं चेव नवरं सट्टाणे चउट्टाणवडिए, जहन्नोगाहणगाणं भंते ! अणंतपएसियाणं पुच्छा, गो० ! अणंता, से केण० ?, गो० ! जहन्नोगाहणए अणंतपएसिए खंधे जहन्नोगाहणगस्स अणंतपएसियस्स खंधस्स दब्बट्ट० तुल्ले पएस० छट्टाण० ओगाहण० तुल्ले ठिईए चउट्टाण० वण्णाइउवरिल्लचउफासेहिं छट्टाण०, उक्कोसोगाहणएवि एवं चेव नवरं ठिईएवि तुल्ले, अजहन्नमणुक्कोसोगाहणगाणं भंते ! अणंतपएसियाणं पुच्छा, गो० ! अणंता, से केण० ?, गो० ! अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए अणंतपएसिए खंधे अजहन्नमणुक्कोसोगाहणगस्स अणंतपएसियस्स खंधस्स दब्ब० तुल्ले पएस० छट्टाण० ओगाहण० चउट्टाण० ठिईए चउ० वण्णाइअट्टफासेहिं छट्टाण०, जहन्नठिइयाणं भंते ! परमाणुपुग्गलाणं पुच्छा, गो० ! अणंता, से केण० ?, गो० ! जहन्नठिइए परमाणुपोग्गले जहन्नठिइयस्स परमाणुपोग्गलस्स दब्बट्टयाए पएस० ओगाहण० ठिईए तुल्ले वण्णाइदुफासेहि य छट्टाणवडिए, एवं उक्कोसठिइएवि, अजहन्नमणुक्कोसठिइएवि एवं चेव नवरं ठिईए चउट्टाणवडिए, जहन्नठिइयाणं दुपएसियाणं पुच्छा, गो० ! अणंता, से केण० ?, गो० ! जहन्नठिइए दुपएसिए जहन्नठिइयस्स दुपएसियस्स दब्बट्ट० तुल्ले पएस० तुल्ले ओगाहण० सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए जइ हीणे पएसहीणे अह अब्भहिए पएसअब्भहिए ठिईए तुल्ले वण्णाइचउफासेहि य छट्टाणवडिए, एवं उक्कोसठिइएवि, अजहन्नमणुक्कोसठिइएवि एवं चेव नवरं ठिईए चउट्टाणवडिए, एवं जाव दसपएसिए नवरं पएसपरिवुड्ढी कायवा, ओगाहणट्टयाए तीसुवि गमएसु जाव दसपएसिए एवं पएसा परिवडिज्जंति, जहन्नठिइयाणं भंते ! संखिजपएसियाणं० ?, अणंता, से केण० ?, गो० ! जहन्नठिइए संखिजपएसिए खंधे जहन्नठिइयस्स संखिजपएसियस्स खंधस्स दब्बट्ट० तुल्ले पएस० दुट्टाणवडिए ओगाहणट्टयाए दुट्टाणवडिए ठिईए तुल्ले वण्णाइचउफासेहि य छट्टाणवडिए, एवं उक्कोसठिइएवि, अजहन्नमणुक्कोसठिइएवि एवं चेव नवरं ठिईए चउट्टाणवडिए, जहन्नठिइयाणं असंखिजपएसियाणं पुच्छा, गो० ! अणंता, से केण० ?, गो० ! जहन्नठिइए असंखिजपएसिए जहन्नठिइयस्स असंखिजपएसियस्स दब्बट्टयाए तुल्ले पएस० चउट्टाण० ओगाहण० चउट्टाण० ठिईए तुल्ले वण्णाइउवरिल्लचउफासेहि य छट्टाणवडिए, एवं उक्कोसठिइएवि, अजहन्नमणुक्कोसठिइए एवं चेव नवरं ठिईए चउट्टाणवडिए, जहन्नठिइयाणं अणंतपएसियाणं पुच्छा, गो० ! अणंता, से केण० ?, गो० ! जहन्नठिइए अणंतपएसिए जहन्नठिइयस्स अणंतपएसियस्स दब्ब० तुल्ले पएस० छट्टाण० ओगाहण० चउट्टाण० ठिईए तुल्ले वण्णाइअट्टफासेहि य छट्टाण०, एवं उक्कोसठिइएवि, अजहन्नमणुक्कोसठिइएवि एवं चेव नवरं ठिईए चउट्टाणवडिए, जहन्नगुणकालयाणं परमाणुपुग्गलाणं पुच्छा, गो० ! अणंता, से केण० ?, गो० ! जहन्नगुणकालए परमाणुपुग्गले जहन्नगुणकालगस्स परमाणुपुग्गलस्स दब्ब० पएस० ओगाहण० तुल्ले ठिईए चउट्टाण० कालवन्नपजवेहिं तुल्ले अवसेसा वण्णा नत्थि गंधरसदुफासपजवेहि य छट्टाणवडिए, एवं उक्कोसगुणकालएवि, एवमजहन्नमणुक्कोसगुणकालएवि नवरं सट्टाणे छट्टाणवडिए, जहन्नगुणकालगाणं भंते ! दुपएसियाणं पुच्छा, गो० ! अणंता, से केण०, गो० ! जहन्नगुणकालए दुपएसिए जहन्नगुणकालयस्स दुपएसियस्स दब्बट्टयाए पएस० तुल्ले ओगाहणट्टयाए सिय हीणे सिय अब्भहिए जइ हीणे पएसहीणे अह अब्भहिए पएसअब्भहिए ठिईए चउट्टाण० कालवन्नप० तुल्ले अवसेसवण्णाइउवरिल्लचउफासेहि य छट्टाणवडिए, एवं उक्कोसगुणकालएवि, अजहन्नमणुक्कोसगुणकालएवि एवं चेव नवरं सट्टाणे छट्टाणवडिए, एवं जाव दसपएसिए नवरं पएसपरिवुड्ढी ओगाहणाए तहेव, जहन्नगुणकालयाणं भंते ! संखिजपएसियाणं पुच्छा, गो० ! अणंता, से केण० ?, गो० ! जहन्नगुणकालए संखिजपएसिए जहन्नगुणकालगस्स संखिजपएसियस्स दब्ब० तुल्ले पएस० दुट्टाण० ओगाहण० दुट्टाण० ठिईए चउट्टाण० कालवन्नपजवेहिं तुल्ले अवसेसेहिं वण्णाइउवरिल्लचउफासेहि य छट्टाण०, एवं उक्कोसगुणकालएवि, एवं अजहन्नमणुक्कोसगुणकालएवि नवरं सट्टाणे छट्टाण०, जहन्नगुणकालयाणं भंते ! असंखिजपएसियाणं पुच्छा, गो० ! अणंता, से केण० एवं वुच्चइ ?, गो० ! जहन्नगुणकालए असंखिजपएसिए जहन्नगुणकालगस्स असंखिजपएसियस्स दब्बट्टयाए तुल्ले पएस० चउट्टाण० ठिईए चउट्टाण० कालवन्नपजवेहिं तुल्ले अवसेसेहिं वण्णाइउवरिल्लचउफासेहि य छट्टाण० ओगाहणट्टयाए चउट्टाण०, एवं उक्कोसगुणकालएवि, अजहन्नमणुक्कोसगुणकालएवि एवं चेव नवरं सट्टाणे छट्टाण०, जहन्नगुणकालयाणं भंते ! अणंतपएसियाणं पुच्छा, गो० ! अणंता, से केण० ?, गो० ! जहन्नगुणकालए अणंतपएसिए जहन्नगुणकालयस्स० दब्बट्टयाए तुल्ले पएस० छट्टाण० ओगाहण० चउट्टाण० ठिईए चउट्टाण० कालवन्नपजवेहिं तुल्ले अवसेसेहिं वण्णाइअट्टफासेहि य छट्टाण०, एवं उक्कोसगुणकालएवि, अजहन्नमणुक्कोसगुणकालएवि एवं चेव नवरं सट्टाणे छट्टाण०, एवं नीललोहियहालिदसुक्किहसुब्भिगंधदुब्भिगंधतित्तकडुयकसायअंबिलमहुररसअट्टफासपजवेहि य वत्तवया भाणियवा, नवरं परमाणुपोग्गलस्स सुब्भिगंधस्स दुब्भिगंधो न

भण्णइ दुब्भिगंधस्स सुब्भिगंधो न भण्णइ तित्तस्स अवसेसं न भण्णति, एवं कडुयादीणवि, अवसेसं तं चेव, जहन्नगुणकक्खडाणं अणंतपएसियाणं खंधाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! जहन्नगुणकक्खडे अणंतपएसिए जहन्नगुणकक्खडस्स अणंतपएसियस्स दब्बट्टयाए तुल्ले पएस० छट्ठाण० ओगाहण० चउट्ठाण० ठिईए चउट्ठाण० वन्नगंधरसेहिं छट्ठाण० कक्खडफासपज्जवेहिं तुल्ले अवसेसेहिं सत्तफासपज्जवेहिं छट्ठाण०, एवं उक्कोसगुणकक्खडेवि, अजहन्नमणुक्कोसगुणकक्खडेवि एवं चेव नवरं सट्ठाणे छट्ठाण०, एवं मउयगुरुय-
 लहुएवि भाणियव्वं, जहन्नगुणसीयाणं भंते! परमाणुपोग्गलाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! जहन्नगुणसीए परमाणुपोग्गले जहन्नगुणसीतस्स परमाणुपोग्गलस्स दब्बट्टयाए तुल्ले पएस० तुल्ले ओगाहण० तुल्ले ठिईए चउट्ठाण० वन्नगंधरसेहिं छट्ठाण० सीयफासपज्जवेहिं य तुल्ले उसिणफासो न भण्णति निद्वलुक्खफासपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिए, एवं उक्कोसगु-
 णसीएवि, अजहन्नमणुक्कोसगुणसीतेवि एवं चेव नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए, जहन्नगुणसीताणं दुपदेसियाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! जहन्नगुणसीते दुपएसिए जह-
 न्नगुणसीतस्स दुपदेसियस्स दब्बट्टयाए तुल्ले पएस० तुल्ले ओगाहणट्टयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए जइ हीणे पएसहीणे अह अब्भहिए पएसअब्भहिए ठिईए चउट्ठाण०
 वन्नगंधरसपज्जवेहिं छट्ठाण० सीयफासपज्जवेहिं तुल्ले उसिणनिद्वलुक्खफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, एवं उक्कोसगुणसीतेवि, अजहन्नमणुक्कोसगुणसीतेवि एवं चेव नवरं सट्ठाणे छट्ठा-
 णवडिए, एवं जाव दसपएसिए णवरं ओगाहणट्टयाए पएसपरिवुड्ढी कायव्वा जाव दसपएसियस्स नव पएसो बुड्ढिज्जंति, जहन्नगुणसीयाणं संखेजपएसियाणं पुच्छा, गो०! अणंता,
 से केणट्टेणं भंते! एवं बुच्चइ?, गो०! जहन्नगुणसीते संखिजपएसिए जहन्नगुणसीतस्स संखिजपएसियस्स दब्बट्टयाए तुल्ले पएस० दुट्ठाण० ओगाहण० दुट्ठाण० ठिईए चउट्ठाण०
 वण्णादीहिं छट्ठाण० सीयफासपज्जवेहिं तुल्ले उसिणनिद्वलुक्खेहिं छट्ठाण०, एवं उक्कोसगुणसीतेवि, अजहन्नमणुक्कोसगुणसीतेवि एवं चेव नवरं सट्ठाणे छट्ठाण०, जहन्नगुणसीयाणं
 असंखिजपएसियाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! जहन्नगुणसीते असंखिजपएसिए जहन्नगुणसीयस्स असंखिजपएसियस्स दब्ब० तुल्ले पएस० चउट्ठाण० ओगाहणट्ट-
 याए चउट्ठाण० ठिईए चउट्ठाण० वण्णाइपज्जवेहिं छट्ठाण० सीयफासपज्जवेहिं तुल्ले उसिणनिद्वलुक्खफासपज्जवेहिं छट्ठाण०, एवं उक्कोसगुणसीतेवि, अजहन्नमणुक्कोसगुणसीतेवि
 एवं चेव नवरं सट्ठाणे छट्ठाण०, जहन्नगुणसीताणं अणंतपएसियाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! जहन्नगुणसीते अणंतपएसिए जहन्नगुणसीतस्स अणंतपएसियस्स
 दब्बट्टयाए तुल्ले पएस० छट्ठाण० ओगाहण० चउट्ठाण० ठिईए चउट्ठाण० वण्णाइपज्जवेहिं छट्ठाण० सीयफासपज्जवेहिं तुल्ले अवसेसेहिं सत्तफासपज्जवेहिं छट्ठाण०, एवं उक्कोसगुणसी-
 तेवि, अजहन्नमणुक्कोसगुणसीतेवि एवं चेव नवरं सट्ठाणे छट्ठाण०, एवं उसिणनिद्वलुक्खे जहा सीते परमाणुपोग्गलस्स तहेव, पडिवक्खो सब्बेसिं न भण्णइत्ति भाणियव्वं । १२० ।
 जहन्नपएसियाणं भंते! खंधाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केण०?, गो०! जहन्नपएसिए खंधे जहन्नपएसियस्स खंधस्स दब्बट्टयाए पएस० तुल्ले ओगाहणट्टयाए सिय हीणे सिय तुल्ले
 सिय अब्भहिए जइ हीणे पएसहीणे अह अब्भहिए पएसमब्भहिए ठिईए चउट्ठाणवडिए वन्नगंधरसउवरिल्लचउफासपज्जवेहिं छट्ठाण०, उक्कोसपएसियाणं भंते! खंधाणं पुच्छा, गो०!
 अणंता०, से केण०?, गो०! उक्को० खंधे उक्कोसपएसियस्स खंधस्स दब्बट्टयाए पएस० तुल्ले ओगाहणट्टयाए चउट्ठाण० ठिईए चउट्ठाण० वण्णाइअट्टफासपज्जवेहिं य छट्ठाण०, अजह-
 न्नमणुक्कोसपएसियाणं भंते! खंधाणं केवइया पज्जवा पं०?, गो०! अणंता०, से केणट्टेणं०?, गो०! अजहन्नमणुक्कोसपएसिए खंधे अजहन्नमणुक्कोसपएसियस्स खंधस्स दब्बट्टयाए
 तुल्ले पएस० छट्ठाण० ओगाहण० चउट्ठाण० ठिईए चउट्ठाण० वण्णाइअट्टफासपज्जवेहिं य छट्ठाण०, जहन्नोगाहणगाणं भंते! पोग्गलाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केणट्टेणं०?, गो०!
 जहन्नोगाहणए पोग्गले जहन्नोगाहणगस्स पोग्गलस्स दब्बट्टयाए तुल्ले पएस० छट्ठाण० ओगाहण० तुल्ले ठिईए चउट्ठाण० वण्णाइउवरिल्लफासेहिं य छट्ठाण०, उक्कोसोगाहणएवि
 एवं चेव नवरं ठिईए तुल्ले, अजहन्नमणुक्कोसोगाहणगाणं भंते! पोग्गलाणं पुच्छा, गो०! अणंता, से केणट्टेणं०?, गो०! अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए पोग्गले अजहन्नमणुक्कोसोगाह-
 णगस्स पोग्गलस्स दब्बट्टयाए तुल्ले पएस० छट्ठाण० ओगाहण० चउट्ठाण० ठिईए चउट्ठाण० वण्णाइअट्टफासपज्जवेहिं य छट्ठाण०, जहन्नठिइयाणं भंते! पोग्गलाणं पुच्छा, गो०!
 अणंता, से केणट्टेणं०?, गो०! जहन्नठिइए पोग्गले जहन्नठिइयस्स पोग्गलस्स दब्बट्टयाए तुल्ले पएस० छट्ठाण० ओगाहण० चउट्ठाण० ठिईए तुल्ले वण्णाइअट्टफासपज्जवेहिं य छ-
 ट्ठाण०, एवं उक्कोसट्टिइएवि, अजहन्नमणुक्कोसट्टिइएवि एवं चेव नवरं ठिईएवि चउट्ठाण०, जहन्नगुणकालयाणं भंते! पोग्गलाणं केवइया पज्जवा पं०?, गो०! अणंता, से केण-
 ट्टेणं०?, गो०! जहन्नगुणकालए पोग्गले जहन्नगुणकालयस्स पोग्गलस्स दब्बट्टयाए तुल्ले पएस० छट्ठाण० ओगाहण० चउट्ठाण० ठिईए चउट्ठाण० कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले अवसेसेहिं
 वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं य छट्ठाण० से तेणट्टेणं गो०! एवं बुच्चइ-जहन्नगुणकालयाणं पोग्गलाणं अणंता पज्जवा पं०, एवं उक्कोसगुणकालएवि, अजहन्नमणुक्कोसगुणकालएवि एवं
 चेव नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए, एवं जहा कालवन्नपज्जवाणं वत्तव्या भणिया तहा सेसाणवि वन्नगंधरसफासाणं वत्तव्या भाणियव्वा जाव अजहन्नमणुक्कोसलुक्खे सट्ठाणे (१७८)

छट्टाणवडिए । सेत्तं रूविअजीवपज्जवा, सेत्तं अजीवपज्जवा । १२१ ॥ इति पन्नवणाए विसेसपयं ५ ॥ 'बारस चउवीसाइं सअंतरं एगसमय कत्तो य । उब्वट्टण परभवियाउयं च अट्टेव आगरिसा ॥ १८२ ॥ निरयगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पं०?, गो०! जह० एकं समयं उक्को० बारस मुहुत्ता, तिरियगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० बारस मुहुत्ता, मणुयगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० बारस मुहुत्ता, देवगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० बारस मुहुत्ता, सिद्धिगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया सिज्झणाए पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० छम्मासा, निर-यगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उब्वट्टणाए पं०?, गो०! जह० एकं समयं उक्को० बारस मुहुत्ता, तिरियगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उव० पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० बारस मुहुत्ता, मणुयगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उब्वट्टणाए पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० बारस मुहुत्ता, देवगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उब्वट्टणाए पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० बारस मुहुत्ता । दारं १ । १२२ । रयणप्पभापुढवीनेरइया णं भंते ! केवइयं कालं विर० उव० पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० चउवीसं मुहुत्ता, सक्करप्पभा० केवइयं कालं विर० उववाएणं पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० सत्तराइंदियाणि, वालुयप्पभा० केवइयं कालं विर० उववा० पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० अद्धमासं, पंकप्पभा० केवइयं कालं विर० उववा० पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० मासं, धूमप्पभा० केवइयं कालं विर० उववा० पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० दो मासा, तमा० केवइयं कालं विर० उव० पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० चत्तारि मासा, अहेसत्तमा० केवइयं कालं विर० उववा० पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० छ-म्मासा, असुरकुमारा णं भंते ! केवइयं कालं विर० उववा० पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० चउवीसं मुहुत्ता, नाग० केवइयं कालं विर० उववा० पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० चउवीसं मुहुत्ता, एवं सुवन्नविज्जुअग्गिदीवदिसाउदहिवाउथणियकुमाराणं पत्तेयं जह० एगं समयं उक्को० चउवीसं मुहुत्ता, पुढवीकाइया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववा० पं०?, गो०! अणुसमयमविरहियं उववाएणं पं०, एवं आउतेउवाउवणस्सइकाइयाणवि अणुसमयं अविरहिया उववाएणं पं०, बेइंदिया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववा० पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० अंतोमुहुत्तं, एवं तेइंदियचउरिंदिया, संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उव० पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० अंतो०, गम्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! केवइयं कालं विर० उववा० पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० बारस मुहुत्ता, संमुच्छिममणुस्सा णं भंते ! केवइयं कालं विर० उववा० पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० चउवीसं मुहुत्ता, गम्भवक्कंतियमणुस्साणं जह० एगं समयं उक्को० बारस मुहुत्ता, वाणमंतराणं जह० एगं समयं उक्को० चउवीसं मुहुत्ता, जोइसियाणं पुच्छा, गो०! जह० एगं समयं उक्को० चउवीसं मुहुत्ता, सोहम्मे कप्पे देवा०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० चउवीसं मुहुत्ता, ईसाणे०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० चउवीसं मुहुत्ता, सणकुमारे०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० णव राइंदियाइं वीसाइं मुहुत्ताइं, माहिंदे०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० बारस राइंदियाणं दस मुहुत्ता, बंभलोए०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० अद्धतेवीसं राइंदियाइं, लंतगदेवाणं पुच्छा, गो०! जह० एगं समयं उक्को० पणतालीसं राइंदियाइ, महासुक्कदेवाणं पुच्छा, गो०! जह० एगं समयं उक्को० असीई राइंदियाइं, सहस्सारे०, गो०! जह० एगं समयं उक्को० राइंदियसयं, आणयदेवाणं०, गो०! जह० एगं समयं उक्को० संखेज्जमासा, पाणय-देवाणं०, गो०! जह० एगं समयं उक्को० संखेज्जमासा, आरणदेवाणं० गो०! जह० एगं समयं उक्को० संखिज्जवासा, अच्चुयदेवाणं०, गो०! जह० एगं समयं उक्को० संखिज्जा वासा, हिट्टिमगेविज्जाणं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० संखिज्जाइं वाससयाइं, मज्झिमगेविज्जाणं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० संखिज्जाइं वाससहस्साइं, उवरिमगेविज्जाणं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० संखिज्जाइं वाससयसहस्साइं, विजयवेजयंतजयंतअपराजितदेवाणं पुच्छा, गो०! जह० एगं समयं उक्को० असंखेज्जं कालं, सब्बट्टसिद्धगदेवाणं पुच्छा, गो०! जह० एगं समयं उक्को० पलिओवमस्स संखिज्जइभागं, सिद्धा णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया सिज्झणाए पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० छम्मासा । १२३ । रयणप्पभापुढवीनेरइ-या णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उब्वट्टणाए पं०?, गो०! जह० एगं समयं उक्को० चउवीसं मुहुत्ता एवं सिद्धवज्जा उब्वट्टणावि भाणियवा जाव अणुत्तरोववाइयत्ति नवरं जोइसिय-वेमाणिएसु चयणंति अहिलावो कायवो । दारं २ । १२४ । नेरइया णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति निरंतरं उववज्जंति?, गो०! संतरंपि उववज्जंति निरंतरंपि उववज्जंति, तिरिक्खजोणिया णं भंते ! किं संतरं उव० निरंतरं उव०?, गो०! संतरंपि उवव० निरंतरंपि उवव०, मणुस्सा णं भंते ! किं संतरं उवव० निरंतरं उवव०?, गो०! संतरंपि उव० निरंतरंपि उवव०, देवा णं भंते ! गो०! संतरंपि उवव० निरंतरंपि उवव०, रयणप्पभापुढवीनेरइया णं भंते ! गो०! संतरंपि उवव० निरंतरंपि उवव०, एवं जाव अहेसत्तमाए संतरंपि उवव० निरंतरंपि उवव०, असुरकुमारा णं

भंते ! देवा णं किं संतरं उव० निरंतरं उव०?, गो०! संतरं पि० निरंतरं पि०, एवं जाव थणियकुमारा, पुढवीकाइया णं भंते ! किं संतरं उव० निरंतरं उव०?, गो०! नो संतरं उव० निरंतरं उव०, एवं जाव वणस्सइकाइया नो संतरं उव० निरंतरं उव०, बेइंदिया णं भंते ! किं संतरं उव० निरंतरं उव०?, गो०! संतरं पि० उव० निरंतरं पि० उव०, एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया, मणुस्सा णं भंते ! किं संतरं उव० निरंतरं उव०?, गो०! संतरं पि० उव० निरंतरं पि० उव०, एवं वाणमंतरा जोइसिया सोहम्मीसाणसणकुमारमाहिंदबंभलोयलंतगमहासुक्कसहस्सारआण-यपाणयआरणच्चुयहिट्टिमगेविज्जगमज्झिमगेविज्जगउवरिमगेविज्जगविजयवेजयंतजयंतअपराजितसब्रट्टसिद्धदेवा य संतरं पि० उव० निरंतरं पि० उव०, सिद्धा णं भंते ! किं संतरं सिज्झंति निरंतरं सिज्झंति?, गो०! संतरं पि० सिज्झंति निरंतरं पि० सिज्झंति । १२५। नेरइया णं भंते ! किं संतरं उव्वट्ठंति निरंतरं उव्वट्ठंति?, गो०! संतरं पि० उव्वट्ठंति निरंतरं पि० उव्वट्ठंति, एवं जहा उव-वाओ भणिओ तहा उव्वट्ठणापि सिद्धवज्जा भाणियद्वा जाव वेमाणिया नवरं जोइसियवेमाणिएसु चयणंति अहिलावो कायबो । दारं ३ । १२६। नेरइया णं भंते ! एगसमएणं केवइया उववज्जंति?, गो०! जह० एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्को० संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, एवं जाव अहेसत्तमाए, असुरकुमारा णं भंते ! एगसमएणं केवइया उव०?, गो०! जह० एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्को० संखेज्जा वा असंखेज्जा वा, एवं नागकुमारा जाव थणियकुमारावि भाणियद्वा, पुढवीकाइया णं भंते ! एगसमएणं केवइया उव०?, गो०! अणुसमयं अविरहियं असंखेज्जा उववज्जंति, एवं जाव वाउकाइया, वणस्सइकाइया णं भंते ! एगसमएणं केवइया उवव०?, गो०! सट्ठाणुववाइयं पडुच्च अणुसमयं अविरहिया अणंता उवव० परठाणुववाइयं पडुच्च अणुसमयं अविरहिया असंखेज्जा उवव०, बेइंदिया णं भंते ! केवइया एगसमएणं उव०?, गो०! जह० एगो वा दो वा तिन्नि वा उक्को० संखेज्जा वा असंखेज्जा वा, एवं तेइंदिया चउरिंदिया संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया गम्भवकंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणिया संमुच्छिममणुस्सा वाणमंतरजोइसियसोहम्मीसाणसणकुमारमा हिंदबंभलोयलंतगमहासुक्कसहस्सारकप्पदेवा ते जहा नेरइया, गम्भवकंतियमणुस्सआणयपाणयआरणअच्चुयगेवेज्जगअणुत्तरोववाइया य एते जह० इक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्को० संखिज्जा, सिद्धा णं भंते ! एगसमएणं केवइया सिज्झंति?, गो०! जह० एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्को० अट्ठसयं । १२७। नेरइया णं भंते ! एगसमएणं केवइया उव्वट्ठंति०?, गो०! जह० एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्को० संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उव्वट्ठंति, एवं जहा उववाओ भणिओ तहा उव्वट्ठणावि भाणियद्वा जाव अणुत्तरोववाइया णवरं जोइसियवेमा-णियाणं चयणेणं अहिलावो कायबो । दारं ४ । १२८। नेरइया णं भंते ! कतोहिंतो उवव०? किं नेरइएहिंतो उव० तिरिक्खजोणिएहिंतो उव० मणुस्सेहिंतो उव० देवेहिंतो उव०?, गो०! नो नेरइएहिंतो उव० तिरिक्खजोणिएहिंतो उव० मणुस्सेहिंतो उव० नो देवेहिंतो उवव०, जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो बेइंदियतेइंदियचउरिंदियपंचिंदियतिरिक्ख० उववज्जंति?, गो०! नो एगिंदिय० नो बेइंदिय० नो तेइंदिय० नो चउरिंदिय० उवव० पंचिंदियतिरिक्ख० उवव०, जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उवव० किं जलयर० थलयर० खहयर०?, गो०! जलयर० जोणिएहिंतो उवव० थलयर० खहयर०, जइ जलयर० जोणिएहिंतो किं संमुच्छिमजलयर० गम्भवकंतियजलयर०?, गो०! संमुच्छिम-जलयर० उव० गम्भवकंतिय० उवव०, जइ संमुच्छिमजलयर० किं पजत्तयसंमुच्छिमजलयर० किं अपजत्तसंमुच्छिमजलयर०?, गो०! पजत्तयसंमुच्छिमजलयर० नो अपजत्तग० जल-यर०, जइ गम्भवकंतियजलयर० किं पजत्तगगम्भवकंतियजलयर० अपजत्तयगम्भ० जलयर०?, गो०! पजत्तयगम्भ० जलयर० नो अपजत्तगगम्भवकंतियजलयर०, जइ थलयर० किं चउप्पयथलयर० परिसप्पथलयर०?, गो०! चउप्पयथलयर० परिसप्पथलयर०, जइ चउप्पयथलयर० किं संमुच्छिमेहिंतो गम्भवकंतिएहिंतो०?, गो०! संमुच्छिमचउप्पयथलयर० गम्भवकंतियचउप्पयथलयर०, जइ संमुच्छिमचउप्पय० किं पजत्तगसंमुच्छिमचउप्पय० अपजत्तगसंमुच्छिमचउप्पय०?, गो०! पजत्तसंमुच्छिमचउप्पयथलयर० नो अपजत्तगसंमु-च्छिमचउप्पय०, जइ गम्भवकंतियचउप्पयतिरिक्खजोणिएहिंतो किं संखेज्जवासाउअगम्भवकंतियचउप्पय० असंखेज्जवासाउयगम्भ०?, गो०! संखेज्जवासाउ० नो असंखेज्जवासाउ०, जइ संखेज्जवासाउय० किं पजत्तगसंखेज्जवासाउयगम्भ० अपजत्तगसंखेज्जवासाउयगम्भ०?, गो०! पजत्त०हिंतो० नो अपजत्तसंखेज्जवासाउएहिंतो०, जइ परिसप्पथलयर० किं उरपरिस-प्पथलयर० भुयपरिसप्पथलयर०?, गो०! दोहिंतोवि उववज्जंति, जइ उरपरिसप्पथलयर० किं संमुच्छिमउरपरिसप्प० गम्भवकंतियउरपरिसप्प०?, गो०! संमुच्छिमेहिंतोवि गम्भवकंतिए-हिंतोवि उववज्जंति, जइ संमुच्छिमउरपरिसप्पथलयर० किं पजत्तएहिंतो अपजत्तगेहिंतो०?, गो०! पजत्तगसंमुच्छिमेहिंतो नो अपजत्तगसंमुच्छिमेहिंतो उववज्जंति, जइ गम्भवकंतियउर-परिसप्पथलयर० उवव० किं पजत्तएहिंतो अपजत्तएहिंतो०?, गो०! पजत्तगगम्भवकंतिएहिंतो नो अपजत्तगगम्भवकंतिएहिंतो उवव०, जइ भुयपरिसप्पथलयरपंचिंदिय० उववज्जंति किं संमुच्छिमभुयपरिसप्पथलयर० गम्भवकंतियभुयपरिसप्पथलयर०?, गो०! दोहिंतोऽवि उववज्जंति, जइ संमुच्छिमभुयपरिसप्प० किं पजत्तयसंमुच्छिमभुयपरिसप्प० अपजत्तयसंमु-

च्छिम०?, गो०! पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति नो अपज्जत्तएहिंतो०, जइ गब्भवक्कंतियभुयपरिसप्पथलयर० किं पज्जत्तएहिंतो अपज्जत्तएहिंतो उवव०?, गो०! पज्जत्तएहिंतो उवव० नो
 अपज्जत्तएहिंतो, जइ खहयरपंचिंदिय० किं संमुच्छिमखहयरपंचि० गब्भवक्कंतियखहयर०?, गो०! दोहिंतोऽवि, जइ संमुच्छिमखहयर० किं पज्जत्तएहिंतो० अपज्जत्तएहिंतो० उवव०?,
 गो०! पज्जत्तएहिंतो० नो अपज्जत्तएहिंतो, जइ पज्जत्तगगब्भवक्कंतियखहयर० किं संखेज्जवासाउएहिंतो० असंखेज्जवासाउएहिंतो उवव०?, गो०! संखेज्जवासाउएहिंतो नो असंखे-
 ज्जवासाउएहिंतो०, जइ संखेज्जवासाउयगग्भवक्कंतियखहयर० किं पज्जत्तएहिंतो अपज्जत्तएहिंतो०?, गो०! पज्जत्तएहिंतो नो अपज्जत्तएहिंतो०, जइ मणुस्सेहिंतो किं संमु-
 च्छिममणुस्सेहिंतो गग्भवक्कंतियमणुस्सेहिंतो०?, गो०! नो संमुच्छिममणुस्सेहिंतो गग्भवक्कंतियमणुस्सेहिंतो०, जइ गग्भवक्कंतियमणुस्सेहिंतो किं कम्मभूमिगग्भवक्कंतियमणुस्सेहिंतो
 अकम्मभूमिगग्भव० अंतरदीवगग्भव० उववज्जंति?, गो०! कम्मभूमिगग्भव० नो अकम्मभूमिगग्भव० नो अंतरदीवग०, जइ कम्मभूमिगग्भव० किं संखेज्जवासाउएहिंतो असंखे-
 ज्जवासाउएहिंतो उव०?, गो०! संखेज्जवासाउय० नो असंखेज्जवासाउय०, जइ संखेज्जवासाउय० किं पज्जत्तएहिंतो अपज्जत्तएहिंतो०?, गो०! पज्जत्तएहिंतो नो अपज्जत्तएहिंतो
 उवव०, एवं जहा ओहिया उववाइया तहा रयणप्पभापुढवीनेरइयावि उववाएयद्वा, सक्करप्पभापुढवीनेरइयाणं पुच्छा, गो०! एतेवि जहा ओहिया तहेवोववाएयद्वा नवरं संमुच्छिमे-
 हिंतो पडिसेहो कायद्वा, वालुयप्पभापुढवीनेरइया णं भंते! कतोहिंतो उवव०?, गो०! जहा सक्करप्पभापुढवीनेरइया नवरं भुयपरिसप्पेहिंतो पडिसेहो कायद्वा, पंकप्पभापुढवीनेरइयाणं
 पुच्छा, गो०! जहा वालुयप्पभापुढवीनेरइया नवरं खहयेहिंतो पडिसेहो कायद्वा, धूमप्पभापुढवीनेरइयाणं पुच्छा, गो०! जहा पंकप्पभापुढवीनेरइया नवरं चउप्पएहिंतोवि पडिसेहो
 कायद्वा, तमापुढवीनेरइया णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति?, गो०! जहा धूमप्पभापुढवीनेरइया नवरं थलयरेहिंतोवि पडिसेहो कायद्वा, इमेणं अभिलावेणं जइ पंचिंदियतिरिक्खजो-
 णिएहिंतो किं जलयरपंचिंदि० थलयरपंचिंदि० खहयरपंचि०?, गो०! जलयरपंचिंदिएहिंतो उवव० नो थलयरेहिंतो नो खहयेहिंतो, जइ मणुस्सेहिंतो किं कम्मभूमिएहिंतो अकम्म-
 भूमिएहिंतो अंतरदीव०?, गो०! कम्मभूमिए० नो अकम्मभूमिएहिंतो नो अंतरदीवएहिंतो उववज्जंति, जइ कम्मभूमि० संखेज्जवासाउ० असंखेज्जवासाउ०?, गो०! संखेज्जवासाउ० नो
 असंखेज्जवासाउ०, जइ संखेज्जवासाउ० किं पज्जत्तएहिंतो अपज्जत्तएहिंतो०?, गो०! पज्जत्तएहिंतो नो अपज्जत्तएहिंतो, जइ पज्जत्तयसंखेज्जवासाउय० किं इत्थि० पुरिसेहिंतो
 नपुंस०?, गो०! इत्थीहिंतो पुरिसेहिंतो नपुंसएहिंतोवि, अहेसत्तमापुढवीनेरइया णं भंते! कतोहिंतो०?, गो०! एवं चेव नवरं इत्थीहिंतो पडिसेहो कायद्वा-‘अस्सन्नी खलु पढमं दो-
 चंपि सिरिसवा तइय पक्खी। सीहा जंति चउत्थि उरगा पुण पंचमिं पुढविं ॥१८३॥ छट्ठिं च इत्थियाओ मच्छा मणुया य सत्तमिं पुढविं। एसो परमोवाओ बोद्धवो नरगपुढवीणं ॥१८४॥
 १२९। असुरकुमारा णं भंते! कतोहिंतो उववज्जंति?, गो०! नो नेरइएहिंतो० तिरिक्खजोणिएहिंतो मणुस्सेहिंतो उवव० नो देवेहिंतो उवव०, एवं जेहिंतो नेरइयाणं उववाओ तेहिंतो
 असुरकुमाराणवि भाणियद्वा नवरं असंखेज्जवासाउयअकम्मभूमगअंतरदीवगमणुस्सतिरिक्खजोणिएहिंतोवि उववज्जंति सेसं तं चेव, एवं जाव थणियकुमारा भाणियद्वा । १३०। पुढ-
 वीकाइया णं भंते! कतोहिंतो उवव०-किं नेरइएहिंतो जाव देवेहिंतो उववज्जंति?, गो०! नो नेरइएहिंतो० तिरिक्खजोणिएहिंतो मणुस्सेहिंतो देवेहिंतोवि उववज्जंति, जइ तिरिक्खजो-
 णिएहिंतो उववज्जंति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो जाव पंचिंदियतिरिक्ख० उवव०?, गो०! एगिंदियतिरिक्ख० जाव पंचिंदियतिरिक्ख० उववज्जंति, जइ एगिंदियतिरिक्ख० किं
 पुढवीकाइएहिंतो जाव वणस्सइकाइएहिंतो उवव०?, गो०! पुढवीकाइएहिंतोवि जाव वणस्सइकाइएहिंतोवि उ०, जइ पुढवीकाइएहिंतो किं सुहुमपुढवीकाइएहिंतो बायरपुढवी०?,
 गो०! दोहिंतोवि उववज्जंति, जइ सुहुमपुढवीकाइएहिंतो किं पज्जत्तपुढवी० अपज्जत्तपुढवी०?, गो०! दोहिंतोवि उववज्जंति, जइ बायरपुढवीकाइएहिंतो किं पज्जत्तएहिंतो अपज-
 त्तएहिंतो०?, गो०! दोहिंतोवि, एवं जाव वणस्सइकाइया चउक्कएणं भेदेण उववाएयद्वा, जइ बेइंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो किं पज्जत्तयबेइंदिएहिंतो अपज्जत्तयबेइंदिएहिंतो०?,
 गो०! दोहिंतोवि उववज्जंति, एवं तेइंदियचउरिंदिएहिंतोवि, जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो किं जलयरपंचिंदिय० एवं जेहिंतो नेरइयाणं उववाओ भणिओ तेहिंतो एतेसिंपि भा-
 णियद्वा नवरं पज्जत्तगअपज्जत्तगेहिंतोवि उवव० सेसं तं चेव, जइ मणुस्सेहिंतो० किं संमुच्छिममणुस्सेहिंतो गग्भवक्कंतियम०?, गो०! दोहिंतोवि, जइ गग्भवक्कंतिय० किं कम्मभू-
 मगग्भवक्कंतिय० अकम्मभूमगग्भवक्कंतिय० सेसं जहा नेरइयाणं नवरं अपज्जत्तएहिंतोवि, जइ देवेहिंतो० किं भवणवासिवाणमंतरजोइसवेमाणिएहिंतो०?, गो०! भवणवासिदे-
 वेहिंतोवि जाव वेमाणियदेवेहिंतोवि०, जइ भवणवासिदेवेहिंतो किं असुरकुमार० जाव थणियकुमार०?, गो०! असुरकुमारदेवेहिंतोवि जाव थणियकुमारदेवे०, जइ वाणमंतरदेवेहिंतो
 किं पिसाएहिंतो जाव गंधवेहिंतो०?, गो०! पिसाएहिंतोवि जाव गंधवेहिंतोवि, जइ जोइसियदेवेहिंतो० किं चंदविमाणेहिंतो जाव ताराविमाणेहिंतो०?, गो०! चंदविमाणजोइसियदे-

वेहितोवि जाव ताराविमाणजोइसियदेवेहितोवि, जइ वेमाणियदेवेहितो किं कप्पोवगवेमाणियदेवेहितो कप्पातीतवेमाणियदेवेहितो?, गो०! कप्पोवगवेमाणिय० नो कप्पातीतवेमा-
 णिय०, जइ कप्पोवगवेमाणिय० किं सोहम्मेहितो जाव अच्चुएहितो?, गो०! सोहम्मीसाणेहितो० नो सणंकुमारजावअच्चुएहितो०, एवं आउकाइयावि, तेउवाउकाइयावि नवरं देवव-
 जेहितो, वणस्सइकाइया जहा पुढवीकाइया । १३१। बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया एते जहा तेउवाउ देववजेहितो भाणियद्वा । १३२। पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते! कओहितो
 उववजंति?, किं नेरइएहितो जाव किं देवेहितो०?, गो०! नेरइएहितोवि तिरिक्खजोणिएहितोवि मणुस्सेहितोवि देवेहितोवि, जइ नेरइएहितो किं रयणप्पभापुढवीनेरइएहितो जाव
 अहेसत्तमापुढवीनेरइएहितो?, गो०! रयणप्पभापुढवि० जाव अहेसत्तमापुढवि०, जइ तिरिक्खजोणिएहितो उववजंति किं एगिंदिएहितो जाव पंचिंदिएहितो?, गो०! एगिंदिएहि-
 तोवि जाव पंचिंदिएहितोवि, जइ एगिंदिएहितो किं पुढवीकाइएहितो उवव० एवं जहा पुढवीकाइयाणं उववाओ भणिओ तहेव एएसिंपि भाणियद्वा नवरं देवेहितो जाव सहस्सार-
 कप्पोवग० नो आणयकप्पोवगजावअच्चुएहितोवि उववजंति । १३३। मणुस्सा णं भंते! कओहितो उवव० किं नेरइएहितो जाव देवेहितो?, गो०! नेरइएहितोवि जाव देवेहितोवि,
 जइ नेरइएहितो किं रयणप्पभा०एहितो जाव अहेसत्तमा०एहितो उववजंति?, गो०! रयणप्पभा०एहितोवि जाव तमापुढवी०, नो अहेसत्तमा०एहितो, जइ तिरिक्खजोणिएहितो किं
 एगिंदियतिरिक्ख० एवं जेहितो पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उववाओ भणिओ तेहितो मणुस्साणवि निरवसेसो भाणियद्वा नवरं अहेसत्तमापुढवीनेरइएहितो तेउवाउकाइएहितो ण
 उवव०, सब्बदेवेहितो य उववाओ कायद्वा जाव कप्पातीतवेमाणिय० सब्बट्टसिद्धदेवेहितोवि उववजावेयद्वा । १३४। वाणमंतरदेवा णं भंते! कओहितो उवव० किं नेरइएहितो तिरिक्खजो-
 णिय० मणुस्स० देवेहितो?, गो०! जेहितो असुरकुमारा तेहितो भाणियद्वा । १३५। जोइसिया णं भंते! देवा कओहितो उववजंति?, गो०! एवं चेव नवरं संमुच्छिमअसंखिज्जवासाउ-
 यखहरपंचिंदियतिरिक्खजोणियवजेहितो अंतरदीवमणुस्सवजेहितो उववजावेयद्वा । १३६। वेमाणियाणं भंते! कओहितो० किं नेरइएहितो किं तिरिक्खजोणिएहितो मणुस्सेहितो
 देवेहितो?, गो०! णो नेरइएहितो उवव० पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहितो मणुस्सेहितो उवव० णो देवेहितो उवव०, एवं सोहम्मीसाणगदेवाऽवि भाणियद्वा, एवं सणंकुमारदेवावि भा-
 णियद्वा नवरं असंखेज्जवासाउयअकम्मभूमगवजेहितो उवव०, एवं जाव सहस्सारकप्पोवगवेमाणियदेवा भाणियद्वा, आणयदेवा णं भंते! कओहितो० किं नेरइएहितो किं पंचिंदिय-
 तिरिक्खजोणिय० मणुस्स० देवेहितो०?, गो०! णो नेरइएहितो नो तिरिक्खजोणिएहितो मणुस्सेहितो णो देवेहितो, जइ मणुस्सेहितो किं संमुच्छिममणुस्सेहितो गम्भवकंतियमणुस्से-
 हितो०?, गो०! गम्भवकंतियमणुस्सेहितो नो संमुच्छिम०, जइ गम्भवकंतिय० किं कम्मभूम० अकम्मभूम० अंतरदीवगेहितो०?, गो०! नो अकम्मभूमिगेहितो णो अंतरदीवगेहितो
 कम्मभूमगगम्भ०, जइ कम्मभूमगगम्भ० किं संखेज्जवा० असंखेज्जवासाउएहितो०?, गो०! संखेज्जवासा० नो असंखिज्जवासा०, जइ संखिज्जवासाउय० मणुस्सेहितो किं पज्जत्तएहितो
 अपज्जत्तएहितो०?, गो०! पज्जत्तएहितो नो अपज्जत्तएहितो, जइ पज्जत्तसंखेज्जवासा० मणुस्सेहितो किं सम्महिट्ठिपज्जत्तग० मिच्छादिट्ठिपज्जत्त०गेहितो सम्मामिच्छादिट्ठिपज्जत्तगे-
 हितो०?, गो०! सम्महिट्ठिपज्जत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगम्भवकंतियमणुस्सेहितो० मिच्छादिट्ठिपज्जत्तगेहितो० णो सम्मामिच्छादिट्ठिपज्जत्तएहितो०, जइ सम्महिट्ठिपज्जत्तसं-
 खेज्जवासाउयकम्मभूमगगम्भवकंतियमणुस्सेहितो किं संजतसम्महिट्ठि० असंयतसम्महिट्ठिपज्जत्त० संजयासंजयसम्महिट्ठिपज्जत्तसंखेज्ज०?, गो०! तीहितोवि, एवं जाव अच्चुगो कप्पो,
 एवं चेव गेविज्जगदेवावि नवरं असंजता संजतासंजता य एते य पडिसेहेयद्वा, एवं जहेव गेविज्जगदेवा तहेव अणुत्तरोववाइयावि णवरं इमं नाणत्तं संजया चेव, जइ सम्महिट्ठीसंज-
 तपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगम्भवकंतियमणुस्सेहितो० किं पमत्तसंजय० अपमत्तसंजयसम्महिट्ठि०एहितो०?, गो०! अपमत्तसंज०एहितो नो पमत्तसंज०एहितो०, जइ अप-
 मत्तसंज०एहितो० किं इइट्ठिपत्तसंजएहितो अणिट्ठिपत्तसंजएहितो०?, गो०! दोहितो० । दारं ५। १३७। नेरइया णं भंते! अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववजंति किं नेरइएसु
 तिरिक्खजोणिएसु मणुस्सेसु देवेसु०?, गो०! नो नेरइएसु तिरिक्खजोणिएसु मणुस्सेसु नो देवेसु उवव०, जइ तिरिक्खजोणिएसु किं एगिंदिएसु जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु
 उवव०?, गो०! णो एगिंदिएसु जाव नो चउरिंदिएसु उवव०, एवं जेहितो उववाओ भणिओ तेसु उव्वट्ठणावि भाणियद्वा नवरं संमुच्छिमेसु न उवव०, एवं सब्बपुढवीसु भाणियद्वा नवरं
 अहेसत्तमाओ मणुस्सेसु ण उववजंति । १३८। असुरकुमारा णं भंते! अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छंति कहिं उवव०?, किं नेरइएसु जाव देवेसु उ०?, गो०! नो नेरइएसु तिरिक्खजो-
 णिएसु मणुस्सेसु णो देवेसु उवव०, जइ तिरिक्खजोणिएसु० किं एगिंदिएसु जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु०?, गो०! एगिंदियतिरिक्खजोणिएसु नो बेइंदिएसु जाव नो चउरिंदि-
 एसु पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु०, जइ एगिंदिएसु किं पुढवीकाइयएगिंदिएसु जाव वणस्सइकाइयएगिंदिएसु०?, गो०! पुढवीकाइयएगिंदिएसुवि आउकाइयएगिंदिएसुवि नो तेउ-
 काइएसु नो वाउकाइएसु वणस्सइकाइएसु, जइ पुढवीकाइएसु किं सुहुमपुढवी० बायरपुढवी०?, गो०! बायरपुढवी० नो सुहुमपुढवी०, जइ बायरपुढवी० किं पज्जत्तयबायर० (१७९)

पुढवी० अपजत्तबायरपुढवी०?, गो०! पजत्तएसु० नो अपजत्तएसु०, एवं आउवणस्सइसुवि भाणियव्वं, पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु मणूसेसु य जहा नेरइयाणं उव्वट्ठणा संमुच्छिम-
 वज्जा तहा भाणियव्वा, एवं जाव थणियकुमारा । १३९। पुढवीकाइया णं भंते! अणंतरं उव्वट्ठिता कहिं गच्छंति० किं नेरइएसु जाव देवेसु?, गो०! नो नेरइएसु तिरिक्खजोणिएसु
 मणूसेसु य नो देवेसु०, एवं जहा एतेसिं चेव उववाओ तहा उव्वट्ठणावि देववज्जा भाणियव्वा, एवं आउवणस्सइवेइंदियतेइंदियचउरिंदियावि, एवं तेउ०वाउ० नवरं मणुस्सवज्जेसु । १४०।
 पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते! अणंतरं उव्वट्ठिता कहिं गच्छंति कहिं उव०?, गो०! नेरइएसु जाव देवेसु, जइ नेरइएसु किं रयणप्पभापुढवी० जाव अहेसत्तमापुढवी०?, गो०! रय-
 णप्पभापुढवि० जाव अहेसत्तमापुढवि० उव०, जइ तिरिक्खजोणिएसु० किं एगिंदिएसु जाव पंचिंदिएसु उ०?, गो०! एगिंदिएसु जाव पंचिंदिएसु० उव०, एवं जहा एतेसिं चेव उव-
 वाओ उव्वट्ठणावि तहेव भाणियव्वा नवरं असंखेज्जवासाउएसुवि एते उव०, जइ मणुस्सेसु० किं संमुच्छिममणुस्सेसु गम्भवक्कंतियमणूसेसु०?, गो०! दोसुवि, एवं जहा उववाओ तहेव
 उव्वट्ठणावि भाणियव्वा नवरं अकम्मभूमगअंतरदीवगअसंखेज्जवासाउएसुवि एते उववज्जंतित्ति भाणियव्वं, जइ देवेसु किं भवणवईसु जाव किं वेमाणिएसु०?, गो०! सव्वेसु चेव, जइ
 भवणवईसु किं असुरकुमारेसु जाव थणियकुमारेसु०?, गो०! सव्वेसु चेव, एवं वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु निरंतरं जाव सहस्सारो कप्पोत्ति । १४१। मणुस्सा णं भंते! अणंतरं उव-
 ट्ठिता कहिं गच्छंति कहिं उव०?, किं नेरइएसु जाव देवेसु०?, गो०! नेरइएसुवि जाव देवेसुवि, एवं निरंतरं सव्वेसु ठाणेसु पुच्छा, गो०! सव्वेसु ठाणेसु, न किंचिवि पडिसेहो कायव्वो जाव
 सव्वट्ठसिद्धदेवेसुवि, अत्थेगतिया सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिनिव्वायंति सव्वदुक्खाणं अंतं करेंति । १४२। वाणमंतरजोइसियवेमाणियसोहम्मसाणा य जहा असुरकुमारा, नवरं जोइ-
 सियाण य वेमाणियाण य चयंतीति अभिलावो कायव्वो, सणकुमारदेवाणं पुच्छा?, गो०! जहा असुरकुमारा नवरं एगिंदिएसु ण०, एवं जाव सहस्सारगदेवा, आणय जाव अणुत्तरो-
 ववाइया देवा एवं चेव नवरं नो तिरिक्खजोणिएसु० मणुस्सेसु पजत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगम्भवक्कंतियमणूसेसु० । दारं ६ । १४३। नेरइया णं भंते! कतिभागावसेसाउया परभ-
 वियाउयं पकरेंति?, गो०! नियमा छम्मासावसेसाउया परभवियाउयं०, एवं असुरकुमारावि, एवं जाव थणियकुमारा, पुढवीकाइया णं भंते! कतिभागावसेसाउया परभवियाउयं पकरे-
 ति?, गो०! पुढवीकाइया दुविहा पं० तं०-सोवक्कमाउया य निरुवक्कमाउया य, तत्थ णं जे ते निरुवक्कमाउया ते नियमा तिभागाव० परभवियाउयं पकरेंति, तत्थ णं जे ते सोवक्कमा-
 उया ते सिय तिभागावसे० परभवि० पकरेंति सिय तिभागतिभागावसे० सिय तिभागतिभागतिभागावसे०, आउतेउवाउवणप्फइकाइयाणं वेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणवि एवं चेव, पंचि-
 दियतिरिक्खजोणियाणं भंते! कतिभागावसे० परभवि० पकरेंति?, गो०! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पं० तं०-संखेज्जवासाउया य असंखेज्जवासाउया य, तत्थ णं जे ते असंखे-
 ज्जवासाउया ते नियमा छम्मासावसेसाउया परभवियाउयं पकरेंति, तत्थ णं जे ते संखिज्जवासाउया ते दुविहा पं० तं०-सोवक्कमाउया य निरुवक्कमाउया य, तत्थ णं जे ते निरुवक्कमा-
 उया ते नियमा तिभागावसेसाउया परभवियाउयं पकरेंति, तत्थ णं जे ते सोवक्कमाउया ते णं सिय तिभागा० सिय तिभागतिभागा० सिय तिभागतिभागतिभागावसेसाउया परभवियाउयं
 पकरेंति, एवं मणूसावि, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया । दारं ७ । १४४। कइविहे णं भंते! आउयबंधे पं०?, गो०! छव्विहे आउयबंधे पं० तं०-जातिनामनिहत्ताउए गति०
 ठिती० ओगाहण० पएस० अणुभागनामनिहत्ताउए, नेरइयाणं भंते! कइविहे आउयबंधे पं०?, गो०! छव्विहे आउयबंधे पं० तं०-जातिनामनिहत्ताउए गति० ठिती० ओगाहण०
 पदेस० अणुभाव०, एवं जाव वेमाणियाणं, जीवा णं भंते! जातिनामनिहत्ताउयं कतिहिं आगरिसेहिं पगरेंति?, गो०! जह० एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्को० अट्ठहिं, नेरइया
 णं भंते! जातिनामनिहत्ताउयं कतिहिं आगरिसेहिं पगरेंति?, गो०! जह० एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्को० अट्ठहिं, एवं जाव वेमाणिया, एवं गतिनामे० ठितीणाम० ओगा-
 हणानाम० पदेसनाम० अणुभावनामनिहत्ताउएवि, एतेसिं णं भंते! जीवाणं जातिनामनिहत्ताउयं जह० एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्को० अट्ठहिं आगरिसेहिं पकरेमाणानं
 कतरे०?, गो०! सव्वत्थोवा जीवा जातिनामनिहत्ताउयं अट्ठहिं आगरिसेहिं पकरेमाणा सत्तहिं० संखे० छहिं० संखे० एवं पंचहिं संखि० चउहिं संखि० तीहिं संखि० दोहिं संखि० एगेणं
 संखे०, एवं एतेणं अभिलावेणं जाव अणुभागनामनिहत्ताउयं, एवं एते छप्पिय अप्पाबहुदंडगा जीवादीया भाणियव्वा । १४५॥ इति वक्कंतियपयं ६॥ नेरइया णं भंते! केवतिकाल-
 स्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा?, गो०! सततं संतयामेव आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा, असुरकुमारा णं भंते! केवतिकालस्स आणमंति
 वा०?, गो०! जह० सत्तण्हं थोवाणं उक्को० सातिरेगस्स पक्खस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा, नागकुमारा णं भंते! केवइकालस्स आणमंति वा०?, गो०! जह० सत्तण्हं थोवाणं उक्को०
 मुहुत्तपुहुत्तस्स, एवं जाव थणियकुमारानं, पुढवीकाइया णं भंते! केवतिकालस्स आणमंति वा०?, गो०! वेमायाए आणमंति वा०, एवं जाव मणूसा, वाणमंतरा जहा नागकुमारा,

जोइसिया णं भंते! केवतिकालस्स आणमंति वा०?, गो०! जह० मुहुत्तपुहुत्तस्स उक्कोसेणवि मुहुत्तपुहुत्तस्स, वेमाणिया णं भंते! केवतिकालस्स आणमंति वा०?, गो०! जह० मुहुत्तपुहुत्तस्स उक्को० तेत्तीसाए पक्खाणं, सोहम्मदेवा णं भंते! केवतिकालस्स आणमंति वा०?, गो०! जह० मुहुत्तपुहुत्तस्स उक्को० दोण्हं पक्खाणं, ईसाणगदेवा णं भंते! केवतिकालस्स आणमंति वा०?, गो०! जह० सातिरेगस्स मुहुत्तपुहुत्तस्स उक्को० सातिरेगाणं दोण्हं पक्खाणं, सणकुमारदेवा णं भंते! केवतिकालस्स आणमंति वा०?, गो०! जह० दोण्हं पक्खाणं उक्को० सत्तण्हं पक्खाणं, माहिंदगदेवा णं भंते! केवतिकालस्स आणमंति वा०?, गो०! जह० साइरेगाणं दोण्हं पक्खाणं उक्को० साइरेगाणं सत्तण्हं पक्खाणं, बंभलोगदेवा णं भंते! केवतिकालस्स आणमंति वा०?, गो०! जह० सत्तण्हं पक्खाणं उक्को० दसण्हं पक्खाणं, लंतगदेवा णं भंते! केवतिकालस्स आणमंति वा०?, गो०! जह० दसण्हं पक्खाणं उक्को० चउदसण्हं पक्खाणं, महासुक्कदेवा णं भंते! केवतिकालस्स आणमंति वा०?, गो०! जह० चउदसण्हं पक्खाणं उक्को० सत्तरसण्हं पक्खाणं, सहस्सारगदेवा णं भंते! केवतिकालस्स आणमंति वा०?, गो०! जह० सत्तरसण्हं पक्खाणं उक्को० अट्टारसण्हं पक्खाणं, आणयदेवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० अट्टारसण्हं पक्खाणं उक्को० एगूणवीसाए पक्खाणं, पाणयदेवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० एगूणवीसाए पक्खाणं उक्को० वीसाए पक्खाणं, आरणदेवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० वीसाए पक्खाणं उक्को० एगवीसाए पक्खाणं, अच्चुयदेवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० एगवीसाए पक्खाणं उक्को० बावीसाए पक्खाणं, हिट्ठिमहिट्ठिमगेविज्जगदेवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० बावीसाए पक्खाणं उक्को० तेवीसाए पक्खाणं, हिट्ठिममज्झिमगेविज्जगदेवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० तेवीसाए पक्खाणं उक्को० चउवीसाए पक्खाणं, हिट्ठिमउवरिमगेविज्जगा णं देवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० चउवीसाए पक्खाणं उक्को० पणवीसाए पक्खाणं, मज्झिमहिट्ठिमगेविज्जगा णं देवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० पणवीसाए पक्खाणं उक्को० छवीसाए पक्खाणं, मज्झिममज्झिमगेविज्जगा णं देवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० छवीसाए पक्खाणं उक्को० सत्तावीसाए पक्खाणं, मज्झिमउवरिमगेविज्जगा णं देवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० सत्तावीसाए पक्खाणं उक्को० अट्टावीसाए पक्खाणं, उवरिमहेट्ठिमगेविज्जगा णं देवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० अट्टावीसाए पक्खाणं उक्को० एगूणतीसाए पक्खाणं, उवरिममज्झिमगेविज्जगा णं देवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० एगूणतीसाए पक्खाणं उक्को० तीसाए पक्खाणं, उवरिमउवरिमगेविज्जगा णं देवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० तीसाए पक्खाणं उक्को० एकतीसाए पक्खाणं, विजयविजयंतजयंतअपराजितविमाणेसु णं देवा णं भंते! केवतिकालस्स०?, गो०! जह० एकतीसाए पक्खाणं उक्को० तेत्तीसाए पक्खाणं, सब्बट्ठगसिद्धदेवा णं भंते! केवतिकालस्स जाव नीससंति वा?, गो०! अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । १४६ ॥ उस्सासपयं ७ ॥ कइ णं भंते! सन्नाओ पं०?, गो०! दस सन्नाओ पं० तं०-आहारसन्ना भय० मेहुण० परिग्गह० कोह० माण० माया० लोह० लोय० ओघसन्ना, नेरइयाणं भंते! कति सन्नाओ पं०?, गो०! दस सन्नाओ पं० तं०-आहारसन्ना जाव ओघसन्ना, एवं जाव थणियकुमारणं, एवं पुढवीकाइयाणं जाव वेमाणियावसाणाणं नेतव्वं । १४७ ॥ नेरइया णं भंते! किं आहारसन्नोवउत्ता भय० मेहुण० परिग्गहसन्नोवउत्ता?, गो०! ओसन्नं कारणं पडुच्च भयसन्नोवउत्ता संतइभावं पडुच्च आहारसन्नोवउत्तावि जाव परिग्गहसन्नोवउत्तावि, एएसिं णं भंते! नेरइयाणं आहारसन्नोवउत्ताणं भय० मेहुण० परिग्गहसन्नोवउत्ताण य कयरे०?, गो०! सब्बत्थोवा नेरइया मेहुणसन्नो० आहारसन्नो० संखि० परिग्गहसन्नो० संखि० भयसन्नो० संखि०, तिरिक्खजोणियाणं भंते! किं आहारसन्नोवउत्ता जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता?, गो०! ओसन्नं कारणं पडुच्च आहारसन्नोवउत्ता संतइभावं पडुच्च आहारसन्नोवउत्तावि जाव परिग्गहसन्नोवउत्तावि, एएसिं णं भंते! तिरिक्खजोणियाणं आहारसन्नोवउत्ताणं जाव परिग्गहसन्नोवउत्ताण य कयरे०?, गो०! सब्बत्थोवा तिरिक्खजोणिया परिग्गहसन्नोवउत्ता मेहुणसन्नो० संखि० भयसन्नो० संखि० आहारसन्नोवउत्ता संखि०, मणुस्सा णं भंते! किं आहारसन्नोवउत्ता जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता?, गो०! ओसन्नं कारणं पडुच्च मेहुणसन्नोवउत्ता संततिभावं पडुच्च आहारसन्नोवउत्तावि जाव परिग्गहसन्नोवउत्तावि, एएसिं णं भंते! मणुस्साणं आहारसन्नोवउत्ताणं जाव परिग्गहसन्नोवउत्ताण य कयरे०?, गो०! सब्बत्थोवा मणुस्सा भयसन्नो० आहारसन्नो० संखि० परिग्गहसन्नो० संखि० मेहुणसन्नो० संखि०, देवा णं भंते! किं आहारसन्नोवउत्ता जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता?, गो०! ओसन्नं कारणं पडुच्च परिग्गहसन्नोवउत्ता संततिभावं पडुच्च आहारसन्नोवउत्तावि जाव परिग्गहसन्नोवउत्तावि, एएसिं णं भंते! देवाणं आहारसन्नोवउत्ताणं जाव परिग्गहसन्नोवउत्ताण य कयरे०?, गो०! सब्बत्थोवा देवा आहार० भयस० संखि० मेहुणस० संखि० परिग्गहसन्नो० संखे० । १४८ ॥ इति सन्नापयं ८ ॥ कतिविहा णं भंते! जोणी पं०?, गो०! तिविहा जोणी पं० तं०-सीता

जोणी उसिणा जोणी सीतोसिणा जोणी । १४९ । नेरइयाणं भंते ! किं सीता जोणी उसिणा जोणी सीतोसिणा जोणी ?, गो० ! सीतावि जोणी उसिणावि जोणी णो सीतोसिणा जोणी, असुरकुमाराणं भंते ! किं सीता जोणी उसिणा जोणी सीतोसिणा जोणी ?, गो० ! नो सीता नो उसिणा सीतोसिणा जोणी, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढवीकाइयाणं भंते ! किं सीता उसिणा सीतोसिणा जोणी ?, गो० ! सीतावि उसिणावि सीतोसिणावि, एवं आउवाउवणस्सइबेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणवि पत्तेयं भाणियद्वं, तेउकाइयाणं णो सीता उसिणा णो सीतोसिणा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! किं सीता उसिणा सीतोसिणा जोणी ?, गो० ! सीयावि उसिणावि सीतोसिणावि, संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणवि एवं चेव, गब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! किं सीता उसिणा सीतोसिणा जोणी ?, गो० ! णो सीता नो उसिणा सीतोसिणा जोणी, मणुस्साणं भंते ! किं सीता उसिणा सीतोसिणा जोणी ?, गो० ! सीयावि उसिणावि सीतोसिणावि, संमुच्छिममणुस्साणं भंते ! किं सीता उसिणा सीतोसिणा जोणी ?, गो० ! तिविहा जोणी, गब्भवक्कंतियमणुस्साणं भंते ! किं सीता उसिणा सीतोसिणा ?, गो० ! णो सीता णो उसिणा सीतोसिणा, वाणमंतरदेवाणं भंते ! किं सीता उसिणा सीतोसिणा ?, गो० ! णो सीता णो उसिणा सीतोसिणा, जोइसियवेमाणियाणवि एवं चेव, एएसिं णं भंते ! जीवाणं सीतजोणियाणं उसिणजो० सीतोसिणजो० अजोणियाण य कयरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा जीवा सीतोसिणजोणिया उसिण० असंखे० अजोणिया अणंत० सीतजोणिया अणंतगुणा । १५० । कतिविहा णं भंते ! जोणी पं० ?, गो० ! तिविहा जोणी पं० तं०-सच्चित्ता अचित्ता मीसिया, नेरइयाणं भंते ! किं सच्चित्ता जोणी अचित्ता मीसिया जोणी ?, गो० ! नो सच्चित्ता अचित्ता नो मीसिया जोणी, असुरकुमाराणं भंते ! किं सच्चित्ता अचित्ता मीसिया ?, गो० ! नो सच्चित्ता अचित्ता नो मीसिया, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढवीकाइयाणं भंते ! किं सच्चित्ता अचित्ता मीसिया ?, गो० ! सच्चित्ता अचित्ता मीसियावि, एवं जाव चउरिंदियाणं, संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं संमुच्छिममणुस्साण य एवं चेव, गब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं गब्भवक्कंतियमणुस्साण य नो सच्चित्ता नो अचित्ता मीसिया, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं, एतेसिं णं भंते ! जीवाणं सच्चित्तजोणीणं अचित्तजो० मीसजो० अजोणीण य कयरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा जीवा मीसजोणिया अचित्तजो० असंखे० अजोणिया अणंत० सच्चित्तजो० अणंतगुणा । १५१ । कइविहा णं भंते ! जोणी पं० ?, गो० ! तिविहा जोणी पं० तं०-संबुडा जोणी वियडा जोणी संबुडवियडा जोणी, नेरइयाणं भंते ! किं संबुडा वियडा संबुडवियडा जोणी ?, गो० ! संबुडा नो वियडा नो संबुडवियडा, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, बेइंदियाणं पुच्छा, गो० ! नो संबुडा वियडा नो संबुडवियडा, एवं जाव चउरिंदियाणं, संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं संमुच्छिममणुस्साण य एवं चेव, गब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं गब्भवक्कंतियमणुस्साण य नो संबुडा नो वियडा संबुडवियडा जोणी, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं, एतेसिं णं भंते ! जीवाणं संबुडजोणियाणं वियडजो० संबुडवियडजो० अजोणियाण य कयरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा जीवा संबुडवियडजोणिया वियड० असंखि० अजोणिया अणंत० संबुड० अणंतगुणा । १५२ । कइविहा णं भंते ! जोणी पं० ?, गो० ! तिविहा जोणी पं० तं०-कुम्मुण्णया संखावत्ता वंसीपत्ता, कुम्मुण्णया णं जोणी उत्तमपुरिसमाऊणं, कुम्मुण्णयाए णं जोणीए उत्तमपुरिसा गब्भे वक्कमंति तं०-अरहंता चक्कवट्ठी बलदेवा वासुदेवा, संखावत्ताए णं जोणी इत्थीरयणस्स, संखावत्ताए जोणीए बहवे जीवा य पोग्गला य वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उवचयंति नो चेव णं णिप्फज्जंति, वंसीपत्ताए णं जोणीए पिहुजणस्स, वंसीपत्ताए णं जोणीए पिहुजणे गब्भे वक्कमंति । १५३ ॥ **जोणिपदं ९ ॥** कति णं भंते ! पुढवीओ पं० ?, गो० ! अट्ट पुढवीओ पं० तं०-रयणप्पभा सक्कर० वालुय० पंक० धूम० तम० तमतमप्पभा ईसीपब्भारा, इमा णं भंते ! रयणप्पभा पुढवी किं चरमा अचरमा चरमाइं अचरमाइं चरमंतपदेसा अचरमंतपदेसा ?, गो० ! इमा णं रयणप्पभा पुढवी नो चरमा नो अचरमा नो चरमातिं नो अचरमातिं नो चरमंतपदेसा नो अचरमंतपदेसा नियमा अचरमं चरमाणि य चरमंतपदेसा य अचरमंतपदेसा य, एवं जाव अधेसत्तमा पुढवी, सोहम्मती जाव अणुत्तरविमाणा णं०, एवं चेव ईसीपब्भारावि, एवं चेव लोगेवि, एवं चेव अलोगेवि । १५४ । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए अचरमस्स य चरमाण य चरमंतपएसाण य अचरमंतपएसाण य दब्वट्टयाए पएसट्टयाए दब्वट्टपएसट्टयाए कयरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए दब्वट्टयाए एगे अचरिमे चरिमाइं असंखिजगुणाइं अचरिमं चरिमाणि य दोवि विसेसाहिआ पएसट्टयाए सब्बत्थोवा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए चरमन्तपदेसा अचरमंतप० असंखे० चरमंतपदेसा य अचरमंतपदेसा य दोवि विसे० दब्वट्टपएसट्टयाए सब्बत्थोवा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए दब्वट्टयाए एगे अचरिमे चरिमाइं असंखे० अचरिमं चरिमाणि य दोवि विसे० चरमंतपएसा असंखे० अचरमंतपएसा असंखि० चरमंतपएसा य अचरमंतपएसा य दोवि विसेसाहिआ, एवं जाव अहेसत्तमाए, सोहम्मस्स जाव लोगस्स एवं चेव । १५५ । अलोगस्स णं भंते ! अचरमस्स य चरमाण य चरमन्तपदेसाण य अचरमन्तपदेसाण य दब्वट्टयाए पएसट्टयाए दब्वट्टपएसट्टयाए

च अचरमाई च अवत्तव्याई च २६, सत्तपएसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा, गो० ! सत्तपएसिए णं खंधे सिय चरिमे णो अचरिमे सिय अवत्तव्याई च अचरिमाई णो अचरिमाई णो अवत्तव्याई सिय चरमे य अचरमे य सिय चरमे य अचरमाई च सिय चरमाई च अचरमे य सिय चरमाई च अचरमाई च १० सिय चरमे य अवत्तव्याई च सिय चरमे य अवत्तव्याई च सिय चरमाई च अवत्तव्याई च सिय चरमाई च अवत्तव्याई च णो अचरमे य अवत्तव्याई च णो अचरमे य अवत्तव्याई च णो अचरमाई च अवत्तव्याई च णो अचरमाई च अवत्तव्याई च सिय चरमे य अचरमे य अवत्तव्याई च सिय चरमे य अचरमे य अवत्तव्याई च २० सिय चरमे य अचरिमाई च अवत्तव्याई च णो चरिमे य अचरिमाई च अवत्तव्याई च सिय चरमाई च अचरमे य अवत्तव्याई च सिय चरमाई च अचरमे य अवत्तव्याई च सिय चरमाई च अचरमाई च अवत्तव्याई च २६, अट्टपएसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा, गो० ! अट्टपएसिए खंधे सिय चरमे नो अचरमे सिय अवत्तव्याई च नो चरमाई नो अचरमाई नो अवत्तव्याई सिय चरिमे य अचरिमे य सिय चरिमे य अचरिमाई च सिय चरिमाई च अचरिमे य सिय चरमाई च अचरमाई च १० सिय चरमे य अवत्तव्याई च सिय चरमे य अवत्तव्याई च सिय चरिमाई च अवत्तव्याई च सिय चरिमाई च अवत्तव्याई च णो अचरिमे य अवत्तव्याई च णो अचरिमे य अवत्तव्याई च णो अचरिमाई च अवत्तव्याई च णो अचरिमाई च अवत्तव्याई च सिय चरिमे य अचरिमे य अवत्तव्याई च सिय चरिमे य अचरिमे य अवत्तव्याई च २० सिय चरिमे य अचरिमाई च अवत्तव्याई च सिय चरिमे य अचरिमाई च अवत्तव्याई च सिय चरिमाई च अचरिमे य अवत्तव्याई च सिय चरिमे य अचरिमे य अवत्तव्याई च २० सिय चरिमे य अचरिमाई च अवत्तव्याई च सिय चरिमे य अचरिमाई च अवत्तव्याई च २६, संखे-
ज्जपएसिए० असंखेज्जपएसिए० अणंतपएसिए खंधे० जहेव अट्टपएसिए तहेव पत्तेयं भाणियद्वां, 'परमाणुम्मि य तइओ पढमो तइओ य होंति दुपएसे । पढमो तइओ नवमो एकारसमो य तिपएसे ॥ १८५ ॥ पढमो तइओ नवमो दसमो एकारसो य बारसमो । भंगा चउप्पएसे तेवीसइमो य बोद्धवा ॥ ६ ॥ पढमो तइओ सत्तमनवदसइकारबारतेरसमो । तेवीसचउबीसो पणवीसइमो य पंचमए ॥ ७ ॥ बिचउत्थपंचछट्ठं पनरस सोलं च सत्तरट्ठारं । वीसेक्खीस बावीसगं च वज्जेज्ज छट्ठमि ॥ ८ ॥ बिचउत्थपंचछट्ठं पण्णर सोलं च सत्तरट्ठारं । बावीसइमविहूणा सत्तपदेसंमि खंधम्मि ॥ ९ ॥ बिचउत्थपंचछट्ठं पण्णर सोलं च सत्तरट्ठारं । एते वज्जिय भंगा सेसा सेसेसु खंधेसु ॥ १९० ॥ १५८ । कइ णं भंते ! संठाणा पं०, गो० ! पंच संठाणा पं० तं०-परिमंडले वट्ठे तंसे चउरंसे आयते य, परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ?, गो० ! नो संखिज्जा नो असंखेज्जा अणंता, एवं जाव आयता, परिमंडले णं भंते ! संठाणे किं संखेज्जपएसिए असंखे० अणंत० ?, गो० ! सिय संखेज्ज० सिय असंखेज्ज० सिय अणंतपदेसिए, एवं जाव आयते, परिमंडले णं भंते ! संठाणे संखेज्जपएसिए किं संखेज्जपएसो-गाढे असंखेज्जपएसो० अणंतपएसो० ?, गो० ! संखेज्जपएसोगाढे नो असंखेज्ज० नो अणंत०, एवं जाव आयते, परिमंडले णं भंते ! संठाणे असंखेज्जपएसिए किं संखेज्जपएसोगाढे असंखेज्ज० अणंत० ?, गो० ! सिय संखेज्ज० सिय असंखेज्ज० नो अणंतपएसोगाढे, एवं जाव आयते, परिमंडले णं भंते ! संठाणे अणंतपएसिए किं संखेज्ज० असंखेज्ज० अणंतपएसोगाढे ?, गो० ! सिय संखेज्ज० सिय असंखेज्ज० नो अणंतपएसोगाढे, एवं जाव आयते, परिमंडले णं भंते ! संठाणे संखेज्जपएसिए संखेज्जपएसोगाढे किं चरमे अचरमे चरमाई अचरमाई चरमंतपएसो अचरमंतपएसो ?, गो० ! परिमंडले णं संठाणे संखेज्जपएसिए संखेज्जपएसोगाढे नो चरमे नो अचरमे नो चरमाई नो अचरमाई नो चरमंतपएसो नो अचरमंतपएसो, नियमं अचरमं चरमाणि य चरमंतपएसो य अचरमंतपएसो य, एवं जाव आयते, परिमंडले णं भंते ! संठाणे असंखेज्जपएसिए संखेज्जपएसोगाढे किं चरमे० पुच्छा, गो० ! असंखेज्ज० संखेज्ज० जहा संखेज्जपएसिए, एवं जाव आयते, परिमंडले णं भंते ! संठाणे असंखेज्जपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे किं चरमे० पुच्छा, गो० ! असंखिज्जप० असंखिज्जपएसोगाढे नो चरमे जहा संखेज्जपएसो-गाढे, एवं जाव आयते, परिमंडले णं भंते ! संठाणे अणंतपएसिए संखिज्जपएसोगाढे किं चरमे० पुच्छा ?, गो० ! तहेव जाव आयते, अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे जहा संखेज्जप-एसोगाढे, एवं जाव आयते, परिमंडलस्स णं भंते ! संठाणस्स संखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स अचरिमस्स य चरिमाण य चरमंतपदेसाण य अचरमंतपदेसाण य दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे० ?, गो० ! सव्वत्थोवे परिमंडलस्स संठाणस्स संखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स दव्वट्ठयाए एगे अचरिमे चरमाई संखेज्जगुणाई अचरमं चर-माणि य दोऽवि विसेसाहियातिं पदेसट्ठयाए सव्वत्थोवा परिमंडलस्स संठाणस्स संखिज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स चरमंतपएसो अचरमंतपएसो संखेज्जगुणा चरमंतपएसो य अचरमंतपएसो य दोऽवि विसेसाहिया दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवे परिमंडलस्स संठाणस्स संखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स दव्वट्ठयाए एगे अचरिमे चरमाई संखेज्जगुणातिं अचरमं च चरमाणि य दोवि विसेसाहियातिं चरमंतपएसो संखेज्ज० अचरिमंतपएसो संखेज्जगुणा चरिमंतपएसो य अचरमंतपएसो य दोवि विसेसा०, एवं वट्ठतंसचउरंसायएसुवि

जोएयव्वं, परिमंडलस्स णं भंते ! संठाणस्स असंखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स अचरमस्स चरमाण य चरमंतपएसण य अचरमंतपएसण य दव्वट्टयाए पएसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवे परिमंडलस्स संठाणस्स असंखेज्जपएसिअस्स संखेज्जपएसोगाढस्स दव्वट्टयाए एगे अचरमे चरमातिं संखेज्जगुणातिं अचरमं च चरमाणि य दोवि विसेसाहियातिं पदेसट्टयाते सव्वत्थोवा परिमंडलसंठाणस्स असंखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स चरमंतपएसा अचरमंत० संखि० चरमंत० य अचरमंत० य दोवि विसे० दव्वट्टपएसट्टयाए सव्वत्थोवे परिमंडलस्स संठाणस्स असंखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स दव्वट्टयाए एगे अचरिमे चरमातिं संखेज्जगुणातिं अचरमं च चरमाणि य दोवि विसेसाहियातिं चरमंतपएसा संखेज्ज० अचरमंतपएसा संखेज्ज० चरमंत० य अचरमंत० य दोवि विसे०, एवं जाव आयते, परिमंडलस्स णं भंते ! संठाणस्स असंखेज्जपएसियस्स असंखेज्जपएसोगाढस्स अचरमस्स चरमाण य चरमंतपएसण य अचरमंतपएसण य दव्वट्टयाए पएसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कयरे०?, गो०! जहा रयणप्पभाए अप्पाबहुयं तहेव निरवसेसं भाणियव्वं, एवं जाव आयते, परिमंडलस्स णं भंते ! संठाणस्स अणंतपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स अचरिमस्स य० दव्वट्टयाए० कयरे०?, गो०! जहा संखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स नवरं संकमेणं अणंतगुणा, एवं जाव आयए, परिमंडलस्स णं भंते ! संठाणस्स अणंतपएसियस्स असंखेज्जपएसोगाढस्स अचरमस्स य० जहा रयणप्पभाए नवरं संकमे अणंतगुणा, एवं जाव आयते । १५९। जीवे णं भंते ! गतिचरमेणं किं चरमे अचरमे?, गो०! सिय चरमे सिय अचरमे, नेरइए णं भंते ! गतिचरमेणं किं चरिमे अचरिमे?, गो०! सिय सिय अचरमे, एवं निरंतरं जाव वेमाणिए, नेरइया णं भंते ! गतिचरमेणं किं चरिमा अचरिमा?, गो०! चरिमावि अचरिमावि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिया, नेरइए णं भंते ! चरमे ठितिचरमेणं किं चरमे अचरमे?, गो०! सिय चरमे सिय अचरमे, एवं निरंतरं जाव वेमाणिए, नेरइया णं भंते ! ठितीचरमेणं किं चरमा अचरमा?, गो०! चरमावि अचरमावि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिया, नेरइए णं भंते ! भवचरमेणं किं चरमे अचरमे?, गो०! सिय चरमे सिय अचरमे, एवं निरंतरं जाव वेमाणिए, नेरइया णं भंते ! भवचरमेणं किं चरमा अचरमा?, गो०! चरमावि अचरमावि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिया, नेरइए णं भंते ! भासाचरमेणं किं चरमे अचरमे?, गो०! सिय चरमे सिय अचरमे, नेरइया णं भंते ! भासाचरमेणं किं चरमा अचरमा?, गो०! चरमावि अचरमावि, एवं जाव० एगिंदियव्जां निरंतरं जाव वेमाणिया, नेरइए णं भंते ! आणापाणुचरमेणं किं चरमे अचरमे?, गो०! सिय चरमे सिय अचरमे, एवं निरंतरं जाव वेमाणिए, नेरइया णं भंते ! आणापाणुचरमेणं किं चरमा अचरमा?, गो०! चरमावि अचरमावि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिया, नेरइए णं भंते ! आहारचरमेणं किं चरमे अचरमे?, गो०! सिय चरमे सिय अचरमे, एवं निरंतरं जाव वेमाणिए, नेरइया णं भंते ! आहारचरमेणं किं चरमा अचरमा?, गो०! चरमावि अचरमावि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिया, नेरइए णं भंते ! भावचरमेणं किं चरमे अचरमे?, गो०! सिय चरमे सिय अचरमे, एवं निरंतरं जाव वेमाणिए, नेरइया णं भंते ! भावचरमेणं किं चरमा अचरमा?, गो०! चरमावि अचरमावि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिया, नेरइए णं भंते ! वण्णचरमेणं किं चरमे अचरमे?, गो०! सिय चरमे सिय अचरमे, एवं निरंतरं जाव वेमाणिए, नेरइया णं भंते ! वण्णचरमेणं किं चरमा अचरमा?, गो०! चरिमावि अचरिमावि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिया, नेरइए णं भंते ! गंधचरमेणं किं चरमे अचरमे?, गो०! सिय चरमे सिय अचरमे, एवं निरंतरं जाव वेमाणिए, नेरइया णं भंते ! गंधचरमेणं किं चरमा अचरमा?, गो०! चरमावि अचरमावि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिया, नेरइए णं भंते ! रसचरमेणं किं चरमे अचरमे?, गो०! सिय चरमे सिय अचरमे, एवं निरंतरं जाव वेमाणिए, नेरइया णं भंते ! रसचरमेणं किं चरमा अचरमा?, गो०! चरमावि अचरमावि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिया, नेरइए णं भंते ! फासचरमेणं किं चरमे अचरमे?, गो०! सिय चरमे सिय अचरमे, एवं निरंतरं जाव वेमाणिए, नेरइया णं भंते ! फासचरमेणं किं चरमा अचरमा?, गो०! चरमावि अचरमावि, एवं जाव वेमाणिया, संगहणीगाहा-‘गति ठिइ भवे य भासा आणापाणुचरमे य बोद्धवा । आहार भावचरमे वण्ण रसे गंध फासे ये ॥ १९१ ॥ १६०। चरमपदं १० ॥ से णूणं भंते ! मण्णामीति ओहारिणी भासा चिंतेमीति ओहारिणी भासा अह मण्णामीति ओधारिणी भासा अह चिंतेमीति ओधारणी भासा तह मण्णामीति ओधारिणी भासा तह चिंतेमीति ओहारिणी भासा?, हुंता गो०! मण्णामीति ओधारिणी भासा चिंतेमीति ओधारिणी भासा अह मण्णामीति ओधारिणी भासा अह चिंतेमीति ओधारणी भासा तह मण्णामीति ओधारिणी भासा तह चिंतेमीति ओधारिणी भासा?, हुंता गो०! मण्णामीति ओधारिणी भासा चिंतेमीति ओधारिणी भासा अह मण्णामीति ओधारिणी भासा अह चिंतेमीति ओधारिणी भासा तह मण्णामीति ओधारिणी भासा तह चिंतेमीति ओधारिणी भासा, ओहारिणी णं भंते ! भासा किं सच्चा मोसा सच्चामोसा असच्चामोसा?, गो०! सिय सच्चा सिय मोसा सिय सच्चामोसा सिय असच्चामोसा, से केणट्टेणं भंते ! एवं बुच्चति-ओधारिणी णं भासा सिय सच्चा जाव असच्चामोसा?, गो०! आराहिणी सच्चा विराहिणी मोसा आराहणविराहिणी सच्चामोसा जा णेव आराहणी णेव विराहिणी णेवाराहणविराहिणी सा असच्चामोसा णामं सा चउत्थी भासा, से तेणट्टेणं गो०! एवं बुच्चति-ओधारिणी णं भासा सिय सच्चा० सिय असच्चामोसा । १६१। अह भंते ! गाओ

७२२ प्रज्ञापना, ५६-११

મિયા પસૂ પક્ષી પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા ?, હંતા ગોં! જા ય ગાઓ મિયા પસૂ પક્ષી પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા, અહ મંતે! જા ય ઇત્થીવઠુ જા ય પુરિસવઠુ જા ય નપુંસગવઠુ પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા ?, હંતા ગોં! જા ય ઇત્થીવઠુ જા ય પુમવઠુ જા ય નપુંસગવઠુ પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા, અહ મંતે! જા ય ઇત્થીઆણમળી જા ય પુમાણવળી જા ય નપુંસગઆણમળી પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા ?, હંતા ગોં! જા ય ઇત્થીઆણવળી જા ય પુમઆણવળી જા ય નપુંસગઆણવળી પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા, અહ મંતે! જા ય ઇત્થીપણવળી જા ય પુમપણવળી જા ય નપુંસગપણવળી પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા ?, હંતા ગોં! જા ય ઇત્થીપણવળી જા ય પુમપણવળી જા ય નપુંસગપણવળી પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા, અહ મંતે! જા જાતીતિ ઇત્થીવઠુ જાતીઈ પુમવઠુ જાતીતિ નપુંસગવઠુ પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા ?, હંતા ગોં! જાતીતિ ઇત્થીવઠુ જાઈતિ પુમવઠુ જાતીતિ નપુંસગવઠુ પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા, અહ મંતે! જા જાતીઈ ઇત્થીઆણમળી જાઈતિ પુમઆણવળી જાતીતિ નપુંસગાણમળી પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા, અહ મંતે! જા જાતીતિ ઇત્થીપણવળી જાતીતિ પુમપણવળી જાતીતિ નપુંસગપણવળી પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા, અહ મંતે! જા જાતીતિ ઇત્થીપણવળી જાઈતિ પુમપણવળી જાઈતિ નપુંસગપણવળી પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા. ૧૬૨. અહ મંતે! મંદકુમારે વા મંદકુમારિયા વા જાણતિ બુયમાણા અહમેસે બુયામીતિ ?, ગોં! નો ઇણદે સમદે, નણ્ણત્થ સણ્ણિણો, અહ મંતે! મંદકુમારે વા મંદકુમારિયા વા જાણદ આહારં આહારમાણે અહમેસે આહારમાહારેમિત્તિ ?, ગોં! નો ઇણદે સમદે, નણ્ણત્થ સણ્ણિણો, અહ મંતે! મંદકુમારે વા મંદકુમારિયા વા જાણતિ અયં મે અમ્માપિયરો ?, ગોં! નો ઇણદે સમદે, નણ્ણત્થ સણ્ણિણો, અહ મંતે! મંદકુમારે વા મંદકુમારિયા વા જાણતિ અયં મે અતિરાઉલે અયં મે અદરાઉલેત્તિ ?, ગોં! નો ઇણદે સમદે, નણ્ણત્થ સણ્ણિણો, અહ મંતે! મંદકુમારે વા મંદકુમારિયા વા જાણતિ અયં મે મદ્દિદારે અયં મે મદ્દિદારિયેતિ ?, ગોં! ઇણદે સમદે, નણ્ણત્થ સણ્ણિણો, અહ મંતે! ઉદે ગોળે સ્વરે ઘોડા એ એલતે જાણતિ બુયમાણે અહમેસે બુયામિ ?, ગોં! નો ઇણદે સમદે, નણ્ણત્થ સણ્ણિણો, અહ મંતે! ઉદે જાવ એલતે જાણતિ આહારં આહારેમાણો અહમેસે આહારમાહારેમિ ? ગોં! નો ઇણદે સમદે, નણ્ણત્થ સણ્ણિણો, અહ મંતે! ઉદે ગોળે સ્વરે ઘોડા એ એલ એ જાણતિ અયં મે અમ્માપિયરો ?, ગોં! નો ઇણદે સમદે, નણ્ણત્થ સણ્ણિણો, અહ મંતે! ઉદે જાવ એલ એ જાણતિ અયં મે અતિરાઉલેત્તિ ?, ગોં! નો ઇણદે સમદે, નણ્ણત્થ સણ્ણિણો, અહ મંતે! ઉદે જાવ એલ એ જાણતિ અયં મે મદ્દિદારે મદ્દિદારિયેત્તિ, ગોં! નો ઇણદે સમદે, નણ્ણત્થ સણ્ણિણો. ૧૬૩. અહ મંતે! મણુસે મહિસે આસે હત્થી સીહે વઘે વિગે દીવિ એ અચ્છે તરચ્છે પરસ્સરે સિયાલે ચિરાલે સુણ એ કોલસુણ એ કોકંતિ એ સસ એ ચિત્ત એ ચિહ્લ એ જે યાવન્ને તહપ્પગારા સઘા સા એગવઠુ ?, હંતા ગોં! મણુસે જાવ ચિહ્લ એ જે સઘા સા એગવઠુ, અહ મંતે! મણુસા જાવ ચિહ્લ લગા જે તહપ્પગારા સઘા સા બહુવઠુ ?, હંતા ગોં! મણુસા જાવ ચિહ્લ લગા સઘા સા બહુવઠુ, અહ મંતે! મણુસી મહિસી વલવા હત્થીણિયા સીહી વઘી વિગી દીવિયા અચ્છી તરચ્છી પરસ્સરા રાસમી ચિયાલી ચિરાલી સુણિયા કોલસુણિયા કોકંતિયા સસિયા ચિત્તિયા ચિહ્લિયા જે યાવન્ને તહ સઘા સા ઇત્થીવઠુ ?, હંતા ગોં! મણુસી જાવ ચિહ્લ લિગા જે યાવન્ને તહપ્પગારા સઘા સા ઇત્થીવઠુ, અહ મંતે! મણુસે જાવ ચિહ્લ લયે જે યાવન્ને તહપ્પગારા સઘા સા પુમવઠુ ?, હંતા ગોં! મણુસે મહિસે જાવ ચિહ્લ એ જે યાવન્ને તહપ્પગારા સઘા સા પુમવઠુ, અહ મંતે! કંસં કંસોયં પરિમંડલં સેલં થૂમં જાલં થાલં તારં રૂવં અચ્છિપઘં કુંડં પડમં દુદ્ધં દહિં નવળીતં અસળં સયળં ભવળં વિમાળં છત્તં ચામરં ભિંગરં અંગળં ણિરંગળં આભરળં રયળં જે યાવન્ને તહપ્પગારા સઘં તં નપુંસગવઠુ ?, હંતા ગોં! કંસં જાવ રયળં જે યાવન્ને તહપ્પગારા તં સઘં નપુંસગવઠુ, અહ મંતે! પુઢવી ઇત્થીવઠુ આઉત્તિ પુમવઠુ ધણ્ણિત્તિ નપુંસગવઠુ પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા ?, હંતા ગોં! પુઢવીતિ ઇત્થીવઠુ આઉત્તિ પુમવઠુ ધણ્ણિત્તિ નપુંસગવઠુ પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા, અહ મંતે! પુઢવીતિ ઇત્થીઆણમળી આઉત્તિ પુમઆણમળી ધણ્ણેત્તિ નપુંસગાણમળી પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા ?, હંતા ગોં! પુઢવીતિ ઇત્થીઆણમળી આઉત્તિ પુમઆણમળી ધણ્ણેત્તિ નપુંસગાણમળી પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા, અહ મંતે! પુઢવીતિ ઇત્થીપણવળી આઉત્તિ પુમપણવળી ધણ્ણેત્તિ નપુંસગપણવળી આરાહળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા ?, હંતા ગોં! પુઢવીતિ ઇત્થીપણવળી આઉત્તિ પુમપણવળી ધણ્ણેત્તિ નપુંસગપણવળી આરાહળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા, અહ મંતે! ઇત્થીવયળં વા પુમવયળં વા નપુંસગવયળં વા વયમાણે પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા ?, હંતા ગોં! ઇત્થીવયળં વા પુમવયળં વા નપુંસગવયળં વા વયમાણે પણવળી નં એસા ભાસા ન એસા ભાસા મોસા. ૧૬૪. ભાસા નં મંતે!

किमादीया किंपवहा किंसेठिया किंपज्जवसिया ?, गो०! भासा णं जीवादीया सरीरप्पभवा वज्जसेठिया लोगंतपज्जवसिया प०-‘भासा कओ य पभवति कतिहि व समएहि भासती भासं। भासा कतिप्पगारा कति वा भासा अणुमया उ ॥ १९२ ॥ सरीरप्पभवा भासा दोहि य समएहि भासती भासं। भासा चउप्पगारा दोणि य भासा अणुमता उ ॥ १९३ ॥ कति-विहा णं भंते! भासा पं०?, गो०! दुविहा भासा पं० तं०-पज्जत्तिया य अपज्जत्तिया य, पज्जत्तिया णं भंते! भासा कतिविहा पं०?, गो०! दुविहा पं० तं०-सच्चा य मोसा य, सच्चा णं भंते! भासा पज्जत्तिया कतिविहा पं०?, गो०! दसविहा पं० तं०-जणवयसच्चा सम्मय० ठवण० नाम० रूव० पडुच्च० ववहार० भाव० जोग० ओवम्मसच्चा, ‘जणवय संमत ठवणा नामे रूवे पडुच्चसच्चे य। ववहार भाव जोगे दंसमे ओवम्मसच्चे य ॥ १९४ ॥ मोसा णं भंते! भासा पज्जत्तिया कतिविहा पं०?, गो०! दसविहा पं० तं०-कोहणिस्सिया माणनिस्सिया माया० लोह० पेज्ज० दोस० हास० भय० अक्खाइया० उवघाइयनिस्सिया ‘कोहे माणे माया लोभे पिज्जे तहेव दोसे य। हास भए अक्खाइय उवघाइयनिस्सिया दसमा ॥ १९५ ॥ अपज्जत्तिया णं भंते! कइविहा भासा पं०?, गो०! दुविहा पं० तं०-सच्चा मोसा असच्चा मोसा य, सच्चा मोसा णं भंते! भासा अपज्जत्तिया कतिविहा पं०?, गो०! दसविहा पं० तं०-उप्प-ण्णमिस्सिया विगतमिस्सिया उप्पण्णविगत० जीव० अजीव० जीवाजीव० अणंत० परित्त० अद्धा० अद्धामिस्सिया, असच्चा मोसा णं भंते! भासा अपज्जत्तिया कइविहा पं०?, गो०! दुवालस्सविहा पं० तं०-‘आमंतणि आणमणी जायणि तह पुच्छणी य पण्णवणी। पच्चक्खाणी भासा भासा इच्छाणुलोमा य ॥ १९६ ॥ अणभिग्गहिया भासा भासा य अभिग्गहंमि बोद्धवा। संसयकरणी भासा वोगड अब्बोगडा चेव ॥ १९७ ॥ १६५। जीवा णं भंते! किं भासगा अभासगा?, गो०! जीवा भासगावि अभासगावि, से केणट्टेणं भंते! एवं वुच्चति-जीवा भासगावि अभासगावि?, गो०! जीवा दुविहा पं० तं०-संसारसमावण्णगा य असंसारसमावण्णगा य, तत्थ णं जे ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं अभासगा, तत्थ णं जे ते संसारसमावण्णगा ते दुविहा पं० तं०-सेलेसीपडिवण्णगा य असेलेसीपडिवण्णगा य, तत्थ णं जे ते सेलेसीपडिवण्णगा ते णं अभासगा, तत्थ णं जे ते असेलेसीपडिवण्णगा ते दुविहा पं० तं०-एगिंदिया य अणेगिंदिया य, तत्थ णं जे ते एगिंदिया ते णं अभासगा, तत्थ णं जे ते अणेगिंदिया ते दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं अभासगा, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते णं भासगा, से एएणट्टेणं गो०! एवं वुच्चति-जीवा भासगावि अभासगावि, नेरइया णं भंते! किं भासगा अभासगा?, गो०! नेरइया भासगावि अभासगावि, से केणट्टेणं भंते! एवं वुच्चति-नेरइया भासगावि अभासगावि?, गो०! नेरइया दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं अभासगा, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते णं भासगा, से एएणट्टेणं गो०! एवं वुच्चति-नेरइया भासगावि अभासगावि, एवं एगिंदियवज्जाणं निरंतरं भाणियद्वं। १६६। कति णं भंते! भासज्जाया पं०?, गो०! चतारि भासज्जाया पं० तं०-सच्चमेगं भासज्जायं बितियं मोसं ततियं सच्चा मोसं चउत्थं असच्चा मोसं, जीवा णं भंते! किं सच्चं भासं भासंति मोसं० सच्चा मोसं० असच्चा मोसं०?, गो०! जीवा सच्चं पि भासं भासंति मोसं पि० सच्चा मोसं पि० असच्चा मोसं पि०, नेरइया णं भंते! किं सच्चं भासं भासंति जाव असच्चा मोसं पि० भासं भासंति?, गो०! नेरइया णं सच्चं पि भासं भासंति जाव असच्चा मोसं पि०, एवं असुरकुमारा जाव थणियकुमारा, बेइंदियतेइंदियचउरिंदिया य नो सच्चं नो मोसं नो सच्चा मोसं असच्चा मोसं०, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते! किं सच्चं भासं जाव किं असच्चा मोसं०?, गो०! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णो सच्चं भासं भासंति णो मोसं० णो सच्चा मोसं० एगं असच्चा मोसं०, णण्णत्थ सिक्खापुव्वगं उत्तरगुणलद्धिं वा पडुच्च सच्चं पि भासं भासति मोसं पि० सच्चा मोसं पि० असच्चा मोसं पि०, मणुस्सा जाव वेमाणिया एते जहा जीवा तहा भाणियद्वं। १६७। जीवे णं भंते! जातिं दव्वातिं भासत्ताए गिण्हति ताइं किं ठियाइं गेण्हति अठियाइं गेण्हति?, गो०! ठियाइं गिण्हति नो अठियाइं गिण्हति, जाइं भंते! ठियाइं गिण्हति ताइं किं दव्वतो गिण्हति खेत्ततो गिण्हति कालतो गिण्हति भावतो गिण्हति?, गो०! दव्वओवि गिण्हति खेत्तओवि० कालओवि० भावओवि गिण्हति, जातिं भंते! दव्वओ गेण्हति ताइं किं एगपदेसिताइं गिण्हति दुपदेसियाइं जाव अणं-तपदेसियाइं गेण्हति?, गो०! नो एगपदेसियाइं जाव नो असंखिज्जपदेसियाइं, अणंतपदेसियाइं गेण्हति, जाइं खेत्तओ गेण्हति ताइं किं एगपएसोगाढाइं गेण्हति दुपएसोगाढाइं गेण्हति जाव असंखेज्जपएसोगाढाइं गेण्हति?, गो०! नो एगपएसोगाढाइं जाव नो संखेज्जपएसोगाढाइं०, असंखेज्जपएसोगाढाइं गेण्हति, जाइं कालतो गेण्हति ताइं किं एगसमयठिइयाइं दुसमयठिइयाइं जाव असंखिज्जसमयठिइयाइं गेण्हति?, गो०! एगसमयठितियाइं पि दुसमयठितियाइं पि जाव असंखेज्जसमयठितियाइं पि गेण्हति, जाइं भावतो गेण्हति ताइं किं वण्ण-मंताइं गंधमंताइं रसमंताइं फासमंताइं गेण्हति?, गो०! वण्णमंताइं पि जाव फासमंताइं पि गेण्हति, जाइं भावओ वण्णमताइं पि ताइं किं एगवण्णाइं जाव पंचवण्णाइं गेण्हति?, गो०! गहणदव्वाइं पडुच्च एगवण्णाइं पि जाव पंचवण्णाइं पि गेण्हति, सव्वग्गहणं पडुच्च णियमा पंचवण्णाइं गेण्हति, तं०-कालाइं नीलाइं लोहियाइं हालिदाइं सुक्खिदाइं, जाइं वण्णतो कालाइं गेण्हति ताइं किं एगगुणकालाइं जाव अणंतगुणकालाइं गिण्हति?, गो०! एगगुणकालाइं पि जाव अणंतगुणकालाइं पि गेण्हति, एवं जाव सुक्खिदाइं पि, जाइं भावतो गंधमंताइं (१८१)

गिण्हति ताई किं एगगंधाई० दुगंधाई गिण्हति?, गो०! गहणदवाइ पडुच्च एगगंधाईपि० दुगंधाईपि०, सबग्गहणं पडुच्च नियमा दुगंधाई०, जाइं गंधतो सुब्भिगंधाई गिण्हति ताई किं एग-
 गुणसुब्भिगंधाई जाव अणंतगुणसुब्भिगंधाई गिण्हति?, गो०! एगगुणसुब्भिगंधाईपि जाव अणंतगुणसुब्भिगंधाईपि, एवं दुब्भिगंधाईपि गेण्हइ, जाइं भावतो रसमंताई गेण्हति ताई
 किं एगरसाइं जाव किं पंचरसाइं गेण्हति?, गो०! गहणदवाइ पडुच्च एगरसाइंपि जाव पंचरसाइंपि०, सबग्गहणं पडुच्च नियमा पंचरसाइं गेण्हति, जाइं रसओ तित्तरसाइं गेण्हति ताई किं
 एगगुणतित्तरसाइं जाव अणंतगुणतित्तरसाइं गिण्हति?, गो०! एगगुणतित्ताइंपि जाव अणंतगुणतित्ताइंपि०, एवं जाव मधुरसो, जाइं भावतो फासमंताई गेण्हति ताई किं एगफासाइं
 जाव अट्टफासाइं गिण्हति?, गो०! गहणदवाइ पडुच्च णो एगफासाइं० दुफासाइं जाव चउफासाइं गेण्हति णो पंचफासाइं गेण्हति जाव नो अट्टफासाइं गेण्हति, सबग्गहणं पडुच्च नियमा
 चउफासाइं गेण्हति तं० सीतफासाइं गेण्हति उसिणफासाइं० निद्धफासाइं० लुक्खफासाइं गेण्हति, जाइं फासतो सीताइं गिण्हति ताई किं एगगुणसीताइं गेण्हति जाव अणंतगुणसीताइं
 गेण्हति?, गो०! एगगुणसीताइंपि गेण्हति जाव अणंतगुणसीताइंपि गेण्हति, एवं उसिणणिद्धलुक्खाइं जाव अणंतगुणलुक्खाइंपि गिण्हति, जाइं भंते! जाव अणंतगुणलुक्खाइं गेण्हति ताई
 किं पुट्टाई० अपुट्टाई गेण्हति?, गो०! पुट्टाई गेण्हति नो अपुट्टाई गेण्हति, जाइं भंते! पुट्टाई गेण्हति ताई किं ओगाढाई० अणोगाढाई०?, गो०! ओगाढाई गेण्हति नो अणोगाढाई०, जाइं
 भंते! ओगाढाई गेण्हति ताई किं अणंतरोगाढाई० परंपरोगाढाई०?, गो०! अणंतरोगाढाई गिण्हति नो परंपरोगाढाई०, जाइं भंते! अणंतरोगाढाई गेण्हति ताई किं अणूइं० बायराइं
 गेण्हति?, गो०! अणूइंपि० बायराइंपि०, जाइं भंते! अणूइं गेण्हति ताई किं उड्ढं० अघे० तिरियं गेण्हति?, गो०! उड्ढंपि० अघेवि० तिरियंपि गेण्हति, जाइं भंते! उड्ढंपि० अघेवि०
 तिरियंपि गेण्हति ताई किं आदि० मज्झे० पज्जवसाणे गेण्हति?, गो०! आदिंपि० मज्झेवि० पज्जवसाणेवि गेण्हति, जाइं भंते! आदिंपि० मज्झेवि० पज्जवसाणेवि गिण्हति ताई किं सविसए०
 अविसए गिण्हति?, गो०! सविसए गेण्हति नो अविसए०, जाइं भंते! सविसए गेण्हति ताई किं आणुपुब्धिं गेण्हति अणानुपुब्धिं०?, गो०! आणुपुब्धिं गेण्हति नो अणानुपुब्धिं०, जाइं भंते!
 आणुपुब्धिं गेण्हति ताई किं तिदिसिं जाव छदिसिं गेण्हति?, गो०! नियमा छदिसिं गेण्हति, 'पुट्टोगाढ अणंतर अणू य तह बायरे य उड्ढमहे। आदि विसयाणुपुब्धिं णियमा तह छदिसिं
 चेव ॥ १९८ ॥ १६८। जीवे णं भंते! जाइं दवाइं भासत्ताए गेण्हति ताई किं संतरं गेण्हति निरंतरं गेण्हति?, गो०! संतरंपि० निरंतरंपि गेण्हति, संतरं गिण्हमाणे जह० एगं समयं उक्को०
 असंखेज्जसमए अतरं कट्टु गेण्हति, निरंतरं गेण्हमाणे जह० दो समए उक्को० असंखेज्जसमए अणुसमयं अविरहियं निरंतरं गेण्हति, जीवे णं भंते! जाइं दवाइं भासत्ताए गहियाइं
 णीसिरइ ताई किं संतरं नीसिरइ निरंतरं नीसिरइ?, गो०! संतरं नीसिरइ नो निरंतरं नीसिरइ, संतरं निस्सरमाणे एगेणं समएणं गेण्हति एगेणं समएणं नीसिरइ, एतेणं गहणनीसरणो-
 वाएणं जह० दुसमइयं उक्को० असंखेज्जसमइयं अंतोमुहुत्तिगं गहणनीसरणोवायं करेति, जीवे णं भंते! जाइं दवाइं भासत्ताए गहियाइं णीसिरति ताई किं भिण्णाइं णीसरति अभि-
 ण्णाइं णीसरति?, गो०! भिन्नाइंपि निस्सरइ अभिन्नाइंपि निस्सरइ, जाइं भिन्नाइं णिस्सरति ताई अणंतगुणपरिवुड्ढीए णं परिवुड्ढमाणे लोयंतं फुसन्ति, जाइं अभिण्णाइं नीसरइ ताई
 असंखेज्जाओ ओगाहणवग्गणाओ गंता भेदमावज्जंति संखेजातिं जोअणातिं गंता विद्धंसमागच्छंति । १६९। तेसिं णं भंते! दवाणं कतिविहे भेए पं०?, गो०! पञ्चविधे भेदे पं० तं०-
 खंडाभेदे पयर० चुण्णिया० अणुतडिया० उक्करियाभेदे, से किं तं खंडाभेदे?, २ जण्णं अयखंडाण वा तउ० वा तंब० वा सीस० वा रयय० वा जातरूवरखंडाण वा खंडाएण भेदे भवति,
 से तं खंडाभेदे, से किं तं पयरभेदे?, २ जण्णं वंसाण वा वेत्ताण वा नलाण वा कदलीर्यभाण वा अब्भपडलाण वा पयरं भेदे भवति, से तं पयरभेदे, से किं तं चुण्णियाभेदे?, २ जण्णं
 तिलचुण्णाण वा मुग्ग० वा मास० वा पिप्पली० वा मिरीय० वा सिंगबेर० वा चुण्णियाए भेदे भवति, से तं चुण्णियाभेदे, से किं तं अणुतडियाभेदे?, २ जण्णं अगडाण वा तडागाण
 वा दहाण वा नदीण वा वावीण वा पुक्खरिणीण वा दीहियाण वा गुंजालियाण वा सराण वा सरसराण वा सरपंतियाण वा सरसरपंतियाण वा अणुतडियाभेदे भवति, से तं अणुतडियाभेदे,
 से किं तं उक्करियाभेदे?, २ जण्णं मूसाण वा मंडूसाण वा तिलसिंगाण वा मुग्गसिंगाण वा माससिंगाण वा एरंडबीयाण वा फुडिता उक्करियाभेदे भवति, से तं उक्करियाभेदे, एएसिं णं
 भंते! दवाणं खंडाभेएणं जाव उक्करियाभेदेणं य भिज्जमाणानं कयरे०?, गो०! सबत्थोवाइं दवाइं उक्करियाभेदेणं भिज्जमाणानं अणुतडियाभेएणं भिज्जमाणानं अणंतगुणाइं चुण्णि-
 याभेदेणं भिज्जमाणानं अणंत० पयरभेदेणं भिज्जमाणानं अणंत० खंडाभेदेणं भिज्जमाणानं अणंतगुणाइं । १७०। नेरइए णं भंते! जाइं दवाइं भासत्ताए गेण्हति ताई किं ठियाइं गेण्हति
 अठियाइं गेण्हति?, गो०! एवं चेव जहा जीवे वत्तवया भणिया तहा नेरइयस्सवि जाव अप्पाबहुयं, एवं एगिंदियवजो दंडतो जाव वेमाणिए, जीवा णं भंते! जाइं दवाइं भासत्ताए
 गेण्हति ताई किं ठियाइं गेण्हति अठियाइं गेण्हति?, गो०! एवं चेव पुहुत्तेणवि नेतव्वं जाव वेमाणिया, जीवे णं भंते! जाइं दवाइं सब्भासत्ताए गेण्हति ताई किं ठियाइं गेण्हति अठियाइं

गेण्हति?, गो०! जहा ओहियदंडओ तहा एसोऽवि णवरं विगलिंदिया ण पुच्छिज्जंति, एवं मोसाभासाएवि सच्चामोसाभासाएवि, असच्चामोसाभासाएवि एवं चेव, नवरं असच्चामोसाभासाए विगलिंदिया पुच्छिज्जंति इमेणं अभिलावेणं-विगलिंदिए णं भंते! जाइं दब्बाइं असच्चामोसाभासत्ताए गिण्हइ ताइं किं ठियाइं गेण्हइ अठियाइं०, गो०! जहा ओहियदंडओ, एवं एए एगत्तपुहुत्तेणं दस दंडगा भाणियद्वा । १७१। जीवे णं भंते! जाइं दब्बाइं सच्चभासत्ताए गिण्हति ताइं किं सच्चभासत्ताए नीसिरइ मोसभासत्ताए० सच्चामोसभासत्ताए० असच्चामोसभासत्ताए नीसिरइ?, गो०! सच्चभासत्ताए नीसिरइ नो मोसभासत्ताए नो सच्चामोसभासत्ताए नो असच्चामोसभासत्ताए नीसिरइ, एवं एगिंदियविगलिंदियक्खो दंडतो जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेणवि, जीवे णं भंते! जाइं दब्बाइं मोसभासत्ताए गिण्हति ताइं किं सच्चभासत्ताए जाव असच्चामोसभासत्ताए नीसिरइ?, गो०! नो सच्चभासत्ताए० मोसभासत्ताए नीसरति णो सच्चामोस० णो असच्चामोसभासत्ताए नीसरति, एवं सच्चामोसभासत्ताएवि, असच्चामोसभासत्ताएवि एवं चेव, नवरं असच्चामोसभासत्ताए विगलिंदिया तहेव पुच्छिज्जंति, जाए चेव गिण्हति ताए चेव नीसरति, एवं एते एगत्तपुहुत्तिया अट्ट दंडगा भाणियद्वा । १७२। कतिविहे णं भंते! वयणे पं०?, गो०! सोलसविहे वयणे पं० तं०-एगवयणे दु० बहु० इत्थि० पुम० णपुंसग० अज्झत्थ० उवणीय० अवणीय० उवणीयावणीय० अवणीयोवणीय० तीत० पडुप्पन्न० अणागय० पच्चक्ख० परोक्खवयणे, इच्चेइतं भंते! एगवयणं वा जाव परोक्खवयणं वा वदमाणे पणवणी णं एसा भासा ण एसा मासा मोसा?, हुंता! गो०! इच्चेइतं एगवयणं वा जाव परोक्खवयणं वा वदमाणे पणवणी णं एसा भासा ण एसा भासा मोसा । १७३। कति णं भंते! भासज्जाया पं०?, गो०! चत्तारि भासज्जाया पं० तं०-सच्चमेगं भासज्जायं वितियं मोसं तइयं सच्चामोसं चउत्थं असच्चामोसं भासज्जातं, इच्चेइयाइं भंते! चत्तारि भासज्जायाइं भासमाणे किं आराहते विराहते?, गो०! इच्चेइयाइं चत्तारि भासज्जायाइं आउत्तं भासमाणे आराहते, नो विराहते, तेण परं असंजतअविरयअपडिहतअ-पच्चक्खायपावकम्मे सच्चं भासं भासंतो मोसं वा० सच्चामोसं वा० असच्चामोसं वा भासं भासमाणे नो आराहते, विराहते । १७४। एतेसिं णं भंते! जीवाणं सच्चभासगाणं मोस० सच्चामोस० असच्चामोस० अभासगाणं य कयरे०?, गो०! सवत्थोवा जीवा सच्चभासगा सच्चामोस० असंखि० मोसभासगा० असंखे० असच्चामोसभासगा असंखे० अभासगा अणंतगुणा । १७५। भासापयं ११ ॥ कति णं भंते! सरीरा पं०?, गो०! पंच सरीरा पं० तं०-ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए, नेरइयाणं भंते! कति सरीरया पं०?, गो०! तओ सरीरया पं० तं०-वेउव्विए तेयए कम्मए, एवं असुरकुमाराणवि जाव थणियकुमाराणं, पुढवीकाइयाणं भंते! कति सरीरया पं०?, गो०! तओ सरीरया पं० तं०-ओरालिए तेयए कम्मए, एवं वाउकाइयवज्जं जाव चउरिंदियाणं, वाउकाइयाणं भंते! कति सरीरया पं०?, गो०! चत्तारि सरीरया पं० तं०-ओरालिए वेउव्विते तेयए कम्मए, एवं पंचिंदियतिरिक्खजो-णियाणवि, मणुस्साणं भंते! कति सरीरया पं०?, गो०! पंच सरीरया पं० तं०-ओरालिए वेउव्विते आहारए तेयए कम्मए, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नारगाणं । १७६। केवइया णं भंते! ओरालियसरीरया पं०?, गो०! २ दुविहा पं० तं०-बद्धेइया य मुक्खेइया य, तत्थ णं जे ते बद्धेइया ते णं असंखेज्जा असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालतो खेत्ततो असंखेज्जा लोगा, तत्थ णं जे ते मुक्खेइया ते णं अणंता अणंताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालतो खेत्तओ अणंता लोगा अभवसिद्धिएहिंतो अणंतगुणा सिद्धाणऽणंतभागो, केवतिया णं भंते! वेउव्वियसरीरया पं०?, गो०! २ दुविहा पं० तं०-बद्धेइया य मुक्खेइया य, तत्थ णं जे ते बद्धेइया ते णं असंखेज्जा असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालतो खेत्ततो असंखेज्जातो सेढीओ पयरस्स असंखेज्जतिभागो, तत्थ णं जे ते मुक्खेइया ते णं अणंता अणंताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालतो जहा ओरालियस्स मुक्खेइया तहेव वेउव्वियस्सवि भाणियद्वा, केवतिया णं भंते! आहारगसरीरया पं०?, गो०! २ दुविहा पं० तं०-बद्धेइया य मुक्खेइया य, तत्थ णं जे ते बद्धेइया ते णं असंखेज्जा असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालतो खेत्तओ अणंता लोगा दब्बाओ सिद्धेहिंतो अणंतगुणा सब्बजीवाणंतभागूणा, तत्थ णं जे ते मुक्खेइया ते णं अणंता अणंताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालतो खेत्तओ अणंता लोगा दब्बाओ सब्बजीवेहिंतो अणंतगुणा जीवग्गस्साणंतभागे, एवं कम्मगसरीराणिवि भाणितद्वाणि । १७७। नेरइयाणं भंते! केवतिया ओरालियसरीरा पं०?, गो०! २ दुविहा पं० तं०-बद्धेइया य मुक्खेइया य, तत्थ णं जे ते बद्धेइया ते णं नत्थि, तत्थ णं जे ते मुक्खेइया ते णं अणंता जहा ओरालियमुक्खेइया तहा भाणियद्वा, नेरइयाणं भंते! केवइया वेउव्वियसरीरा पं०? गो०! २ दुविहा पं० तं०-बद्धेइया य मुक्खेइया य, तत्थ णं जे ते बद्धेइया ते णं असंखेज्जा असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालतो खेत्ततो असंखिज्जाओ सेढीओ

पयरस्स असंखेइभागो, तासिं णं सेढीणं विक्खंभसूई अंगुलपढमवग्गमूलं बितीयवग्गमूलपडुप्पणं अहवणं अंगुलबितीयवग्गमूलघणप्पमाणमेत्ताओ सेढीतो, तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं जहा ओरालियस्स मुक्केल्लगा तहा भाणियद्वा, नेरइयाणं भंते ! केवइआ आहारगसरीरा पं०?, गो०! २ दुविहा पं० तं०-बद्धे० मुक्के० एवं जहा ओरालिए बद्धेल्लगा मुक्केल्लगा य भणिया तहेव आहारगावि भाणियद्वा, तेयाकम्मगाइं जहा एएसिं चेव वेउव्वियाइं । १७८ । असुरकुमाराणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरा पं०?, गो०! जहा नेरइयाणं ओरालियसरीरा भ-
 णिता तहेव एतेसिं भाणितव्वा, असुरकुमाराणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरा पं०?, गो०! २ दुविहा पं० तं०-बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य, तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालतो खेत्ततो असंखेज्जाओ सेढीतो पयरस्स असंखेज्जतिभागो, तासिं णं सेढीणं विक्खंभसूई अंगुलपढमवग्गमूलस्स (प्र० अ) संखेज्जतिभागो, तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं जहा ओरालियस्स मुक्केल्लगा तहा भाणियद्वा, आहारगसरीरा जहा एतेसिं चेव ओरालिया तहेव दुविहा भाणियद्वा, तेयाकम्मगसरीरा दुविहावि जहा एतेसिं चेव विउव्विया, एवं जाव थणियकुमारा । १७९ । पुढवीकाइयाणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरा पं०?, २ दुविहा पं० तं०-बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य, तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालतो खेत्ततो असंखेज्जा लोगा, तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं अणंता अणंताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालतो खेत्ततो अणंता लोगा अभवसिद्धएहिंतो अणंतगुणा सिद्धाणं अणंतभागो, पुढवीकाइयाणं भंते ! केवतिया वेउव्वियसरीरा पं०?, गो०! २ दुविहा पं० तं०-बद्धे० मुक्के०, तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं णत्थि, तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं जहा एएसिं चेव ओरालिया तहेव भाणियद्वा, एवं आहारगसरीरावि, तेयाकम्मगा जहा एएसिं चेव ओरालिया, एवं आउ-
 काइयतेउकाइयावि, वाउकाइयाणं भंते ! केवतिया ओरालियसरीरा पं०?, गो०! २ दुविहा पं० तं०-बद्धे० मुक्के०, दुविहावि जहा पुढवीकाइयाणं ओरालिया, वेउव्वियाणं पुच्छा, गो०! दुविहा पं० तं०-बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य, तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा समए २ अवहीरमाणा २ पलितोवमस्स असंखेज्जइभागमेत्तेणं कालेणं अवहीरंति नो चेव णं अवहिया सिया, मुक्केल्लगा जहा पुढवीकाइयाणं, आहारयतेयाकम्मा जहा पुढवीकाइयाणं तहा भाणियद्वा, वणप्फइकाइयाणं जहा पुढवीकाइयाणं णवरं तेयाकम्मगा जहा ओहिया तेयाकम्मगा, बेइंदियाणं भंते ! केवइया ओरालिया सरीरा पं०?, गो०! २ दुविहा पं० तं०-बद्धे० मुक्के०, तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालतो खेत्ततो असंखेज्जाओ सेढीओ पयरस्स असंखेज्जइभागो, तासिं णं सेढीणं विक्खंभसूई असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ असंखेज्जाइं सेढिवग्गमूलाइं, बेइंदियाणं ओरालिय-
 सरीरेहिं बद्धेल्लगेहिं पयरो अवहीरति असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं कालतो खेत्ततो अंगुलपयरस्स आवलियाते य असंखेज्जतिभागपलिभागेणं, तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते जहा ओहिया ओरालियमुक्केल्लगा, वेउव्विया आहारगा य बद्धिल्लगा णत्थि, मुक्किल्लगा जहा ओहिया ओरालियमुक्केल्लगा, तेयाकम्मा जहा एतेसिं चेव ओहिया ओरालिया, एवं जाव चउरिंदिया, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं एवं चेव, नवरं वेउव्वियसरीराएसु इमो विसेसो-पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरा पं०?, गो०! २ दुविहा पं० तं०-बद्धे० मुक्के०, तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखिज्जा जहा असुरकुमाराणं णवरं तासिं णं सेढीणं विक्खंभसूई अंगुलपढमवग्गमूलस्स असंखेज्जइभागो, मुक्केल्लगा तहेव, मणुस्साणं भंते ! के-
 वइया ओरालियसरीरा पं०?, गो०! २ दुविहा पं० तं०-बद्धेल्लगा य मुक्के०, तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं सिय संखिज्जा सिय असंखिज्जा जहणपदे संखेज्जा संखेज्जाओ कोडाकोडीओ तिजमलपयस्स उवरिं चउजमलपयस्स हिट्ठा अहवणं लट्ठो वग्गो पंचमवग्गपडुप्पन्नो अहवणं लण्णउइच्छेयणगदाई रासी, उक्कोसपए असंखिज्जा असंखिज्जाहिं उस्सप्पिणीओस-
 प्पिणीहिं अवहीरंति कालतो खेत्तओ रूवपक्खित्तेहिं मणुस्सेहिं सेढी अवहीरइ, तीसे सेढीए आकासखेत्तेहिं अवहारो मग्गिज्जइ असंखेज्जा असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं कालतो खेत्ततो अंगुलपढमवग्गमूलं तइयवग्गमूलपडुप्पणं, तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते जहा ओरालिया ओहिया मुक्केल्लगा, वेउव्वियाणं भंते ! पुच्छा, गो०! दुविहा पं० तं०-बद्धे० मुक्के०, तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं संखिज्जा समए २ अवहीरमाणा २ संखेज्जेणं कालेणं अवहीरंति नो चेव णं अवहीरिया सिया, तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं जहा ओरालिया ओहिया, आहारगसरीरा जहा ओहिया, तेयाकम्मगा जहा एतेसिं चेव ओरालिया, वाणमंतराणं जहा नेरइयाणं ओरालिया आहारगा य, वेउव्वियसरीरा जहा नेरइयाणं नवरं तासिं णं सेढीणं विक्खंभसूई संखेज्जजोअणसयवग्गपलिभागो पयरस्स, मुक्किल्लगा जहा ओरालिया, तेयाकम्मया जहा एतेसिं चेव वेउव्विता, जोइसियाणं एवं चेव नवरं तासिं णं सेढीणं विक्खंभसूई बिच्छप्पन्नंगुलसयवग्गपलिभागो पयरस्स, वेमाणियाणं एवं चेव नवरं तासिं णं सेढीणं विक्खंभसूई अंगुलबितीयवग्गमूलं तइयवग्गमूलपडुप्पन्नं अहवणं अंगुलतइयवग्गमूल-
 घणप्पमाणमेत्ताओ सेढीओ सेसं तं चेव । १८० ॥ सरीरपयं १२ ॥ कतिविधे णं भंते ! परिणामे पण्णत्ते?, गो०! दुविहे परिणामे पं० तं०-जीवपरिणामे य अजीवपरिणामे य । १८१ ।

जीवपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! दसविधे पं० तं०-गतिपरिणामे इंदिय० कसाय० लेसा० जोग० उवओग० णाण० दंसण० चरित्त० वेदपरिणामे । १८२। गतिपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! चउव्विहे पं० तं०-नरयगतिपरिणमे तिरिय० मणुय० देवगतिप०, इंदियपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! पंचविधे पं० तं०-सोतिंदिय० चक्खि-दिय० घाणिंदिय० जिब्भि(प्र० रसणि)दिय० फासिंदियपरिणामे, कसायपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! चउव्विधे पं० तं०-कोह० माण० माया० लोभकसायप०, लेस्साप-रिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! छव्विहे पं० तं०-कण्ह० नील० काउ० तेउ० पम्ह० सुक्कलेसाप०, जोगपरिणामे णं भंते ! कइविहे पं०?, गो०! तिविधे पं० तं०-मण० वइ० कायजोगप०, उवओगपरिणामे णं भंते ! कइविहे पं०?, गो०! दुविहे पं० तं०-सागारोवओगप० अणागारोवओगप०, णाणपरिणामे णं भंते ! कइविहे पं०?, गो०! पंचविधे पं० तं०-आभिणिबोहिय० सुय० ओहि० मणपज्ज० केवलणाणप०, अण्णाणपरिणामे णं भंते ! कइविहे पं०?, गो०! तिविहे पं० तं०-मइअण्णाणप० सुयअ० विभंगणाणप०, दंसणपरिणामे णं भंते ! कइविहे पं०?, गो०! तिविधे पं० तं०-सम्मदंसणपरि० मिच्छादंसणप० सम्मामिच्छादंसणप०, चारित्तपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! पंचविधे पं० तं०-सामाइयचारित्तप० छेदोवट्ठावणीय० परिहारविसुद्धिय० सुहुमसंपराय० अहक्खायचरित्तप०, वेदपरिणामे णं भंते ! कइविहे पं०?, गो०! तिविहे पं० तं०-इत्थि० पुरिस० नपुंसगवेदप०, नेरइया गतिपरिणा-मेण निरयगतीया इंदिय० पंचिंदिया कसाय० कोहकसाईवि जाव लोभकसायीवि लेसा० कण्हलेसावि नीललेसावि काउलेसावि जोग० मणजोगीवि वयजो० कायजो० उवओग० सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि णाण० आभिणिबोहियणाणीवि सुय० ओहि० अण्णाणप० मइअण्णाणीवि सुयअण्णाणीवि विभंगणाणीवि दंसण० सम्मादिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि सम्मामिच्छादिट्ठीवि चरित्त० नो चरित्ती नो चरित्ताचरित्ती अचरित्ती वेदपरिणामेण नो इत्थी० नो पुरिस० नपुंसगवेदगा, असुरकुमारावि एवं चेव, णवरं देवगतिया कण्हलेसावि जाव तेउलेसावि वेद० इत्थिवेदगावि पुरिसवेदगावि नो नपुंसगवेदगा सेसं तं चेव, एवं जाव थणियकुमारा, पुढवीकाइया गति० तिरियगतिया इंदिय० एगिंदिया सेसं जहा नेरइयाणं नवरं लेसा० तेउलेसावि जोग० कायजोगी णाणपरिणामे णत्थि अण्णाण० मतिअण्णाणी सुयअण्णाणी दंसण० मिच्छादिट्ठी सेसं तं चेव, एवं आउवणप्फइकाइयावि, तेऊवाऊ एवं चेव ण-वरं लेसापरिणामेणं जहा नेरइया, बेइंदिया गतिपरिणामेणं तिरियगतिया इंदिय० बेइंदिया सेसं जहा नेरइयाणं णवरं जोग० वयजोगी कायजोगी णाण० आभिणिबोहियणाणीवि सुअण्णाणीवि अण्णाणपरिणामेणं मइअण्णाणीवि सुयअण्णाणीवि नो विभंगणाणी दंसणपरिणामेणं सम्मादिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि नो सम्मामिच्छादिट्ठी सेसं तं चेव, एवं जाव चउरिं-दिया णवरं इंदियपरिवुड्ढी कायवा, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया गतिपरिणामेणं तिरियगतिया सेसं जहा नेरइयाणं णवरं लेसापरि० जाव सुक्कलेसावि चरित्तपरिणा० नो चरित्ती अच-रित्तीवि चरित्ताचरित्तीवि वेदपरि० इत्थि० पुरिस० नपुंसगवेदगावि, मणुस्साणं गतिपरि० मणुयगतिया इंदियपरि० पंचिंदिया अणिंदियावि कसायपरि० कोह० माण० माया० लोभ० अकसाईवि लेसापरि० कण्हलेसावि जाव अलेसावि जोगपरि० मणजोगीवि जाव अजोगीवि उवओगपरि० जहा नेरइया णाणपरि० आभिणिबोहियणाणीवि जाव केवलणाणीवि अण्णा-णपरि० तिण्णिवि अण्णाणा दंसणपरि० तिण्णिवि दंसणा चरित्तपरि० चरित्तीवि अचरित्तीवि चरित्ताचरित्तीवि वेदपरि० इत्थीवेयगावि पुरिसवेदगावि नपुंसगवेयगावि अवेदगावि, वाणमं-तरा गतिपरि० देवगतिया जहा असुरकुमारा, एवं जोइसियावि नवरं तेउलेसा, वेमाणियावि एवं चेव नवरं लेसापरि० तेउलेसावि पम्हलेसावि सुक्कलेसावि, सेत्तं जीवपरिणामे । १८३। अजीवपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! २ दसविधे पं० तं०-बंधणपरिणामे गति० संठाण० भेद० वण्ण० गंध० रस० फास० अगुरुलहुय० सहपरिणामे । १८४। बंधणपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! २ दुविहे पं० तं०-णिद्धबंधणपरिणामे य लुक्खबंधणपरिणामे य, -‘समणिद्धयाए बंधो न होति समलुक्खयाएवि ण होति । वेमायणिद्धलुक्खत्तणेण बंधो उ खंधाणं ॥ १९९॥ णिद्धस्स णिद्धेण दुयाहिएण, लुक्खस्स लुक्खेण दुयाहिएणं । निद्धस्स लुक्खेण उवेइ बंधो, जहण्णवज्जो विसमो समो वा ॥ २००॥ गतिपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! २ दुविहे पं० तं०-फुसमाणगति० य अफुसमाणगति० य, अहवा दीहगइ० य हस्सगइपरिणामे य, संठाणपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! २ पंचविधे पं० तं०-परिमं-डलसंठाणपरि० जाव आयतसं०, भेदपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! २ पंचविधे पं० तं०-खंडभेद० जाव उक्करियाभेदपरि०, वण्णपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! पंचविधे पं० तं०-कालवण्णप० जाव सुक्खिह्ठ०, गंधपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! २ दुविहे पं० तं०-सुब्भिगंध० दुब्भि०, रसपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! २ पंचविधे पं० तं०-तित्तरस० जाव महुर०, फासपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! २ अट्ठविधे पं० तं०-कक्खडफासपरिणामे य जाव लुक्खफास०, अगुरुलहुयपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! २ एगागारे पं०, सहपरिणामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! २ दुविहे पं० तं०-सुब्भिसह० य दुब्भिसहपरिणामे य, सेत्तं अजीवपरिणामे । १८५॥ परिणामपयं १३ ॥ कति णं भंते ! कसाया पं०?, गो०! चत्तारि कसाया पं० तं०-कोह० माण० माया० लोभकसाए, नेरइयाणं भंते ! कति कसाया पं०?, गो०! चत्तारि कसाया पं० तं०-कोहकसाए जाव (१८२)

लोभकसाए, एवं जाव वेमाणियाणं । १८६ । कतिपतिट्टिए णं भंते ! कोहे पं०?, गो०! चउपतिट्टिए कोहे पं० तं०-आयपतिट्टिए परप० तदुभय० अप्पइट्टिते, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं दंडतो, एवं माणेणं मायाए लोभेणं दंडओ, कतिविहे(हिं) णं भंते ! ठाणेहिं कोहुप्पत्ती भवति?, गो०! चउहिं ठाणेहिं कोहुप्पत्ती भवति तं०-खेत्तं वत्थुं सरीरं उवहिं पडुच्च, एवं नेरइयाण जाव वेमाणियाणं, एवं माणेणवि मायाएवि लोभेणवि, एवं एतेवि चत्तारि दंडगा । १८७ । कतिविधे णं भंते ! कोधे पं०?, गो०! चउबिहे कोहे पं० तं०-अणंताणुबंधी कोहे अपच्चक्खाणे कोहे पच्चक्खाणावरणे कोहे संजलणे कोहे, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं माणेणं मायाए लोभेणं, एएवि चत्तारि दंडगा । १८८ । कतिविधे णं भंते ! कोधे पं०?, गो०! चउबिहे कोहे पं० तं०-आभोगनिवृत्तिए अणाभोग० उवसंते अणुवसंते, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं माणेणवि मायाएवि लोभेणवि चत्तारि दंडगा । १८९ । जीवा णं भंते ! कतिहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ चिणिंसु?, गो०! चउहिं ठाणेहिं तं०-कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, जीवा णं भंते ! कतिहिं ठाणेहिं अट्ट कम्म-पगडीओ चिणंति?, गो०! चउहिं ठाणेहिं, तं०-कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं, एवं नेरइया जाव वेमाणिया, जीवा णं भंते ! कतिहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ चिणिस्संति?, गो०! चउहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ चिणिस्संति, तं०-कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं, एवं नेरइया जाव वेमाणिया, जीवा णं भंते ! कतिहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ उवचिणिंसु?, गो०! चउहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ उवचिणिंसु, तं०-कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं, एवं नेरइया जाव वेमाणिया, जीवा णं भंते ! उवचिणंति पुच्छा, गो०! चउहिं ठाणेहिं जाव लोभेणं, एवं नेरइया जाव वेमाणिया, एवं उवचिणिस्संति, एवं बंधिंसु बंधंति बंधिस्संति, उदीरेंसु उदीरंति उदीरिस्संति, वेदिंसु वेदेंति वेदइस्संति, निजरिंसु निजरेंति निज्जरिस्संति, एवं एते जीवाइया वेमाणियपज्जवसाणा अट्टारस दंडगा जाव वेमाणिया निजरिंसु निजरेंति निज्जरिस्संति, - आतपतिट्टिय खेत्तं पडुच्च णंताणुबंधि आभोगे । चिण उवचिण बंध उदीर वेद तह निज्जरा चेव ॥ २०१ ॥ १९० ॥ इति कसायपयं १४ ॥ संठाणं बाहल्लं पोहत्तं कतिपदेस ओगाढे । अप्पाबहु पुट्ट पविट्ट विसय अणगार आहारे ॥ २०२ ॥ अहाय असी य मणी दुद्धे पाणे तेल्ल फाणिय वसा य । कंबल थूणा थिग्गल दीवोदहि लोगल्लोगे य ॥ २०३ ॥ कति णं भंते ! इंदिया पं०?, गो०! पंच इंदिया पं० तं०-सोतिंदिए चक्खि० घाणि० जिब्भि० फासिंदिए, सोतिंदिए णं भंते ! किंसंठिए पं०?, गो०! कलंबुयापुप्फ० पं०, चक्खिंदिए णं भंते ! किंसंठिते पं०?, गो०! मसूरचंद० पं०, घाणिंदिए णं भंते ! पुच्छा, गो०! अइमुत्तगचंद०, जिब्भिंदिए णं पुच्छा, गो०! खुरप्प० पं०, फासिंदिए णं पुच्छा, गो०! णाणासंठाण० पं०, सोइंदिए णं भंते ! केवइयं बाहल्लेणं पं०?, गो०! अंगुलस्स असंखेज्जइभागे बाहल्लेणं पं०, एवं जाव फासिंदिए, सोतिंदिए णं भंते ! केवइए पोहत्तेणं पं०?, गो०! अंगुलस्स असंखेज्जइभागं पोहत्तेणं पं०, एवं चक्खिंदिएवि घाणिंदिएवि, जिब्भिंदिए णं पुच्छा, गो०! अंगुलपुहुत्तेणं पं०, फासिंदिए णं पुच्छा, गो०! सरीरप्पमाणमेत्ते पोहत्तेणं पं०, सोतिंदिए णं भंते ! कतिपदेसिते पं०?, गो०! अणंतपदेसिते पं०, एवं जाव फासिंदिए । १९१ । सोइंदिए णं भंते ! कतिपदेसोगाढे पं०?, गो०! असंखेज्जपएसोगाढे पं०, एवं जाव फासिंदिए, एएसिं णं भंते ! सोतिंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाणं ओगाहणट्टयाए पएसट्टयाए ओगाहणपएसट्टयाए कतरे०?, गो०! सब्बत्थोवे चक्खिंदिते ओगाहणट्टयाते सोतिंदिए ओगाह० संखेज्ज० घाणिंदिए ओगाह० संखेज्ज० जिब्भिंदिए ओगाह० असंखेज्ज० फासिंदिए ओगाह० संखेज्ज० पदेसट्टयाते सब्बत्थोवे चक्खिंदिए पदेस० सोतिंदिए पएस० संखेज्ज० घाणिंदिए पएस० संखि० जिब्भिंदिए पएस० असंखे० फासिंदिए पएसट्टयाए संखे०, ओगाहणपदेसट्टयाए सब्बत्थोवे चक्खिंदिए ओगाहणट्टयाए सोतिंदिए ओगाहण० असंखे० घाणिंदिए ओगाहणट्टयाए संखिज्ज० जिब्भिंदिए ओगा० असंखेज्ज० फासिंदिए ओगा० संखिज्ज० फासिंदियस्स ओगाहणट्टयाहिंतो चक्खिंदिए पएसट्टयाए अणंतगुणे सोतिंदिए पएस० संखेज्ज० घाणिंदिए पएस० संखिज्ज० जिब्भिंदिए पएस० असंखेज्ज० फासिंदिए पदेस० संखेज्ज०, सोतिंदियस्स णं भंते ! केवइया कक्खडगुर्यगुणा पं०?, गो०! अणंता, एवं जाव फासिंदियस्स, सोतिंदियस्स णं भंते ! केवइया मउयलहुयगुणा पं०?, गो०! अणंता, एवं जाव फासिंदियस्स, एतेसिं णं भंते ! सोइंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाणं कक्खडगुर्यगुणाणं मउयलहुयगुणाणं य कयरे०?, गो०! सब्बत्थोवा चक्खिंदियस्स कक्खडगु० सोतिंदियस्स कक्खडगु० अणंत० घाणिंदियस्स कक्खड० अणंत० जिब्भिंदियस्स कक्खड० अणंत० फासिंदियस्स कक्खड० अणंतगुणा, मउयलहुयगुणाणं सब्बत्थोवा फासिंदियस्स मउयलहुयगुणा जिब्भिंदियस्स मउयलहुय० अणंत० घाणिंदियस्स मउयलहुय० अणंत० सोतिंदियस्स मउयलहुय० अणंत० चक्खिंदियस्स मउयलहुय० अणंत०, कक्खडगुर्यगुणाणं मउयलहुयगुणाणं य सब्बत्थोवा चक्खिंदियस्स कक्खडगुर्यगुणा सोतिंदियस्स कक्खडगुरु० अणंत० घाणिंदियस्स कक्खडगुरु० अणंत० जिब्भिंदियस्स कक्खडगुरु० अणंत० फासिंदियस्स कक्खडगुरु० अणंत० फासिंदियस्स कक्खडगुर्यगुणेहिंतो तस्स चेव मउयलहुयगुणा अणंत० जिब्भिंदियस्स मउयलहुय० अणंत० घाणिंदियस्स

मउयलहु० अणंत० सोतिंदियस्स मउयलहु० अणंत० चक्खिंदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा । १९२ । नेरइयाणं भंते ! कइ इंदिया पं०?, गो०! पंच तं०-सोतिंदिए जाव फासि-
 दिए, नेरइयाणं भंते ! सोतिंदिए किंसंठिए पं०?, गो०! कलंबुयासंठाणसंठिते पं०, एवं जहा ओहियाणं वत्तव्या भणिता तहेव नेरइयाणंपि जाव अप्पावहुयाणि दोण्णि, नवरं नेरइयाणं
 भंते ! फासिंदिए किंसंठिए पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-भवधारणिज्जे य उत्तरवेउव्विते य, तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से णं हुंडसं० पं०, तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विते सेवि तहेव सेसं तं
 चेव, असुरकुमाराणं भंते ! कइ इंदिया पं०?, गो०! पंच, एवं जहा ओहियाणि जाव अप्पावहुगाणि दोण्णिवि नवरं फासिंदिए दुविधे पं० तं०-भवधारणिज्जे य उत्तरवेउव्विते य, तत्थ
 णं जे से भवधारणिज्जे से णं समचउरंसं० पं०, तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विते से णं णाणासं० सेसं तं चेव, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढवीकाइयाणं भंते ! कति इंदिया पं०?, गो०!
 एगे फासिंदिए पं०, पुढवीकाइयाणं भंते ! फासिंदिते किंसंठाणसंठिते पं०?, गो०! मसूरचंदसं० पं०, पुढवीकाइयाणं भंते ! फासिंदिते केवइयं बाह्लेणं पं०?, गो०! अंगुलस्स असंखे-
 ज्जइभागं बाह्लेणं पं०, पुढवीकाइयाणं भंते ! फासिंदिए केवतितं पोहत्तेणं पं०?, गो०! सरीरप्पमाणमेत्ते पोहत्तेणं, पुढवीकाइयाणं भंते ! फासिंदिए कतिपदेसिते पं०?, गो०! अणंतप-
 देसिते पं०, पुढवीकाइयाणं भंते ! फासिंदिते कतिपदेसोगाढे पं०?, गो०! असंखेज्जपएसोगाढे पं०, एतेसिं णं भंते ! पुढवीकाइयाणं फासिंदियस्स ओगाहणट्टयाए पएसट्टयाए ओगाह-
 णपएसट्टयाए कयरे०?, गो०! सब्बत्थोवे पुढवीकाइयाणं फासिंदिए ओगाहणट्टयाते ते चेव पदेसट्टयाते अणंतगुणे, पुढवीकाइयाणं भंते ! फासिंदियस्स केवइया कक्खडगरुयगुणा पं०?,
 गो०! अणंता, एवं मउयलहुयगुणावि, एतेसिं णं भंते ! पुढवीकाइयाणं फासिंदियस्स कक्खडगरुयगुणाणं मउयलहुयगुणाणं य कयरे०?, गो०! सब्बत्थोवा पुढवीकाइयाणं फासिंदि-
 यस्स कक्खडगरुयगुणा तस्स चेव मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, एवं आउकाइयाणवि जाव वणप्फइकाइयाणं णवरं संठाणे इमो विसेसो दट्ठो-आउकाइयाणं थिबुगबिंदुसं० पं०,
 तेउकाइयाणं मूइकलावसं० पं०, वाउकाइयाणं पडागासं० पं०, वणप्फइकाइयाणं णाणासं० पं०, बेइंदियाणं भंते ! कति इंदिया पं०?, गो०! दो इंदिया पं० तं०-जिब्भिदिए य
 फासिंदिए य, दोण्हंपि इंदियाणं संठाणं बाह्लं पोहत्तं पदेसं ओगाहणा य जहा ओहियाणं भणिता तहा भाणियव्वा, णवरं फासिंदिए हुंडसंठाणसंठिते पं० इमो विसेसो, एतेसिं
 णं भंते ! बेइंदियाणं जिब्भिदियफासिंदियाणं ओगाहणट्टयाते पदेसट्टयाते ओगाहणपएसट्टयाए य कयरे०?, गो०! सब्बत्थोवे बेइंदियाणं जिब्भिदिए ओगाहणट्टयाते फासिंदिए
 ओगाहण० असंखेज्ज० पदेसट्टयाते सब्बत्थोवे बेइंदियाणं जिब्भिदिते पएस० फासिंदिए संखेज्ज० ओगाहणपएसट्टयाते सब्बत्थोवे बेइंदियस्स जिब्भिदिए ओगाहणट्टयाते फासिंदिए
 ओगाहण० असंखे० फासिंदियस्स ओगाहणट्टयातेहिंतो जिब्भिदिए पएसट्टयाते अणंत० फासिंदिए पएसट्टयाए संखेज्जगुणे, बेइंदियाणं भंते ! जिब्भिदियस्स केवइया कक्खड-
 गरुयगुणा पं०?, गो०! अणंता, एवं फासिंदियस्सवि, एवं मउयलहुयगुणावि, एतेसिं णं भंते ! बेइंदियाणं जिब्भिदियफासिंदियाणं कक्खडगरुयगुणाणं मउयलहुयगुणाणं य क-
 तरे०?, गो०! सब्बत्थोवा बेइंदियाणं जिब्भिदियस्स कक्खडगरुयगुणा फासिंदियस्स कक्खडगरुय० अणंत० फासिंदियस्स कक्खडगरुयगुणेहिंतो तस्स चेव मउयलहुय० अणंत०
 जिब्भिदियस्स मउयलहुय० अणंत०, एवं जाव चउरिंदियत्ति, नवरं इंदियपरिवुड्ढी कातव्वा, तेइंदियाणं घाणिंदिए थोवे चउरिंदियाणं चक्खिंदिए थोवे सेसं तं चेव, पंचिंदियति-
 रिक्खजोणियाणं मणूसाणं य जहा नेरइयाणं, णवरं फासिंदिए छविहसंठाणसंठिते पं० तं०-समचउरंसे निग्गोह० परिमंडले सादी खुज्जे वामणे हुंडे, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं
 जहा असुरकुमाराणं । १९३ । पुट्टाई भंते ! सदाई सुणेति अपुट्टाई सदाई सुणेति ?, गो०! पुट्टाई सदाई सुणेति नो अपुट्टाई, पुट्टाई भंते ! रूवाई पासति अपुट्टाई०?, गो०! नो पुट्टाई०
 अपुट्टाई० पासति, पुट्टाई भंते ! गंधाई अग्घाई अपुट्टाई०?, गो०! पुट्टाई अग्घाई नो अपुट्टाई०, एवं रसाणवि फासाणवि णवरं रसाई अस्साएति फासाई पडिसंवेदेतित्ति अभिलावो
 कायव्वो, पविट्टाई भंते ! सदाई सुणेति अपविट्टाई०?, गो०! पविट्टाई सदाई सुणेति नो अपविट्टाई०, एवं जहा पुट्टाणि तहा पविट्टाणिवि । १९४ । सोतिंदियस्स णं भंते ! केवतिए वि-
 सए पं०?, गो०! जह० अंगुलस्स असंखेज्जतिभागो उक्कोसेणं बारसहिं जोअणेहिंतो अच्छिण्णे पोग्गले पुट्टे पविट्टातिं सदातिं सुणेति, चक्खिंदियस्स णं भंते ! केवतिए विसए पं०?,
 गो०! जह० अंगुलस्स संखेज्जतिभागो उक्को० सातिरेगाओ जोयणसतसहस्साओ अच्छिण्णे रूवाई पासइ, घाणिंदियस्स पुच्छा, गो०! जह० अंगुलअसंखेज्जतिभागो उक्को० णवहिं
 जोयणेहिंतो अच्छिण्णे गंधातिं अग्घाई, एवं जिब्भिदियस्सवि फासिंदियस्सवि । १९५ । अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो मारणांतियसमुग्घाएणं समोहयस्स जे चरमा णिज्जरापो-
 गगला सुहुमा णं ते पोग्गला पं० समणाउसो ! सब्बं लोणंपि य णं ते ओगाहित्ताणं चिट्ठंति ?, हुंता गो०! अणगारस्स भावियप्पणो मारणांतियसमुग्घाएणं समोहयस्स जे चरमा णिज्ज-
 रापोगगला सुहुमा णं ते पोग्गला सब्बं लोणंपि य णं ते ओगाहित्ताणं चिट्ठंति, छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तेसिं णिज्जरापोगगलाणं किंचि आणत्तं वा नाणत्तं वा ओमत्तं वा तुच्छत्तं वा

गरुयत्तं वा लहुयत्तं वा जाणति पासति?, गो०! गो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-छउमत्थे णं मणूसे तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं गो किंचि आणत्तं वा जाव लहुयत्तं वा जाणइ पासइ?, देवेऽवि य णं अत्थेगतिए जे णं तेसिं निज्जरापोग्गलाणं नो किंचि आणत्तं वा जाव लहुयत्तं वा जाणति पासति, से तेणट्ठेणं गो०! एवं वुच्चति-छउमत्थे णं मणूसे तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं नो किंचि आणत्तं वा जाव जाणति पासति, एवंसुहुमा णं ते पोग्गला पं० समणाउसो!, सब्बलोगंपि य णं ते ओगाहित्ताणं चिट्ठति, नेरइया णं भंते! निज्जरापोग्गले किं जाणंति पासंति आहारंति उदाहु न याणंति न पासंति आहारंति?, गो०! नेरइया णिज्जरापोग्गले न जाणंति न पासंति आहारंति, एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, मणूसाणं भंते! ते निज्जरापोग्गले किं जाणंति पासंति आहारंति उदाहु न याणंति न पासंति आहारंति?, गो०! अत्थेगतिया जाणंति पासंति आहारंति अत्थेगतिया न याणंति न पासंति आहारंति, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चति-अत्थेगतिया जाणंति पासंति आहारंति अत्थेगतिया न जाणंति न पासंति आहारंति?, गो०! मणूसा दुविहा पं० तं०-सण्णिभूया य असण्णिभूया य, तत्थ णं जे ते असण्णिभूया ते णं न याणंति न पासंति आहारंति, तत्थ णं जे ते सण्णिभूया ते दुविहा पं० तं०-उवउत्ता य अणुवउत्ता य, तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते णं न याणंति न पासंति आहारंति, तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते णं जाणंति पासंति आहारंति, से एएणट्ठेणं गो०! एवं वुच्चइ-अत्थेगतिया न याणंति न पासंति आहारंति अत्थेगतिया जाणंति पासंति आहारंति, वाणमंतरजोइसिया जहा नेरइया, वेमाणिया णं भंते! ते निज्जरापोग्गले किं जाणंति पासंति आहारंति?, जहा मणूसा, नवरं वेमाणिया दुविहा पं० तं०-माइमिच्छादिट्ठी-उववण्णगा य अमाइसम्मदिट्ठीउववण्णगा य, तत्थ णं जे ते माइमिच्छादिट्ठी ते णं न याणंति न पासंति आहारंति, तत्थ णं जे ते अमाइसम्मदिट्ठी ते दुविहा पं० तं०-अणंतरोववण्णगा य परंपरोव० य, तत्थ णं जे ते अणंतरोव० ते णं न याणंति न पासंति आहारंति, तत्थ णं जे ते परंपरोववण्णगा ते दुविहा पं० तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं न जाणंति न पासंति आहारंति, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते दुविहा पं० तं०-उवउत्ता य अणुवउत्ता य, तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते णं न याणंति न पासंति आहारंति, तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते णं जाणंति पासंति आहारंति, एतेणट्ठेणं गो०! एवं वुच्चति-अत्थेगतिया याणंति जाव अत्थेगतिता आहारंति । १९६। अदायं पेहमाणे मणूसे अदायं पेहति अत्ताणं० पलिभागं पेहति?, गो०! अदायं पेहति नो अप्पाणं पेहति पलिभागं पेहति, एवं एतेणं अभिल्लावेणं असिं मणिं दुद्धं पाणं तेहं फाणियं वसं । १९७। कंबलसाडे णं भंते! आवेढितप-रिवेढिते समाणे जावतियं ओवासंतरं फुसित्ताणं चिट्ठति विरल्लिएवि समाणे तावइयं चेव उवासंतरे फुसित्ताणं चिट्ठति?, हंता गो०! कंबलसाडे णं आवेढियपरिवेढिते समाणे जाव-तियं तं चेव, थूणा णं भंते! उड्ढं ऊसिया समाणी जावइयं खेत्तं ओगाहइत्ताणं चिट्ठति तिरियंपि अ णं आयता समाणी तावइयं चेव खेत्तं ओगाहइत्ताणं चिट्ठति तिरियंपिय णं आयता समाणी तावइयं चेव खेत्तं ओगाहित्ताणं चिट्ठति?, हंता गो०! थूणा णं उड्ढं ऊसिया तं चेव चिट्ठति, आगासथिग्गले णं भंते! किणा फुडे कइहिं वा काएहिं-किं धम्मत्थिकाएणं धम्मत्थिकायस्स देसेणं धम्मत्थिकायस्स पदेसेहिं फुडे एवं अधम्मत्थिकाएणं० आगासत्थिकाएणं० एएणं भेदेणं जाव पुढवीकाइएणं जाव तसकाइएणं अद्दासमएणं फुडे?, गो०! धम्म-त्थिकाएणं नो धम्मत्थिकायस्स देसेणं धम्मत्थिकायस्स पदेसेहिं फुडे एवं अधम्मत्थिकाएणवि नो आगासत्थिकाएणं आगासत्थिकायस्स देसेणं आगा० पदेसेहिं जाव वणस्सइकाइएणं फुडे तसकाइएणं सिय फुडे सिय गो फुडे अद्दासमएणं देसे फुडे देसे गो फुडे, जंबुदीवे णं भंते! दीवे किणा फुडे कइहिं वा काएहिं फुडे किं धम्मत्थिकाएणं जाव आगासत्थिकाएणं फुडे?, गो०! गो धम्मत्थिकाएणं धम्मत्थिकायस्स देसेणं० पदेसेहिं फुडे एवं अधम्मत्थिकायस्सवि आगासत्थिकायस्सवि पुढवीकाइएणं जाव वणस्सइकाइएणं फुडे तसकाइएणं सिय फुडे सिय गो फुडे अद्दासमएणं फुडे, एवं लवणसमुहे धायतिसंडे दीवे कालोए समुहे अब्भितरपुक्खरद्धे, बाहिरपुक्खरद्धे एवं चेव णवरं अद्दासमएणं नो फुडे, एवं जाव सयंभूरमण-समुहे, एसा परिवाडी इमाहिं गाहाहिं अणुगंतवा, तं०-जंबुदीवे लवणे धायति कालोय पुक्खरे वरुणो । खीर घय खोय णंदिय अरुणवरे कुंडले रुयते ॥ २०४॥ आभरणवत्थगंधे उप्पल-तिल्लए य पउमनिहिरयणे । वासहर दह नईओ विजया वक्खार कप्पिदा ॥ २०५॥ कुरु मंदर आवासा कूडा नक्खत्तचंदसूरा य । देवे णागे जक्खे भूए य सयंभूरमणे य ॥ २०६॥ एवं जहा बाहिरपुक्खरद्धे भणिए तहा जाव सयंभूरमणसमुहे जाव अद्दासमएणं नो फुडे, लोगे णं भंते! किणा फुडे कइहिं वा काएहिं जहा आगासथिग्गले, अलोए णं भंते! किणा फुडे कतिहिं वा काएहिं पुच्छा, गो०! नो धम्मत्थिकाएणं फुडे जाव नो आगासत्थिकाएणं आगासत्थिकायस्स देसेणं फुडे नो पुढवीकाइएणं फुडे जाव नो अद्दासमएणं फुडे एगे अजी-वदव्रदेसे अगुरुलहुए अणंतेहिं अगुरुलहुयगुणेहिं संजुत्ते सब्बागासअणंतभागूणे ॥ १९८॥ १५ उ० १॥ इंदियउवचय णिबत्तणा य समया भवे असंखेज्जा । लद्धी उवओगद्धं अप्पावहुए विसेसहिया ॥ २०७॥ ओगाहणा अवाए ईहा तह वंजणोग्गहे चेव । दव्विंदिय भाविंदिय तीया बद्धा पुरक्खडिया ॥ २०८॥ कतिविहे णं भंते! इंदियउवचए पं०?, गो०! पंचविहे इंदि-

यउवचए पं० तं०-सोतिंदिय० जाव फासिंदियउवचते, नेरइयाणं भंते! कतिविहे इंदिओवचए पं०?, गो०! पंचविहे पं० तं०-सोतिंदिओवचए जाव फासिंदिओवचए, एवं जाव वेमा-
 णियाणं जस्स जइ इंदिया तस्स ततिविहो चेव इंदिओवचओ भाणियव्वो, कतिविहा णं भंते! इंदियनिव्वत्तणा पं०?, गो०! पंचविहा इंदियनिव्वत्तणा पं० तं०-सोतिंदियनिव्वत्तणा जाव
 फासिंदियनिव्वत्तणा, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं णवरं जस्स जइ इंदिया अत्थि०, सोतिंदियणिव्वत्तणा णं भंते! कइसमइया पं०?, गो०! असंखिजसमइया अंतोमुहुत्तिया पं०,
 एवं जाव फासिंदियनिव्वत्तणा, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, कइविहा णं भंते! इंदियलद्धी पं०?, गो०! पंचविहा इंदियलद्धी पं० तं०-सोतिंदियलद्धी जाव फासिंदियलद्धी, एवं
 नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं णवरं जस्स जइ इंदिया अत्थि तस्स तावइया भाणियव्वा, कतिविहा णं भंते! इंदियउवओगद्धा पं०?, गो०! पंचविहा इंदियउवओगद्धा पं० तं०-सोतिं-
 दियउ० जाव फासिंदियउवओगद्धा, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं णवरं जस्स जइ इंदिया अत्थि०, एतेसिं णं भंते! सोतिंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाणं जह-
 णयाए उक्कोसियाए जह्नुक्कोसियाए उवओगद्धाए कयरे०?, गो०! सब्बत्थोवा चक्खिंदियस्स जहणिया उवओगद्धा सोतिंदियस्स जह० विसे० घाणिंदियस्स जह० विसे० जिब्भि-
 दियस्स जह० विसे० फासिंदियस्स जह० विसे० उक्कोसियाए उवओगद्धाए सब्बत्थोवा चक्खिंदियस्स उक्कोसिया सोतिंदियस्स उक्को० विसे० घाणिंदियस्स उक्को० विसे० जिब्भिदि-
 यस्स उक्को० विसे० फासिंदियस्स उक्को० विसे० जहणउक्कोसियाए उवओगद्धाए सब्बत्थोवा चक्खिंदियस्स जह्नुक्कोसिया० सोतिंदियस्स जह० विसे० घाणिंदियस्स जह० विसे० जिब्भि-
 दियस्स ज० वि० फासिंदियस्स जह्नु० वि० फासिंदियस्स जहणियाहिंतो उवओगद्धाहिंतो चक्खिंदियस्स उक्कोसिया विसे० सोतिंदियस्स उक्को० वि० घाणिंदियस्स उक्को० वि० जि-
 ब्भिंदियस्स उक्को० विसे० फासिंदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसे०, कतिविहा णं भंते! इंदियओगाहणा पं०?, गो०! पंचविहा इंदियओगाहणा पं० तं०-सोतिंदिय० जाव फासिं-
 दियओगाहणा, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं नवरं जस्स जइ इंदिया अत्थि० । १९९। कतिविधे णं भंते! इंदियअवाए पं०?, गो०! पंचविधे इंदियअवाए पं० तं०-सोतिंदियअवाए
 जाव फासिंदियअवाए, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं नवरं जस्स जइ इंदिया अत्थि०, कतिविहा णं भंते! ईहा पं०?, गो०! पंचविहा ईहा पं० तं०-सोतिंदियईहा जाव फासिंदि-
 यईहा, एवं जाव वेमाणियाणं णवरं जस्स जइ इंदिया०, कतिविधे णं भंते! उग्गहे पं०?, गो०! दुविहे उग्गहे पं० तं०-अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य, वंजणोग्गहे णं भंते! कतिविधे पं०?,
 गो०! चउव्विधे पं० तं०-सोतिंदिय० घाणिंदिय० जिब्भिंदिय० फासिंदियवंजणोग्गहे, अत्थोग्गहे णं भंते! कतिविधे पं०?, गो०! छव्विहे पं० तं०-सोतिंदिय० चक्खिंदिय० जिब्भि-
 दिय० फासिंदिय० भोइंदियअत्थो०, नेरइयाणं भंते! कतिविहे उग्गहे पं०?, गो०! दुविहे पं० तं०-अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य, एवं असुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराणं, पुढवीका-
 इयाणं भंते! कतिविधे उग्गहे पं०?, गो०! दुविधे उग्गहे पं०-अत्थोग्गहे य वंजणावग्गहे य, पुढवीकाइयाणं भंते! वंजणोग्गहे कतिविधे पं०?, गो०! एगे फासिंदियवंजणोग्गहे पं०,
 पुढवीकाइयाणं भंते! कतिविधे अत्थोग्गहे पं०?, गो०! एगे फासिंदियअत्थोग्गहे पं०, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, एवं बेइंदियाणवि नवरं बेइंदियाणं वंजणोग्गहे दुविहे पं० अत्थो-
 ग्गहे दुविहे पं०, एवं तेइंदियचउरिंदियाणवि णवरं इंदियपरिवुड्ढी कायव्वा, चउरिंदियाणं वंजणोग्गहे तिविधे पं० अत्थोग्गहे चउव्विधे पं०, सेसाणं जहा नेरइयाणं, जाव वेमाणियाणं
 । २००। कतिविहा णं भंते! इंदिया पं०?, गो०! दुविहा पं० तं०-द्विंदिया य भाविंदिया य, कति णं भंते! द्विंदिया पं०?, गो०! अट्ट द्विंदिया पं० तं०-दो सोत्ता दो नेत्ता दो घाणा
 जीहा फासे, नेरइयाणं भंते! कति द्विंदिया पं०?, गो०! अट्ट एते चेव, एवं असुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराणवि, पुढवीकाइयाणं भंते! कति द्विंदिया पं०?, गो०! एगे फासिंदिए
 पं०, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, बेइंदियाणं भंते! कति द्विंदिया पं०?, गो०! दो द्विंदिया पं० तं०-फासिंदिए य जिब्भिंदिए य, तेइंदियाणं पुच्छा, गो०! चत्तारि द्विंदिया पं०
 तं०-दो घाणा जीहा फासे, चउरिंदियाणं पुच्छा, गो०! छ द्विंदिया पं० तं०-दो नेत्ता दो घाणा जीहा फासे, सेसाणं जहा नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स
 केवइया द्विंदिया अतीता?, गो०! अणंता, केवइया बदेह्णगा?, गो०! अट्ट, केवइया पुरेक्खडा?, गो०! अट्ट वा सोल वा सत्तरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एगमेगस्स
 णं भंते! असुरकुमारस्स केवइया द्विंदिया अतीता?, गो०! अणंता, केवइया बदेह्णगा?, अट्ट, केवइया पुरेक्खडा?, अट्ट वा नव वा सत्तरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा,
 एवं जाव थणियकुमाराणं ताव भाणियव्वं, एवं पुढवीकाइया आउकाइया वणस्सइकाइयावि, नवरं केवइया बदेह्णगत्ति पुच्छाए उत्तरं एके फासिंदियद्विंदिए, एवं तेउकाइयवाउका-
 इयस्सवि नवरं पुरेक्खडा नव वा दस वा, एवं बेइंदियाणवि, णवरं बदे० पुच्छाए दोण्णि, एवं तेइंदियस्सवि णवरं बदेह्णगा चत्तारि, एवं चउरिंदियस्सवि नवरं बदेह्णगा छ पंचिंदियति-
 रिक्खजोणिया मणूसा वाणमंतरा जोइसिया सोहम्मिसाणगदेवस्स जहा असुरकुमारस्स नवरं मणूस्स पुरेक्खडा कस्सई अत्थि कस्सई णत्थि, जस्सत्थि अट्ट वा नव वा संखेज्जा वा
 असंखेज्जा वा अणंता वा, सणकुमारमाहिंदर्बभलंतगसुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणअणुयगेवेजगदेवस्स य जहा नेरइयस्स, एगमेगस्स णं भंते! विजयवेजयंतजयंतअपरा- (१८३)

जियदेवस्स केवइया दब्बिंदिया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ?, अट्ट, केवइया पुरेक्खडा ?, अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा, सब्बट्टसिद्धगदेवस्स अतीता अणंता बद्धेल्लगा अट्ट पुरेक्खडा अट्ट, नेरइयाणं भंते ! केवइया दब्बिंदिया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ?, गो०! असंखेज्जा, केवइया पुरेक्खडा ?, गो०! अणंता, एवं जाव गेवे-ज्जगदेवाणं, नवरं मणूसणं बद्धेल्लगा सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा, विजयवेजयंतजयंतअपराजितदेवाणं पुच्छा, गो०! अतीता अणंता बद्धेल्लगा असंखेज्जा पुरेक्खडा असंखेज्जा, सब्बट्ट-सिद्धगदेवाणं पुच्छा, गो०! अतीता अणंता बद्धेल्लगा संखेज्जा पुरेक्खडा संखेज्जा, एगमेगस्स णं नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ?, गो०! अट्ट, केवइया पुरेक्खडा ?, गो०! कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्सत्थि अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स असुरकुमारत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ?, गो०! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?, गो०! कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्सत्थि अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं जाव थणियकुमारत्ते, एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स पुढवीकाइयत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ?, गो०! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?, गो०! कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्सत्थि एक्को वा दो वा तिण्णि वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं जाव वणस्सइकाइयत्ते, एग-मेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स बेइंदियत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ?, गो०! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?, गो०! कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्स-त्थि दो वा चत्तारि वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं तेइंदियत्तेवि, नवरं पुरेक्खडा चत्तारि अट्ट वा बारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं चउरिंदियत्तेवि, नवरं पुरेक्खडा छ वा बारस वा अट्टारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ते जहा असुरकुमारत्ते, मणूसत्तेवि एवं चेव, नवरं केवइया पुरेक्खडा ?, अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, सब्बेसिं मणूसवज्जाणं पुरेक्खडा मणूसत्ते कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि एवं ण वुच्चति, वाणमंतरजोइसियसोहम्मग-जावगेवेज्जगदेवत्ते अतीता अणंता, बद्धेल्लगा नत्थि, पुरेक्खडा कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्स अत्थि अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एग-मेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स विजयवेजयंतजयंतअपराजितदेवत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता ?, णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?, कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्स अत्थि अट्ट वा सोलस वा, सब्बट्टसिद्धगदेवत्ते अतीता नत्थि, बद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा कस्सई अत्थि कस्सई णत्थि, जस्स अत्थि अट्ट, एवं जहा नेरइयदंडओ नीतो तहा असुरकुमारेणवि नेतवो जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिणं नवरं जस्स सट्ठाणे जइ बद्धेल्लगा तस्स तइ भाणियवा, एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स नेरइयत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ?, णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?, कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्सत्थि अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ते णवरं एगिंदियविगलंदिएसु जस्स जइ पुरेक्खडा तस्स तत्तिया भाणियवा, एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स मणूसत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता ०?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ?, गो०! अट्ट, केवइया पुरेक्खडा ?, कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्सत्थि अट्ट वा सोलस वा चउवीसा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अनंता वा, वाणमंतरजोइसियजावगेवेज्जगदेवत्ते जहा नेरइयत्ते, एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स विजयवेजयंतजयंतअपराजितदेवत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता ?, गो०! कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्स अत्थि अट्ट वा सोलस वा, केवइया बद्धेल्लगा ?, नत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?, कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्सत्थि अट्ट वा सोलस वा, एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स सब्बट्टसिद्धगदेवत्ते केवतिता दब्बिंदिया अतीता ?, गो०! कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्सत्थि अट्ट, केवइया बद्धेल्लगा ?, णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?, कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्स अत्थि अट्ट, वाणमंतरजोतिसिए जहा नेर-तिए, सोहम्मगदेवेवि जहा नेरइए, नवरं सोहम्मगदेवस्स विजयवेजयंतजयंतापराजियत्ते केवइया अतीता ?, गो०! कस्सई अत्थि कस्सई णत्थि, जस्स अत्थि अट्ट, केवइया बद्धेल्लगा ?, णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?, गो०! कस्सई अत्थि कस्सति णत्थि, जस्स अत्थि अट्ट वा सोलस वा, सब्बट्टसिद्धगदेवत्ते जहा नेरइयस्स, एवं जाव गेवेज्जगदेवस्स सब्बट्टसिद्धग ताव णेतव्वं, एगमेगस्स णं भंते ! विजयवेजयंतजयंतापराजितदेवस्स नेरइयत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ?, णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?, णत्थि, एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ते, मणूसत्ते अतीता ?, अणंता, बद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा, वाणमंतरे जोइसियत्ते जहा नेरइयत्ते, सोहम्मगदेवत्ते अतीता अणंता, बद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्स अत्थि अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा, एवं जाव गेवेज्जगदेवत्ते, विजयवेजयंतअपराजित-देवत्ते अतीता कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्स अत्थि अट्ट, केवतिया बद्धेल्लगा ?, अट्ट, केवतिया पुरेक्खडा ?, कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि, जस्स अत्थि अट्ट, एगमेगस्स णं भंते !

विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवस्स सब्बट्टसिद्धगदेवत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता?, गो०! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा?, कस्सई अत्थि कस्सई णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ, एगमेगस्स णं भंते! सब्बट्टसिद्धगदेवस्स नेरइयत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेह्णगा?, णत्थि, केवइया पुरेक्खडा?, णत्थि, एवं मणूसवज्जं जाव गेवेज्जगदेवत्ते, नवरं मणूसत्ते अतीता अणंता, केवइया बद्धेह्णगा?, णत्थि, केवइया पुरेक्खडा?, अट्ठ, विजयवेजयंतजयंतअपराजितदेवत्ते अतीता कस्सति अत्थि कस्सई नत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ, केवइया बद्धेह्णगा?, णत्थि, केवइया पुरेक्खडा?, णत्थि, एगमेगस्स णं भंते! सब्बट्टसिद्धदेवस्स सब्बट्टसिद्धगदेवत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता?, गो०! णत्थि, केवइया बद्धेह्णगा?, अट्ठ, केवइया पुरेक्खडा?, णत्थि, नेरइयाणं भंते! नेरइयत्ते केवतिता दब्बिंदिया अतीता?, गो०! अनंता, केवइया बद्धेह्णगा?, असंखेज्जा, केवइया पुरेक्खडा?, अणंता, नेरइयाणं भंते! असुरकुमारत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेह्णगा?, णत्थि, केवइया पुरेक्खडा?, अणंता, एवं जाव गेवेज्जगदेवत्ते, नेरइयाणं भंते! विजयवेजयंतजयंतअपराजितदेवत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता?, नत्थि, केवइया बद्धेह्णगा?, णत्थि, केवइया पुरेक्खडा?, असंखिज्जा, एवं सब्बट्टसिद्धगदेवत्तेवि, एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं सब्बट्टसिद्धगदेवत्ते भाणियब्बं नवरं वणस्सइकाइयाणं विजयवेजयंतजयंतअपराजितदेवत्ते सब्बट्टसिद्धगदेवत्ते य पुरेक्खडा अणंता, सब्बेसिं मणूससब्बट्टसिद्धगवज्जाणं सट्ठाणे बद्धेह्णगा असंखेज्जा परट्ठाणे बद्धेह्णगा णत्थि, वणस्सइकाइयाणं बद्धेह्णगा अणंता, मणूसाणं नेरइयत्ते अतीता अणंता, बद्धेह्णगा णत्थि, पुरेक्खडा अणंता, एवं जाव गेवेज्जगदेवत्ते, नवरं सट्ठाणे अतीता अणंता, बद्धेह्णगा सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा, पुरेक्खडा अणंता, मणूसाणं भंते! विजयवेजयंतजयंतअपराजितदेवत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता?, संखेज्जा, केवइया बद्धेह्णगा?, णत्थि, केवइया पुरेक्खडा?, सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा, एवं सब्बट्टसिद्धगदेवत्तेवि, वाणमंतरजोइसियदेवाणं जहा नेरइयाणं, सोहम्मदेवाणं एवं चेव, नवरं विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवत्ते अतीता असंखेज्जा, बद्धेह्णगा णत्थि, पुरेक्खडा असंखेज्जा, सब्बट्टसिद्धगदेवत्ते अतीता णत्थि, बद्धेह्णगा णत्थि, पुरेक्खडा असंखेज्जा, एवं जाव गेवेज्जगदेवाणं, विजयवेजयंतजयंतअपराजितदेवाणं भंते! नेरइयत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेह्णगा?, णत्थि, केवइया पुरेक्खडा?, णत्थि, एवं जाव जोइसियत्तेवि, णवरं मणूसत्ते अतीता अणंता, केवइया बद्धेह्णगा?, णत्थि, पुरेक्खडा असंखिज्जा, एवं जाव गेवेज्जगदेवत्ते सट्ठाणे अतीता असंखेज्जा, केवइया बद्धेह्णगा?, असंखिज्जा, केवइया पुरेक्खडा?, असंखेज्जा, सब्बट्टसिद्धगदेवत्ते अतीता नत्थि, बद्धेह्णगा नत्थि, पुरेक्खडा असंखेज्जा, सब्बट्टसिद्धगदेवाणं भंते! नेरइयत्ते केवतिया दब्बिंदिया अतीता?, गो०! अणंता, केवतिया बद्धेह्णगा?, नत्थि, केवतिया पुरेक्खडा?, णत्थि, एवं मणूसवज्जं जाव गेवेज्जगदेवत्ते, मणूसत्ते अतीता अणंता, बद्धेह्णगा नत्थि, पुरेक्खडा संखेज्जा, विजयवेजयंतजयंतअपराजितदेवत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता?, संखेज्जा, केवइया बद्धेह्णगा?, णत्थि, केवइया पुरेक्खडा?, णत्थि, सब्बट्टसिद्धगदेवाणं भंते! सब्बट्टसिद्धगदेवत्ते केवइया दब्बिंदिया अतीता?, णत्थि, केवइया बद्धेह्णगा?, संखिज्जा, केवइया पुरेक्खडा?, णत्थि। दारं। कति णं भंते! भाविंदिया पं०?, गो०! पंच भाविंदिया पं० तं०-सोतिंदिए जाव फासिंदिए, नेरइयाणं भंते! कति भाविंदिया पं०?, गो०! पंच भाविंदिया पं० तं०-सोतिंदिते जाव फासिंदिते, एवं जस्स जइ इंदिया तस्स तइ भाणितव्वा, जाव वेमाणियाणं, एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स केवइया भाविंदिया अतीता?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेह्णगा?, पंच, केवइया पुरेक्खडा?, पंच वा दस वा एक्कारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं असुरकुमारस्सवि नवरं पुरेक्खडा पंच वा छ वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं जाव थणियकुमारस्सवि, एवं पुढवीकाइयआउकाइयवणस्सइकाइयस्सवि बेइंदियतेइंदियचउरिंदियस्सवि, तेउकाइयवाउकाइयस्सवि एवं चेव नवरं पुरेक्खडा छ वा सत्त वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जाव ईसाणस्स जहा असुरकुमारस्स नवरं मणूसस्स पुरेक्खडा कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि-त्ति भाणियब्बं, सणकुमार जाव गेवेज्जगस्स जहा नेरइयस्स, विजयवेजयंतजयंतअपराजितदेवस्स अतीता अणंता, बद्धेह्णगा पंच, पुरेक्खडा पंच वा दस वा पण्णरस वा संखेज्जा वा, सब्बट्टसिद्धगदेवस्स अतीता अणंता, बद्धेह्णगा पंच, केवइया पुरेक्खडा?, पंच। दारं। नेरइयाणं भंते! केवइया भाविंदिया अतीता?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेह्णगा, असंखेज्जा, केवइया पुरेक्खडा?, अणंता, एवं जहा दब्बिंदिएसु पोहत्तेणं दंडतो भणितो तहा भाविंदिएसुवि पोहत्तेणं दंडतो भाणियब्बो नवरं वणस्सइकाइयाणं बद्धेह्णगा अणंता, एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया भाविंदिया अतीता?, गो०! अणंता, केवइया बद्धेह्णगा?, पंच, पुरेक्खडा कस्सवि अत्थि कस्सवि नत्थि जस्स अत्थि पंच वा दस वा पंनरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं असुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराणं नवरं बद्धेह्णगा नत्थि, पुढवीकाइयत्ते जाव बेइंदियत्ते जहा दब्बिंदिया, तेइंदियत्ते तहेव नवरं पुरेक्खडा तिण्णि वा छ वा णव वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं चउरिंदियत्तेवि नवरं पुरेक्खडा चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं एए चेव गमा चत्तारि

जाणेतद्वा जे चेव दव्हिंदिएसु णवरं तइयगमे जाणितद्वा जस्स जइ इंदिया ते पुरेक्खडेसु मुणेतद्वा, चउत्थगमे जहेव दव्हिंदिया जाव सब्बट्टसिद्धगदेवाणं सब्बट्टसिद्धगदेवत्ते केवतिया भाविंदिया अतीता?, नत्थि, बद्धेल्लगा?, संखिजा, पुरेक्खडा?, णत्थि। २०१। उ०२ इंदियपयं १५। कतिविहे णं भंते! पओगे पं०?, गो०! पण्णरसविहे पओगे पं० तं०-सच्चमणप्पओगे अस-
 च्च० सच्चामोस० असच्चामोसमणप्पओगे, एवं वइप्पओगेवि चउहा, ओरालियसरीरकायप्पओगे ओरालियमीससरी० वेउव्विय० वेउव्वियमी० आहारक० आहारगमीस० (तेया) कम्मासरी-
 रकायप्पओगे। २०२। जीवाणं भंते! कतिविधे पओगे पं०?, गो०! पण्णरसविधे पं० तं०-सच्चमणप्पओगे जाव कम्मासरीरकायप्पओगे, नेरइयाणं भंते! कतिविधे पओगे पं०?, गो०!
 एक्कारसविधे पओगे पं० तं०-सच्चमण० जाव असच्चामोसवय० वेउव्वियसरीर० वेउव्वियमीससरीर० (तेया) कम्मासरीरकायप्पओगे, एवं असुरकुमाराणवि जाव थणियकुमाराणं,
 पुढवीकाइयाणं पुच्छा, गो०! तिविहे पओगे पं० तं०-ओरालियसरीर० ओरालियमीससरी० कम्मासरीरकायप्पओगे य, एवं जाव वणस्सई णवरं वाउकाइयाणं पंचविहे पओगे पं०
 तं०-ओरालिय० ओरालियमीस० वेउव्विए दुविधे कम्मासरीरकायप्पओगे य, बेइंदियाणं पुच्छा, गो०! चउव्विहे पओगे पं० तं०-असच्चामोसवइ० ओरालियसरीर० ओरालियमीस-
 सरीर० कम्मासरीरकायप्प०, एवं जाव चउरिंदियाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गो०! तेरसविधे पओगे पं० तं०-सच्चमण० मोसमण० सच्चामोस० असच्चामोसमण० एवं
 वइप्पओगेवि ओरालियसरीर० ओरालियमीससरीर० वेउव्विय० वेउव्वियमीससरीर० कम्मासरीरकायप्पओगे, मणूसाणं पुच्छा, गो०! पण्णरसविधे पओगे पं० तं०-सच्चमणप्प० जाव
 कम्मासरीरकायप्प०, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं। २०३। जीवा णं भंते! किं सच्चमणप्पओगी जाव किं कम्मा०गी?, गो०! जीवा सब्बेवि ताव होज्जा सच्चमणप्पओगीवि जाव
 वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगीवि कम्मासरीरकायप्पओगीवि १३, अहवेगे आहार०गी अहवेगे आहार०पओगिणो अहवेगे आहारगमीस०पओगी अहवेगे आहारगमी०णो चउभंगो,
 अहवेगे आहार०गी य आहारगमीस०ओगी य अहवेगे आहारग०पओगी य आहारगमीसापओगिणो य अहवेगे य आहारग०गिणो य आहारगमीसा०ओगी य अहवेगे आहारग०-
 गिणो य आहारगमीसा०गिणो य एए जीवाणं अट्ठ, नेरइया णं भंते! किं सच्चमणप्पओगी जाव किं कम्म०ओगी?, नेरइया सब्बेवि ताव होज्जा सच्चमणप्पओगीवि जाव वेउव्वियमी-
 सा०गीवि अहवेगे य कम्म०ओगी य अहवेगे य कम्मा०ओगिणो य, एवं असुरकुमारावि जाव थणियकुमाराणं, पुढवीकाइया णं भंते! किं ओरालिय०ओगी ओरालियमीसा०ओगी
 कम्मा०ओगी?, गो०! पुढवीकाइया ओरालि० ओरालियमीस० कम्मा०ओगीवि, एवं जाव वणप्फइकाइया णवरं वाउकाइया वेउव्विय० वेउव्वियमीस०ओगीवि, बेइंदिया णं भंते! किं
 ओरालिय०ओगी जाव कम्म०ओगी?, गो०! बेइंदिया सब्बेवि ताव होज्जा असच्चमोसवइप्पओगीवि ओरालियप्पओगीवि ओरालियमीसप्पओगीवि अहवेगे य कम्म०प्पओगीवि अह-
 वेगे य कम्म०पओगिणो य, एवं जाव चउरिंदियावि, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा नेरइया नवरं ओरालियप्पओगीवि ओरालियमीसा० अहवेगे य कम्मास० य अहवेगे य कम्मा-
 स०गिणो य, मणूसा णं भंते! किं सच्चमणप्पओगी जाव किं कम्मास०?, गो०! मणूसा सब्बेवि ताव होज्जा सच्चमणप्पओगीवि जाव ओरालिय० वेउव्विय० वेउव्वियमीस० य अहवेगे य
 ओरालियमीसा० य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य अहवेगे आहारग०गी य अहवेगे आहारग०णो य अहवेगे आहारगमीसा०गी य अहवेगे आहारगमीसा०ओगिणो य अहवेगे कम्मग०
 ओगी य अहवेगे य कम्मग०ओगिणो य एते अट्ठ भंगा पत्तेयं, अहवेगे य ओरालियमीस०ओगी य आहारग०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारग०ओगिणो य अह-
 वेगे ओरालियमीसा०ओगिणो य आहारगमीसा०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगिणो य आहारग०ओगिणो य, एवं एते चत्तारि भंगा, अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य
 आहारगमीसा०ओगी य अहवेगे य ओरालियमीसा०ओगी य आहारगमीसा०ओगिणो य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगिणो य आहारगमीसा०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०-
 ओगिणो य आहारगमीसा०ओगिणो य चत्तारि भंगा, अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य कम्मास०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य कम्मास०ओगिणो य अहवेगे ओरा-
 लियमीसा०ओगिणो य कम्म०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगिणो य कम्म०ओगिणो य, एते चत्तारि भंगा, अहवेगे आहारग०ओगी य आहारगमीसा०ओगी य अहवेगे
 आहारग०ओगी य आहारगमीसा०ओगिणो य अहवेगे आहारग०ओगिणो य आहारगमीसा०ओगी य अहवेगे आहारग०ओगिणो य आहारगमीसा०ओगिणो य चत्तारि भंगा, अह-
 वेगे आहारग०ओगी य कम्मग०ओगी य अहवेगे आहारग०ओगी य कम्म०ओगिणो य अहवेगे आहारग०ओगिणो य कम्म०ओगी य अहवेगे आहारग०ओगिणो य कम्म०ओ-
 गिणो य चउरो भंगा, अहवेगे आहारगमीसा०ओगी य कम्मग०ओगी य^{अह}आहारगमीसा० य कम्म०ओगिणो य अहवेगे य आहारगमीसा०ओगिणो य कम्म०ओगी य अहवेगे
 आहारगमीसा०ओगिणो य कम्मग०ओगिणो य चउरो भंगा, एवं चउबीसं भंगा, अहवेगे ओरालियमीसग०ओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसा०ओगी य अहवेगे

ओरालियमीसग०ओगी य आहारग०ओगी य आहारगमीसा०ओगिणो य अहवेगे ओरालियमीसग०ओगी य आहारग०ओगिणो य आहारगमीसा०ओगी य अहवेगे ओरालियमी-
 सा०ओगी य आहारग०ओगिणो य आहारगमीसा०ओगिणो य अहवेगे य ओरालियमीसा०ओगिणो य आहारग०ओगी य आहारगमीसा०गी य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य
 आहारग०गी य आहारगमीसा०गिणो य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य आहारग०ओगिणो य आहारगमीसा०ओगी य अहवेगे य ओरालियमीसा०गिणो य आहारग०गिणो
 य आहारगमीसा०गिणो य एते अट्ट भंगा, अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारग०ओगी य कम्म०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारग०ओगी य कम्मग०गिणो
 य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारग०गिणो य कम्मग०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारग०ओगिणो य कम्मग०गिणो य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो
 य आहारग०ओगी य कम्मग०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य आहारग०ओगी य कम्मग०गिणो य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य आहारग०गिणो य कम्मग०ओगी
 य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य आहारग०गिणो य कम्म०गिणो य अहवेगे य ओरालियमीसा०ओगी य आहारगमीसा०ओगी य कम्मग०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०-
 ओगी य आहारगमीसा०ओगी य कम्मग०गिणो य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारगमीसा०गिणो य कम्मग०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारगमीसा०-
 गिणो य कम्मग०गिणो य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य आहारगमीसा०ओगी य कम्मग०गिणो य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य आहारगमीसा०ओगी य कम्मग०ओगी
 य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य आहारग०गिणो य कम्मग०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य आहारगमीसा०गिणो य कम्मग०गिणो य अहवेगे आहारग०ओगी य
 आहारगमीसा०ओगी य कम्मा०ओगी य अहवेगे आहारग०ओगी य आहारगमीसा०ओगी य कम्मा०गिणो य अहवेगे आहारग०ओगी य आहारगमीसा०ओगिणो य कम्मा०ओगी
 य अहवेगे आहारग०ओगी य आहारगमीसा०गिणो य कम्मा०गिणो य अहवेगे आहारग०गिणो य आहारगमीसा०ओगी य कम्मा०ओगी य अहवेगे आहारग०गिणो य आहारग-
 मीसा०ओगी य कम्मग०गिणो य अहवेगे आहारग०गिणो य आहारगमीसा०गिणो य कम्मा०ओगी य अहवेगे आहारग०गिणो य आहारगमीसा०गिणो य कम्म०गिणो य एवं
 एए तियासंजोएणं चत्तारि अट्ट भंगा, सव्वेवि मिलिता बत्तीसं भंगा जाणित्वा, अहवेगे ओरालियमिस्सा०ओगी य आहारग०ओगी य आहारगमीसा०ओगी य कम्मा०ओगी य
 अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारग०ओगी य आहारगमीसा०ओगी य कम्मा०गिणो य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारग०ओगी य आहारगमीसा०गिणो य क-
 म्मा०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारग०ओगी य आहारगमीसा०गिणो य कम्मा०ओगिणो य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारग०गिणो य आहारगमी-
 सा०ओगी य कम्मा०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारग०ओगिणो य आहारगमीसा०ओगी य कम्मा०गिणो य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारग०गिणो
 य आहारगमीसा०गिणो य कम्मा०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०ओगी य आहारग०गिणो य आहारगमीसा०गिणो य कम्मा०गिणो य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य आहा-
 रग०ओगी य आहारगमीसा०ओगी य कम्मा०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य आहारग०ओगी य आहारगमीसा०ओगी य कम्मा०गिणो य अहवेगे ओरालियमीसा०-
 गिणो य आहारग०ओगी य आहारगमीसा०गिणो य कम्मा०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य आहारग०ओगी य आहारगमीसा०गिणो य कम्मा०गिणो य अहवेगे ओरा-
 लियमीसा०गिणो य आहारग०गिणो य आहारगमीसा०ओगी य कम्मा०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य आहारग०गिणो य आहारगमीसा०ओगी य कम्मा०गिणो य
 अहवेगे ओरालियमीसा०गिणो य आहारग०गिणो य आहारगमीसा०गिणो य कम्मा०ओगी य अहवेगे ओरालियमीसा०सरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आ-
 हारगमीसा०सरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य, एवं एते चउसंजोएणं सोलस भंगा भवन्ति, सब्बेऽवि य णं संपिडिया असीती भंगा भवन्ति, वाष्मंतरजोड्सवेमा-
 णिया जहा असुरकुमारा । २०४ । कइविहे णं भंते ! गइप्पवाए पं०?, गो०! पंचविहे गइप्पवाए पं० तं०-पओगगती तत० बंधणच्छेदण० उववाय० विहायगती, से किं तं पओगगती?, २
 पण्णरसविहा पं० तं०-सच्चमणप्पओगगती एवं जहा पओगो भणितो तहा एसावि भाणित्वा जाव कम्मगसरीरकायप्पओगगती, जीवाणं भंते ! कतिविहा पओगगती पं०?, गो०! पण्ण-
 रसविहा पं० तं०-सच्चमणप्पओगगती जाव कम्मगसरीरकायप्पओगगती, नेरइयाणं भंते ! कइविहा पओगगती पं०?, गो०! एक्कारसविहा पं० तं०-सच्चमणप्पओगगती एवं उवउज्झि-
 ऊण जस्स जतिविहा तस्स ततिविहा भाणित्वा जाव वेमाणियाणं, जीवाणं भंते ! सच्चमणप्पओगगती जाव कम्मगसरीरकायप्पओगगती?, गो०! जीवा सब्बेवि ताव होज्ज सच्चमण-
 प्पओगगतीवि एवं तं चेव पुब्ववणिणं भाणित्वा भंगा तहेव जाव वेमाणियाणं, से तं पओगगती, से किं तं ततगती?, २ जे णं जं गामं वा जाव सण्णिवेसं वा संपट्टिते असंपत्ते अंतरापहे
 वट्ठति, से तं ततगती, से किं तं बंधणच्छेदणगती?, २ जीवो वा सरीराओ सरीरं वा जीवाओ, से तं बंधणच्छेदणगती, से किं तं उववायगती?, २ तिविहा पं०-तं०-खेत्तोववायगती (१८४)

भवोववायगती नोभवोववायगती, से किं तं खेत्तोववायगती?, २ पंचविहा पं० तं०-नेरइयखेत्तोववायगती तिरिक्खजोणिय० मणूस० देव० सिद्धखेत्तोववायगती, से किं तं नेरइयखे-
 त्तोववायगती?, २ सत्तविहा पं० तं०-रयणप्पभापुढवी जाव अधेसत्तमापुढवीनेरइयखेत्तोववायगती, से तं नेरइयखेत्तोववायगती, से किं तं तिरिक्खजोणियखेत्तोववायगती?, २ पंचविहा
 पं० तं०-एगिंदियतिरिक्ख० जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियखेत्तोववायगती, से तं तिरिक्खजोणियखेत्तोववायगती, से किं तं मणूसखेत्तोववायगती?, २ दुविहा पं० तं०-संमुच्छिम-
 मणूस० गम्भवक्कंतियमणूसखेत्तोववायगती, से तं मणूसखेत्तोववायगती, से किं तं देवखेत्तोववायगती?, २ चउव्विहा पं० तं०-भवणवति० जाव वेमाणियदेवखेत्तोववायगती, से तं देवखे-
 त्तोववायगती, से किं तं सिद्धखेत्तोववायगती?, २ अणेगविहा पं० तं०-जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवयवासे सपक्खिस्सपडिदिसिं सिद्धखेत्तो० चुल्लहिमवंतसिहरिवासहरपव्वतसपक्खिस्स० सिद्ध-
 खेत्तो० जंबुद्दीवे दीवे हेमवतहेरणवाससपक्खि० सिद्धखेत्तो० जंबुद्दीवे दीवे सदावड्वियडावड्वियड्डसपक्खिस्स० सिद्धखेत्तो० जंबुद्दीवे दीवे महाहिमवंतरुप्पिवासहरपव्वतसपक्खिस्स०-
 सिद्धखेत्तो० जंबुद्दीवे दीवे हरिवासरम्मगवाससपक्खिस्स० सिद्धखे० जंबुद्दीवे दीवे गंधावातिमालवंतपव्वयवड्डवेयड्डसपक्खिस्स० सिद्ध० जंबुद्दीवे दीवे णिसंहणीलवंतवासहरपव्वतसपक्खिस्स०-
 सिद्धखे० जंबुद्दीवे दीवे पुव्वविदेहावरविदेहसपक्खिस्स० सिद्धखे० जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुत्तरकुरुगस० सिद्ध० जंबुद्दीवे दीवे मंदरपव्वयस्स सपक्खि० सिद्धखे० लवणे समुदे सपक्खि० सिद्ध०
 धायइसंडे दीवे पुरत्थिमद्व जाव पच्छिमद्वमंदरपव्वतसप० सिद्धखित्तो० कालोयसमुदसप० सिद्ध० पुक्खरवरदीवद्वपुरत्थिमद्वभरहेरवयवाससप० सिद्ध० एवं जाव पुक्खरवरदीवद्वपच्छिमद्वमं-
 दरपव्वतसपक्खिस्सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगती, से तं सिद्धखेत्तोववायगती, से किं तं भवोववायगती?, २ चउव्विहा पं० तं०-नेरइय० जाव देवभवोववायगती, से किं तं नेरइय०?,
 २ सत्तविहा पं० तं०-एवं सिद्धवज्जो भेदो भाणितव्वो जो चेव खेत्तोववायगतीए सो चेव, से तं देवभवोववायगती, से तं भवोववायगती, से किं तं नोभवोववायगती?, २ दुविहा पं०
 तं०-पोग्गलणोभवोववायगती सिद्धनोभवोववायगती य, से किं तं पोग्गलणोभवोववायगती?, २ जण्णं परमाणुपोग्गले लोगस्स पुरत्थिमिह्ठाओ चरमंताओ पच्चत्थिमिह्ठं चरमंतं एगस-
 मएणं गच्छति पच्चत्थिमिह्ठाओ वा चरमंताओ पुरत्थिमिह्ठं चरमंतं एगसमएणं गच्छति दाहिणिह्ठाओ वा चरमंताओ उत्तरिह्ठं चरमंतं एगसमएणं गच्छति एवं उत्तरिह्ठाओ दाहि-
 णिह्ठं उवरिह्ठाओ हेट्ठिह्ठं हिट्ठिह्ठाओ उवरिह्ठं, से तं पोग्गलणोभवोववायगती, से किं तं सिद्धणोभवो०?, २ दुविहा पं० तं०-अणंतरसिद्धणो० परंपरसिद्धणोभवो० य, से किं तं अणंतर-
 सिद्धणोभवो०?, २ पण्णरसविहा पं० तं०-तित्थसिद्धअणंतरसिद्धणोभवो० य जाव अणेगसिद्धणोभवो० य, से किं तं परंपरसिद्धणोभवोववायगती?, २ अणेगविहा पं० तं०-अपढमसम-
 यसिद्धणोभवोववायगती एवं दुसमयसिद्धणोभवोववायगती जाव अणंतसमयसिद्धणोभवोववायगती, से तं सिद्धणोभवोववायगती, से तं णोभवोववायगती, से तं उववायगती, से किं तं
 विहायगती?, २ सत्तरसविहा पं० तं०-फुसमाणगती अफुसमाण० उवसंपज्जमाण० अणुवसंपज्जमाण० पोग्गल० मंडूय० णावा० नय० छाया० छायाणुवात० लेसा० लेसाणुवात०
 उद्दिस्सपविभत्त० चउपुरिसपविभत्त० वंक्कगती० पंक्क० बंधणविमोयणगती, से किं तं फुसमाणगती?, २ जण्णं परमाणुपोग्गले दुपएसिए जाव अणं० परमाणुस्स जाव अणंतपएसियाणं
 खंधाणं अण्णमण्णं फुसंताणं गती पवत्तइ, से तं फुसमाणगती, से किं तं अफुसमाणगती?, २ जण्णं एतेसिं चेव अफुसंताणं गती पवत्तति, से तं अफुसमाणगती, से किं तं उवसं-
 पज्जमाणगती?, २ जण्णं रायं वा जुवरायं वा ईसरं वा तलवरं वा माडंबितं वा कुडुंबितं वा इब्भं वा सिट्ठिं वा सेणावतिं वा सत्थवाहं वा उवसंपज्जित्ताणं गच्छति, से तं उवसंपज्जमाण-
 गती, से किं तं अणुवसंपज्जमाणगती?, २ जण्णं एतेसिं चेव अण्णमण्णं अणुवसंपज्जित्ताणं गच्छति, से तं अणुवसंपज्जमाणगती, से किं तं पोग्गलगती?, २ जं णं परमाणुपोग्गलाणं
 जाव अणंतपएसियाणं खंधाणं गती पवत्तति, से तं पोग्गलगती, से किं तं मंडुयगती?, २ जण्णं मंडुओ फिडित्ता गच्छति, से तं मंडुयगती, से किं तं णावागती?, जण्णं णावा पुव्ववे-
 तालीओ दाहिणवेयालिं जलपहेणं गच्छति दाहिणवेतालिओ वा अवरवेतालिं जलपहेणं गच्छति, से तं णावागती, से किं तं णयगती?, २ जण्णं णेगमसंगहववहारउज्जुसुयसइसमभिरू-
 ढएवंभूयाणं नयाणं जा गती अहवा सव्वणयावि जं इच्छंति, से तं नयगती, से किं तं छायागती?, २ जं णं हयच्छायं० गय० वा नर० वा किण्णर० वा महोरग० वा गंधव्व० वा उसह०
 वा रह० वा लत्तच्छायं वा उवसंपज्जित्ताणं गच्छति, से तं छायागती, से किं तं छायाणुवायगती?, २ जं णं पुरिसं छाया अणुगच्छति नो पुरिसे छायां अणुगच्छति, से तं छायाअणुवा-
 यगती, से किं तं लेस्सागती?, २ जण्णं किण्हलेसा नीललेसं पप्प तारूवत्ताए तावणत्ताए तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमति. एवं नीललेसा काउलेसं पप्प तारूवत्ताए
 जाव ताफासत्ताए परिणमति, एवं काउलेसावि नेउलेसं तेउलेसावि पम्हलेसं पम्हलेसावि सुक्कलेसं पप्प तारूवत्ताए जाव परिणमति, से तं लेसागती, से किं तं लेसाणुवायगती?, २ जल्लेसाइं
 दब्बाइं परियाइत्ता कालं करेइ तहेसेसु उववज्जति, तं०-किण्हलेसेसु वा जाव सुक्कलेसेसु वा, से तं लेसाणुवायगती, से किं तं उद्दिस्सपविभत्तगती?, २ जण्णं आयरियं वा उवज्ज्जायं

वा थेरं वा पवत्ति वा गणिं वा गणहरं वा गणावच्छेदं वा उद्दिसिय २ गच्छति, से तं उद्दिसियपविभत्तगती, से किं तं चउपुरिसपविभत्तगती?, २ से जहानामए चत्तारि पुरिसा समगं पज्जुवट्टिया समगं पट्टिता समगं पज्जुवट्टिया विसमगं पट्टिया विसमं पज्जुवट्टिया विसमं पट्टिया विसमं पज्जुवट्टिया समगं पट्टिया, से तं चउपुरिसपविभत्तगती, से किं तं वंकगती?, २ चउव्विहा पं० तं०-घट्टनया थंभणया लेसणया पवडणया, से तं वंकगती, से किं पंकगती?, २ से जहाणामते केइ पुरिसे पंकंसि वा उदयंसि वा कायं उव्विहिया गच्छंति, से तं पंकगती, से किं तं बंधणविमोयणगती?, २ जणं अंबाण वा अंबाडगाण वा माउलिंगाण वा बिह्वाण वा कविट्ठाण वा (प्र० भट्ठाण वा)फणसाण वा दालिमाण वा पारेवताण वा अक्खोलाण वा चाराण वा बोराण वा तिंडुयाण वा पक्काण परियागयाणं बंधणातो विप्पमुक्काणं निव्वाघातेणं अघे वीससाए गती पवत्तइ, से तं बंधणविमोयणगती, से तं विहायोगती । २०५ ॥ पओ-गपदं १६ ॥ 'आहार समसरीरा उस्सासे कम्मवन्नलेसासु । समवेदण समकिरिया समाउया चेव बोद्धवा ॥ २०९ ॥ णेरइया णं भंते ! सब्बे समाहारा सब्बे समसरीरा सब्बे समुस्सासनिस्सासा ?, गो० ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-नेरइया नो सब्बे समाहारा जाव णो सब्बे समुस्सासनिस्सासा ?, गो० ! णेरइया दुविहा पं० तं०-महासरीरा य अप्पसरीरा य, तत्थ णं जे ते महासरीरा ते णं बहुतराए पोग्गले आहारंति बहुतराए पोग्गले परिणामंति बहुतराए पोग्गले उस्ससंति बहुतराए पोग्गले नीससंति अभिक्खणं आहारंति अभि० परिणामंति अभि० उस्ससंति अभि० नीससंति, तत्थ णं जे ते अप्पसरीरा ते णं अप्पतराए पो० आहा० अप्प० पो० परि० अप्प० पो० उस्ससंति अप्प० पो० नीससंति आहच्च आहारंति आहच्च परिणामंति आहच्च उस्ससंति आहच्च नीससंति, से एएणट्ठेणं गो० ! एवं वुच्चइ-नेरइया नो सब्बे समाहारा नो सब्बे समसरीरा णो सब्बे समुस्सासनिस्सासा । २०६ । नेरइया णं भंते ! सब्बे समकम्मा ?, गो० ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-नेरइया नो सब्बे समकम्मा ?, गो० ! नेरइया दुविहा पं० तं०-पुव्वोववन्नगा य पच्छोववन्नगा य, तत्थ णं जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं अप्पकम्मतरागा तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते णं महाकम्मतरागा, से तेणट्ठेणं गो० ! एवं वुच्चइ-नेरइया णो सब्बे समकम्मा, नेरइया णं भंते ! सब्बे समवन्ना ?, गो० ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! नेरइया नो समवन्ना ?, गो० ! णेरइया दुविहा पं० तं०-पुव्वोववन्नगा य पच्छोववन्नगा य, तत्थ णं जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं विसुद्धवन्नतरागा तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते णं अविमुद्धवन्नतरागा, से एएणट्ठेणं गो० ! एवं वुच्चइ-नेरइया नो सब्बे समवन्ना, एवं जहेव वन्नेण भणिया तहेव लेसासु विसुद्धलेसतरागा अविमुद्धलेसतरागा य भाणियव्वा, नेरइया णं भंते ! सब्बे समवेदणा ?, गो० ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केण० एवं वुच्चति-नेरइया णो सब्बे समवेयणा ?, गो० ! नेरइया दुविहा पं० तं०-सन्निभूया य असन्निभूया य, तत्थ णं जे ते सन्निभूता ते णं महावेदणतरागा, तत्थ णं जे ते असन्निभूता ते णं अप्पवेदणतरागा, से तेणट्ठेणं गो० ! एवं वुच्चइ-नेरइया नो सब्बे समवेयणा । २०७ । णेरइया णं भंते ! सब्बे समकिरिया ?, गो० ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-नेरइया णो सब्बे समकिरिया ?, गो० ! नेरइया तिर्विहा पं० तं०-सम्महिट्ठी य मिच्छादिट्ठी य सम्मामिच्छादिट्ठी य, तत्थ णं जे ते सम्महिट्ठी तेसिं णं चत्तारि किरियाओ कज्जंति तं०-आरंभिया परिग्गहिया मायावत्तिया अपच्चक्खाणकिरिया, तत्थ णं जे ते मिच्छादिट्ठी जे य सम्मामिच्छादिट्ठी तेसिं णं नियताओ पञ्च किरियाओ कज्जंति तं०-आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया, से तेणट्ठेणं गो० ! एवं वुच्चइ-नेरइया नो सब्बे समकिरिया, नेरइया णं भंते ! सब्बे समाउआ समो० ?, गो० ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ?, गो० ! नेरइया चउव्विहा पं० तं०-अत्थेगतिया समाउआ समोववन्नगा अत्थे० समाउया विसमो० अत्थे० विसमाउया समोव० अत्थे० विसमाउया विसमोववन्नगा, से तेणट्ठेणं गो० ! एवं वुच्चइ-नेरइया नो सब्बे समाउया नो सब्बे समोववन्नगा । २०८ । असुरकुमारा णं भंते ! सब्बे समाहारा एवं सब्बेसिं पुच्छा ?, गो० ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-जहा नेरइया, असुरकुमारा णं भंते ! सब्बे समकम्मा ?, गो० ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केण० एवं वुच्चइ० ?, गो० ! असुरकुमारा दुविहा पं० तं०-पुव्वोववन्नगा य पच्छोववन्नगा य, तत्थ णं जे ते पुव्वो० ते णं महाकम्म० तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते णं अप्पक०, से तेणट्ठेणं गो० ! एवं वुच्चति-असुरकुमारा णो सब्बे समकम्मा, एवं वन्नलेस्साए पुच्छा, तत्थ णं जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं अविमुद्धवन्नतरागा पच्छो० विसु०, से तेणट्ठेणं गो० ! एवं वुच्चइ-असुरकुमारा णं सब्बे णो समवन्ना, एवं लेस्साएवि, वेयणाए जहा नेरइया अवसेसं जहा नेरइयाणं, एवं जाव थणियकुमारा । २०९ । पुढवीकाइया आहारकम्मवन्नलेस्साहिं जहा नेरइया, पुढवीकाइया सब्बे समवेयणा पं० ? । हंता गो० ! सब्बे समवेदणा, से केणट्ठेणं० ?, गो० ! पुढवीकाइया सब्बे असन्नी असन्निभूयं अणिययं वेयणं वेयन्ति, से तेणट्ठेणं गो० ! पुढवीकाइया सब्बे समवेदणा, पुढवीकाइया णं भंते ! सब्बे समकिरिया ? । हंता गो० ! पुढवीकाइया सब्बे समकिरिया, से केणट्ठेणं० ?, गो० ! पुढवीकाइया सब्बे माइमिच्छादिट्ठी तेसिं णियइयाओ पंच किरियाओ कज्जंति तं०-आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया य, से तेणट्ठेणं गो० ! एवं०, जाव चउरिंदिया, पंचेदियतिरिक्खजोणिया जहा नेरइया नवरं किरियाहिं सम्महिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, तत्थ णं जे ते सम्महिट्ठी ते दुविहा पं० तं०-

असंजता य संजयासंजता य, तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसिं णं तिभि किरियाओ कज्जंति तं० आरं० परि० माया०, तत्थ णं जे ते असंजता तेसिं णं चत्तारि किरियाओ कज्जंति तं० -
 आरं० परि० माया० अपच्च०, तत्थ णं जे ते मिच्छादिट्ठी जे य सम्मामिच्छादिट्ठी तेसिं णं नियइयाओ पंच किरियाओ कज्जंति तं०-आरंभिया परि० माया० अपच्च० मिच्छा०, सेसं तं चेव
 । २१० । मणुस्सा णं भंते ! सव्वे समाहारा०?, गो०! णो इणट्ठे समट्ठे, से केण०?, गो०! मणुस्सा दुविहा पं० तं०-महासरीरा य अप्पसरीरा य, तत्थ णं जे ते महासरीरा ते णं बहुतराए
 पोग्गले आहारेंति जाव बहुतराए पोग्गले नीससंति आहच्च आहारेंति आहच्च नीससंति, तत्थ णं जे ते अप्पसरीरा ते णं अप्पतराए पोग्गले आहारेंति जाव अप्पतराए पोग्गले नीससंति
 अभिक्खणं आहारेंति जाव अभिक्खणं नीससंति, से तेणट्ठेणं गो०! एवं वुच्चति-मणुस्सा सब्बे णो समाहारा, सेसं जहा नेरइयाणं नवरं किरियाहिं मणूसा तिविहा पं० तं०-सम्महिट्ठी
 मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, तत्थ णं जे ते सम्महिट्ठी ते तिविहा पं० तं०-संयता असंयता संयतासंयता, तत्थ णं जे ते संयता ते दुविहा पं० तं०-सरागसंयता य वीयरगसंयता
 य, तत्थ णं जे ते वीयरगसंयता ते णं अकिरिया, तत्थ णं जे ते सरागसंयता ते दुविहा पं० तं०-पमत्तसंयता य अपमत्तसंयता य, तत्थ णं जे ते अपमत्तसंजया तेसिं एगा मायाव-
 त्तिया किरिया कज्जति, तत्थ णं जे ते पमत्तसंजया तेसिं दो किरियाओ कज्जंति तं०-आरंभिया य मायावत्तिया य, तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसिं तिभि किरियाओ कज्जंति तं० -
 आरंभिया परिग्गहिया मायावत्तिया, तत्थ णं जे ते असंजया तेसिं चत्तारि किरियाओ कज्जंति तं०-आरंभिया जाव अपच्चक्खाणकिरिया, तत्थ णं जे ते मिच्छादिट्ठी जे य सम्मामिच्छा-
 दिट्ठी तेसिं नियइयाओ पंच किरियाओ कज्जंति तं०-आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया, सेसं जहा नेरइयाणं । २११ । वाणमंतराणं जहा असुरकुमाराणं, एवं जोइसियवेमाणियाणवि
 नवरं ते वेदणाए दुविहा पं० तं०-माइमिच्छादिट्ठीउववन्नगा य अमाइसम्महिट्ठीउववन्नगा य, तत्थ णं जे ते माइमिच्छादिट्ठीउववन्नगा ते णं अप्पवेदणतरागा, तत्थ णं जे ते अमाइ-
 सम्महिट्ठीउववन्नगा ते णं महावेदणतरागा, से तेण० गो०! एवं वुच्चइ, सेसं तहेव । २१२ । सलेसा णं भंते ! नेरइया सब्बे समाहारा समसरीरा समुस्सासनिस्सासा० सब्बेवि पुच्छा, गो०!
 एवं जहा ओहियगमओ तहा सलेसागमओवि निरवसेसो भाणियव्वो जाव वेमाणिया, कण्हलेसा णं भंते ! नेरइया सव्वे समाहारा०? पुच्छा, गो०! जहा ओहिया, नवरं नेरइया वेयणाए
 माइमिच्छादिट्ठीउववन्नगा य अमाइसम्मादिट्ठीउववन्नगा य भाणियव्वा, सेसं तहेव जहा ओहियाणं, असुरकुमारा जाव वाणमंतरा एते जहा ओहिया नवरं मणुस्साणं किरियाहिं विसेसो
 जाव तत्थ णं जे ते सम्मादिट्ठी तं तिविहा पं० तं०-संजया असंजया संजयासंजया य, जहा ओहियाणं, जोइसियवेमाणिया आइल्लियासु तिसु लेसासु ण पुच्छिज्जंति, एवं जहा कि-
 ण्हलेसा विचारिया तहा नीललेस्सा विचारियव्वा, काउलेसा नेरइएहिंतो आरब्भ जाव वाणमंतरा नवरं काउलेस्सा नेरइया वेदणाए जहा ओहिया, तेउलेसाणं भंते ! असुरकुमाराणं
 ताओ चेव पुच्छाओ, गो०! जहेव ओहिया तहेव नवरं वेयणाए जहा जोइसिया, पुढवीआउवणस्सइपंचेंदियतिरिक्खमणुस्सा जहा ओहिया तहेव भाणियव्वा नवरं मणूसा किरियाहिं
 जे संजता ते पमत्ता य अपमत्ता य भाणियव्वा सरागवीयरगा नत्थि, वाणमंतरा तेउलेसाए जहा असुरकुमारा, एवं जोइसियवेमाणियावि सेसं तं चेव, एवं पण्हलेसावि भाणियव्वा
 नवरं जेसिं अत्थि, सुक्कलेस्सावि तहेव जेसिं अत्थि, सव्वं तहेव जहा ओहियाणं गमओ नवरं पण्हलेस्ससुक्कलेस्साओ पंचेंदियतिरिक्खजोणियमणूसवेमाणियाणं चेव, न सेसाणंति
 । २१३ ॥ १७ लेस्सापए उ० १ ॥ कइ णं भंते ! लेसाओ पं०?, गो०! छल्लेसाओ पं० तं०-कण्हलेसा नील० काउ० तेउ० पण्ह० सुक्कलेसा । २१४ । नेरइयाणं भंते ! कइ लेसाओ पं०?,
 गो०! तिभि तं०-किण्ह० नील० काउलेसा, तिरिक्खजोणियाणं भंते ! कइ लेस्साओ पं०?, गो०! छल्लेसाओ पं० तं०-कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा, एगिंदियाणं भंते ! कइ लेसाओ पं०?,
 गो०! चत्तारि लेसाओ पं० तं०-कण्ह० जाव तेउलेसा, पुढवीकाइयाणं भंते ! कइ लेसाओ पं०?, गो०! एवं चेव, आउवणस्सइकाइयाणवि एवं चेव, तेउवाउवेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं
 जहा नेरइयाणं, पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं छलेस्सा, संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं जहा नेरइयाणं, गम्भवकंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गो०! छल्लेसा, तिरिक्ख-
 जोणिणीणं छल्लेसा एयाओ चेव, मणूसाणं छल्लेसा एयाओ चेव, संमुच्छिममणुस्साणं जहा नेरइयाणं, गम्भवकंतियमणुस्साणं छल्लेसाओ, मणुस्सीणं एवं चेव, देवाणं छ एयाओ चेव,
 देवीणं पुच्छा, गो०! चत्तारि कण्ह जाव तेउलेस्सा, भवणवासीणं भंते ! देवाणं एवं चेव, एवं भवणवासिणीणवि, वाणमंतरदेवाणं एवं चेव, वाणमंतरीणवि, जोइसियाण पुच्छा, गो०!
 एगा तेउलेसा, एवं जोइसिणीणवि, वेमाणियाणं पुच्छा, गो०! तिभि तं०-तेउ० पण्ह० सुक्कलेस्सा, वेमाणिणीणं पुच्छा, गो०! एगा तेउलेस्सा । २१५ । एतेसिं णं भंते ! जीवाणं सले-
 स्साणं कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेस्साणं अलेस्साण य कयरे०?, गो०! सब्बथोवा जीवा सुक्कलेस्सा पण्ह० संखे० तेउ० संखे० अलेस्सा अणंत० काउ० अणंत० नील० विसे० कण्ह०
 विसे० सलेस्सा विसेसाहिया । २१६ । एएसिं णं भंते ! नेरइयाणं कण्ह० नील० काउलेस्साण य कयरे०?, गो०! सब्बथोवा नेरइया कण्हलेसा नीललेसा असं० काउ० असंखेजगुणा

१२१७। एतेसिं णं भंते! तिरिक्खजोणियाणं कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाणं य कयरे०?, गो०! सव्वथोवा तिरिक्खजोणिया सुक्कलेसा एवं जहा ओहिया नवरं अलेसवज्जा, एएसिं एगिं-
दियाणं कण्ह० नील० काउ० तेउलेस्साणं य कयरे०?, गो०! सव्वथोवा एगिंदिया तेउलेस्सा काउ० अणं० नील० विसेसा० कण्हलेसा विसेसाहिया, एएसिं णं भंते! पुढवीकाइयाणं कण्ह-
लेसाणं जाव तेउलेस्साणं य कयरे०?, गो०! जहा ओहिया एगिंदिया नवरं काउलेस्सा असंखेजगुणा, एवं आउकाइयाणवि, एतेसिं णं भंते! तेउकाइयाणं कण्ह० नील० काउलेस्साणं य
कयरे०?, गो०! सव्वथोवा तेउकाइया काउ० नील० विसे० कण्हलेस्सा विसेसाहिया, एवं वाउकाइयाणवि, एतेसिं णं भंते! वणस्सइकाइयाणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साणं य जहा
एगिंदियओहियाणं, बेइंदियाणं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं जहा तेउकाइयाणं, एएसिं णं भंते! पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं कण्हलेसाणं एवं जाव सुक्कलेसाणं य कयरे०?, गो०! जहा
ओहियाणं तिरिक्खजोणियाणं नवरं काउलेस्सा असंखेजगुणा, संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्ख० जहा तेउकाइयाणं, गम्भवकंतियपंचेंदियतिरिक्ख० जहा ओहियाणं, तिरिक्खजोणियाणं
नवरं काउलेस्सा संखेजगुणा, एवं तिरिक्खजोणिणीणवि, एएसिं णं भंते! संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्ख० गम्भवकंतियपंचेंदियति० य कण्ह० जाव सुक्कलेसाणं य कयरे०?, गो०! सव्व-
थोवा गम्भवकंतियपंचेंदियतिरि० सुक्क० पम्ह० संखेज० तेउले० संखे० काउ० संखे० नील० विसेसा० कण्ह० विसेसा० काउ० संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणिया असंखेज० नील०
विसेसा० कण्ह० विसेसा०, एएसिं णं भंते! संमुच्छिम० तिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणिणीणं य कण्ह० जाव सुक्कलेसाणं य कयरे०?, गो०! जहेव पंचमं तहा इमं छट्ठं भाणियव्वं, एएसिं
णं भंते! गम्भवकंतिय० जोणियाणं गम्भ० तिरिक्खजोणिणीणं य कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाणं य कयरे०?, गो०! सव्वथोवा गम्भवकंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणिया सुक्कलेसा सुक्क-
लेसाओ तिरिक्खजोणिणीओ संखेज० पम्हलेसा गम्भ० तिरिक्खजोणिया संखे० पम्हलेसाओ तिरिक्खजोणिणीओ संखेज० तेउलेसा तिरिक्खजोणिया संखे० तेउलेसा तिरिक्खजोणिणीओ
सं० काउ० सं० नील० विसेसा० कण्ह० विसेसा० काउलेसाओ सं० नील० विसे० कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, एएसिं णं भंते! संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्ख० गम्भवकंतियपंचे० गम्भ०-
तिरिक्खजोणिणीणं य कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाणं य कयरे०?, गो०! सव्वथोवा गम्भ० तिरिक्खजोणिया सुक्कलेसा सुक्कलेसाओ संखेजगुणाओ पम्हलेसा गम्भव० संखेज० पम्हले-
साओ तिरिक्ख० संखे० तेउलेसा गम्भव० तिरिक्ख० संखेज० तेउलेसाओ तिरि० संखेजगुणाओ काउलेसाओ सं० नीललेसा विसे० कण्ह० विसे० काउ० सं० नील० वि० कण्हलेसाओ
विसेसाहियाओ, पंचि० याण तिरिक्खजोणिणीणं य कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाणं य कयरे०?, गो०! सव्वथोवा पंचेंदियतिरि० सुक्कलेस्सा सुक्कलेसाओ संखि० पम्हलेसा सं० पम्हलेसाओ सं-
खेज तेउलेसा सं० तेउलेस्साओ संखिज० काउ० संखे० नील० विसे० कण्ह० विसेसा० काउ० असंखेजगुणा नीलले० विसे० कण्हले० विसेसाहियाओ, एएसिं णं भंते! तिरि० तिरिक्ख-
जोणिणीणं य कण्ह० जाव सुक्क० कयरे०?, गो०! जहेव नवमं अप्पाबहुगं तहा इमं पि नवरं काउतिरि० अणंतगुणा, एवं एते दस अप्पाबहुगा तिरिक्खजोणियाणं १२१८। एवं मणुस्साणवि
अप्पाबहुगा भाणियव्वा नवरं पच्छिमगं अप्पाबहुगं नत्थि १२१९। एएसिं णं भंते! देवाणं कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाणं य कयरे०?, गो०! सव्वथोवा देवा सुक्कले० पम्ह० असं० काउले०
असं० नील० विसेसा० कण्ह० विसेसा० तेउ० संखेजगुणा, एएसिं णं भंते! देवीणं कण्ह० जाव तेउलेसाणं य कयरे०?, गो०! सव्वथोवा देवीओ काउ० नील० विसे० कण्ह० विसे०
तेउ० संखे०, एवं एएसिं णं भंते! देवाणं देवीणं य कण्ह० जाव सुक्क० कयरे०?, गो०! सव्वथोवा देवा सुक्क० पम्ह० असं० काउ० असं० नील० विसे० कण्ह० विसे० काउ० देवीओ
संखे० नील० विसे० कण्ह० विसे० तेउ० देवा संखे० तेउ० देवीओ संखे०, एएसिं णं भंते! भवणवासीणं देवाणं कण्ह० जाव तेउलेस्साणं य कयरे०?, गो०! सव्वथोवा भवणवासी
देवा तेउ० काउलेसा असं० नील० विसे० कण्ह० विसेसा०, एतेसिं णं भंते! भवणवासिणीणं देवीणं कण्ह० जाव तेउ० कतरे०?, गो०! एवं चेव, एएसिं णं भंते! भवणवासीणं देवाणं
देवीणं य कण्हलेसाणं जाव तेउलेसाणं य कयरे०?, गो०! सव्वथोवा भवणवासी देवा तेउ० भवणवासिणीओ तेउ० संखे० काउ० भवणवासीओ असंखे० नीललेसा विसे० कण्हलेसा
विसे० काउलेसा भवणवासिणीओ संखे० नील० विसे० कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, एवं वाणमंतराणं तिन्नेव अप्पाबहुया जहेव भवणवासिणं तहेव भा०, एतेसिं णं भंते! जोइसि-
याणं देवाणं देवीणं य तेउलेसाणं य कयरे०?, गो०! सव्वथोवा जोइसिया देवा तेउ० जोइसिणीओ देवीओ तेउ० संखे०, एएसिं णं भंते! वेमाणियाणं देवाणं तेउ० पम्हलेसाणं सुक्कले-
साणं य कयरे०?, गो०! सव्वथोवा वेमाणिया देवा सुक्कलेस्सा पम्ह० असं० तेउ० असं०, एतेसिं णं भंते! वेमाणियाणं देवाणं देवीणं य तेउले० पम्ह० सुक्कलेस्साणं य कयरे०?, गो०!
सव्वथोवा वेमाणिया देवा सुक्कलेस्सा पम्ह० असंखेजगुणा तेउ० असंखे० तेउ० वेमाणिणीओ देवीओ संखे०, एएसिं णं भंते! भवणवासीणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं
य देवाणं कण्ह० जाव सुक्क० कयरे०?, गो०! सव्वथोवा वेमाणिया देवा सुक्क० पम्ह० असंखेजगुणा तेउ० असंखे० तेउलेसा भवणवासिदेवा असं० काउ० असं० नील० विसे० कण्ह०
विसे० तेउ० वाणमंतरा देवा असं० नील० विसे० कण्ह० विसे० तेउ० जोइसिया देवा संखे०, एएसिं णं भंते! भवणवासिणीणं वाणमंतरीणं जोइसिणीणं वेमाणिणीणं य (१८५)

कण्हलेसाणं जाव तेउ० य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवाओ देवीओ वेमाणिणीओ तेउलेसाओ भवणवासिणीओ तेउ० असं० काउ० असं० नील० विसे० कण्ह० विसे० तेउलेसाओ वाणमं-
 तरीओ देवीओ असं० काउ० असं० नील० विसे० कण्हलेसाओ विसे० तेउलेसाओ जोइसिणीओ देवीओ संखेजगुणाओ, एएसिं णं भंते! भवणवासीणं जाव वेमाणिणीणं देवाण य देवीण य
 कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे०?, गो०! सव्वत्थोवा वेमाणिया देवा सुक्कलेसा पंम्ह० असंखे० तेउ० असंखे० तेउलेसाओ वेमाणियदेवीओ संखे० तेउ० भवणवासी देवा असं०
 तेउ० भवणवासिदेवीओ संखे० काउलेसाभवणवासी असं० नील० विसे० कण्ह० विसे० काउ० भवणवासिणीओ संखे० नील० विसेसा० कण्ह० विसे० तेउ० वाणमंतरा संखे० तेउले-
 साओ वाणमंतरीओ संखे० काउ० वाणमंतरा असं० नील० विसे० कण्ह० विसे० काउ० वाणमंतरीओ संखे० नीललेसाओ विसे० कण्हलेसा विसेसा० तेउ० जोइसिया संखे० तेउ०-
 जोइसिणीओ संखिजगुणीओ । २२० । एएसिं णं भंते! कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिं तो अप्पडिढया वा महडिढया वा ?, गो०! कण्हलेसेहिं तो नीललेसा महडिढया
 नीललेसेहिं तो काउ० एवं काउलेसेहिं तो तेउ० तेउलेसेहिं तो पंम्ह० पंम्हलेसेहिं तो सुक्कलेसा महडिढया, सव्वप्पडिढया जीवा कण्हलेसा सव्वमहडिढया जीवा सुक्कलेसा, एएसिं णं
 भंते! नेरइयाणं कण्हलेसाणं नील० काउ० य कयरे० अप्पडिढया वा०?, गो०! कण्हलेसेहिं तो नीलले० महडिढया नीललेसेहिं तो काउ०, सव्वप्पडिढया नेरइया कण्ह० सव्वमहडिढया
 नेरइया काउले०, एएसिं णं भंते! तिरिक्खजोणियाणं कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे०?, गो०! जहा जीवाणं, एएसिं णं भंते! एगिंदियतिरिक्खजोणि० कण्हले० जाव वेउ-
 लेसाण य कयरे०?, गो०! कण्हलेसेहिं तो एगिंदियतिरिक्खजो० नीलले० महडिढया नीलले० काउ० मह० काउले० तेउ० महडिढया, सव्वप्पडिढया एगिंदियतिरिक्खजोणिया कण्ह०
 सव्वमहडिढया तेउलेसा, एवं पुढवीकाइयाणवि, एवं एएण अभिलावेणं जहेव लेस्साओ भावियाओ तहेव नेयव्वं जाव चउरिंदिया, पंचेंदियतिरिक्ख० तिरिक्खजोणिणीणं संमुच्छिमाणं
 गम्भवक्कंतियाण य सब्बेसिं भाणियवा जाव अप्पडिढया वेमाणिया देवा तेउले० सव्वमह० वेमा० सुक्कलेसा, केई भणंति चउवीसदंडएणं इड्ढी भाणि० । २२१ ॥ १७ लेसापए उ० २ ॥
 नेरइए णं भंते! नेरइए सु उववज्जइ अनेरइए नेरइए सु उववज्जइ ?, गो०! नेरइए नेरइए सु उव० नो अनेरइए नेरइए सु उव०, एवं जाव वेमाणियाणं, नेरइए णं भंते! नेरइएहिं तो उव्वट्ठइ
 अनेरइए नेरइएहिं तो उव्वट्ठति ?, गो०! अनेरइए नेरइएहिं तो उव्वट्ठति णो नेरइए नेरइएहिं तो उव्वट्ठइ, एवं जाव वेमाणिए, नवरं जोइसियवेमाणिए सु चयणंति अभिलावो कायव्वो, से
 नूणं भंते! कण्हलेसे नेरइए कण्हलेसे सु नेरइए सु उववज्जति कण्हलेसे उववट्ठइ, जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उव्वट्ठइ ?, हंता गो०! कण्हलेसे नेरइए कण्हलेसे सु नेरइए सु उववज्जति कण्हलेसे
 उव्वट्ठइ, जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उव्वट्ठइ, एवं नीललेसेवि, एवं काउलेसेवि, एवं असुरकुमाराणवि जाव थणियकुमारा नवरं तेउलेस्सा अब्भहिया, से नूणं भंते! कण्हलेसे पुढवीकाइए
 कण्हलेसे सु पुढवीकाइए सु उववज्जति कण्हलेसे उव्वट्ठइ, जल्लेसे उववज्जति तल्लेसे उव्वट्ठति ?, हंता गो०! कण्हलेसे पुढवीकाइए कण्हलेसे सु पुढवीकाइए सु उववज्जति, सिय कण्हलेसे उव्वट्ठइ
 सिय नीललेसे उव्वट्ठइ सिय काउलेसे उव्वट्ठइ सिय जल्लेसे उववज्जति सिय तल्लेसे उव्वट्ठइ, एवं नीलकाउलेस्सा सुवि, से नूणं भंते! तेउलेसे पुढवीकाइए तेउलेसे सु पुढवीकाइए सु उववज्जइ०
 पुच्छा, हंता गो०! तेउलेसे सु पुढवीकाइए सु उववज्जइ, सिय कण्हलेसे उव्वट्ठइ सिय नील० उव्वट्ठइ सिय काउ० उव्वट्ठइ, तेउ० उववज्जइ नो चेव णं तेउलेसे उव्वट्ठइ, एवं आउकाइया वण-
 स्सइकाइयावि, तेउवाउ एवं चेव, नवरं एतेसिं तेउलेस्सा नत्थि, बितियचउरिंदिया एवं चेव तिसु लेसासु, पंचेंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य जहा पुढवीकाइया आदिहियासु
 तिसु लेसासु भणिया तहा छसुवि लेसासु भा०, नवरं छप्पि लेस्साओ चारेयवाओ, वाणमंतरा जहा असुरकुमारा, से नूणं भंते! तेउलेसे जोइसिए तेउलेसे सु जोइसिए सु उवव० जहेव
 असुरकुमारा, एवं वेमाणियावि, नवरं दोण्हं पि चयंतीति अभिलावो, से नूणं भंते! कण्हलेसे नील० काउ० नेरइए कण्हलेसे सु नीललेसे सु काउलेसे सु नेरइए सु उवव० कण्ह० नील०
 काउले० उव्वट्ठइ जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उव्वट्ठइ ?, हंता गो०! कण्ह० नील० काउलेसे० उववज्जइ जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववट्ठइ, से नूणं भंते! कण्हलेसे जाव तेउलेसे असुरकुमारे
 कण्हलेसे सु जाव तेउलेसे सु असुरकुमारे सु उववज्जइ० एवं जहेव नेरइए तहा असुरकुमारावि जाव थणियकुमारावि, से नूणं भंते! कण्हलेसे जाव तेउलेसे पुढवीकाइए कण्हलेसे सु जाव
 तेउलेसे सु पुढवीकाइए सु उववज्जइ ?, एवं पुच्छा जहा असुरकुमाराणं, हंता गो०! कण्हलेसे जाव तेउलेसे पुढवीकाइए कण्हलेसे सु जाव तेउलेसे सु पुढवीकाइए सु० सिय कण्हलेसे उव्वट्ठइ
 सिय नीललेसे० सिय काउलेसे उव्वट्ठइ सिय जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववट्ठइ, तेउलेसे उववज्जइ नो चेव णं तेउलेसे उववट्ठइ, एवं आउकाइया वणस्सइकाइयावि भाणियवा, से नूणं
 भंते! कण्हलेसे नील० काउ० तेउकाइए कण्हलेसे सु नीललेसे सु काउलेसे सु तेउकाइए सु उववज्जइ कण्ह० नील० काउलेसे उववट्ठइ जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववट्ठइ ?, हंता गो०! कण्ह०
 नील० काउलेसे तेउकाइए कण्ह० नील० काउलेसे सु तेउकाइए सु उववज्जइ सिय कण्हलेसे उव्वट्ठइ सिय नीललेसे उववट्ठति सिय काउलेसे उववट्ठइ सिय जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उवव-

दृड, एवं वाउकाइयबेइंदियतेइंदियचउरिंदियावि भाणियव्वा, से नूणं भंते ! कण्हलेसे जाव सुक्कलेसे पंचेंदियतिरिक्खजोणिए कण्हलेसेसु जाव सुक्कलेसेसु पंचेंदियतिरिक्खजोणिएसु उ-
 ववज्जइ०? पुच्छा, हंता गो०! कण्हलेसे जाव सुक्कलेसे पंचेंदियतिरिक्खजोणिए कण्हलेसेसु जाव सुक्कलेसेसु पंचेंदियतिरि० उववज्जइ सिय कण्हलेसे उववदृइ जाव सिय सुक्कलेसे उव-
 वदृइ सिय जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववदृइ, एवं मणूसेवि, वाणमंतरा जहा असुरकुमारा, जोइस्मियवेमाणियावि एवं चेव नवरं जस्स जल्लेसा, दोण्हवि चयणंति भाणियव्वं । २२२ ।
 कण्हलेसे णं भंते ! नेरइए कण्हलेसं नेरइयं पणिहाए ओहिणा सव्वओ समंता समभिलोएमाणे केवतियं खेत्तं जाणइ केवइयं खेत्तं पासइ?, गो०! णो बहुयं खेत्तं जाणइ णो बहुयं
 खेत्तं पासइ णो दूरं खेत्तं जाणइ णो दूरं खेत्तं पासइ इत्तरियमेव खेत्तं जाणइ इत्तरियमेव खेत्तं पासइ, से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ-कण्हलेसे णं नेरइए तं चेव जाव इत्तरियमेव खेत्तं
 पासइ?, गो०! से जहानामए केइ पुरिसे बहुसमरमणिजंसि भूमिभागंसि ठिच्चा सव्वओ समंता समलोएज्जा, तए णं से पुरिसे धरणितलगयं पुरिसं पणिहाए सव्वओ समंता समभि-
 लोएमाणे णो बहुयं खेत्तं जाव पासइ जाव इत्तरियमेव खेत्तं पासइ, से तेणट्टेणं गो०! एवं वुच्चइ-कण्हलेसे णं नेरइए जाव इत्तरियमेव खेत्तं पासइ, नीललेसे णं भंते ! नेरइए कण्हलेसं
 नेरइयं पणिहाय ओहिणा सव्वओ समंता समभिलोएमाणे केवतियं खेत्तं जाणइ केवतियं खेत्तं पासइ?, गो०! बहुतरागं खेत्तं जाणइ० पासइ दूरतरखेत्तं जाणइ० पासइ वितिमिरतरागं
 खेत्तं जाणइ० पासइ विसुद्धतरागं खेत्तं जाणइ० पासइ, से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ-नीललेसे णं नेरइए कण्हलेसं नेरइयं पणिहाय जाव विसुद्धतरागं खेत्तं जाणइ० पासइ?, गो०! से जहा-
 नामए केइ पुरिसे बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ पव्वयं दुरूहत्ता सव्वओ समंता समभिलोएज्जा तए णं से पुरिसे धरणितलगयं पुरिसं पणिहाय सव्वओ समंता समभिलोएमाणे
 बहुतरागं खेत्तं जाणइ जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ, से तेणट्टेणं गो०! एवं वुच्चइ-नीललेसे नेरइए कण्हलेसं जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ, काउलेस्से णं भंते ! नेरइए नीललेस्सं
 नेरइयं पणिहाय ओहिणा सव्वओ समंता समभिलोएमाणे केवतियं खेत्तं जाणइ० पासइ?, गो०! बहुतरागं खेत्तं जाणइ० पासइ जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ, से केणट्टेणं भंते ! एवं
 वु०-काउलेस्से णं नेरइए जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ?, गो०! से जहानामए केइ पुरिसे बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ पव्वयं दुरूहत्ता दोवि पाए उच्चाविया (वइत्ता) सव्वओ
 समंता समभिलोएज्जा तए णं से पुरिसे पव्वयगयं धरणितलगयं च पुरिसं पणिहाय सव्वओ समंता समभिलोएमाणे बहुतरागं खेत्तं जाणइ बहुतरागं खेत्तं पासइ जाव वितिमिरतरागं०
 पासइ, से तेणट्टेणं गो०! एवं वुच्चइ-काउलेस्से णं नेरइए नीललेस्सं नेरइयं पणिहाय तं चेव जाव विसुद्धतरागं खेत्तं जाणइ० पासइ । २२३ । कण्हलेसे णं भंते ! जीवे कइसु नाणेसु
 होज्जा?, गो०! दोसु वा तिसु वा चउसु वा नाणेसु होज्जा, दोसु होमाणे आभिणिबोहियसुयनाणे होज्जा, तिसु होमाणे आभिणिबोहियसुयनाणओहिनाणेसु होज्जा अहवा तिसु होमाणे
 आभिणिबोहियसुयनाणमणपज्जवनाणेसु होज्जा, चउसु होमाणे आभिणिबोहियसुयओहिमणपज्जवनाणेसु होज्जा, एवं जाव पण्हलेसे, सुक्कलेसे णं भंते ! जीवे कइसु नाणेसु होज्जा?,
 गो०! दोसु वा तिसु वा चउसु वा एगंमि वा होज्जा, दोसु होमाणे आभिणिबोहियनाणे एवं जहेव कण्हलेसाणं तहेव भाणियव्वं जाव चउहिं, एगंमि नाणे होज्जा, एगंमि केवल-
 नाणे होज्जा । २२४ ॥ १७ लेस्सापए उ० ३ ॥ 'परिणामवन्नरसगंधसुद्धअपसत्थसंकिल्हिट्ठुहा । गतिपरिणामपदेसोगाढवग्गणठाणाणमप्पबहुं ॥ २१० ॥ कइ णं भंते ! लेसाओ पं०?,
 गो०! छल्लेसाओ पं० तं०-कण्ह जाव सुक्कलेसा, से नूणं भंते ! कण्हलेसा नीललेसं पप्प तारूवत्ताए तावणत्ताए तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमति?, हंता गो०!
 कण्हलेस्सा नीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति, से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ-कण्हलेस्सा नीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति?, गो०! से जहाना-
 मए खीरे दूसिं पप्प सुद्धे वा वत्थे रागं पप्प तारूवत्ताए जाव ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमइ, से तेणट्टेणं गो०! एवं वुच्चइ-कण्हलेसा नीललेसं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ,
 एवं एतेणं अभिल्लावेणं नीललेसा काउलेसं पप्प काउ० तेउलेसं पप्प तेउ० पण्हलेसं पप्प पण्ह० सुक्कलेसं पप्प जाव भुज्जो २ परिणमइ, से नूणं भंते ! कण्हलेसा नीललेसं काउलेसं
 तेउलेसं पण्हलेसं सुक्कलेसं पप्प तारूवत्ताए जाव ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमइ?, हंता गो०! कण्हलेसा नीललेसं पप्प जाव सुक्कलेसं पप्प तारूवत्ताए जाव ताफास० भुज्जो २ परिण-
 मइ, से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ-कण्हलेसा नीललेसं जाव सुक्कलेसं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ?, गो०! से जहानामए वेरुलियमणी सिया कण्हसुत्ताए वा नील० वा
 लोहिय० हाल्लिइ० सुक्किल्लिइ० आइए समाणे तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ, से तेणट्टेणं एवं वुच्चइ-कण्हलेसा नीललेसं जाव सुक्कलेसं पप्प तारूवत्ताए० भुज्जो २ परिणमति, से नूणं
 भंते ! नीललेसा किण्हलेसं जाव सुक्कलेसं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ?, हंता गो०! एवं चेव, काउलेसा कण्हलेसं जाव सुक्कलेसं०?, एवं, तेउलेसा किण्ह० जाव सुक्क-
 लेसं०?, एवं, पण्हलेसा किण्ह० जाव सुक्कलेसं पप्प जाव भुज्जो २ परिणमइ?, हंता गो०! तं चेव, से नूणं भंते ! सुक्कलेसा किण्ह० जाव पण्हलेसं पप्प जाव भुज्जो २ परिणमइ?, हंता

गो०! तं चेव । २२५। कण्हलेसा णं भंते! वन्नेणं केरिसिया पं०?, गो०! से जहानामए जीमूतेइ वा अंजणेइ वा खंजणेइ वा कज्जलेइ वा गवलेइ वा गवलएइ वा जंबूफलेइ वा अद्दा-
 रिट्ठपुप्फेइ वा परपुट्टेइ वा भमरेइ वा भमरावलीइ वा गयकलभेइ वा किण्हकेसरेइ वा आगासथिग्गलेइ वा किण्हसोएइ वा कण्हकणवीरेइ वा कण्हबंधुजीवएइ वा, भवे एयारूवे?, गो०!
 णो इणट्ठे समट्ठे, कण्हलेस्सा णं इत्तो अणिट्ठयरिया चेव अकंतयरिया चेव अप्पियतरिया चेव अमणुन्नतरिया चेव अमणामतरिया चेव वन्नेणं पं०, नीललेस्सा णं भंते! केरिसिया वन्नेणं
 पं०?, गो०! से जहानामए भिंगएइ वा भिंगपत्तेइ वा चासेइ वा चासपिच्छएइ वा सुएइ वा सुयपिच्छेइ वा सामाइ वा वणराईइ वा उचंतएइ वा पारेवयगीवाइ वा मोरगीवाइ वा हल-
 हरवसणेइ वा अयसिकुसुमेइ वा वणकुसुमेइ वा अंजणकेसियाकुसुमेइ वा नीलुप्पलेइ वा नीलासोएइ वा नीलकणवीरेइ वा नीलबंधुजीवेइ वा, भवे एयारूवे?, गो०! णो इणट्ठे समट्ठे,
 एत्तो जाव अमणामयरिया चेव वन्नेणं पं०, काउ० णं भंते! केरिसिया वन्नेणं पं०?, गो०! से जहानामए खदिरसारेइ वा कंडरसारेइ वा धमाससारेइ वा तंबेइ वा तंबकरोडेइ वा तंव-
 च्छिवाडियाएइ वा वाइंगणिकुसुमेइ वा कोइलच्छदकुसुमेइ वा जवासाकुसुमेइ वा, भवे एयारूवे०?, गो०! णो इणट्ठे समट्ठे, काउलेसा णं एत्तो अणिट्ठयरिया चेव जाव अमणामयरिया
 चेव०, तेउलेस्सा णं भंते! केरिसिया वन्नेणं पं०?, गो०! से जहानामए ससरुहरेइ वा उरुभरुहरेइ वा वराहरुहरेइ वा संबरुहरेइ वा मणुस्सरुहरेइ वा इंदगोपेइ वा बालेंदगोपेइ वा
 बालदिवायरेइ वा संझारागेइ वा गुंजद्धरागेइ वा जातिहिंङ्गलेइ वा पवालंकुरेइ वा लक्खारसेइ वा लोहितक्खमणीइ वा किमिरागकंबलेइ वा गयतालुएइ वा चीणपिट्ठरासीइ वा पारिजा-
 यकुसुमेइ वा जासुमणकुसुमेइ वा किंसुयपुप्फरासीइ वा रत्तुप्पलेइ वा रत्तासोगेइ वा रत्तकणवीरेइ वा रत्तबंधुयजीवेइ वा, भवे एयारूवे?, गो०! णो इणट्ठे समट्ठे, तेउलेसा णं एत्तो इट्ठ-
 तरिया चेव जाव मणामतरिया चेव वन्नेणं पं०, पम्हले० भंते! केरिसिया वन्नेणं पं०?, गो०! से जहानामए चंपेइ वा चंपयच्छल्लीइ वा चंपयभेदेइ वा हालिहाइ वा हालिहगुलियाइ वा
 हालिहभेदेइ वा हरियालेइ वा हरियालगुलियाइ वा हरियालभेदेइ वा चिउरेइ वा चिउररागेइ वा सुवन्नसिप्पीइ वा वरकणगणिहसेइ वा वरपुरिसवसणेइ वा अल्लइकुसुमेइ वा चंपय-
 कुसुमेइ वा कण्णियारकुसुमेइ वा कुहंडयकुसुमेइ वा सुवण्णजूहियाइ वा सुहिरन्नियाकुसुमेइ वा कोरिंसल्लदामेइ वा पीतासोगेइ वा पीतकणवीरेइ वा पीतबंधुजीवएइ वा, भवे एयारूवे?,
 गो०! णो इणट्ठे समट्ठे, पम्हलेस्सा णं एत्तो इट्ठतरिया जाव मणामयरिया चेव वन्नेणं पं०, सुक्कलेस्सा णं भंते! केरिसिया वन्नेणं पं०?, गो०! से जहानामए अंकेइ वा संखेइ वा चंदेइ
 वा कुंदेइ वा दगेइ वा दगरएइ वा दधीइ वा दहिघणेइ वा खीरेइ वा खीरपूरएइ वा सुक्कच्छिवाडियाइ वा पेहुणमिंजियाइ वा धंतधोयरुप्पट्टेइ वा सारदबलाहएइ वा कुमुददलेइ वा
 पोंडरीयदलेइ वा सालिपिट्ठरासीति वा कुडगपुप्फरासीति वा सिंदुवारमल्लदामेइ वा सेयासोएइ वा सेयकणवीरेइ वा सेतबंधुजीवएइ वा, भवे एयारूवे०?, गो०! नो इणट्ठे समट्ठे, सुक्कलेसा णं
 एत्तो इट्ठतरिया चेव जाव मणुण्ण(णाम)यरिया चेव वन्नेणं पं०, एयाओ णं भंते! छल्लेसाओ कइसु वन्नेसु साहिज्जंति?, गो०! पंचसु वन्नेसु साहिज्जंति तं०-कण्हलेसा कालएणं वन्नेणं
 साहिज्जति नीललेस्सा नीलवन्नेणं० काउलेस्सा काललोहिणं० तेउलेस्सा लोहिणं० पम्हलेस्सा हालिहएणं० सुक्कलेस्सा सुक्किल्लएणं वन्नेणं साहिज्जति । २२६। कण्हलेस्सा णं भंते! केरि-
 सिया आसाएणं पं०?, गो०! से जहानामए निंबेइ वा निंबसारेइ वा निंबच्छल्लीइ वा निंबफाणिएइ वा कुडएइ वा कुडगफलएइ वा कुडगच्छल्लीइ वा कुडगफाणिएइ वा कडुगतुंबीइ वा
 कडुगतुंबिफलेइ वा खारतउसीइ वा खारतउसीफलेइ वा देवदालीति वा देवदालीपुप्फेइ वा मिगवालुंकीइ वा मियवालुंकीफलेइ वा घोसाडएइ वा घोसाडियाफलेइ वा कण्हकंदेइ वा वज्ज-
 कंदएइ वा, भवे एयारूवे०?, गो०! णो इणट्ठे समट्ठे, कण्हलेसा णं एत्तो अणिट्ठतरिया चेव जाव अमणामयरिया चेव आसाएणं पं०, नीललेसाए पुच्छा, गो०! से जहानामए भंगीति वा
 भंगीरएइ वा पाढाइ वा चवियाइ वा चित्तामूलएइ वा पिप्पलीइ वा पिप्पलीमूलएइ वा पिप्पलीचुण्णेइ वा मिरिएइ वा मिरियचुण्णेइ वा सिंगबेरेइ वा सिंगबेरचुण्णेइ वा, भवे एयारूवे?,
 गो०! णो इणट्ठे समट्ठे, नीललेस्सा णं एत्तो जाव अमणामतरिया चेव आसाएणं पं०, काउलेस्साए पुच्छा, गो०! से जहानामए अंबाण वा अंबाडगाण वा माउलिगाण वा बिह्ठाण वा
 कविट्ठाण वा भज्जाण वा फणसाण वा दाडिमाण वा पारेवताण वा अक्खोडयाण वा बोराण वा तिंदुयाण वा अपक्काणं अपरिवागाणं वन्नेणं अणुववेयाणं गंधेणं अणु० फासेणं अणु०,
 भवे एयारूवे?, णो इणट्ठे समट्ठे, जाव एत्तो अमणामयरिया चेव काउ० अस्साएणं पं०, तेऊणं पुच्छा, गो०! से जहानामए अंबाण वा जाव तिंदुयाण पक्काणं परियावण्णाणं वन्नेणं
 उववेयाणं पसत्थेणं जाव फासेणं जाव एत्तो मणामयरिया चेव तेऊ आसाएणं पं०, पम्हलेस्साए पुच्छा, गो०! से जहानामए चंदप्पभाइ वा मणसिलाइ वा वरसीधूइ वा वरवारुणीइ
 वा पत्तासवेइ वा पुप्फासवेइ वा फलासवेइ वा चोयासवेइ वा आसवेइ वा महुइ वा मेरएइ वा कविसायणेइ वा खजूरसारेइ वा मुहियासारेइ वा सुपक्खोतरसेइ वा अट्ठपिट्ठणिट्ठियाइ
 वा जंबूफलकलियाइ वा वरप्पसन्नाइ वा आसला मंसला पेसला ईसिं ओट्ठवलंबिणी इंसिं वोच्छेदकडुई ईसिं तंबच्छि करणी उक्कोसमदपत्ता वन्नेणं उववेया जाव फासेणं आसायणिज्जा

विसायणिजा पीणणिजा बिंहणिजा दीवणिजा दप्पणिजा मदणिजा सब्बेदियगायपल्हायणिजा, भवे एयारूवा०?, गो०! णो इणट्टे समट्टे, पम्हलेस्सा एत्तो इट्ठतरिया चेव जाव मणा-
 मयरिया चेव आसाएणं पं०, सुक्कले० भंते! केरिसिया अस्साएणं पं०?, गो०! से जहानामए गुलेइ वा खंडेइ वा सक्कराइ वा मच्छंडियाइ वा पप्पडमोदएइ वा भिसकंदेइ वा पुप्फु-
 त्तराइ वा पउमुत्तराइ वा आदंसियाइ वा सिद्धत्थियाइ वा आगासफालितोवमाइ वा अणोवमाइ वा, भवे एयारूवा०?, गो०! णो इणट्टे समट्टे, सुक्कलेस्सा एत्तो इट्ठतरिया चेव० पियतरिया
 चेव० मणामयरिया चेव असाएणं पं० । २२७। कइ णं भंते! लेस्साओ दुब्भिगंधाओ पं०?, गो०! तओ लेस्साओ दुब्भिगंधाओ पं० तं०-कण्ह० नील० काउलेस्सा, कइ णं भंते!
 लेस्साओ सुब्भिगंधाओ पं०?, गो०! तओ लेस्साओ सुब्भिगंधाओ पं० तं०-तेउ० पम्ह० सुक्क०, एवं तओ अविमुद्धाओ तओ विमुद्धाओ तओ अप्पसत्थाओ तओ पसत्थाओ तओ
 संकिलिट्ठाओ तओ असंकिलिट्ठाओ तओ सीतलुक्खाओ तओ निद्धुण्हाओ तओ दुग्गतिगामियाओ तओ सुगतिगामियाओ । २२८। कण्हलेस्सा णं भंते! कतिविहं परिणामं परिण-
 मति?, गो०! तिविहं वा नवविहं वा सत्तावीसविहं वा एक्कासीतिविहं वा बेतेयालीसतिविहं वा बहुयं वा बहुविहं वा परिणामं परिणमइ, एवं जाव सुक्कलेसा, कण्हलेसा णं भंते! कति-
 पदेसिया पं०?, गो०! अणंतपदेसिया पं०, एवं जाव सुक्कलेसा, कण्हलेसा णं भंते! कइपएसोगाढा पं०?, गो०! असंखेजपएसोगाढा पं०, एवं जाव सुक्कलेस्सा, कण्हलेस्साए णं भंते!
 केवतियाओ वग्गणाओ पं०?, गो०! अणंताओ वग्गणाओ, एवं जाव सुक्कलेस्साए । २२९। केवतिया णं भंते! कण्हलेस्साणं ठाणा पं०?, गो०! असंखेजा कण्हलेस्साणं ठाणा पं०,
 एवं जाव सुक्कलेस्सा, एएसिं णं भंते! कण्हलेस्साठाणाणं जाव सुक्कलेस्साठाणाण य जहन्नगाणं दव्वट्टयाए पएसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कतरे०?, गो०! सब्बत्थोवा जहन्नगा काउ-
 लेस्साठाणा दव्वट्ट० जहन्नगा नील० दव्वट्टयाए असंखे० जहन्नगा कण्ह० दव्व० असं० जहन्नतेउ० दव्व० असं० जहन्नगा पम्ह० दव्व० असं० जहन्नगा सुक्क० दव्व० असं० पएसट्ट-
 याए सब्बत्थोवा जहन्नगा काउलेसाठाणा पएस० जहन्नगा नील० पएस० असं० जहन्नगा कण्ह० पएस० असं० जहन्नतेउठाणा पएस० असं० जहन्नगा पम्ह० पएस० असं०
 जहन्नगा सुक्क० पएस० असं० दव्वट्टपएसट्टयाए सब्बत्थोवा जहन्नगा काउ० दव्व० जहन्नगा नील० दव्व० असं० एवं कण्ह० तेउ० पम्ह० जहन्नगा सुक्क० दव्व० असं० जहन्नएहिंतो
 सुक्कलेस्साठाणेहिंतो दव्वट्ट० जह० पएस० असं० जहन्नया नील० पएस० असं० एवं जाव सुक्कलेस्साठाणा, एतेसिं णं कण्हलेस्साठाणाणं जाव सुक्कलेसाठाणाण य उक्कोसगाणं
 दव्वट्ट० पएस० दव्वट्टपएसट्टयाए कयरे०?, गो०! सब्बत्थोवा उक्कोसगा काउलेस्साठाणा दव्वट्टयाए उक्कोसगा नील० दव्वट्टयाए असंखे०, एवं जहेव जहन्नगा तहेव उक्कोसगावि नवरं
 उक्कोसत्ति अभिलावो, एतेसिं णं भंते! कण्हलेस्साठाणाण जाव सुक्कलेस्साठाणाण य जहन्नउक्कोसगाणं दव्वट्टयाए पएसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कतरे०?, गो०! सब्बत्थोवा जहन्नगा
 काउलेसठाणा दव्वट्टयाए जहन्नया नील० दव्व० असं० एवं कण्हतेउपम्ह० जह० सुक्कलेसठाणा दव्व० असं० जहन्नएहिंतो सुक्कलेसठाणेहिंतो दव्व० उक्कोसा काउलेसठाणा दव्व-
 ट्टयाए असं० उक्कोसा नील० दव्व० असं० एवं कण्हतेउपम्ह० उक्को० सुक्कलेसाठाणा दव्व० असं० पएसट्टयाए सब्बत्थोवा जहन्नगा काउलेसठाणा पएस० जहन्नगा नील० पएस०
 असंखे० एवं जहेव दव्वट्टयाए तहेव पएसट्टयाएवि भाणियव्वं, नवरं पएसट्टयाएत्ति अभिलावविसेसो, दव्वट्टपएसट्टयाए सब्बत्थोवा जहन्नगा काउलेसठाणा दव्वट्टयाए जहन्नगा नील०
 दव्व० असं० एवं कण्हतेउपम्ह० जहन्नया सुक्क० दव्व० असं० जहन्नएहिंतो सुक्कलेसाठाणेहिंतो दव्वट्टयाए उक्कोसा काउ० दव्व० असं० उक्कोसा नील० दव्व० असं० एवं कण्हतेउपम्ह०
 उक्कोसगा सुक्क० दव्व० असं० उक्कोसएहिंतो सुक्क० दव्वट्ट० जहन्नगा काउ० पएसट्टयाए अणंतगुणा जहन्नगा नील० पएस० असं० एवं किण्हतेउपम्ह० जहन्नगा सुक्कलेस०
 असं० जहन्नएहिंतो सुक्कलेसाठाणेहिंतो पएस० उक्को० काउ० पएस० असं० उक्कोसया नील० पएस० असं० एवं किण्हतेउपम्ह० उक्कोसया सुक्कलेसाठाणा पएसट्टयाए असं०
 । २३० ॥ १७ लेसापए उ० ४ ॥ कइ णं भंते लेस्साओ पं०?, गो०! छ लेसाओ पं० तं०-कण्हलेसा जाव सुक्क०, से नूणं भंते! कण्हलेस्सा नीललेसं पप्प तारूवत्ताए जाव ताफास-
 त्ताए भुज्जो २ परिणमति इत्तो आढत्तं जहा चउत्थओ उद्देसओ तहा भाणियव्वं जाव वेरुलियमणिदिट्ठंतोत्ति, से नूणं भंते! कण्हलेसा नीललेसं पप्प णो तारूवत्ताए जाव णो ताफा-
 सत्ताए भुज्जो २ परिणमइ?, हुंता गो०! कण्ह० नीललेस्सं पप्प णो तारूवत्ताए जाव णो ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमति, से केणट्टेणं भंते! एवं वुच्चइ?, गो०! आगारभावमायाए
 वा से सिया पलिभागभावमायाए वा से सिया, कण्ह० णं सा, णो खलु सा नीला, तत्थ गया ओसक्कइ उस्सक्कइ वा, से तेणट्टेणं गो०! एवं वुच्चइ-कण्ह० नील० पप्प णो तारूवत्ताए जाव
 भुज्जो २ परिणमति, से नूणं भंते! नील० काउलेसं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति?, हुंता गो०! नील० काउलेसं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति, से केण-
 ट्टेणं भंते! एवं वुच्चइ-नील० काउलेसं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति?, गो०! आगारभावमायाए वा से सिता पलिभागभावमायाए वा से सिता नीला णं सा णो खलु सा
 काउ, तत्थ गया ओसक्कइ उस्सक्कति वा, से एएणट्टे०?, गो०! एवं वुच्चइ-नील० काउलेसं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति, एवं काउ० तेउलेसं पप्प तेउ० पम्हं (१८६)

पप्प पम्हा सुक्क० पप्प, से नूनं भंते ! सुक्का पम्हं पप्प णो तारूवत्ताए जाव परिणमति ?, हंता गो० ! सुक्का तं चेव, से केणट्टेणं भंते ! एवं बुच्चति-सुक्का जाव णो परिणमति ?, गो० ! आगारभावमायाए वा जाव सुक्का णं सा, णो खलु सा पम्हा, तत्थ गया ओसक्कइ० से तेणट्टेणं गो० ! एवं बुच्चइ-जाव णो परिणमइ ॥ २३१ ॥ १७ लेसापए उ० ५ ॥ कति णं भंते ! लेसा पं० ?, गो० ! छ लेसा पं० तं०-कण्ह जाव सुक्क०, मणुस्साणं भंते ! कइ लेसा पं० ?, गो० ! छ लेस्साओ पं० तं०-कण्ह० जाव सुक्क०, मणुस्सीणं० छहेस्साओ पं० तं०-कण्ह जाव सुक्का, कम्मभूमयमणुस्साणं० छ पं० तं०-कण्ह जाव सुक्का, एवं कम्मभूमयमणुस्सीणवि, भरहेरवयमणुस्साणं० छ पं० तं०-कण्ह जाव सुक्का, एवं मणुस्सीणवि, पुव्वविदे-हअवरविदेहकम्मगमणु० ?, गो० ! छ लेसाओ कण्ह० जाव सुक्क०, एवं मणुस्सीणवि, अकम्मभूमयमणुस्साणं० ? चत्तारि लेसाओ पं० तं०-कण्ह जाव तेउ०, एवं अकम्मभूमिगमणुस्सी-णवि, एवं अंतरदीवमणुस्साणं अंतर० मणुस्सीणवि, एवं हेमवयएरन्नवयमणुस्साणं मणुस्सीण य, गो० ! चत्तारि पं० तं०-कण्ह जाव तेउ०, हरिवासरम्मयअकम्ममणुस्साणं मणुस्सीण य चत्तारि, तं०-कण्ह जाव तेउ०, देवकुरुउत्तरकुरुअकम्ममणुस्सा एवं चेव, एतेसिं चेव मणुस्सीणं एवं चेव, धायइसंडपुरिमदेवि एवं चेव, पच्छिमदेवि, एवं पुक्खरदीवेवि भाणियव्वं, कण्हलेसे णं भंते ! मणुस्से कण्हलेसे गब्भं जणेज्जा ?, हंता गो० ! जणेज्जा, कण्हले० मणुस्से नीललेसं गब्भं जणेज्जा ?, हंता गो० ! जणेज्जा, जाव सुक्कलेसं गब्भं जणेज्जा, नीललेसे मणुस्से कण्हलेसं गब्भं जणेज्जा ?, हंता गो० ! जणेज्जा, एवं नील० मणुस्से जाव सुक्कलेसं गब्भं जणेज्जा, एवं काउलेसेण छप्पि आलावगा भाणियव्वा, तेउ० पम्ह० सुक्कलेसाणवि, एवं छत्तीसं आलावगा भा०, कण्ह० इत्थिया कण्हलेसं गब्भं जणेज्जा ?, हंता गो० ! जणेज्जा, एवं एतेवि छत्तीसं आलावगा भाणियव्वा, कण्हलेसे भंते ! मणुस्से कण्हलेसाए इत्थियातो कण्हलेसं गब्भं जणेज्जा ?, हंता गो० ! जणेज्जा, एवं एते छत्तीसं आलावगा, कम्मभूमगकण्हलेसे णं भंते ! मणुस्से कण्ह० इत्थियाए कण्हलेसं गब्भं जणेज्जा ?, हंता गो० ! जणेज्जा, एवं एते छत्तीसं, अकम्मभूमयकण्ह० मणुस्से कण्ह० इत्थियाए अकम्मभूमयकण्हलेसं गब्भं जणेज्जा ?, हंता गो० ! जणेज्जा, नवरं चउसु लेसासु सोलस आलावगा, एवं अंतरदीवगाणवि ॥ २३२ ॥ उ० ६ लेस्सापदं १७ ॥ 'जीव गइंदिय काए जोए वेए कसाय लेसा य । सम्मत्त णाण दंसण संजय उवओग आहारे ॥ २११ ॥ भासग परित्त पज्जत्त सुहुम सन्नी भव-इत्थि चरिमे य । एतेसिं तु पदाणं कायठिई होइ णायव्वा ॥ २१२ ॥ जीवे णं भंते ! जीवेत्ति कालतो केवचिरं होइ ?, गो० ! सब्बद्वं, दारं ? । नेरइए णं भंते ! नेरइएत्ति कालओ केचिरं होइ ?, गो० ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, तिरिक्खजोणिए णं भंते ! तिरिक्खजोणिएत्ति कालओ केवचिरं होइ ?, गो० ! जह० अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालतो खेत्तओ अणंता लोगा असंखेज्जपोग्गलपरियट्ठा ते णं पुग्गलपरियट्ठा आवलियाए असंखिज्जइभागे, तिरिक्खजोणिणी णं भंते ! तिरिक्खजोणिणित्ति कालओ केवचिरं होइ ?, गो० ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियाइं, एवं मणुस्सेवि, मणुस्सीवि एवं चेव, देवे णं भंते ! देवेत्ति कालओ केवचिरं होइ ?, गो० ! जहेव नेरइए, देवी णं भंते ! देवित्ति कालतो केवचिरं होइ ?, गो० ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं पणवन्नं पलिओवमाइं, सिद्धे णं भंते ! सिद्धेत्ति कालतो केवचिरं होइ ?, गो० ! सादिए अपज्जवसिए, नेरइए णं भंते ! नेरइयअपज्जत्तएत्ति कालतो केवचिरं होइ ?, गो० ! जहन्नेणवि उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, एवं जाव देवी अपज्जत्तिया, नेरइयपज्जत्तए णं भंते ! नेरइयपज्जत्तएत्ति कालतो केवचिरं होइ ?, गो० ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतो-मुहुत्तूणाइं, तिरिक्खजोणियपज्जत्तए णं भंते ! तिरिक्खजोणियपज्जत्तएत्ति कालतो केवचिरं होइ ?, गो० ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्को० तिन्नि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं, एवं ति-रिक्खजोणिणीपज्जत्तियावि, एवं मणुस्सेवि मणुस्सीवि, एवं चेव देवपज्जत्तए जहा नेरइयपज्जत्तए, देवीपज्जत्तिया णं भंते ! देवीपज्जत्तियत्ति कालतो केवचिरं होइ ?, गो० ! जह० दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं उक्को० पणपन्नं पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । दारं २ । २३३ । सइंदिए णं भंते ! सइंदिएत्ति कालतो केवचिरं होइ ?, गो० ! सइंदिए दुविहे पं० तं०-अणा-इए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्जवसिए, एगिंदिए णं भंते ! एगिंदिएत्ति कालतो केवचिरं होइ ?, गो० ! जह० अंतोमुहुत्तं उक्को० अणंतं कालं वणस्सइकालो, बेइंदिए णं भंते ! बेइंदिएत्ति कालतो केवचिरं होइ ?, गो० ! जह० अंतो० उक्को० संखेज्जं कालं, एवं तेइंदियचउरिंदिएवि, पंचिंदिए णं भंते ! पंचिंदिएत्ति कालतो केवचिरं होइ ?, गो० ! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसहस्सं साइरेगं, अणिंदिए णं पुच्छा, गो० ! साइए अपज्जवसिए, सइंदियअपज्जत्तए णं भंते ! पुच्छा, गो० ! जह० उक्को० अंतो०, एवं जाव पंचिंदियअपज्जत्तए, सइ-दियपज्जत्तए णं भंते ! सइंदियपज्जत्तएत्ति कालतो केवचिरं होइ ?, गो० ! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसतपुहुत्तं सातिरेगं, एगिंदियपज्जत्तए णं भंते ! पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० संखेज्जाइं वाससहस्साइं, बेइंदियपज्जत्तए णं पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० संखेज्जाइं राइंदि-

याइं, चउरिंदियपज्जत्तए णं भंते! पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० संखेजा मासा, पंचिंदियपज्जत्तए णं भंते! पंचिंदियपज्जत्तएत्ति कालतो केवचिरं होइ?, गो०! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसयपुहुत्तं। दारं ३। २३४। सकाइए णं भंते! सकाइएत्ति कालतो केवचिरं होइ?, गो०! सकाइए दुविहे पं० तं०-अणाइए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्जवसिए, पुढवीकाइए णं पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० असंखेजं कालं असंखेजाओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालतो खेत्ततो असंखेजा लोगा, एवं आउतेउवाउकाइयावि, वणस्सइकाइयाणं पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० अणंतं कालं अणंताओ उस्सप्पिणीअवसप्पिणिओ कालओ खेत्तओ अणंता लोगा असंखेजा पुग्गलपरियट्ठा ते णं पुग्गलपरियट्ठा आवलियाए असंखेजइभागो, तसकाइए णं भंते! पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० दो सागरोवमसहस्साइं संखेजवासमब्भहियाइं, अकाइए णं भंते! पुच्छा, गो०! अकाइए सादिए अपज्जवसिए, सकाइयअपज्जत्तए णं पुच्छा, गो०! जह० उक्को० अंतो०, एवं जाव तसकाइयअपज्जत्तए, सकाइयपज्जत्तए पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसयपुहुत्तं सातिरेगं, पुढवीकाइयपज्जत्तए पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० संखेजाइं वाससहस्साइं, एवं आऊवि, तेउकाइयपज्जत्तए पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० संखेजाइं राइंदियाइं, वाउकाइयपज्जत्तए णं पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० संखेजाइं वाससहस्साइं, वणस्सइकाइयपज्जत्तए पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० संखेजवाससहस्साइं, तसकाइयपज्जत्तए पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसयपुहुत्तं सातिरेगं। दारं ४। २३५। सुहुमे णं भंते! सुहुमेत्ति कालतो केवचिरं होति?, गो०! जह० अंतो० उक्को० असंखेजं कालं असंखेजाओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालतो खेत्ततो असंखेजा लोगा, सुहुमपुढवीकाइते सुहुमआउ० सुहुमतेउ० सुहुमवाउ० सुहुमवणप्फइकाइते सुहुमनिगोदेवि जह० अंतोमुहुत्तं उक्को० असंखेजं कालं असंखिजाओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालतो खेत्ततो असंखेजा लोगा, सुहुमे णं भंते! अपज्जत्तएत्ति पुच्छा, गो०! जह० उ० अंतोमुहुत्तं, पुढवीआउतेउवाउवणप्फइकाइयाण य एवं चेव, पज्जत्तयाणवि एवं चेव जहा ओहियाणं, बादरे णं भंते! बादरेत्ति कालतो केवचिरं होति?, गो०! जह० अंतो० उक्को० असंखेजं कालं असंखेजाओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालओ खेत्तओ अंगुलस्स असंखेजतिभागं, बादरपुढवीकाइए णं भंते! पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० सत्तरिसागरोवमकोडाकोडीतो, एवं बादरआउकाइएवि जाव बादरतेउकाइएवि बादरवाउकाइएवि, बादरवणप्फइकाइते बादर० पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० असंखेजं कालं जाव खेत्तओ अंगुलस्स असंखेजतिभागं, पत्तेयसरीरबादरवणप्फइकाइए णं भंते! पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० सत्तरि सागरोवमकोडाकोडीतो, निगोदे णं भंते! निगोएत्ति केवचिरं होति?, गो०! जह० अंतो० उक्को० अणंताओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालतो खेत्ततो अइढाइजा पुग्गलपरियट्ठा, बादरनिगोदे णं भंते! बादर० पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० सत्तरि सागरोवमकोडाकोडीतो, बादरतसकाइया णं भंते! बादरतसकाइयत्ति कालओ केवचिरं होइ?, गो०! जह० अंतो० उक्को० दो सागरोवमसहस्साइं संखेजवासमब्भहियाइं, एतेसिं चेव अपज्जत्तगा सबेवि जह० उक्को० अंतो०, बादरपज्जत्ते णं भंते! बादरपज्जत्त० पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसतपुहुत्तं सातिरेगं, बादरपुढवीकाइयपज्जत्तए णं भंते! बादर० पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० संखिजाइं वाससहस्साइं, एवं आउकाइएवि, तेउकाइयपज्जत्तए णं भंते! तेउकाइयपज्ज० पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० संखिजाइं राइंदियाइं, वाउकाइयवणस्सइकाइयपत्तेयसरीरबादरवणप्फइकाइते पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० संखेजाइं वाससहस्साइं, निगोयपज्जत्तए बादरनिगोदपज्जत्तएत्ति पुच्छा, गो०! दोण्हवि जह० अंतो० उक्को० अंतो०, बादरतसकाइयपज्जत्तए णं भंते! बादरतसकाइयपज्जत्तएत्ति कालतो केवचिरं होति?, गो०! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसतपुहुत्तं सातिरेगं। दारं ५। २३६। सजोगी णं भंते! सजोगित्ति काल०?, गो०! सजोगी दुविहे पं० तं०-अणादीए वा अपज्जवसिते अणादीए वा सपज्जवसिते, मणजोगी णं भंते! मणजोगित्ति कालतो०?, गो०! ज० एकं समयं उक्को० अंतो०, एवं वइजोगीवि, कायजोगी णं भंते! काल०?, गो०! जह० अंतो० उक्को० वणप्फइकालो, अजोगी णं भंते! अजोगित्ति कालओ केवचिरं होति?, गो०! सादीए अपज्जवसिते। दारं ६। २३७। सवेदए णं भंते! सवेदएत्ति०?, गो०! सवेदए तिविधे पं० तं०-अणादीए वा अपज्जवसिते अणादीए वा सपज्जवसिए सादीए वा सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से सादीए सपज्जवसिए से जह० अंतो० उक्को० अणंतं कालं अणंताओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालतो खेत्ततो अवइढं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं, इत्थिवेदे णं भंते! इत्थिवेदेत्ति काल०?, गो०! एगेणं आदेसेणं जह० एकं समयं उक्को० दसुत्तरं पलिओवमसतं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियं एगेणं आदेसेणं जह० एगं समयं उक्को० अट्टारस पलितोवमाइं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियाइं एगेणं आदेसेणं जह० एगं समयं उक्को० चउइस पलिओवमाइं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियाइं एगेणं आदेसेणं जह० एगं समयं उक्को० पलिओवमसतं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियं एगेणं आदेसेणं जह० एगं समयं उक्को० पलितोवमपुहुत्तं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियं, पुरिसवेदे णं भंते! पुरिसवेदेत्ति०?, गो०! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसत-

पुहुत्तं सातिरेगं, नपुंसगवेए णं भंते ! नपुंसगवेदेत्ति पुच्छा, गो० ! जह० एगं समयं उक्को० वणस्सइकालो, अवेदए णं भंते ! अवेदएत्ति पुच्छा, गो० ! अवेदे दुविधे पं० तं०-सादीए वा अपज्जवसिए साइए वा सपज्जवसिते, तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिते से जह० एगं समयं उक्को० अंतो० । दारं ६ । २३८ । सकसाई णं भंते ! सकसादित्ति काल०?, गो० ! सकसाती तिविधे पं० तं०-अणादीए वा अपज्जवसिते अणादीए वा सपज्जवसिते सादीए वा सपज्जवसिते जाव अवड्ढं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं, कोहकसाई णं भंते ! पुच्छा, गो० ! जह० उक्को० अंतोमुहुत्तं, एवं जाव माणमायकसातीणं, लोभकसाई णं भंते ! लोभ० पुच्छा, गो० ! जह० समयं उक्को० अंतो०, अकसाई णं भंते ! अकसादित्ति०?, गो० ! अकसादी दुविधे पं० तं०-सादीए वा अपज्जवसिते सादीए वा सपज्जवसिते, तत्थ णं जे से सादिए सपज्जवसिते से जह० एगं समयं उक्को० अंतो० । दारं ७ । २३९ । सलेसे णं भंते ! सलेसेत्ति पुच्छा, गो० ! सलेसे दुविधे पं० तं०-अणादीए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्जवसिते, कण्हलेसे०त्ति कालतो केवचिरं होइ?, गो० ! जह० अंतो० उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भ-हियाइं, नीललेसे णं भंते ! नीललेसेत्ति० पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० दस सागरोवमाइं पलितोवमासंखिज्जइभागमब्भहियाइं, काउलेसे णं पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० तिणिण सागरोवमाइं पलितोवमासंखिज्जतिभागमब्भहियाइं, तेउलेसे णं पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० दो सागरोवमाइं पलितोवमासंखिज्जतिभागमब्भहियाइं, पम्हलेसे णं पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, सुक्कलेसे णं पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, अलेसे णं पुच्छा, गो० ! सादीए अपज्जवसिते । दारं ८ । २४० । सम्मदिट्ठी णं भंते ! सम्मदिट्ठित्ति काल०?, गो० ! सम्मदिट्ठी दुविधे पं० तं०-सादीए वा अपज्जवसिते सादीए वा सपज्जवसिते, तत्थ णं जे से सादीए सपज्जवसिते से जह० अंतो० उक्को० छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं, मिच्छादिट्ठी णं भंते ! पुच्छा, गो० ! मिच्छादिट्ठी तिविधे पं० तं०-अणाइए वा अपज्जवसिए अणादीए वा सपज्जवसिए सादीए वा सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से सादीए सपज्जवसिते से जह० अंतो० उक्को० अणंतं कालं अणंताओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालतो खेत्ततो अवड्ढं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं, सम्मामिच्छादिट्ठी णं पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० अंतो० । दारं ९ । २४१ । णाणी णं भंते ! णाणित्ति काल०?, गो० ! णाणी दुविधे पं० तं०-सातीते वा अपज्जवसिते साइए वा सपज्जवसिते, तत्थ णं जे से सादीए सपज्जवसिते से जह० अंतो० उक्को० छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं, आभिनिबोहियणाणी णं पुच्छा, गो० ! एवं चेव, एवं सुयणाणीवि, ओहिनाणीवि एवं चेव नवरं जह० एगं समयं, मणपज्जवणाणी णं भंते ! मणपज्जवणाणित्ति कालतो०?, गो० ! जह० एगं समयं उक्को० देसूणा पुव्वकोडी, केवल-णाणी णं पुच्छा, गो० ! सातिए अपज्जवसिते, अण्णाणी मतिअण्णाणी सुतअण्णाणी पुच्छा, गो० ! अण्णाणी मइअण्णाणी सुयअन्नाणी तिविधे पं० तं०-अणाइए वा अपज्जवसिए अणादीए वा सपज्जवसिते सादीए वा सपज्जवसिते, तत्थ णं जे से सादीए सपज्जवसिते से जह० अंतो० उक्को० अणंतं कालं अणंताओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालतो खेत्तओ अवड्ढपोग्गलप-रियट्ठं देसूणं, विभंगणाणी णं भंते ! पुच्छा, गो० ! जह० एगं समयं उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं देसूणाते पुव्वकोडीते अब्भहिताइं । दारं १० । २४२ । चक्खुदंसणी णं भंते ! पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसहस्सं सातिरेगं, अचक्खुदंसणी णं भंते !, गो० ! अचक्खुदंसणी दुविधे पं० तं०-अणादीए वा अपज्जवसिते अणादीए वा सपज्जवसिए, ओहिदं-सणी णं पुच्छा, गो० ! जह० एगं समयं उक्को० दो छावट्ठीओ सागरोवमाणं साइरेगाओ, केवलदंसणी णं पुच्छा, गो० ! सातीए अपज्जवसिते । दारं ११ । २४३ । संजए णं भंते ! संजतेत्ति पुच्छा, गो० ! जह० एगं समयं उक्को० देसूणं पुव्वकोडिं, असंजते णं भंते ! असंजएत्ति पुच्छा, गो० ! असंजते तिविधे पं० तं०-अणातीए वा अपज्जवसिते अणातीए वा सपज्जवसिते सातीए वा सपज्जवसिते, तत्थ णं जे से सातीए सपज्जवसिते से जह० अंतो० उक्को० अणंतं कालं अणंताओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालओ खेत्ततो अवड्ढं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं, संजतासंजते णं पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० देसूणं पुव्वकोडिं, नोसंजतनोअसंजतनोसंजतासंजते णं पुच्छा, गो० ! सादीए अपज्जवसिते । दारं १२ । २४४ । सागारोवओगोवउत्ते णं भंते ! पुच्छा, गो० ! जह० उक्को० अंतो०, अणागारोवउत्तेवि एवं चेव । दारं १३ । २४५ । आहारए णं भंते ! पुच्छा, गो० ! आहारए दुविधे पं० तं०-छउमत्थआहारए य केवलि-आहारए य, छउमत्थ० णं भंते ! गो० ! जह० खुड्ढागभवग्गहणं दुसमयऊणं उक्को० असंखेज्जं कालं असंखेज्जाओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालतो खेत्ततो अंगुलस्स असं-खेज्जतिभागं, केवलिआहारए णं भंते ! केवलिआहारएत्ति कालतो०?, गो० ! जह० अंतो० उक्को० देसूणं पुव्व०, अणाहारए णं भंते ! अणाहारएत्ति०?, गो० ! अणाहारए दुविधे पं० तं०-छउमत्थअणाहारए य केवलिअणाहारए य, छउमत्थ० णं भंते ! पुच्छा, गो० ! जह० एगं समयं उक्को० दो समया, केवलिअणाहारए णं भंते !, गो० ! केवलिअणाहारए दुविधे पं० तं०-सिद्धकेवलिअणाहारए य भवत्थकेवलि० य, सिद्धकेवलि० णं पुच्छा, गो० ! सादीए अपज्जवसिए, भवत्थकेवलि० णं भंते ! पुच्छा, गो० ! दुविधे पं० तं०-सजो-

गिभवत्थके० अजोगिभवत्थकेवल्लि० य, सजोगिभवत्थके० णं भंते ! पुच्छा, गो० ! अजहण्णमणुक्कोसेणं तिण्णि समया, अजोगिभवत्थकेवल्लिअणाहारए णं पुच्छा, गो० ! जह० उक्को० अंतो० । दारं १४ । २४६ । भासए णं पुच्छा, गो० ! २ जह० एगं समयं उक्को० अंतो०, अभासए णं पुच्छा, गो० ! २ तिविधे पं० तं०-अणाइए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्जवसिए साइए वा सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से साइए वा सपज्जवसिते से जह० अन्तो० उ० वणस्सइकालो । दारं १५ । २४७ । परित्तए णं पुच्छा, गो० ! २ दुविहे पं० तं०-कायपरित्ते य संसार० य, काय० णं पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० असं० पुढवीकालो असंखेज्जाओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीतो, संसारपरित्ते णं पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० अणंतं कालं जाव अवड्ढं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं, अपरित्ते णं पुच्छा, गो० ! २ दुविहा पं० तं०-कायअपरित्ते य संसारअ०, कायअपरित्ते णं पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, संसारअपरित्ते णं पुच्छा, गो० ! २ दुविहे पं० तं०-अणादीए वा सपज्जवसिते अणादीए वा अपज्जवसिते, नोपरित्तेनोअपरित्ते णं पुच्छा, गो० ! सादीए अपज्जवसिते । दारं १६ । २४८ । पज्जत्तए णं पुच्छा, गो० ! जह० अन्तो० उक्को० सागरोवमसतपुहुत्तं सातिरेगं, अपज्जत्तए णं पुच्छा, गो० ! जह० उक्को० अंतो०, नोपज्जत्तएनोअपज्जत्तए णं पुच्छा, गो० ! सादीए अपज्जवसिते । दारं १७ । २४९ । सुहुमे णं भंते ! सुहुमिप्पि पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० पुढवीकालो, बादरे णं पुच्छा, गो० ! जह० अन्तो० उक्को० असंखेज्जं कालं जाव खेत्तओ अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं, नोसुहुमनोबादरे णं पुच्छा, गो० ! सादीए अपज्जवसिते । दारं १८ । २५० । सण्णी णं भंते ! पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसतपुहुत्तं सातिरेगं, असण्णी णं पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, नोसण्णीनोअसण्णी णं पुच्छा, गो० ! सादीए अपज्जवसिते । दारं १९ । २५१ । भवसिद्धिए णं पुच्छा, गो० ! अणादीए सपज्जवसिते, अभवसिद्धिए णं पुच्छा, गो० ! अणादीए अपज्जवसिते, नोभवसिद्धिएनोअभवसिद्धिए णं पुच्छा, गो० ! सादीए अपज्जवसिते । दारं २० । २५२ । धम्मत्थिकाए णं पुच्छा, गो० ! सब्बदं, एवं जाव अद्दासमए । दारं २१ । २५३ । चरिमे णं पुच्छा, गो० ! अणादीए सपज्जवसिते, अचरिमे णं पुच्छा, गो० ! २ दुविधे पं० तं०-अणादीए वा अपज्जवसिते सादीते वा अपज्जवसिते । दारं २२ । २५४ ॥ कायट्ठिइनामपयं १८ ॥ जीवा णं भंते ! किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ?, गो० ! जीवा सम्मादिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि सम्मामिच्छादिट्ठीवि, एवं नेरइयावि, असुरकुमारावि, एवं चेव जाव थणियकुमारा, पुढवीकाइया णं पुच्छा, गो० ! २ णो सम्मादिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदियाणं पुच्छा, गो० ! बेइंदिया सम्मादिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, एवं जाव चउरिंदिया, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया य सम्मादिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि सम्मामिच्छादिट्ठीवि, सिद्धा णं पुच्छा, गो० ! सिद्धा सम्मादिट्ठी णो मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी । २५५ ॥ सम्मत्तपयं १९ ॥ 'नेरइय अंतकिरिया अणन्तरं एगसमय उव्वट्ठा । तित्थगरचक्खिबलदेववासुदेवमंडलियरयणा य ॥ २१३ ॥ दारगाहा । जीवे णं भंते ! अंतकिरियं करेज्जा ?, गो० ! अत्थेगइए करेज्जा अत्थेगतिए णो करेज्जा, एवं नेरइए जाव वेमाणिए, नेरइए णं भंते ! नेरइएसु अंतकिरियं करेज्जा ?, गो० ! नो इणट्ठे समट्ठे, नेरइया णं भंते ! असुरकुमारेसु अंतकिरियं करेज्जा ?, गो० ! नो इणट्ठे समट्ठे, एवं जाव वेमाणिएसु, नवरं मणूसेसु अंतकिरियं करेज्जत्ति पुच्छा, गो० ! अत्थेगतिए करेज्जा अत्थेगतिए णो करेज्जा, एवं असुरकुमारा जाव वेमाणिए, एवमेव चउवीसं २ दंडगा भवन्ति । २५६ । नेरइया णं भंते ! किं अणंतरागया अंतकिरियं करेति परंपरागया अंतकिरियं करेति ?, गो० ! अणंतरागयावि परंपरागयावि अंतकिरियं करेति, एवं रयणप्पभा० जाव पंकप्पभा० नेरइया, धूमप्पभा० नेरइयाणं पुच्छा, गो० ! णो अणंतरागया, परंपरागया अंतकिरियं पकरेति, एवं जाव अहेसत्तमा, असुरकुमारा जाव थणियकुमारा पुढवीआउवणस्सइकाइया य अणन्तरागयावि परंपरागयावि अंतकिरियं पकरेति, तेउवाउबेइंदियतेइंदियचउरिंदिया णो अणंतरागया परंपरागया अंतकिरियं पकरेति, सेसा अणंतरागयावि परंपरागयावि अंतकिरियं पकरेति । २५७ । अणंतरागया नेरइया एगसमये केवइया अंतकिरियं पकरेति ?, गो० ! जह० एगो वा दो वा तिन्नि वा उक्को० दस, रयणप्पभापुढवीनेरइयावि एवं चेव जाव वालुयप्पभा०, अणंत० भंते ! पंकपभापुढवी० एगसमएणं केवतिया अंत० पकरेति ?, गो० ! जह० एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्को० चत्तारि, अणन्तरागया णं भंते ! असुरकुमारा एगसमये केवतिआ अंत० पकरेति ?, गो० ! जह० एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्को० दस, अणंत० णं भंते ! असुरकुमारीओ एगस० केव० अंत० पकरेति ?, गो० ! जह० एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्को० पंच, एवं जहा असुरकुमारा सदेवीया तहा जाव थणिअ०, अणंतरागया णं भंते ! पुढवी० एगस० केवइया अंतकिरियं पकरेति ?, गो० ! जह० एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्को० चत्तारि, एवं आउक्काइयावि चत्तारि वणस्सइकाइया छच्च पंचिंदियतिरिक्खजोणिया दस मणुस्सा दस मणूसीओ वीस वाणमंतरा दस वाणमंतरीओ पंच जोइसिआ दस जोइसिणीओ वीसं वेमाणिआ अट्ठसयं वेमाणिणीओ वीसं । २५८ । नेरइए णं भंते ! नेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता नेरइएसु उववज्जेज्जा ?, गो० ! नो इणट्ठे समट्ठे, नेरइए णं भंते ! नेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता असुरकुमारेसु उव० ?, गो० ! नो इणट्ठे समट्ठे, एवं निरंतरं जाव चउरिंदिएसु पुच्छा, गो० ! नो इणट्ठे समट्ठे, नेरइए णं भंते ! नेरइएहिंतो अणंतरं (१८७)

उव० पंचिदियतिरिएसु उव०?, अत्येगतिए उव० अत्येगइए णो उव०, जे णं भंते! नेरइएहिं तो अणंतरं० पंचिदियतिरि० उववजेज्जा से णं भंते! केवलपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवण-
 याए?, गो०! अत्येगतिए लभेज्जा अत्ये० णो लभेज्जा, जे णं भंते! केवलपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए से णं केवलं बोहिं बुज्जेज्जा?, गो०! अत्येगतिए बुज्जेज्जा अत्ये० णो०,
 जे णं भंते! केवलं बोहिं बुज्जेज्जा से णं सहहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा?, गो०! सहहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा, जे णं भंते! सहहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा से णं आभिणिबोहिय-
 नाणसुयणाणां उप्पाडेज्जा?, हुंता गो०! उप्पाडेज्जा, जे णं भंते! आभिणिबोहियनाणसुयणाणां उप्पाडेज्जा से णं संचाएज्जा सीलं वा वयं वा गुणं वा वेरमणं वा पच्चक्खाणं वा पोस-
 होववासं वा पडिवज्जित्तए?, गो०! अत्येगतिए संचा० अत्ये० णो संचाएज्जा, जे णं भंते! संचाएज्जा सीलं वा जाव पोसहोववासं वा पडिवज्जित्तए से णं ओहिनाणं उप्पाडेज्जा?,
 गो०! अत्ये० उप्पाडेज्जा अत्येगतिए णो०, जे णं भंते! ओहिनाणं उप्पाडेज्जा से णं संचाएज्जा मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पवइत्तए?, गो०! नो इणट्टे समट्टे, नेरइए णं
 भंते! नेरइएहिं तो अणंतरं उवट्ठित्ता मणुस्सेसु उववजेज्जा?, गो०! अत्येगतिए उव० अत्ये० णो उव०, जे णं भंते! उव० से णं केवलपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए?, गो०! जहा
 पंचिदियतिरिक्खजोणिएसु जाव जे णं भंते! ओहिनाणं उप्पाडेज्जा से णं संचाएज्जा मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पवइत्तए?, गो०! अत्येगतिए संचाएज्जा अत्ये० णो संचा-
 एज्जा, जे णं भंते! संचाएज्जा मुण्डे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पवइत्तए से णं मणपज्जवनानं उप्पाडेज्जा?, गो०! अत्ये० उप्पा० अत्ये० णो उप्पा०, जे णं भंते! मणपज्जवनानं
 उप्पा० से णं केवलनानं उप्पा०?, गो०! अत्ये० उप्पा० अत्ये० णो उप्पा०, जे णं भंते! केवलनानं उप्पा० से णं सिज्जेज्जा बुज्जेज्जा मुच्चेज्जा सब्बदुक्खाणं अंतं करेज्जा?, गो०!
 सिज्जेज्जा जाव सब्बदुक्खाणमंतं करेज्जा, नेरइए णं भंते! नेरइएहिं तो अणंतरं उवट्ठित्ता वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु उव०?, गो०! नो इणट्टे समट्टे । २५९। असुरकुमारे णं भंते!
 असुरकुमारेहिं तो अणंतरं उवट्ठित्ता नेरइएसु उव०?, गो०! नो इणट्टे समट्टे, असुरकुमारे णं भंते! असुरकुमारेहिं तो अणंतरं उवट्ठित्ता असुरकुमारेसु उव०?, गो०! नो इणट्टे समट्टे, एवं
 जाव थणियकुमारेसु, असुरकुमारे णं भंते! असुरकुमारेहिं तो अणंतरं उवट्ठित्ता पुढवीकाइएसु उववजेज्जा?, गो०! अत्येगइए उववजेज्जा अत्येगतिए णो उव०, जे णं भंते! उव० से
 णं केवलि० धम्मं लभेज्जा सवणयाए?, गो०! नो इणट्टे समट्टे, एवं आउवणस्सईसुवि, असुरकुमाराणं भंते! असुरकुमारेहिं तो अणंतरं उवट्ठित्ता तेउवाउबेइंदियतेइंदियचउरिंदिएसु
 उववजेज्जा?, गो०! नो इणट्टे समट्टे, अवसेसेसु पंचसु पंचिदियतिरिक्खजोणियाइसु असुरकुमारेसु जहा नेरइओ एवं जाव थणियकुमारा । २६०। पुढवीकाइए णं भंते! पुढवीकाइए-
 हिं तो अणंतरं उवट्ठित्ता नेरइएसु उववजेज्जा?, गो०! नो इणट्टे समट्टे, एवं असुरकुमारेसुवि, जाव थणियकुमारेसुवि, पुढवीकाइए णं भंते! पुढवीकाइएहिं तो अणंतरं उवट्ठित्ता पुढवी-
 काइएसु उववजेज्जा?, गो०! अत्येगतिए उववजेज्जा अत्येगतिए णो उववजेज्जा, जे णं भंते! उववजेज्जा से णं केवलपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए?, गो०! नो इणट्टे समट्टे, एवं
 आउक्काइआदिसु निरंतरं भाणियव्वं जाव चउरिंदिएसु, पंचिदियतिरिक्खजोणियमणुस्सेसु जहा नेरइए, वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु पडिसेहो, एवं जहा पुढवीकाइओ भणिओ तहेव
 आउक्काइओवि जाव वणस्सइकाइओवि भाणियव्वो, तेउकाइए णं भंते! तेउकाइएहिं तो अणंतरं उवट्ठित्ता नेरइएसु उववजेज्जा?, गो०! नो इणट्टे समट्टे, असुरकुमारेसुवि जाव थणिय-
 कुमारेसु, पुढवीकाइआउवाउतेउवणवेइंदियतेइंदियचउरिंदिएसु अत्येगतिए उववजेज्जा अत्येगतिए णो उववजेज्जा, जे णं भंते! उववजेज्जा से णं केवलपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवण-
 याए?, गो०! नो इणट्टे समट्टे, तेउकाइए णं भंते! तेउकाइएहिं तो अणंतरं उवट्ठित्ता पंचिदियतिरिक्खजोणिएसु उववजेज्जा?, गो०! अत्येगइए उववजेज्जा अत्येगइए णो उवव-
 ज्जेज्जा, जे० से णं केवलपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए?, गो०! अत्येगइए लभेज्जा अत्ये० णो लभेज्जा, जे णं भंते! केवलपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए से णं केवलं बोहिं
 बुज्जेज्जा?, गो०! नो इणट्टे समट्टे, मणुस्सवाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु पुच्छा, गो०! नो इणट्टे समट्टे, एवं जहेव तेउक्काइए निरंतरं एवं वाउकाइएवि । २६१। बेइंदिए णं भंते! बेइं-
 दिएहिं तो अणंतरं उवट्ठित्ता नेरइएसु उववजेज्जा?, गो०! जहा पुढवीकाइआ नवरं मणुस्सेसु जाव मणपज्जवनानं उप्पाडेज्जा, एवं तेइंदिया चउरिंदियावि जाव मणपज्जवनानं
 उप्पाडेज्जा, जे णं मणपज्जवनानं उप्पाडेज्जा से णं केवलनानं उप्पाडेज्जा?, गो०! नो इणट्टे समट्टे । २६२। पंचिदियतिरिक्खजोणिया णं भंते! पंचिदियतिरिक्खजोणिएहिं तो
 अणंतरं उवट्ठित्ता नेरइएसु उववजेज्जा?, गो०! अत्येगइए उववजेज्जा अत्येगइए णो उववजेज्जा, जे० से णं केवलपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए?, गो०! अत्येगइए लभेज्जा
 अत्येगइए णो लभेज्जा, जे णं केवलपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए से णं किं केवलं बोहिं बुज्जेज्जा?, गो०! अत्येगतिए बुज्जेज्जा अत्येगतिए णो बुज्जेज्जा, जे णं भंते! केवलं
 बोहिं बुज्जेज्जा से णं सहहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा?, हुंता गो०! जाव रोएज्जा, जे णं भंते! सहहेज्जा० से णं आभिणिबोहियनाणसुयणाणओहिनाणां उप्पाडेज्जा?, हुंता गो०!

जाव उप्पाडेज्जा ?, जे णं भंते ! आभिणिबोहियनाणसुयनाणओहिनाणाइं उप्पाडेज्जा से णं संचाएज्जा सीलं वा जाव पडिवज्जित्तए ?, गो० ! णो इणट्टे समट्टे, एवं असुरकुमारेसुवि जाव थणियकुमारेसु, एगिंदियविगलिंदिएसु जहा पुढवीकाइआ, पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु मणुस्सेसु य जहा नेरइए, वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु जहा असुरकुमारे । दारं ४ । २६३ । रयणप्पभापुढवीनेरइए णं भंते ! रयण० नेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा ?, गो० ! अत्थेगइए लभेज्जा अत्थे० णो लभेज्जा, से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ-अत्थेगइए लभेज्जा अत्थेगइए णो लभेज्जा ?, गो० ! जस्स णं रयण० नेरइअस्स तित्थगरनामगोयाइं कम्माइं बद्धाइं पुट्ठाइं निधत्ताइं कडाइं पट्टवियाइं निविट्ठाइं अभिनिविट्ठाइं अभिसमन्नागयाइं उदिन्नाइं णो उवसंताइं हवंति से णं रयण० नेरइए रयण० नेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा, जस्स णं रयण० नेरइयस्स तित्थगरनामगोयाइं णो बद्धाइं जाव णो उदिन्नाइं उवसंताइं हवंति से णं रयण० नेरइए रयण० नेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तित्थगरत्तं णो लभेज्जा, से तेणट्टेणं गो० ! एवं वुच्चइ-अत्थेगतिए लभेज्जा०, एवं सक्करप्पभाजाववालुयप्पभापुढवीनेरइए-हिंतो तित्थगरत्तं लभेज्जा, पंकप्पभापुढवीनेरइए णं भंते ! पंकप्पभा० हिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा ?, गो० ! णो इणट्टे समट्टे, अंतकिरियं पुण करेज्जा, धूमप्पभापुढवी-पुच्छा, गो० ! णो इणट्टे समट्टे, सब्बविरइं पुण लभेज्जा, तमप्पभापुढवीपुच्छा, विरयाविरइं पुण लभेज्जा, अहेसत्तमपुढवीपुच्छा, गो० ! णो इणट्टे समट्टे, सम्मत्तं पुण लभेज्जा, असुर-कुमारस्स पुच्छा, गो० ! णो इणट्टे समट्टे, अंतकिरियं पुण करेज्जा, एवं निरंतरं जाव आउकाइए, तेउकाइए णं भंते ! तेउकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तित्थ० लभेज्जा ?, गो० ! णो० (तिरिय०) केवलपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाएत्ति, एवं वाउकाइएवि, वणस्सइकाइए णं पुच्छा, गो० ! णो ति०, अंतकिरियं पुण करेज्जा, बेइंदियतेइंदियचउरिंदिए णं पुच्छा, गो० ! नो ति० मणपज्जवनाणं उप्पाडेज्जा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणूसवाणमंतरजोइसिए णं पुच्छा, गो० ! णो ति०, अंतकिरियं पुण करेज्जा, सोहम्मगदेवे णं भंते ! अणंतरं चयं चइत्ता तित्थ-गरत्तं लभेज्जा ?, गो० ! अत्थे० ल० अत्थे० नो ल०, एवं जहा रयणप्पभापुढवीनेरइए एवं जाव सब्बट्टसिद्धगदेवे । २६४ । रयणप्पभापुढवीनेरइए णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता चक्कवट्ठित्तं लभेज्जा ?, गो० ! अत्थे० लभेज्जा अत्थे० नो लभेज्जा, से केणट्टेणं भंते ! एवं वु० ?, गो० ! जहा रयणप्पभापुढवीनेरइयस्स तित्थगरत्ते, सक्करप्पभानेरइए अणंतरं उव्वट्ठित्ता चक्कवट्ठित्तं लभेज्जा ?, गो० ! णो ति०, एवं जाव अधेसत्तमापुढवीनेरइए, तिरियमणुएहिंतो पुच्छा, गो० ! णो ति०, भवणवइवाणमंतरजोतिसियवेमाणिएहिंतो पुच्छा, गो० ! अत्थे० ल० अत्थे० नो लभेज्जा, एवं बलदेवत्तंपि, णवरं सक्करप्पभापुढवीनेरइएवि लभेज्जा, एवं वासुदेवत्तं दोहिंतो पुढवीहिंतो वेमाणिएहिंतो य अणुत्तरोववाइयवज्जेहिंतो, सेसेसु नो ति०, मंड-लियत्तं अधेसत्तमातेउवाऊवज्जेहिंतो, सेणावइरयणत्तं गाहावइरयणत्तं वड्ढतिरयणत्तं पुरोहियरयणत्तं इत्थिरयणत्तं च एवं चेव, णवरं अणुत्तरोववाइयवज्जेहिंतो, आसरयणत्तं हत्थिर-यणत्तं रयणप्पभाओ णिरंतरं जाव सहस्सारो, अत्थे० लभेज्जा अत्थे० नो लभेज्जा, चक्करयणत्तं छत्तरयणत्तं चम्मरयणत्तं दंडरयणत्तं असिरयणत्तं मणिरयणत्तं कागिणिरयणत्तं एतेसिं णं असुरकुमारेहिंतो आरद्ध निरंतरं जाव ईसाणाओ उववाओ, सेसेहिंतो नो तिणट्टे समट्टे । २६५ । अहं भंते ! असंजयभवियदव्वदेवाणं अविराहियसंजमाणं विराहियसंजमाणं अविरा-हियसंजमासंजमाणं विराहियसंजमासंजमाणं असण्णीणं तावसाणं कंदप्पियाणं चरगपरिवायगाणं किब्बिसियाणं तेरिच्छियाणं आजीवियाणं आभिओगियाणं सल्लिगीणं दंसणवाव-णगाणं देवलोगेसु उववज्जमाणानं कस्स कहिं उववाओ पं० ?, गो० ! असंजयभवियदव्वदेवाणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्को० उवरिमगेवेज्जएसु अविराहियसंजमाणं जह० सोहम्मे कप्पे उक्को० सब्बट्टसिद्धे विराहियसंजमाणं जह० भवणवासीसु उक्को० सोहम्मे कप्पे अविराहियसंजमासंजमाणं जह० सोहम्मे कप्पे उक्को० अच्चुए कप्पे विराहितसंजमासंजमाणं ज० भवणवासीसु उक्को० जोतिसिएसु असन्नीणं जहन्नेणं भवणवासीसु उ० वाणमंतरेसु तावसाणं ज० भवणवासीसु उक्को० जोइसिएसु कंदप्पियाणं ज० भवणवासीसु उ० सोहम्मे कप्पे चरगपरिवायगाणं ज० भवणवासीसु उ० बंभलोए कप्पे किब्बिसियाणं जह० सोहम्मे कप्पे उ० लंतए कप्पे तिरिच्छियाणं जह० भवणवासीसु उ० सहस्सारे कप्पे आजीवियाणं ज० भवणवासीसु उ० अच्चुए कप्पे एवं आभिओगियाणवि सल्लिगीणं दंसणवावणगाणं ज० भवणवासीसु उ० उवरिमगेवेज्जएसु । २६६ । कतिविहे णं भंते ! असण्णियाउए पं० ?, गो० ! चउव्विधे असण्णिआउए पं० तं०-नेरइयअसण्णियाउए जाव देवअसण्णियाउए, असण्णी णं भंते ! जीवे किं नेरइयाउयं पकरेति जाव देवाउयं पकरेति ?, गो० ! नेरइयाउयं पकरेति जाव देवाउयं पकरेति, नेरइयाउं पकरेमाणे जह० दस वाससहस्साइं उ० पल्लिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे जह० अंतो० उक्को० पल्लितोवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेति, एवं मणुस्साउयंपि, देवाउयं जहा नेरइयाउयं, एयस्स णं भंते ! नेरइयअसण्णिआउयस्स जाव देवअसण्णिआउयस्स कतरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवे देवअसण्णियाउए मणूसअसण्णिआउए असंखेज्जगुणे तिरिक्खजोणियअसण्णिआउए असंखे० नेरइयअसण्णिआउए असंखे० । २६७ ॥ अन्तकिरियापयं २० ॥ 'विहिसंठा-

ण पमाणे पोग्गलचिण्णा सरीरसंजोगो । दव्वपएसडप्पबहुं सरीरओगाहणडप्पबहुं ॥ २१४ ॥ कति णं भंते ! सरीरया पं०?, गो०! पंच सरीरया पं० तं०-ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए, ओरालियसरीरे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! पंचविधे पं० तं०-एगिंदियओरालियसरीरे जाव पंचिंदिय०, एगिंदियओरा० णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! पंचविधे पं० तं०-पुढवीकाइएगिं० जाव वणप्फइकाइय०, पुढवीकाइयए० णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-सुहुमपुढवीकाइय० य बादरपुढवीकाइय० य, सुहुमपुढवीकाइयएगिं० णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-पज्जत्तगसुहुमपुढवीकाइ० य अपज्जत्तगसुहुमपुढवी० य, बादरपुढवीकाइयावि एवं चेव, एवं जाव वणस्सइकाइयएगिंदियओरालियत्ति, बेइंदियओरालियसरीरे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-पज्जत्तबेइंदिय० य अपज्जत्तगबेइंदिय० य, एवं तेइंदिया चउरिंदियावि, पंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-तिरिक्खजोणियपंचिंदियओरा० मणुस्सपंचिंदियओरा०, तिरिक्खजोणियपंचिं० णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! ति विधे पं० तं०-जलयरतिरिक्ख० थल-यरतिरिक्ख० खहयरति०, जलयरतिरि०ओरालियसरीरे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-संमुच्छिमजल० गब्भवक्कंतिजलयरपंचिं०, संमुच्छिमजल० भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-पज्जत्तगसंमुच्छिमपंचिं० अपज्जत्तगसंमुच्छिम०, एवं गब्भवक्कंतिएवि, थलयरपंचिं०ओरालियसरीरे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-चउ-प्पयथलयरतिरि० परिसप्पथलतिरि०, चउप्पयथलयरतिरि० णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-संमुच्छिमथलयरचउप्पयतिरि० गब्भवक्कंतियचउप्पयथल०, संमुच्छिमचउ० कइविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-पज्जत्तसंमुच्छिमचउ० अपज्जत्तसंमुच्छिमचउप्पयथल०, एवं गब्भवक्कंतिएवि, परिसप्पथलयरतिरि० कतिविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-उरप-रिसप्पथल० भुयपरिसप्पथल० य, उरपरिसप्पथल० भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-संमुच्छिमउर० गब्भवक्कंतियउर०, संमुच्छिमे दुविधे पं० तं०-अपज्जत्तसंमु० पज्जत्तसं-मुच्छिम०, एवं गब्भवक्कंतियउरपरिसप्प०, चउक्कतो भेओ, एवं भुयपरिसप्पावि संमुच्छिमगब्भवक्कंतिया पज्जत्ता अपज्जत्ता य, खहयरा दुविधा पं० तं०-संमुच्छिमा य गब्भवक्कं-तिया य, संमुच्छिमा दुविधा पं० तं०-पज्जत्ता अपज्जत्ता य, गब्भवक्कंतियावि पज्जत्ता अपज्जत्ता य, मणुसपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-संमुच्छिममणुस० य गब्भवक्कंतियमणु०, गब्भवक्कंतियमणुस०ओरालियसरीरे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-पज्जत्तगगब्भवक्कंतियमणुस० अपज्जत्तगगब्भ०म-णुसपंचिं० । २६८ । ओरालियसरीरे णं भंते ! किंसंठिते पं०?, गो०! णाणासंठाणसंठिते पं०, एगिंदियओरा० किंसंठिते पं०?, गो०! णाणासंठाणसंठिते पं०, पुढवीकाइय० किंसंठिते पं०?, गो०! मसूरचंदसं० पं०, एवं सुहुमपुढवीकाइयाणवि बादराणवि, एवं चेव पज्जत्तापज्जत्ताणवि, आउक्काइयएगिंदियओरा० भंते ! किंसंठिते पं०?, गो०! थिबुकबिंदुसं० पं०, एवं सुहुमबादरपज्जत्तापज्जत्ताणवि, तेउ० किंसंठिते पं०?, गो०! सूईकलावसं० पं०, एवं सुहुमबादरपज्जत्तापज्जत्ताणवि, वाउक्काइयाणवि पडागासं०, एवं सुहुमबादरपज्जत्तापज्जत्ताणवि, वणप्फइकाइयाणं णाणासं० पं०, एवं सुहुमबादरपज्जत्तापज्जत्ताणवि, बेइंदियओरा० भंते ! किंसंठिए पं०?, गो०! हुंडसं०, एवं पज्जत्तापज्जत्ताणवि, एवं तेइंदियचउरिंदियाणवि, पंचिंदियतिरिक्खजोणियओरा० भंते ! किंसंठिए पं०?, गो०! छव्विहे पं० तं०-समचउरंसं० जाव हुंडसंठाणसंठितेवि, एवं पज्जत्तापज्जत्ताणवि, संमुच्छिमतिरिक्ख० किंसंठिए पं०?, गो०! हुंडसं० पं०, एवं पज्जत्तापज्जत्ताणवि, गब्भवक्कंतियतिरिक्ख० भंते ! किंसंठिए पं०?, गो०! छव्विहसंठाणसंठिए पं० तं०-समचउरंसं० जाव हुंडसंठा०, एवं पज्जत्तापज्जत्ताणवि, एवमेते तिरिक्खजोणियाणं ओहियाणं णव आलावगा, जलयरपं० भंते ! किंसंठिया पं०?, गो०! छव्विहसंठाणे पं० तं०-समचउरंसे जाव हुंडे, एवं पज्जत्तापज्जत्ताणवि, संमुच्छिमजलयरा हुंडसंठाण-संठिता, एतेसिं चेव पज्जत्ता अपज्जत्तगावि एवं चेव, गब्भवक्कंतियजलयरा छव्विहसंठाणसंठिता एवं पज्जत्तापज्जत्ताणवि, एवं थलयराणवि णव सुत्ताणि, एवं चउप्पयथलयराणवि उरपरि-सप्पथलयराणवि भुयपरिसप्पथलयराणवि, एवं खहयराणवि णव सुत्ताणि, नवरं सब्बत्थ संमुच्छिमा हुंडसंठाणसंठिता भाणितव्वा, इयरे छसुवि, मणुसपंचिंदिय० णं भंते ! किंसंठिए पं०?, गो०! छव्विहसंठाणसंठिते पं० तं०-समचउरंसे जाव हुंडे, पज्जत्तापज्जत्ताणवि एवं चेव, गब्भवक्कंतियाणवि एवं चेव, पज्जत्तापज्जत्ताणवि एवं चेव, संमुच्छिमाणं पुच्छा, गो०! हुंडसंठाणसंठिता पं० । २६९ । ओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पं०?, गो०! जह० अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं उक्को० सातिरेगं जोयणसहस्सं, एगिंदियओरालि-यस्सवि एवं चेव जहा ओहियस्स, पुढवीकाइयएगिंदियओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पं०?, गो०! जह० उ० अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं, एवं अपज्जत्तयाणवि पज्जत्तयाणवि, एवं सुहुमाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं, बादराणं पज्जत्तापज्जत्ताणवि, एवं एसो नवओ भेदो जहा पुढविककाइयाणं तहा आउक्काइयाणवि तेउक्काइयाणवि वाउक्काइया-णवि, वणस्सइकाइयओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पं०?, गो०! ज० अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं उक्को० सातिरेगं जोअणसहस्सं अपज्जत्तगार्णं जह० उक्को०

अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं, पज्जत्तगाणं जह० अंगुलस्स असं० उक्को० सातिरेगं जोयणसहस्सं. बादराणं जह० अंगुलस्स असं० उक्को० जोअणसहस्सं सातिरेगं, पज्जत्ताणवि एवं चेव, अपज्जत्ताणं जह० उक्को० अंगुलस्स असं०, सुहुमाणं पज्जत्तापज्जत्ताण य तिण्हवि जह० उक्को० अंगुलस्स असं०, बेइंदियओरा० भंते! केमहालिया सरीरोगाहणा पं०?, गो०! जह० अंगुलस्स असं० उक्को० बारस जोअणाइं, एवं सव्वत्थवि अपज्जत्तयाणं अंगुलस्स असंखे० जहण्णेणवि उक्कोसेणवि, पज्जत्तगाणं जहेव ओरालियस्स ओहियस्स, एवं तेइंदियाणं तिणिण गाउयाइं चउरिंदियाणं चत्तारि गाउयाइं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्को० जोयणसहस्सं, एवं संमुच्छिमाणं, गम्भवक्कंतियाणवि एवं चेव नवओ भेदो भाणियव्वो, एवं जलयराणवि जोयणसहस्सं, नवओ भेदो, थलयराणवि णव भेदो उक्को० छ गाउयाइं, पज्जत्तगाणवि एवं चेव, संमुच्छिमाणं पज्जत्तगाण य उक्को० गाउयपुहुत्तं, गम्भवक्कंतियाणं उक्को० छ गाउयाइं पज्जत्ताण य, ओहियचउप्पयपज्जत्तगम्भवक्कंतियपज्जत्तयाणवि उक्को० छ गाउयाइं, संमुच्छिमाणं पज्जत्ताण य गाउयपुहुत्तं उक्को०, एवं उरपरिसप्पाणवि, ओहियगम्भवक्कंतियपज्जत्तगाणं जोयणसहस्सं, संमुच्छिमाणं पज्जत्ताण य जोयणपुहुत्तं, भुयपरिसप्पाणं ओहियगम्भवक्कंतियाणवि उक्को० गाउयपुहुत्तं, संमुच्छिमाणं धणुपुहुत्तं, स्वहयराणं ओहियगम्भवक्कंतियाणं संमुच्छिमाण य तिण्हवि उक्को० धणुपुत्तं, इमाओ संगहणिगाहाओ-‘जोयणसहस्स छग्गाउयाइं तत्तो य जोअणसहस्सं। गाउयपुहुत्तं भुयए धणुह-पुहुत्तं च पक्खीसु ॥ २१५ ॥ जोयणसहस्स गाउयपुहुत्तं तत्तो य जोअणपुहुत्तं। दोण्हं तु धणुपुहुत्तं संमुच्छिमे होति उच्चत्तं ॥ २१६ ॥ मणूसोरालियसरीरस्स णं भंते! केमहालिया० पं०?, गो०! जह० अंगु० असं० उक्को० तिणिण गाउयाइं, एवं अपज्जत्ताणं जह० उक्को० अंगुलस्स असं०, संमुच्छिमाणं जह० उक्को० अंगुलस्स असं०, गम्भवक्कंतियाणं पज्जत्ताण य जह० अंगु-लस्स असं० उक्को० तिणिण गाउयाइं। २७०। वेउव्वियसरीरे णं भंते! कतिविधे पं०?, गो०! दुविधे पं० तं०-एगिंदियवेउव्वियसरीरे य पंचिंदियवेउ०, जति एगिंदियवेउ० किं वाउक्काइए-गिंदियवे० अवाउक्काइय०?, गो०! वाउक्काइयएगिंदिय० नो अवाउक्काइय०, जइ वाउकाइयवेउव्वियसरीरे किं सुहुमवाउक्काइय० बायरवाउ०?, गो०! नो सुहुमवाउ० बादरवाउ०, जइ बादरवाउक्काइयए० किं पज्जत्तबादरवाउ० अपज्जत्त०?, गो०! पज्जत्तबादरवाउ० नो अपज्जत्तबादरवाउ०, जति पंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं नेरइयपंचिंदियवे० जाव किं देवपंचिंदियवे०?, गो०! नेरइयपंचिंदिय० जाव देवपंचिंदियवेउव्विय०, जइ नेरइय० किं रयणप्पभापुढवी० जाव किं अधेसत्तमापुढवी०?, गो०! रयणप्पभापुढवीनेरइय० जाव अधेसत्तमा०वेउव्वियस-रीरेऽवि, जइ रयणप्पभापुढवीनेरइयविउव्वियसरीरे किं पज्जत्तगरय० अपज्जत्तगरयणप्पभा०?, गो०! पज्जत्तगरयणप्पभापु० अपज्जत्तगरयणप्पभापु०, एवं जाव अधेसत्तमाए दुगतो भेदो भाणितव्वो, जइ तिरिक्खजोणिय० किं संमुच्छिमपं०तिरि०वेउ० गम्भवक्कंतियति०वे०?, गो०! नो संमुच्छिमपं०ति० गम्भवक्कंतियपंचि०ति०, जति गम्भवक्कंतियपंचि-दियति० किं संखेज्जवासाउयगम्भवक्कंतिय० असंखिज्जवासाउयग०?, गो०! संखेज्जवासाउयगम्भ०पं०ति०वे०स० नो असं०गम्भ०पंचि०तिरि०वेउ०स०, जइ संखिज्ज०गम्भ०पंचि०ति० किं पज्जत्तगसं० अपज्जत्तगसं०ग०पं०ति०?, गो०! पज्ज०सं०ग० नो अप०सं०गम्भ०, जइ संखेज्जवासा० किं जलयरगम्भ०पं०ति० थलयरसं० स्वहतरसं०?, गो०! जलयरसं०ग० पं० थलयरसं० स्वहतरसं०, जइ जलयरसं० किं पज्जत्तगजलयरसं० अपज्जत्त०?, गो०! पज्जत्तजलयरसं०गम्भ० नो अपज्जत्तसं०जलयरग०, जति थलयरपंचि०सरीरे किं चउप्पयजाव-सरीरे किं परिसप्पजाव०?, गो०! चउप्पयजावसं० परिसप्पजावसं०, एवं सव्वेसिं णेयव्वं जाव स्वहयराणं पज्जत्ताणं नो अपज्जत्ताणं, जति मणूसपंचिंदियवेउ०सरीरे किं संमुच्छिममणूस० गम्भ०म०वेउव्वियसरीरे?, गो०! णो संमुच्छिम० गम्भवक्कंतियम०वे०सरीरे, जइ गम्भ० किं कम्मभूमग० अकम्मभूमग० अंतरदीवग०?, गो०! कम्मभूमगगम्भ० णो अकम्मभूमग० णो अंतरदीवग०, जइ कम्मभूमगगम्भ० किं संखेज्जवासाउयकम्म० असं०कम्मभूम०ग०?, गो०! संखे०कम्मभूमगगम्भ० नो असं०कम्मभूम०ग०, जति संखे०कम्म० किं पज्जत्तयसंखे० क०म० अपज्जत्तगसं०क०ग०?, गो०! पज्जत्त०सं०क० नो अपज्जत्तसं०क०ग०म०, जइ देवपंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं भवणवासिदेव० जाव वेमाणियदेव०?, गो०! भवणवासिदेव० जाव वेमाणियदेव०, जइ भवणवासिदेव० किं असुरकुमारभव० जाव थणियकुमारभव०?, गो०! असुरकुमार० जाव थणियकुमारवेउव्वियसरीरेवि, जइ असुरकुमारदेव० किं पज्जत्तगअसुर० अपज्जत्तगअसुरकुमारभवण०?, गो०! पज्जत्तअसुर० अपज्जत्तगअसुर०, एवं जाव थणियकुमाराणं, दुगतो भेदो. एवं वाणमंतराणं अट्ठविहाणं जोतिसियाणं पंचविहाणं, वेमाणिया दु-विहा-कप्पोवगा कप्पातीता य, कप्पोवगा बारसविहा, तेसिंपि एवं चेव दुहतो भेदो. कप्पातीता दुविहा गेवेज्जगा य अणुत्तरोववाइया य, गेवेज्जगा णवविहा अणुत्तरोववाइया पंचविहा, एतेसिं पज्जत्तापज्जत्ताभिलावेणं दुगतो भेदो भाणियव्वो। २७१। वेउव्वियसरीरे णं भंते! किंसंठिते पं०?, गो०! णाणासंठाणसंठिते पं०, वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे णं भंते! किंसं-ठिते पं०?, गो०! पडागासंठाणसंठिते पं०, नेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे णं भंते! किंसंठिए पं०?, गो०! नेरइयपंचिंदियवेउ० दुविधे पं० तं०-भवधारणिज्जे य उत्तरवेउव्विए य, तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से णं हुंडसंठाणे पं०, तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विते सेवि हुंडसंठिए पं०, रयणप्पभापुढवीनेरइयपंचि० णं भंते! किंसंठिए पं०?, गो०! रयणप्पभापुढ० (१८८)

दुविधे सरीरे पं० तं०-भवधारणिज्जे य उत्तरवेउच्चिए य, तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से णं हुंडे, जे से उत्तरवेउच्चिते सेवि हुंडे, एवं जाव अघेसत्तमापुढवीनेरइयवेउच्चियसरीरे, तिरि-
 क्खजोणियपं०वेउ०सरीरे णं भंते ! किंसंठिए पं०?, गो०! णाणासंठाण० पं०, एवं जाव जलयरथलयरखह्यराणवि, थलयराणवि चउप्पयपरिसप्पाणवि परिसप्पाणवि उरपरिसप्पभुयप-
 रिसप्पाणवि, एवं मणूसपंचिंदियवे०सरीरेवि, असुरकुमारभवणवासिदेव० णं भंते ! किंसंठिते पं०? गो०! असुरकुमाराणं देवाणं दुविहे सरीरे पं० तं०-भवधारणिज्जे य उत्तरवेउच्चिते य,
 तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से णं समचउरंसंठाणसंठिए पं०, तत्थ णं जे से उत्तरवेउच्चिए से णं णाणासंठाणसंठिए पं०, एवं जाव थणियकुमारदेवपंचिंदियवेउच्चियसरीरे, एवं वाण-
 मंतराणवि णवरं ओहिया वाणमंतरा पुच्छिजंति, एवं जोतिसियाणवि ओहियाणं, एवं सोहम्मं जाव अच्चुयदेवसरीरे, गेवेजगकप्पातीतवेमाणियदेवपंचिंदियवेउच्चियसरीरे णं भंते ! किंसं-
 ठिते पं०?, गो०! गेवेजगदेवाणं एगे भवधारणिज्जे सरीरे, से णं समचउरंसंठाणसंठिते पं०, एवं अणुत्तरोववाइयाणवि । २७२। वेउच्चियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरावगाहणा
 पं०?, गो०! जह० अंगुलस्स असं० उक्को० सातिरेगं जोयणसयसहस्सं, वाउक्काइयवेउच्चियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पं०?, गो०! जह० अंगुलस्स असं० उक्को०
 अंगुलस्स असं०, नेरइयपंचिंदियवे० णं भंते ! केमहा० पं०?, गो०! दुविहा पं० तं०-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउच्चिया य, तत्थ णं जा सा भव० सा जह० अंगुलस्स असं० उक्को०
 उक्को० पंचधणुसयाइं, तत्थ णं जा सा उत्तर० सा जह० अंगुलस्स संखेज्जतिभागं उक्को० धणुसहस्सं, रयणप्पभापुढवीनेरइयाणं भंते ! केमहा० पं०?, गो०! दुविहा पं० तं०-भव-
 धारणिज्जा य उत्तरवेउच्चिता य, तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जह० अंगु० असं० उक्को० सत्त धणूइं तिण्णि रयणी छच्च अंगुलाइं, तत्थ णं जा सा उत्तरवेउच्चिता सा जह० अंगु०
 असं० उक्को० पण्णरस धणूतिं अड्ढाइज्जाओ रयणीओ, सक्करप्पभाए पुच्छा, गो०! तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जह० अंगु० असं० उक्को० पण्णरस धणूइं अड्ढाइज्जातो
 रयणीओ, तत्थ णं जा सा उत्तरवेउच्चिता सा जह० अंगु० संखे० उक्को० एक्कतीसं धणूइं एक्का य रयणी, वालुयप्पभाए पुच्छा, भवधारणिज्जा एक्कतीसं धणूइं एक्का रयणी उत्तर-
 वेउच्चिया बावट्ठिं धणूतिं दो रयणीओ, पंकप्पभाए भवधारणिज्जा बावट्ठिं धणूइं दो रयणीओ उत्तरवेउच्चिया पणवीसं धणुसयं, धूमप्पभाए भवधारणिज्जा पणवीसं धणुसयं उत्तरवेउच्चिया
 अड्ढातिज्जाइं धणुसयाइं, तमाए भवधारणिज्जा अड्ढाइज्जाइं धणुसताइं उत्तरवेउच्चिया पंच धणुसताइं अघेसत्तमाए भवधारणिज्जा पंच धणुसयाइं उत्तरवेउच्चिता धणुसहस्सं, एवं
 उक्को०, जह० भवधारणिज्जा अंगुलस्स असं० उक्को० संखेज्जतिभागं उत्तरवेउच्चिता अंगुलस्स संखिज्जतिभागं, तिरिक्खजोणिय०वेउच्चिय० णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पं०?, गो०! जह०
 अंगु० संखे० उक्को० जोअणसतपुहुत्तं, मणुस्स०वेउच्चियसरीरस्स णं भंते ! केमहा०?, गो०! जह० अंगुल० संखे० उक्को० सातिरेगं जोअणसतसहस्सं, असुरकुमारभवणवासि०वेउ-
 च्चियसरीरस्स णं भंते ! केमहा०?, गो०! असुरकुमाराणं देवाणं दुविहा सरीरोगाहणा पं० तं०-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउच्चिया य, तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जह० अंगु० असं०
 उक्को० सत्त रयणीओ, तत्थ सा उत्तरवेउच्चिता सा जह० अंगु० संखे० उक्को० जोअणसतसहस्सं, एवं जाव थणियकुमाराणं, एवं ओहियाणं वाणमंतराणं, एवं जोइसियाणवि, सोह-
 म्मीसाणदेवाणं एवं चेव उत्तरवेउच्चिता जाव अच्चुओ कप्पो, नवरं सणंकुमारे भवधारणिज्जा जह० अंगु० असं० उक्को० छ रयणीओ, एवं माहिंदेवि, बंभलोयलंतगेसु पंच रयणीओ
 महासुक्कसहस्सारेसु चत्तारि रयणीओ आणयपाणयआरणच्चुएसु तिण्णि रयणीओ गेविजगकप्पातीतवेमाणियदेवपंचिंदियवेउ० केम०?, गो०! गेवेजगदेवाणं एगा भवधारणिज्जा
 सरीरोगाहणा पं० सा जह० अंगुल० असं० उक्को० दो रयणी, एवं अणुत्तरोववाइयदेवाणवि णवरं एक्का रयणी । २७३। आहारगसरीरे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! एगागारे पं०,
 जइ एगागारे किं मणूसआहारग० अमणूसआहा०?, गो०! मणूसआहार० नो अमणूसआ०, जइ मणूसआहा० किं संमुच्छिममणूस० गब्भवक्कंति०?, गो०! नो संमुच्छिम० गब्भवक्कं-
 तियमणूसआहा०, जइ गब्भ०मणुस्सा० किं कम्मभूमगग० अकम्मभूम० अंतरदीव०?, गो०! कम्मभूम० नो अकम्मभूम० नो अंतरदीवग०, जइ कम्मभूमगमणुस्सा० किं संखेज्ज-
 वासाउयकम्मग० असंखेज्जवासाउ०कम्म०?, गो०! संखिज्जवासाउकम्म० नो असंखिज्ज०, जति संखेज्जकम्मगम०आहारगसरीरे किं पज्जत्तसं० अपज्जत्तसं०?, गो०! पज्जत्तसंखिज्ज-
 वासा० नो अपज्जत्तसंखेज्ज०, जइ पज्जत्तसंखिज्ज० किं सम्महिट्ठीपज्जत्तसं० मिच्छादिट्ठीपज्जत्तसं० सम्मामिच्छादिट्ठीपज्ज०सं०?, गो०! सम्म०पज्ज० नो मिच्छादिट्ठी० नो सम्मा-
 मिच्छादिट्ठीप०, जइ सम्मादिट्ठीपज्जत्तसं० किं संजयसम्मा० असंजतसम्मा० संजयासंजयसम्मा०?, गो०! संजयसम्मा० नो असंजतसम्मा० नो संजतासंजतसम्मा०, जइ संजतसम्मा०
 किं पमत्तसंजतसम्मा० अपमत्तसंजतसम्मा०?, गो०! पमत्तसंजयसम्मादिट्ठीपज्जत्त० नो अपमत्तसं०, जइ पमत्तसंजय० किं इड्ढिपत्तप्पमत्तसं० अणिड्ढिपत्तप्प०?, गो०! इड्ढिपत्त-
 पमत्त० नो अणिड्ढिपत्तपमत्तसंजयसम्मादिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउगकम्मभूमगमणुस्सआहारगसरीरे, आहारगसरीरे णं भंते ! किंसंठिते पं०?, गो०! समचउरंसंठिए पं०,

आहारगसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पं०?, गो०! जह० देसूणा रयणी उक्को० पडिपुण्णा रयणी । २७४ । तेयगसरीरे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! पंचविहे पं० तं०-
 एगिंदिय० जाव पंचिंदियतेयगसरीरे, एगिंदियतेयग० णं भंते ! कइविधे पं०?, गो०! पंचविधे पं० तं०-पुढवीकाइय० जाव वणस्सइकाइयतेयगसरीरे, एवं जहा ओरालियसरीरस्स भेदो
 भणितो तहा तेयगस्सवि जाव चउरिंदियाणं, पंचिंदियतेयगसरीरे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! चउविहे पं० तं०-नेरइयतेयगसरीरे जाव देवतेयगसरीरे, नेरइयाणं दुगतो भेदो भाणि-
 तव्वो जहा वेउव्वियसरीरे, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणूसाण य जहा ओरालियसरीरे भेदो भणितो तहा भाणियव्वो, देवाणं जहा वेउव्वियसरीरे भेदो भणितो तहा भाणियव्वो जाव
 सव्वट्टसिद्धदेवत्ति, तेयगसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पं०?, गो०! णाणासंठाणसंठिए पं०, एगिंदियतेयगसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पं०?, गो०! णाणासंठाणे पं०, पुढवीकाइय० णं भंते !
 किंसंठिए पं०?, गो०! मसूरचंदसंठिए पं०, एवं ओरालियसंठाणाणुसारेण भणितव्वं जाव चउरिंदियाणवि, नेरइयाणं भंते ! तेयगसरीरे किंसंठिए पं०?, गो०! जहा वेउव्वियसरीरे, पंचि-
 दियतिरिक्खजोणियाणं मणूसाणं जहा एतेसिं चेव ओरालियन्ति, देवाणं भंते ! किंसंठिते तेयगसरीरे पं०?, गो०! जहा वेउव्वियस्स जाव अणुत्तरोववाइयत्ति । २७५ । जीवस्स णं
 भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पं०?, गो०! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं आयामेणं जह० अंगुलस्स असं० उक्को० लोगंताओ
 लोगंते, एगिंदियस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरो०?, गो०! एवं चेव जाव पुढवीआउतेउवाउवणप्फइकाइयस्स, बेइंदियस्स णं भंते !
 मारणंतियसमुग्घाएणं समो० तेयासरीरस्स केमहा०?, गो०! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं आयामेणं जह० अंगुलस्स असंखे० उक्को० तिरियलोगाओ लोगंते, एवं जाव चउरिं-
 दियस्स, नेरइयस्स णं भंते ! मारणंतिय० तेयासरीरस्स केमहा०?, गो०! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं आयामेणं जह० सातिरेकं जोयणसहस्सं उक्को० अघे जाव अहेसत्तमा
 पुढवी तिरियं जाव सयंभुरमणे समुदे उड्डं जाव पंडगवणे पुक्खरिणीतो, पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स णं भंते ! मार०समु०समो० तेयासरीरस्स केमहा०?, गो०! जहा बेइंदियसरीरस्स,
 मणुस्सस्स णं भंते ! मार०समु०समो० तेयासरीरस्स केमहा०?, गो०! समयखेत्ताओ लोगंतो, असुरकुमारस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेया० केम०?, गो०! सरीर-
 प्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं आयामेणं जह० अंगुलस्स असंखे० उक्को० अघे जाव तच्चाए पुढवीए हिट्टिल्ले चरमंते तिरियं जाव सयंभुरमणसमुद्दस्स बाहिरिल्ले वेइयंते उड्डं जाव
 इसीपब्भारा पुढवी, एवं जाव थणियकुमारतेयगसरीरस्स, वाणमंतरजोइसियसोहम्मीसाणगा य एवं चेव, सणकुमारदेवस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स
 केमहालिया ओगाहणा पं०?, गो०! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं आयामेणं जह० अंगु० असं० उक्को० अघे जाव महापातालाणं दोच्चे तिभागे तिरियं जाव सयंभुरमणे समुदे
 उड्डं जाव अच्चुओ कप्पो, एवं जाव सहस्सारदेवस्स अच्चुओ कप्पो, आणयदेवस्स णं भंते ! मार०समु०समो० तेया० केम०?, गो०! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं आयामेणं जह०
 अंगु० असं० उक्को० जाव अघोलोइयगामा तिरियं जाव मणूसखेत्ते उड्डं जाव अच्चुओ कप्पो, एवं जाव आरणदेवस्स, अच्चुअदेवस्स एवं चेव णवरं उड्डं जाव सयाइं विमाणातिं, गेवि-
 जगदेवस्स णं भंते ! मारणंतियसमु०समो० तेयग० केम०?, गो०! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं आयामेणं जह० विज्जाहरसेढीतो उक्को० जाव अहोलोइयगामा तिरियं जाव
 मणूसखेत्ते उड्डं जाव सगातिं विमाणातिं, अणुत्तरोववाइयस्सवि एवं चेव, कम्मगसरीरे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! पंचविधे पं० तं०-एगिंदियकम्मगसरीरे जाव पंचिंदिय० य, एवं
 जहेव तेयगसरीरस्स भेदो संठाणं ओगाहणा य भणिता तहेव निरवसेसं भाणितव्वं जाव अणुत्तरोववाइयत्ति । २७६ । ओरालियसरीरस्स णं भंते ! कतिदिसिं पोग्गला चिज्जंति?, गो०!
 निव्वाघाएणं छहिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउहिसिं सिय पंचदिसिं, वेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! कतिदिसिं पोग्गला चिज्जंति?, गो०! णियमा छहिसिं, एवं आहारगसरीर-
 स्सवि, तेयाकम्मगाणं जहा ओरालियसरीरस्स, ओरालियसरीरस्स णं भंते ! कतिदिसिं पोग्गला उवचिज्जंति?, गो०! एवं चेव, जाव कम्मगसरीरस्स, एवं अवचिज्जंति, जस्स णं भंते !
 ओरालियसरीरं तस्स वेउव्वियसरीरं जस्स वेउव्वियसरीरं तस्स ओरा०?, गो०! जस्स ओरा० तस्स वेउव्वियसरीरं सिय अत्थि सिय नत्थि जस्स वेउव्वियसरीरं तस्स ओरालियसरीरं सिय अत्थि
 सिय नत्थि, जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरं तस्स आहारगसरीरं जस्स आहारगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं?, गो०! जस्स ओरा० तस्स आहारगसरीरं सिय अत्थि सिय नत्थि जस्स
 पुण आहारगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं णियमा अत्थि, जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरं तस्स तेयगसरीरं जस्स तेयगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं?, गो०! जस्स ओरालियसरीरं तस्स
 तेयगसरीरं नियमा अत्थि जस्स पुण तेयगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं सिय अत्थि सिय णत्थि, एवं कम्मगसरीरं, जस्स णं भंते ! वेउव्वियसरीरं तस्स आहारगसरीरं जस्स आहारग-
 सरीरं तस्स वेउव्वियसरीरं?, गो०! जस्स वेउव्वियसरीरं तस्स आहारगसरीरं णत्थि जस्सवि आहारगसरीरं तस्सवि वेउव्वियसरीरं णत्थि, तेयाकम्मातिं जहा ओरालिएण समं तहेव आहा-

रगसरीरेणवि समं चारेयद्वाणि, जस्स णं भंते ! तेयगसरीरं तस्स कम्मगसरीरं जस्स कम्मगसरीरं तस्स तेयगसरीरं ?, गो० ! जस्स तेयगसरीरं तस्स कम्मगसरीरं णियमा अत्थि जस्सवि कम्मगसरीरं तस्सवि तेयगसरीरं णियमा अत्थि । २७७ । एतेसिं णं भंते ! ओरालियवेउच्चियआहारगतेयगकम्मगाण दब्बट्टयाए पदेसट्टयाए दब्बट्टपएसट्टयाते कयरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा आहारगसरीरा दब्बट्टयाते वेउच्चिय० दब्बट्टयाए असंखे० ओरालिय० दब्ब० असं० तेयाकम्मगा दोवि तुल्ला दब्बट्टयाते अणंत० पदेसट्टयाए सब्बत्थोवा आहारगसरीरा पदे० वेउच्चिय पदे० असं० ओरालिय० पदे० असं० तेयग० पदे० अणंत० कम्मग० पदे० अणंत० दब्बट्टपदेसट्टयाते सब्बत्थोवा आहारगसरीरा दब्बट्टयाते वेउच्चिय० दब्बट्टयाए असं० ओरालियस० दब्बट्ट० असं० ओरालियसरीरेहिंतो दब्बट्टयाएहिंतो आहारगसरीरा पदेसट्टयाए अणं० वेउच्चिय० पदे० असं० ओरालिय० पदे० असंखेज्जगुणा तेयाकम्मा दोवि तुल्ला दब्बट्टयाए अणं० तेयगसरीरा पदे० अणंत० कम्मगसरीरा पदेसट्टयाए अणंतगुणा । २७८ । एतेसिं णं भंते ! ओरालियवेउच्चियआहारगतेयगकम्मगसरीराणं जहणियाए ओगाहणाए उक्कोसियाए ओगाहणाए जहण्णुक्कोसियाए ओगाहणाए कतरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा ओरालियसरीरस्स जहणिया ओगाहणा तेयाकम्मगाणं दोण्हवि तुल्ला जहणिया ओगाहणा विसे० विउच्चिया जहणिया ओगाहणा असं० आहारगसरीरस्स जहणिया ओगाहणा असं० उक्कोसियाए ओगाहणाए सब्बत्थोवा आहारगसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा ओरालिय० उक्कोसिया ओगा० संखे० वेउच्चिय० उक्कोसिया ओगा० संखि० तेयाकम्मगाणं दोवि तुल्ला उक्को० ओगा० असं० जहण्णुक्कोसियाते ओगाहणाते सब्बत्थोवा ओरालिय० जहणिया ओगा० तेयाकम्माणं दोण्हवि तुल्ला जहणिया ओगा० विसे० वेउच्चिय० जहणिया ओगा० असं० आहारगस्स जहणियाहिंतो ओगाहणाहिंतो तस्स चेव उक्कोसिया ओगा० विसे० ओरालिय० उक्कोसिया ओगा० संखे० वेउच्चिया णं उक्कोसिया ओगा० संखि० तेयाकम्मगाणं दोण्हवि तुल्ला उक्कोसिया ओगाहणा असंखिज्जगुणा । २७९ ॥ सरीरपयं २१ ॥ कति णं भंते ! किरियाओ पं० ?, गो० ! पंच किरियाओ पं० तं०-काइया अहिगरणिया पादोसिया पारियावणिया पाणाइवायकिरिया, काइया णं भंते ! किरिया कतिविहा पं० ?, गो० ! दुविहा पं० तं०-अणुवरयकाइया य दुप्पउत्तकाइया य, अहिगरणिया णं भंते ! किरिया कइविहा पं० ?, गो० ! दुविहा पं० तं०-संजोयणाहिकरणिया य निव्वत्तणाधिगरणिया य, पादोसिया णं भंते ! किरिया कतिविहा पं० ?, गो० ! तिविहा पं० तं०-जेणं अप्पणो वा परस्स वा तदुभयस्स वा असुभं मणं संपधारेति सेत्तं पादोसिया किरिया, पारियावणिया णं भंते ! किरिया कतिविहा पं० ?, गो० ! २ तिविहा पं० तं०-जेणं अप्पणो वा परस्स वा तदुभयस्स वा अस्सायं वेदणं उदीरेति, सेत्तं पारियावणिया किरिया, पाणातिवायकिरिया णं भंते ! कतिविहा पं० ?, गो० ! तिविहा पं० तं०-जेणं अप्पणं वा परं वा तदुभयं वा जीवियाओ ववरोवेइ, से तं पाणाइवायकिरिया । २८० । जीवा णं भंते ! किं सकिरिया अकिरिया ?, गो० ! जीवा सकिरियावि अकिरियावि, से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ-जीवा सकिरियावि अकिरियावि ?, गो० ! जीवा दुविहा पं० तं०-संसारसमावण्णगा य असंसारसमावण्णगा य, तत्थ णं जे ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं अकिरिया, तत्थ णं जे ते संसारसमावण्णगा ते दुविहा पं० तं०-सेलेसिपडिवण्णगा य असेलेसिपडि०, तत्थ णं जे ते सेलेसिप० ते णं अकिरिया, तत्थ णं जे ते असेलेसिपडि० ते णं सकिरिया, से तेणट्टेणं गो० ! एवं वुच्चइ-जीवा सकिरियावि अकिरियावि, अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जति ?, हंता गो० ! अत्थि, कम्मिं णं भंते ! जीवाणं पाणातिवाएणं किरिया कज्जति ?, गो० ! छसु जीवनिकाएसु, अत्थि णं भंते ! नेरइयाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जति ?, गो० ! एवं चेव, एवं जाव निरंतरं वेमाणियाणं, अत्थि णं भंते ! जीवाणं मुसावाएणं किरिया कज्जति ?, हंता अत्थि, कम्मिं णं भंते ! जीवाणं मुसावाएणं किरिया कज्जति ?, गो० ! सब्बद्वेसु, एवं निरंतरं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, अत्थि णं भंते ! जीवाणं अदिच्चादाणेणं किरिया कज्जति ?, हंता अत्थि, कम्मिं णं भंते ! जीवाणं अदिच्चादाणेणं किरिया कज्जति ?, गो० ! गहणधारणिज्जेसु दब्बेसु, एवं नेरइयाणं निरंतरं जाव वेमाणियाणं, अत्थि णं भंते ! जीवाणं मेहुणेणं किरिया कज्जति ?, हंता अत्थि, कम्मिं णं भंते ! जीवाणं मेहुणेणं किरिया कज्जति ?, गो० ! रूवेसु वा रूवसहगतेसु वा दब्बेसु, एवं निरंतरं जाव वेमाणियाणं, अत्थि णं भंते ! जीवाणं परिग्गहेणं किरिया कज्जति ?, हंता अत्थि, कम्मिं णं भंते ! परिग्गहेणं किरि० ?, गो० ! सब्बद्वेसु, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं पेजेणं दोसेणं कलहेणं अब्भक्खाणेणं पेसुन्नेणं परपरिवाएणं अरतिरतीते मायामोसेणं मिच्छादंसणसल्लेणं, सब्बेसु जीवा नेरइयभेदेणं भाणितव्वा, निरंतरं जाव वेमाणियाणंति, एवं अट्टारस एते दंडगा । २८१ । जीवे णं भंते ! पाणातिवाएणं कति कम्मपगडीओ बंधति ?, गो० ! सत्तविहबंधाए वा अट्टविहबंधाए वा, एवं नेरइए जाव निरंतरं वेमाणिते, जीवा णं भंते ! पाणातिवाएणं कति कम्मपगडीओ बंधंति ?, गो० ! सत्तविहबंधगावि अट्टविहबंधगावि, नेरइया णं भंते ! पाणातिवाएणं कइ कम्मपगडीओ बंधंति ?, गो० ! सब्बेवि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य, एवं असुरकुमारावि जाव थणियकुमारा, पुढवीआउतेउ-

वाउवणप्फइकाइया य, एए सवेवि जहा ओहिया जीवा, अवसेसा जहा नेरइया, एवं ते जीवेगिंदियवज्जा तिण्णि २ भंगा सबत्थ भाणियवत्ति, जाव मिच्छादंसणसहे, एवं एगत्तपो-
हत्तिया छत्तीसं दंडगा होंति । २८२। जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणे कतिकिरिए पं०?, गो०! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, एवं नेरइए जाव वेमाणिए,
जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं बंधेमाणा कतिकिरिया?, गो०! सिय तिकिरिया सिय चउकिरिया सिय पंचकिरियावि, एवं नेरइया निरंतरं जाव वेमाणिया, एवं दरिसणावरणिज्जं वेद-
णिज्जं मोहणिज्जं आउयं नामं गोत्तं अंतराइयं च अट्टविहकम्मपगडीतो भाणितद्वाओ, एगत्तपोहत्तिया सोलस दंडया भवन्ति, जीवे णं भंते ! जीवातो कतिकिरिए?, गो०! सिय
तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए सिय अकिरिए, जीवे णं भंते ! नेरइयाओ कतिकिरिए?, गो०! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय अकिरिए, एवं जाव थणियकुमाराओ,
पुढवी० आउ० तेउक्काइयातो वाउक्काइयवणप्फइकाइयवेइंदियतेइंदियचउरिंदियपंचिंदियतिरिस्वजोणियमणुस्सातो जहा जीवातो, वाणमंतरजोइसियवेमाणियातो जहा नेरइयातो,
जीवे णं भंते ! जीवेहिंतो कतिकिरिए?, गो०! सिय ति० सिय चउ० सिय पंच० सिय अकिरिए, जीवे णं भंते ! नेरइएहिंतो कतिकिरिए?, गो०! सिय ति० सिय चउ० सिय अकिरिए,
एवं जहेव पढमो दंडतो तहा एसो बितिओ भाणितद्वाओ जाव वेमाणियत्ति, जीवा णं भंते ! जीवातो कतिकिरिया?, गो०! सिय ति० सिय चउ० सिय पंच० सिय अकिरियावि, जीवा
णं भंते ! नेरइयातो कतिकिरिया?, गो०! जहेव आदिहदंडतो तहेव भाणितद्वाओ, जाव वेमाणियत्ति, जीवा णं भंते ! जीवेहिंतो कतिकिरिया?, गो०! ति० चउ० पंच० अकिरियावि
जीवा णं भंते ! नेरइएहिंतो कतिकिरिया?, गो०! ति० चउ० अकिरिया, असुरकुमारेहिंतोवि एवं चेव, जाव वेमाणितेहिंतो, ओरालियसरीरेहिंतो जहा जीवेहिंतो, नेरइए णं भंते !
जीवातो कतिकिरिए?, गो०! सिय ति० सिय चउ० सिय पंच०, नेरइए णं भंते ! नेरइयातो कतिकिरिए?, गो०! सिय ति० सिय चउ० एवं जाव वेमाणिएहिंतो, नवरं नेरइयस्स नेर-
इएहिंतो देवेहिंतो य पंचमा किरिया नत्थि, नेरइया णं भंते ! जीवातो कतिकिरिया?, गो०! सिय तिकि० सिय चउकि० सिय पंचकि०, एवं जाव वेमाणियातो, नवरं नेरइयाओ
देवाओ य पंचमा किरिया नत्थि, नेरइया णं भंते ! जीवेहिंतो कतिकिरिया?, गो०! तिकि० चउकि० पंचकि०, नेरइया णं भंते ! नेरइएहिंतो कतिकिरिया?, गो०! तिकि० चउकि०,
एवं जाव वेमाणिएहिंतो, नवरं ओरालियसरीरेहिंतो जहा जीवेहिं, असुरकुमारे णं भंते ! जीवातो कतिकिरिए?, गो०! जहेव नेरइए चत्तारि दंडगा तहेव असुरकुमारेवि चत्तारि दंडगा
भाणितद्वा, एवं च उवउज्जिऊणं भावेयव्वन्ति, जीवे मणूसे य अकिरिए वुच्चति, सेसा अकिरिया न वुच्चन्ति, सब्बजीवा ओरालियसरीरेहिंतो पंचकिरिया, नेरइयदेवेहिंतो पंचकिरिया ण
वुच्चन्ति, एवं एकेक्कजीवपदे चत्तारि २ दंडगा भाणितद्वा, एवं एतं दंडगसयं, सब्बेवि य जीवादीया दंडगा । २८३। कति णं भंते ! किरियाओ पं०?, गो०! पंच किरियाओ पं० तं०-
कातिया जाव पाणातिवातकिरिया, नेरइया णं भंते ! कति किरियातो पं०?, गो०! पंच किरियातो पं० तं०-कातिया जाव पाणातिवायकि०, एवं जाव वेमाणियाणं, जस्स णं भंते !
जीवस्स कातिया किरिया कज्जइ तस्स अहिगरणिया किरिया कज्जति जस्स अहिगरणिया कज्जति तस्स कातिया कज्जति?, गो०! जस्स णं जीवस्स कातिया कज्जति तस्स अहिगरणी
नियमा क० जस्स अहिगरणी क० तस्सवि काइया नियमा कज्जति, जस्स णं भंते ! जीवस्स काइया० किं तस्स पादोसिया० जस्स पादोसिया० तस्स काइया कि० क०?, गो०! एवं
चेव, जस्स णं भंते ! जीवस्स काइया कज्जइ तस्स पारियावणिया कज्जइ जस्स पारियावणिया कज्जइ तस्स कातिया कज्जइ?, गो०! जस्स णं जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स
पारियावणिया सिय कज्जइ सिय नो कज्जइ जस्स पुण पारियावणिया० तस्स काइया नियमा कज्जति, एवं पाणाइवायकिरियावि, एवं आदिह्ठाओ परोप्परं नियमा तिण्णि कज्जन्ति,
जस्स आइह्ठाओ तिन्नि कज्जन्ति तस्स उवरिह्ठाओ दोन्नि सिय कज्जन्ति सिय नो कज्जन्ति जस्स उवरिह्ठाओ दोण्णि कज्जन्ति तस्स आइह्ठाओ नियमा तिण्णि कज्जन्ति, जस्स णं भंते !
जीवस्स पारियावणिया कज्जति तस्स पाणातिवायकिरिया कज्जति जस्स पाणातिवायकिरिया कज्जति तस्स पारियावणिया किरिया कज्जति?, गो०! जस्स णं जीवस्स पारियावणिया
कि० तस्स पाणातिवातकिरिया सिय कज्जति सिय नो कज्जति जस्स पुण पाणातिपातकिरिया कज्जति तस्स पारियावणिया नियमा कज्जति, जस्स णं भंते ! नेरइयस्स काइया कज्जति
तस्स अधिगरणिया कज्जति?, गो०! जहेव जीवस्स तहेव नेरइयस्सवि, एवं निरंतरं जाव वेमाणियस्स, जंसमयं णं भंते ! जीवस्स काइया कि० क० तंसमयं अधिगरणिया कि० जंसमयं
अधिगरणिया कि० क० तंसमयं काइया कि०, एवं जहेव आइह्ठाओ दंडओ तहेव भाणितद्वाओ जाव वेमाणियस्स, जंदेसेणं भंते ! जीवस्स काइया कि० तंदेसेणं अधिगरणिया कि०?,
तहेव जाव वेमाणियस्स, जंपएसेणं भंते ! जीवस्स काइया कि० तंपदेसं अधिगरणिया कि०?, एवं तहेव जाव वेमाणियस्स, एवं एते जस्स जंसमयं जंदेसं जंपएसेणं चत्तारि दंडगा
होंति, कति णं भंते ! आतोजितातो किरियाओ पं०?, गो०! पंच आओजियाओ किरियाओ पं० तं०-काइया जाव पाणातिवातकिरिया, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, जस्स णं
भंते ! जीवस्स काइया आतोजिया किरिया अत्थि तस्स अधिगरणिया आतोजिता अत्थि? जस्स अधिगरणिया आतोजिता अत्थि तस्स काइया आतोजिया अत्थि?, एवं (१८९)

एतेणं अभिलावेणं ते चेव चत्तारि दंडगा भाणित्वा, जस्स जंसमयं जंदेसं जंपदेसेण जाव वेमाणियाणं, जीवे णं भंते ! जंसमयं काइयाए अधिगरणियाए पादोसियाते किरियाए पुट्टे तंसमयं पारियावणियाते पुट्टे पाणातिवातकिरियाते पुट्टे ?, गो० ! अत्थेगतिते जीवे एगतियाओ जीवाओ जंसमयं काइयाए अधिगरणियाए पादोसियाते पुट्टे तंसमयं पारितावणियाए पुट्टे पाणाइवायकिरियाए पुट्टे अत्थेगतिते जीवे एगतियाओ जीवाओ जंसमयं काइयाए अधिगरणियाए पादोसियाते पुट्टे तंसमयं पारितावणियाए पुट्टे पाणाइवायकिरियाए अपुट्टे अत्थे-
गइए जीवे एगइयाओ जीवाओ जंसमयं काइयाए अधिगरणियाए पाओसियाए पुट्टे तंसमयं पारि० किरि० अपुट्टे० पाणाइवायकि० अपुट्टे । २८४। कति णं भंते ! किरियाओ पं० ?, गो० ! पंच किरियाओ पं० तं०-आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया, आरंभिया णं भंते ! किरिया कस्स कज्जति ?, गो० ! अण्णयरस्सवि पमत्तसंजयस्स, परिग्गहिया णं भंते ! किरिया कस्स कज्जइ ?, गो० ! अण्णयरस्सवि संजयासंजयस्स, मायावत्तिया णं भंते ! किरिया कस्स कज्जति ?, गो० ! अण्णयरस्सावि अपमत्तसंजयस्स, अपच्चक्खाणकिरिया णं भंते ! कस्स कज्जति ?, गो० ! अण्णयरस्सवि अपच्चक्खाणिस्स, मिच्छादंसणवत्तिया णं भंते ! किरिया कस्स कज्जति ?, गो० ! अण्णयरस्सावि मिच्छादंसणिस्स, नेरइयाणं भंते ! कति किरियातो पं० ?, गो० ! पंच किरियातो पं० तं०-आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया, एवं जाव वेमाणियाणं, जस्स णं भंते ! जीवस्स आरंभिया किरिया क० तस्स परिग्गहिया कि० कज्जति जस्स परिग्ग-
हिया कि० तस्स आरंभिया कि० ?, गो० ! जस्स णं जीवस्स आरंभिया कि० तस्स परिग्गहिया सिय कज्जति सिय नो कज्जति जस्स पुण परिग्गहिया किरिया क० तस्स आरंभिया कि० णियमा क०, जस्स णं भंते ! जीवस्स आरंभिया तस्स मायावत्तिया क० पुच्छा, गो० ! जस्स णं जीवस्स आरंभिया० क० तस्स मायावत्तिया नियमा क० जस्स पुण मायावत्तिया क० तस्स आरंभिया सिय कज्जति सिय नो क०, जस्स णं भंते ! जीवस्स आरंभिया कि० तस्स अपच्चक्खाणकिरिया पुच्छा ?, गो० ! जस्स णं जीवस्स आरंभिया कि० तस्स अपच्चक्खा-
णकिरिया सिय कज्जति सिय नो क० जस्स पुण अपच्चक्खाणकिरिया क० तस्स आरंभिया किरिया णियमा क०, एवं मिच्छादंसणवत्तियाएवि समं, एवं परिग्गहियावि तीहिं उव-
रिद्धाहिं समं संचारेत्वा, जस्स मायावत्तिया कि० तस्स उवरिद्धाओ दोवि सिय कज्जति सिय नो कज्जति जस्स उवरिद्धाओ दो कज्जति तस्स मायावत्तिया णियमा कज्जति, जस्स अपच्चक्खाण० क० तस्स मिच्छादंसणवत्तिया सिय कज्जति सिय नो कज्जति, जस्स पुण मिच्छादंसणवत्तिया तस्स अपच्चक्खाणकिरिया णियमा कज्जति, नेरइयस्स आइडियातो चत्तारि परोप्परं नियमा कज्जति, जस्स एताओ चत्तारि कज्जति तस्स मिच्छादंसणवत्तिया भइज्जति, जस्स पुण मिच्छादंसणवत्तिया कज्जति तस्स एतातो चत्तारि नियमा कज्जति, एवं जाव थणियकुमारस्स, पुढवीकाइयस्स जाव चउरिदियस्स पंचवि परोप्परं नियमा कज्जति, पंचिदियतिरिक्खजोणियस्स आतिडियातो तिण्णिवि परोप्परं नियमा कज्जति, जस्स एयाओ कज्जति तस्स उवरिडिया दोण्णि भइज्जति जस्स उवरिड्यातो दोण्णि कज्जति तस्स एतातो तिण्णिवि णियमा कज्जति, जस्स अपच्चक्खाणकिरिया तस्स मिच्छादंसणवत्तिया सिय कज्जति सिय नो क० जस्स पुण मिच्छादंसणवत्तिया किरिया क० तस्स अपच्चक्खाणकिरिया नियमा क०, मणूसस्स जहा जीवस्स, वाणमंतरजोइसियवेमाणियस्स जहा नेरइयस्स, जंसमयणं भंते ! जीवस्स आरंभिया क० तंसमयं परिग्गहिया कि० क० ?, एवं एते जस्स जंसमयं जंदेसं जंपदेसेण य, चत्तारि दंडगा णेयत्वा, जहा नेरइयाणं तहा सबदेवाणं नेतव्वं जाव वेमाणियाणं । २८५। अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणातिवायवेरमणे कज्जति ?, हंता अत्थि, कम्हिं णं भंते ! जीवाणं पाणातिपातवेरमणे क० ?, गो० ! लसु जीवनिकाएसु, अत्थि णं भंते ! नेरइयाणं पाणातिवातवेरमणे क० ?, गो० ! नो इणट्टे समट्टे, एवं जाव वेमाणियाणं, णवरं मणुस्साणं जहा जीवाणं, एवं मुसावाएणं जाव मायामोसेणं, जीवस्स य मणूसस्स य, सेसाणं नो तिणट्टे समट्टे, णवरं अदिन्नादाणे गहणधारणिज्जेसु दब्बेसु, मेहुणे रूवेसु वा रूवसहगएसु वा दब्बेसु, सेसाणं सब्बेसु दब्बेसु, अत्थि णं भंते ! जीवाणं मिच्छादंसणसहवेरमणे कज्जति ?, हंता अत्थि, कम्हिं णं भंते ! जीवाणं मिच्छादंसणसहवेरमणे कज्जति ?, गो० ! सब्बदब्बेसु, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, णवरं एगिंदियविगलेंदियाणं नो तिणट्टे समट्टे । २८६। पाणातिपातविरए णं भंते ! जीवे कइ कम्मपगडीतो बंधति ?, गो० ! सत्तविह० वा अट्टवि० वा लब्धि० वा एगविहबंधए वा अबंधए वा, एवं मणूसेवि भाणित्वे, पाणातिपात-
विरया णं भंते ! जीवा कति कम्मपगडीतो बंधति ?, गो० ! सब्बेवि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अहवा सत्तविह०गा एगविह०गा अट्टविहबंधगे य अहवा सत्तविह०गा एगविह०गा अट्टविहबंधगा य अहवा सत्तविह०गा एगविह०गा लब्धिहबंधगा य अहवा सत्तविह०गा एगविह०गा अबंधए य अहवा सत्त-
विह०गा एगविह०गा अबंधगा य अहवा सत्तवि०गा एगवि०गा अट्टविहबंधगे य लब्धिहबंधए य अहवा सत्तविहबंधगा य एगविह०गा अट्टविहबंधए य लब्धिहबंधगा य अहवा सत्त-
विह०गा एगवि०गा अट्टविहबंधगा य लब्धिहबंधगा य, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंध-

धए य अबंधए य अहवा सत्तविह०गा एगविह०गा अट्टविहबंधए य अबंधगा य अहवा सत्तविह०गा एगवि०गा अट्टविहबंधगा य अबंधए य अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य अबंधगा य अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगे य अबंधए य अहवा सत्तविह०गा एगविहबंधगा य छव्विहबंधए य अबंधगा य अहवा सत्त-
विहबंधगा य एगवि०गा छव्विह०गा अबंधए य अहवा सत्तविहबंधगा य एगवि०गा छव्विह०गा अबंधगा य अहवा सत्तविहबंधगा य एगवि०गा अट्टविहबंधगे य छव्विहबंधए य अबं-
धए य अहवा सत्तविहबंधगा य एगवि०गा अट्टविहबंधए य छव्विहबंधए य अबंधगा य अहवा सत्तविहबंधगा य एगविह०गा अट्टविहबंधए य छव्विहबंधगा य अबंधए य अहवा
सत्तविहबंधगा य एगवि०गा अट्टविधबंधए य छव्विहबंधगा य अबंधगा य अहवा सत्तवि०गा एगवि०गा अट्टवि०गा छव्विहबंधगे य अबंधए य अहवा सत्तविहबंधगा य एगवि०गा
अट्टविह०गा छव्विहबंधगे य अबंधगा य अहवा सत्तवि०गा एगविह०गा अट्टवि०गा छव्विहबंधगा य अबंधए य अहवा सत्तविहबंधगा य एग०गा अट्टवि०गा छव्विह०गा अबंधगा य,
एवं एते अट्ट भंगा, सब्बेवि मिल्लिया सत्तावीसं भंगा भवंति, एवं मणूसानवि एते चेव सत्तावीसं भंगा भाणितव्वा, एवं मुसावायविरयस्स जाव मायामोसविरयस्स, जीवस्स य मणूसस्स
य, मिच्छादंसणसल्लविरए णं भंते ! जीवे कति कम्मपगडीतो बंधति ?, गो० ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा छव्विहबंधए वा एगवि०गा अबंधए, वा मिच्छादंसणसल्लविरए णं
भंते ! नेरइए कति कम्मपगडीतो बंधति ?, गो० ! सत्तविहबंधए वा अट्टवि०गे जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिए, मणूसे जहा जीवे, वाणमंतरजोइसितवेमाणिते जहा नेरइते, मिच्छादं-
सणसल्लविरया णं भंते ! जीवा कति कम्मपगडीतं, बंधंति ?, गो० ! ते चेव सत्तावीसं भंगा भाणितव्वा, मिच्छादंसणसल्लविरया णं भंते ! नेरइया कति कम्मपगडीतो बंधंति ?, गो० !
सव्वेवि ताव होज्ज सत्तविहबंधगा अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टवि०गा, एवं जाव वेमाणिया, णवरं मणूसाणं जहा जीवाणं । २८७ । पाणाति-
वायविरयस्स णं भंते ! जीवस्स किं आरंभिया किरिया कज्जति जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जति ?, गो० ! पाणातिवायविरयस्स जीवस्स आरंभिया किरिया सिय कज्जति सिय
नो कज्जति, पाणातिवायविरयस्स णं भंते ! जीवस्स परिग्गहिया किरिया कज्जंति ?, गो० ! णो इणट्ठे समट्ठे, पाणातिवायविरयस्स णं भंते ! जीवस्स मायावत्तिया किरिया कज्जति ?,
गो० ! सिय कज्जति सिय नो कज्जति, पाणातिपातविरयस्स णं भंते ! जीवस्स अपच्चक्खाणवत्तिया किरिया कज्जति ?, गो० ! णो इणट्ठे समट्ठे, मिच्छादंसणवत्तियाए पुच्छा, गो० ! णो
इणट्ठे समट्ठे, एवं पाणातिपातविरयस्स मणूसस्सवि, एवं जाव मायामोसविरयस्स जीवस्स मणूसस्स य, मिच्छादंसणसल्लविरयस्स णं भंते ! जीवस्स किं आरंभिया क० जाव मिच्छा-
दंसणवत्तिया क० ?, गो० ! मिच्छादंसणसल्लविरतस्स जीवस्स आरंभिया सिय क० सिय नो क० एवं जाव अपच्चक्खाणकिरिया, मिच्छादंसणवत्तिया न क०, मिच्छादंसणसल्लविर-
यस्स णं भंते ! नेरइयस्स किं आरंभिया क० जाव मिच्छादंसणवत्तिया क० ?, गो० ! आरंभिया क० जाव अपच्चक्खाणकिरियावि क०, मिच्छादंसणवत्तिया नो क०, एवं जाव थणि-
यकुमारस्स, मिच्छादंसणसल्लविरयस्स णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स एवमेव पुच्छा, गो० ! आरंभिया क० जाव मायावत्तिया क० अपच्चक्खाणकि० सिय क० सिय नो क०,
मिच्छादंसणवत्तिया नो क०, मणूसस्स जहा जीवस्स, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयस्स, एतासिं णं भंते ! आरंभियाणं जाव मिच्छादंसणवत्तियाण य कतरे० ?, गो० ! सब्बत्थो-
वाओ मिच्छादंसणवत्तियाओ अपच्चक्खाण० विसे० परिग्गहियातो विसे० आरंभियातो किरियातो विसे० मायावत्तियातो विसेसाहियातो । २८८ ॥ किरियापयं २२ ॥ 'कति पगडी कह
बंधति कइहिवि ठाणेहिं बंधए जीवो । कति वेदेइ य पयडी अणुभावो कइविहो कस्स ॥ २१७ ॥ कति णं भंते ! कम्मपगडीओ पं० ?, गो० ! अट्ट कम्मपगडीओ पं० तं०-णाणावरणिज्जं
दंसणावरणिज्जं वेदणिज्जं मोहणिज्जं आउयं नामं गोयं अंतराइयं, नेरइयाणं भंते ! कइ कम्मपगडीओ पं० ?, गो० ! एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं । २८९ । कहणं भंते ! जीवे अट्ट
कम्मपगडीतो बंधति ?, गो० ! नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं दरिसणावरणिज्जं कम्मं णियच्छति दंसणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं दंसणमोहणिज्जं कम्मं णियच्छति दंसणमोह
णिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मिच्छत्तं नियच्छति मिच्छत्तेणं उदिएणं गो० ! एवं खलु जीवो अट्ट कम्मपगडीतो बंधति, कहणं भंते ! नेरइए अट्ट कम्मपगडीओ बंधति ?, गो० ! एवं चेव,
एवं जाव वेमाणिए, कहणं भंते ! जीवा अट्ट कम्मपगडीतो बंधंति ?, गो० ! एवं चेव, जाव वेमाणिया । २९० । जीवे णं भंते ! नाणावरणिज्जं कम्मं कतिहिं ठाणेहिं बंधति ?, गो० !
दोहिं ठाणेहिं तं०-रागेण य दोसेण य, रागे दुविहे पं० तं०-माया य लोभे य, दोसे दुविधे पं० तं०-कोहे य माणे य, इच्चेतेहिं चउहिं ठाणेहिं विरितोवग्गहिं एवं खलु जीवे नाणा-
वरणिज्जं कम्मं बंधति, एवं नेरतिते जाव वेमाणिते, जीवा णं भंते ! नाणावरणिज्जं कम्मं कतिहिं ठाणेहिं बंधंति ?, गो० ! दोहिं ठाणेहिं० एवं चेव, एवं नेरइया, जाव वेमाणिया, एवं
दंसणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, एवं एते एगत्तपोहत्तिया सोलस दंडगा । २९१ । जीवे णं भंते ! नाणावरणिज्जं कम्मं वेदेति ?, गो० ! अत्थेगइए वेदेति अत्थेगइए नो वेएइ, नेरइए णं

भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेति ?, गो० ! नियमा वेदेति, एवं जाव वेमाणिते, णवरं मणूसे जहा जीवे, जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेति ?, गो० ! एवं चेव, एवं जाव वेमा-
 णिया, एवं जहा णाणावरणिज्जं तहा दंसणावरणिज्जं मोहणिज्जं अंतराइयं च, वेयणिजाउनामगोताइं एवं चेव, नवरं मणूसेवि नियमा वेदेति, एवं एते एगत्तपोहत्तिया सोलस दंडगा
 । २९२ । णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स पुट्टस्स बद्धफासपुट्टस्स संचियस्स चियस्स उवचियस्स आवागपत्तस्स विवागपत्तस्स फलपत्तस्स उदयपत्तस्स जीवेणं
 कयस्स जीवेणं निवृत्तियस्स जीवेणं परिणामियस्स सयं वा उदिण्णस्स परेण वा उदीरियस्स तदुभएण वा उदीरिज्जमाणस्स गतिं पप्प ठितिं पप्प भवं पप्प पोग्गलपरिणामं पप्प कति-
 विधे अणुभावे पं०?, गो० ! णाणावरणिज्जस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प दसविधे अणुभावे पं० तं०-सोतावरणे सोयविण्णाणावरणे नेत्तावरणे नेत्तविण्णा-
 णावरणे घाणावरणे घाणविण्णाणावरणे रसावरणे रसविण्णाणावरणे फासावरणे फासविण्णाणावरणे जं वेदेति पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं पप्प
 तेसिं वा उदएणं जाणियद्वं ण जाणति जाणिउकामेऽवि ण याणति जाणित्तावि न याणति उच्छन्नणाणी यावि भवति णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं, एस णं गो० ! णाणावरणिज्जे
 कम्मे एस णं गो० ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प दसविधे अणुभावे पं०, दरिसणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलप-
 रिणामं पप्प कतिविधे अणुभावे पं०?, गो० ! दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प णवविधे अणुभावे पं० तं०-णिहा णिहाणिहा पयला पयला-
 पयला थीणद्धी चक्खु० अचक्खु० ओहि० केवलदंसणावरणे जं वेदेति पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं पप्प तेसिं वा उदएणं पासियद्वं ण पासति
 पासिउकामेवि ण पासति पासित्तावि ण पासति उच्छन्नदंसणी यावि भवति दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं, एस णं गो० ! दरिसणावरणिज्जे कम्मे एस णं गो० ! दरिसणावरणिज्ज-
 स्स कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प णवविधे अणुभावे पं०, सायावेयणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलाण परिणामं पप्प कतिविधे अणुभावे पं०?,
 गो० ! सातावेदणिज्जस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव अट्टविधे अणुभावे पं० तं०-मणुण्णा सहा मणुण्णा रूवा मणुण्णा गंधा मणुण्णा रसा मणुण्णा फासा मणुसुहता वयसुहया
 कायसुहता जं वेदेति पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं तेसिं वा उदएणं सातावेदणिज्जं कम्मं वेदेति, एस णं गो० ! सायावेयणिज्जे कम्मे एस
 णं गो० ! सातावेयणिज्जस्स जाव अट्टविधे अणुभावे पं०, असातावेयणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं तहेव पुच्छा उत्तरं च नवरं अमणुण्णा सहा जाव कायदुहया, एस णं गो० !
 असायावेयणिज्जे कम्मे एस णं गो० ! असातावेदणिज्जस्स जाव अट्टविधे अणुभावे, मोहणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव कतिविधे अणुभावे पं०?, गो० ! मोहणिज्जस्स
 कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पंचविधे अणुभावे पं० तं०-सम्मत्तवेयणिज्जे मिच्छत्त० सम्मामिच्छत्त० कसाय० नोकसायवेयणिज्जे जं वेदेति पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा
 वीससा वा पोग्गलाण परिणामं तेसिं वा उदएणं मोहणिज्जं कम्मं वेएइ एस णं गो० ! मोहणिज्जस्स कम्मस्स जाव पंचविधे अणुभावे पं०, आउस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं तहेव
 पुच्छा, गो० ! आउयस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव चउविहे अणुभावे पं० तं०-नेरइयाउते तिरियाउते मणुयाउए देवाउए जं वेदेति पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा
 वीससा वा पोग्गलाण परिणामं तेसिं वा उदएणं आउयं कम्मं वेदेति एस णं गो० ! आउए कम्मे एस णं गो० ! आउयस्स कम्मस्स जाव चउविहे अणुभावे पं०, सुहणामस्स णं भंते !
 कम्मस्स जीवेणं पुच्छा, गो० ! सुहणामस्स णं कम्मस्स जीवेणं चउहसविधे अणुभावे पं० तं०-इट्ठा सहा इट्ठा रूवा इट्ठा गंधा इट्ठा रसा इट्ठा फासा इट्ठा गती इट्ठा ठिती इट्ठे लावण्णे
 इट्ठा जसोकिती इट्ठे उट्ठाणकम्मबलवीरियपुरिसक्कारपरकमे इट्ठस्सरया कंतस्सरया पियस्सरया मणुण्णस्सरया जं वेदेति पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्ग-
 लाणं परिणामं तेसिं वा उदएणं सुभणामं कम्मं वेएइ एस णं गो० ! सुहणामकम्मे एस णं गो० ! सुभणामस्स कम्मस्स जाव चउहसविधे अणुभावे पं०, दुहणामस्स णं भंते ! पुच्छा,
 गो० ! एवं चेव णवरं अणिट्ठा सहा जाव हीणस्सरया दीणस्सरया अकंतस्सरया जं वेदेति सेसं तं चेव जाव चउहसविधे अणुभावे पं०, उच्चागोतस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं पुच्छा,
 गो० ! उच्चागोतस्स कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव अट्टविधे अणुभावे पं० तं०-जातिविसिट्ठया कुल० बलवि० रूव० तव० सुय० लाभ० इस्सरियवि० जं वेदेति पोग्गलं वा पोग्गले वा
 पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं तेसिं वा उदएणं जाव अट्टविधे अणुभावे पं०, णीयागोयस्स णं भंते ! पुच्छा, गो० ! एवं चेव णवरं जातिविहीणया जाव इस्सरिय-
 विहीणया जं वेदेति पुग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाण परिणामं तेसिं वा उदएणं जाव अट्टविधे अणुभावे पं०, अंतरायस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं
 पुच्छा, गो० ! अंतराइयस्स कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पंचविधे अणुभावे पं० तं०-दाणंतराए लाभं० भोगं० उवभोगं० वीरियंतराए जं वेदेति पोग्गलं जाव वीससा वा० तेसिं वा

उदएणं अंतराइयं कम्मं वेदेति एस णं गो० ! अंतराइए कम्म एस णं गो० ! जाव पंचविधे अणुभावे पं० । २९३ ॥ पयं० २३ उ० १ ॥ कति णं भंते ! कम्मपगडीओ पं०?, गो० ! अट्ट कम्मपगडीओ पं० तं०-णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, णाणावरणिज्जे णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! पंचविधे पं० तं०-आभिणिबोहियनाणावरणिज्जे जाव केवलनाणावरणिज्जे, दंसणावरणिज्जे णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! दुविहे पं० तं०-निहापंचए य दंसणचउक्कए य, निहापंचए णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो० ! पंचविधे पं० तं०-निहा जाव थिणद्धी, दंसणचउक्कए णं पुच्छा, गो० ! चउव्विधं पं० तं०-चक्खुदंसणावरणिज्जे जाव केवलदंसणावरणिज्जे, वेयणिज्जे णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! दुविहे पं० तं०-सायावेयणिज्जे य असायावेयणिज्जे य, सातावेयणिज्जे णं भंते ! कम्म पुच्छा, गो० ! अट्टविधे पं० तं०-मणुण्णा सदा जाव कायसुहया, असायावेदणिज्जे णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! अट्टविधे पं० तं०-अमणुण्णा सदा जाव कायदुहया, मोहणिज्जे णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! दुविहे पं० तं०-दंसणमोहणिज्जे य चरित्तमोहणिज्जे य, दंसणमोहणिज्जे णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! तिविहे पं० तं०-सम्मत्तं मिच्छत्तवे० सम्मामिच्छत्तवेयणिज्जे, चरित्तमोहणिज्जे णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! दुविधे पं० तं०-कसायवे० नोकसायवेद०, कसायवेदणिज्जे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो० ! सोलसविधे पं० तं०-अणंताणुबंधी कोहे अणंताणु० माणे माया लोभे, अपच्चक्खाणे कोहे एवं माणे माया लोभे, पच्चक्खाणावरणे कोहे एवं माणे माया लोभे, संजलणे कोहे एवं माणे माया लोभे, नोकसायवेयणिज्जे णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! णवविधे पं० तं०-इत्थीवेयवेयणिज्जे पुरिसवे० नपुंसगवे० हासे रती अरती भए सोगे दुगुंठा, आउए णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! चउव्विधे पं० तं०-नेरइयाउए जाव देवाउए, णामे णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! बायालीसतिविधे पं० तं०-गतिनामे जाति० सरीर० सरीरोवंग० सरीरबंधण० सरीरसंघयण० संघायण० संठाण० वण्ण० गंध० रस० फास० अगुरुलघु० उवघाय० पराघाय० आणुपुव्वि० उस्सास० आयव० उज्जोय० विहायगति० तस० थावर० सुहुम० बादर० पज्जत्त० अपज्जत्त० साहारणसरीर० पत्तेयसरीर० थिर० अथिर० सुभ० असुभ० सुभग० दूभग० सूसर० दूसर० आदेज्ज० अणा-देज्ज० जसोकित्ति० अजसोकित्ति० णिम्माण० तित्थगरणामे ४२, गतिनामे णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! २ चउव्विधे पं० तं०-निरय० तिरिय० मणु० देवगतिणामे, जातिणामे णं भंते ! कम्म पुच्छा, गो० ! पंचविधे पं० तं०-एगिंदिय० जाव पंचिंदियजातिणामे, सरीरनामे णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! पंचविधे पं० तं०-ओरालिय० जाव कम्मगसरी-रणामे, सरीरोवंगनामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो० ! तिविधे पं० तं०-ओरालिय० वेउव्विय० आहारगसरीरोवंगणामे, सरीरबंधणनामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो० ! पंचविधे पं० तं०-ओरालिय० जाव कम्मगसरीरबंधणनामे, सरीरसंघायणामे णं भंते ! कति०?, गो० ! पंचविधे पं० तं०-ओरालिय० जाव कम्मगसरीरसंघायनामे, संघयणनामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो० ! छविहे पं० तं०-वइरोसभनारायसंघयणनामे उसहनाराय० नाराय० अद्वनाराय० कीलिया० छेवट्टसंघयणनामे, संठाणनामे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो० ! छविहे पं० तं०-सम-चउरंससंठाणनामे निग्गोहपरिमंडल० साइ० वामण० खुज्ज० हुंडसंठाणनामे, वण्णनामे णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! पंचविधे पं० तं०-काल० जाव सुक्खिलवण्णनामे, गंधनामे णं भंते ! कम्म पुच्छा, गो० ! दुविहे पं० तं०-सुरभिगंधनामे दुरभिगंधनामे, रसनामे णं पुच्छा, गो० ! पंचविधे पं० तं०-तित्तरसनामे जाव महुररसनामे, फासनामे णं पुच्छा, गो० ! अट्टविधे पं० तं०-कक्खड० जाव लहुयफासनामे, अगुरुलहुयनामे एगागारे पं० उवघायनामे एगागारे पं० पराघातनामे एगागारे पं०, आणुपुव्विणामे चउव्विहे पं० तं०-नेरइयआणु-पुव्वीणामे जाव देवाणुपुव्वीणामे, उस्सासनामे एगागारे पं०, सेसाणि सव्वाणि एगागाराइं पं० जाव तित्थगरनामे, णवरं विहायगतिनामे दुविधे पं० तं०-पसत्थविहाय० अपसत्थविहाय-गतिनामे य, गोए णं भंते ! कम्म कइविहे पं०?, गो० ! दुविहे पं० तं०-उच्चागोए य नीयागोए य, उच्चागोए णं भंते ! कइविधे पं०?, गो० ! अट्टविधे पं० तं०-जाइविसिद्धया जाव इस्स-रियविसिद्धया, एवं नीयागोएवि णवरं जातिविहीणता जाव इस्सरियविहीणता, अंतराए णं भंते ! कम्म कतिविधे पं०?, गो० ! पंचविधे पं० तं०-दाणंतराइए जाव वीरियंतराइए, णा-णावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स केवतितं कालं ठिती पं०?, गो० ! जह० अंतोमुहुत्तं उक्को० तीसं सागरोवमकोडाकोडीतो तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा, अबाहूणिया कम्मठिती कम्मनिसेगो, निहापंचगस्स णं भंते ! कम्मस्स केवतितं कालं ठिती पं०?, गो० ! जह० सागरोवमस्स तिण्णि सत्तभागा पलितोवमस्स असंखेज्जतिभागेणं ऊणिया उक्को० तीसं सागरो-वमकोडाकोडीतो तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा अबाहूणिया कम्मठिई कम्मनिसेगो, दंसणचउक्कस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं ठिती पं०?, गो० ! जह० अंतो० उक्को० तीसं सागरोवमकोडाकोडीतो तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा०, सायावेयणिज्जस्स ईरियावहियं बंधगं पडुच्च अजहण्णमणुक्कोसेणं दो समया संपराइयबंधगं पडुच्च जह० बारस मुहुत्ता उक्को० पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीतो पण्णरस वाससयाइं अबाधा०, असातावेदणिज्जस्स जह० सागरोवमस्स तिण्णि सत्तभागा पलितोवमस्स असंखेज्जतिभागेणं ऊणया उक्को० तीसं सागरोवमकोडाकोडीतो तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा, सम्मत्तवेयणिज्जस्स पुच्छा, गो० ! जह० अंतो० उक्को० छावट्ठिं सागरोवमाइं सातिरेगातिं, मिच्छत्तवेयणिज्जस्स (१९०)

जह० सागरोवमं पलितोवमस्स असंखेज्जतिभागेण ऊणगं उक्को० सत्तरि सागरकोडाकोडीतो सत्त य वाससहस्साइं अबाहा, अबाहूणिया०, सम्मामिच्छत्तवेयणिज्जस्स जह० अंतो० उक्को०
 अंतो०, कसायबारसगस्स जह० सागरोवमस्स चत्तारि सत्तभागा पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणया उक्को० चत्तालीसं सागरोवमकोडाकोडीतो चत्तालीसं वाससताइं अबाहा
 जाव निसेगो, कोहसंजलणे पुच्छा, गो०! जह० दो मासा उक्को० चत्तालीसं सागरोवमकोडाकोडीतो चत्तालीसं वाससताइं अबाहा जाव निसेगो, माणसंजलणाते पुच्छा, गो०! जहा
 कोहस्स, मायासंजलणाते पुच्छा, गो०! जह० अदं मासं उक्को० जहा कोहस्स, लोहसंजलणाए पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० जहा कोहस्स, इत्थिवेयस्स पुच्छा, गो०! जह०
 सागरोवमस्स दिवड्ढं सत्तभागं पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणयं उक्को० पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीतो पण्णरस वाससताइं अबाहा०, पुरिसवेदस्स णं पुच्छा, गो०! जह०
 अट्ट संवच्छरातिं उक्को० दस सागरोवमकोडाकोडीतो दस वाससताइं अबाहा जाव निसेगो, णपुंसगवेदस्स णं पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलितोवमस्स असं-
 खेज्जिभागेण ऊणया उक्को० वीसं सागरोवमको० वीस य वाससताइं अबाहा०, हासरतीणं पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमस्स एकं सत्तभागं पलितोवमस्स असंखेज्जतिभागेण ऊणं
 उक्को० दस सागरोवमकोडाकोडीओ दस वाससताइं अबाहा०, अरतिभयसोगदुगुंछाणं पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलितोवमस्स असंखेज्जतिभागेण ऊणया
 उक्को० वीसं सागरोवमकोडाकोडीतो वीसं वाससताइं अबाहा०, नेरइयाउयस्स णं पुच्छा, गो०! जह० दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वको-
 डीतिभागमब्भहियातिं, तिरिक्खजोणियाउयस्स पुच्छा, गो०! जह० अंतो० उक्को० तिण्णि पलितोवमाइं पुव्वकोडितिभागमब्भहियाइं, एवं मणूसाउयस्सवि, देवाउयस्स जहा नेर-
 इयाउयस्स ठितित्ति, निरयगतिनामाए णं पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागा पलितोवमस्स असंखिज्जतिभागेण ऊणया उक्को० वीसं सागरोवमकोडाकोडीतो वीसं
 वाससताइं अबाहा०, तिरियगतिनामाए जहा नपुंसगवेदस्स, मणुयगतिनामाते पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमस्स दिवड्ढं सत्तभागं पलितोवमस्स असंखेज्जतिभागेण ऊणगं उक्को० पण्णरस
 सागरोवमकोडाकोडीतो पण्णरस वाससताइं अबाहा० देवगतिनामाए णं पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमसहस्सस्स एगं सत्तभागं पलितोवमस्स असंखेज्जतिभागेण ऊणयं उक्को० जहा
 पुरिसवेदस्स, एगिंदियजातिनामाए णं पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलितोवमस्स असंखेज्जतिभागेण ऊणया उक्को० वीसं सागरोवमकोडाकोडीतो वीसई वास-
 सताइं अबाहा०, बेइंदियजातिनामे णं पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमस्स नव पण्णीसतिभागा पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणया उक्को० अट्टारस सागरोवमकोडाकोडीतो अट्टारस
 य वाससयाइं अबाहा०, तेइंदियजातिनामाए णं जह० एवं चेव उक्को० अट्टारस सागरोवमकोडाकोडीतो अट्टारस वाससताइं अबाहा०, चउरिंदियजातिनामाए पुच्छा, गो०! जह० सागरो-
 वमस्स णव पण्णीसतिभागा पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणया उक्को० अट्टारस सागरोवमकोडाकोडीतो अट्टारस वाससताइं अबाहा०, पंचिंदियजातिनामाए पुच्छा, गो०!
 जह० सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलितोवमस्स असंखेज्जतिभागेण ऊणया उक्को० वीसं सागरोवमकोडाकोडीतो वीस य वाससताइं अबाहा०, ओरालियसरीरएवि एवं चेव, वेउव्वि-
 यसरीरनामाए णं भंते! पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागा पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणया उक्को० वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ वीसई वाससयाइं
 अबाहा०, आहारगसरीरनामाए जह० अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ उक्को० अंतोसागरकोडाकोडीओ, तेयाकम्मसरीरनामाए जह० दोण्णि सत्तभागा पलितोवमस्स असंखेज्जतिभागेण
 ऊणया उक्को० वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ वीस य वाससताइं अबाहा०, ओरालियवेउव्वियआहारगसरीरोवंगनामाए० तिण्हवि एवं चेव, सरीरबंधणनामाएवि पंचण्हवि एवं चेव,
 सरीरसंघायनामाए पंचण्हवि जहा सरीरनामाए कम्मस्स ठिइत्ति, वइरोसभनारायसंघयणनामाए जहा रइनामाए, उसभनारायसंघयणनामाए पुच्छा, गो०! सागरोवमस्स छ पण्णीस-
 तिभागा पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणया उक्को० बारस सागरोवमकोडाकोडीओ बारस वाससताइं अबाहा०, नारायसंघयणनामस्स जह० सागरोवमस्स सत्त पण्णीसतिभागा
 पलितोवमस्स असंखेज्जतिभागेण ऊणया उक्को० चोइस सागरोवमकोडाकोडीतो चउइस वाससताइं अबाहा०, अद्वनारायसंघयणनामस्स जह० सागरोवमस्स अट्ट पण्णीसतिभागा
 पलितोवमस्स असंखेज्जतिभागेण ऊणया उक्को० सोलस सागरोवमकोडाकोडीतो सोलस वाससताइं अबाहा०, खीलियासंघयणे णं पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमस्स नव पण्णीस-
 तिभागा पलितोवमस्स असंखेज्जतिभागेण ऊणया उक्को० अट्टारस सागरोवमकोडाकोडीओ अट्टारस वाससताइं अबाहा०, छेवट्टसंघयणनामस्स पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमस्स
 दोण्णि सत्तभागा पलितोवमस्स असं० ऊणया उक्को० वीसं सागरोवमको० वीस य वाससताइं अबाहा०, एवं जहा संघयणनामाते छब्भणिया एवं संठाणावि छब्भणितव्वा, सुक्खि-
 वण्णणामाते पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमस्स एगं सत्तभागं पलितो० असं० ऊणगं उक्को० दस सागरोवमकोडाकोडीतो दस वाससताइं अबाहा०, हालिदवण्णणामाए णं पुच्छा, गो०!

सागरोवमस्स पंच अट्ठावीसतिभागा पलितोवमस्स असंखेज्जिभा ० ऊ ० उक्को ० अट्ठतेरस सागरोवमकोडाकोडीओ अट्ठतेरस वाससयाइं अबाहा ०, लोहितवण्णनामाए णं पुच्छा, गो ०! जह ०
 सागरोवमस्स छ अट्ठावीसतिभागा पलितोवमस्स असं ० भागेण ऊणया उक्को ० पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ पण्णरस वाससयातिं अबाहा ०, नीलवण्णनामाए पुच्छा, गो ०!
 जह ० सागरोवमस्स सत्त अट्ठावीसतिभागा पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणया उक्को ० अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीतो अट्ठारस वाससताइं अबाहा ०, कालवण्णनामाए जहा
 छेवट्ठसंघय ०, सुब्भिगंधणामाते पुच्छा, गो ०! जहा सुक्खिलवण्णनामस्स, दुब्भिगंधणामाए जहा छेवट्ठसंघयणस्स, रसाणं महुरादीणं जहा वण्णाणं भणितं तहेव परिवाडीते भाणितं,
 फासा जे अपसत्था तेसिं जहा छेवट्ठस्स, जे पसत्था तेसिं जहा सुक्खिलवण्णनामस्स, अगुरुलहुनामाते जहा छेवट्ठस्स, एवं उवघातनामाएवि, पराघायनामाएवि एवं चेव, निरयाणुपुब्बी-
 नामाए पुच्छा, गो ०! जह ० सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागा पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणया उक्को ० वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ वीसं वाससताइं अबाहा ०, तिरियाणुपु-
 बीए पुच्छा, गो ०! जह ० सागरोवमस्स दो सत्तभागा पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणया उक्को ० वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ वीसती वाससताइं अबाधा ०, मणुयाणुपुब्बी-
 नामाए णं पुच्छा, गो ०! जह ० सागरोवमस्स दिवड्ढं सत्तभागं पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणयं उक्को ० पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ पण्णरस वाससताइं अबाहा ०,
 देवाणुपुब्बीनामाते पुच्छा, गो ०! जह ० सागरोवमसहस्सस्स एगं सत्तभागं पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणयं उक्को ० दस सागरोवमकोडाकोडीओ दस य वाससताइं अबाहा ०,
 उत्तासनामाते पुच्छा, गो ०! जहा तिरियाणुपुब्बीए, आयवनामाएवि एवं चेव, उज्जोयनामाएवि, पसत्थविहायोगतिनामाएवि पुच्छा, गो ०! जह ० एगं सागरोवमस्स सत्तभागं उक्को ०
 दस सागरोवमकोडाकोडीओ दस वाससताइं अबाहा ०, अपसत्थविहायोगतिनामस्स पुच्छा, गो ०! जह ० सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणया
 उक्को ० वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ वीस य वाससताइं अबाहा ०, तसनामाए थावरनामाए य एवं चेव, सुहुमनामाए पुच्छा, गो ०! जह ० सागरोवमस्स णव पणतीसतिभागा पलि-
 तोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणया उक्को ० अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीतो अट्ठारस य वाससताइं अबाहा ०, बादरनामाए जहा अप्पसत्थविहायोगतिनामस्स, एवं पज्जत्तनामाएवि,
 अपज्जत्तनामाए जहा सुहुमनामस्स, पत्तेयसरीरनामाएवि दो सत्तभागा, साहारणसरीरनामाए जहा सुहुमस्स, थिरनामाए एगं सत्तभागं, अथिरनामाए दो सुभनामाए एगो असुभना-
 माए दो सुभगनामाए एगो दूभगनामाए दो सूसरनामाए एगो दूसरनामाए दो आदिज्जनामाए एगो अणाइज्जनामाए दो जसोकित्तिनामाए जह ० अट्ठ मुहुत्ता उक्को ० दस सागरो-
 वमकोडाकोडीतो दस वाससताइं अबाहा ०, अजसोकित्तिनामाए पुच्छा, गो ०! जहा अपसत्थविहायोगतिनामस्स, एवं णिम्माणनामाएवि, तित्थगरणामाए णं पुच्छा, गो ०! जह ०
 अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ उक्को ० अंतो ० कोडाकोडीओ, एवं जत्थ जह ० एगो सत्तभागो तत्थ उक्को ० दस सागरोवमकोडाकोडीओ दस वाससताइं अबाहा ० जत्थ दो सत्तभागा तत्थ
 उक्को ० वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ वीस य वाससताइं अबाहा ०, उच्चागोयस्स णं पुच्छा, गो ०! जह ० अट्ठ मुहुत्ता उक्को ० दस सागरोवमकोडाकोडीओ दस य वाससताइं अबाहा ०, णीया-
 गोत्तस्स पुच्छा, गो ०! जहा अप्पसत्थविहायोगतिनामस्स, अंतराए णं पुच्छा, गो ०! जह ० अंतो ० उक्को ० तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा अबाहुणिया
 कम्मट्ठिती कम्मनिसेगो । २९५ । एगिंदिया णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स किं बंधंति ?, गो ०! जह ० सागरोवमस्स तिण्णि सत्तभागा पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणया उक्को-
 सेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति, एवं निहापंचगस्सवि दंसणचउक्कस्सवि, एगिंदिया णं भंते ! सातावेदणिज्जस्स किं बंधंति ?, गो ०! जह ० सागरोवमस्स दिवड्ढं सत्तभागं पलितोवमस्स असंखे-
 ज्जिभागेण ऊणयं उक्को ० तं चेव पडिपुण्णं बंधंति, असायवेयणिज्जस्स जहा णाणावरणिज्जस्स, एगिंदिया णं भंते ! जीवा सम्मत्तवेयणिज्जस्स किं बंधंति ?, गो ०! णत्थि किंचि बंधंति,
 एगिंदिया णं भंते ! जीवा मिच्छत्तवेदणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधंति ?, गो ०! जह ० सागरोवमं पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणं उक्को ० तं चेव पडिपुण्णं बंधंति, एगिंदिया णं भंते !
 जीवा सम्मामिच्छत्तवेयणिज्जस्स किं बंधंति ?, गो ०! णत्थि किंचि बन्धंति, एगिंदिया णं भंते ! जीवा कसायबारसगस्स किं बंधंति ?, गो ०! जह ० सागरोवमस्स चत्तारि सत्तभागे
 पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणते उक्को ० ते चेव पडिपुण्णे बंधंति, एवं जाव कोहसंजलणाएवि, जाव लोभसंजलणाएवि, इत्थिवेदस्स जहा सातावेदणिज्जस्स, एगिंदिया पुरिस-
 वेदस्स कम्मस्स ०?, जह ० सागरोवमस्स एगं सत्तभागं पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणयं उक्को ० तं चेव पडिपुण्णं बंधंति, एगिंदिया नपुंसगवेदस्स कम्मस्स ०?, जह ० सागरोवमस्स दो
 सत्तभागे पलितोवमस्स असंखेज्जिभागेण ऊणए उक्को ० ते चेव पडिपुण्णे बंधंति, हासरतीते जहा पुरिसवेदस्स, अरतिभयसोगदुगुंछाए जहा नपुंसगवेयस्स, नेरइयाऊ देवाऊ य निर-
 यगति ० देवगति ० वेउवियसरीर ० आहारग ० नेरइयाणुपुब्बिं देवाणुपुब्बिं तित्थगरणामं एताणि पदाणि ण बंधंति, तिरिक्खजोणियाउयस्स जह ० अंतो ० उक्को ० पुब्बकोडी सत्तहिं वास-

सहस्सेहि वाससहस्सतिभागेण य अहियं बंधंति, एवं मणुस्साउयस्सवि, तिरियगतिनामाए जहा नपुंसगवेदस्स, मणुयगतिनामाए जहा सातावेदणिजस्स, एगिंदियनामाए पंचिंदियजा-
तिनामाए य जहा नपुंसगवेदस्स, बेइंदियतेइंदियजातिनामाए पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमस्स नव पणतीसतिभागे पलितोवमस्स असंखेजतिभागेण ऊणए उक्को० ते चेव पडिपुण्णे बंधंति,
चउरिंदियनामाएवि जह० सागरोवमस्स नव पणतीसतिभागे पलितोवमस्स असंखेजतिभागेण ऊणए उक्को० ते चेव पडिपुण्णे बंधंति, एवं जत्थत्थि जहण्णगं दो सत्तभागा तिप्पि वा
चत्तारि वा सत्तभागा अट्ठावीसतिभागा० भवंति तत्थ णं जह० ते चेव पलितोवमस्स असंखेजतिभागेण ऊणगा भाणितत्था उक्को० ते चेव पडिपुण्णे बंधंति, जत्थ णं जह० एगो वा
दिवइढो वा सत्तभागो तत्थ जह० तं चेव भाणितत्थं उक्को० तं चेव पडिपुण्णं बंधंति, जसोकित्तिउच्चागोताणं जह० सागरोवमस्स एगं सत्तभागं पलितोवमस्स असं० ऊणं उक्को०
तं चेव पडिपुण्णं बंधंति, अंतराइयस्स णं भंते! पुच्छा, गो०! जहा णाणावरणिज्जं उक्को० ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । २९६ । बेइंदिया णं भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं
बंधंति?, गो०! जह० सागरोवमपणवीसाते तिप्पि सत्तभागा पलितोवमस्स असं० ऊणया उक्को० ते चेव पडिपुण्णे बंधंति, एवं निहापंचगस्सवि, एवं जहा एगिंदियाणं भणितं तहा
बेइंदियाणवि भाणितत्थं, नवरं सागरोवमपणवीसाए सह भाणितत्था पलितोवमस्स असंखेजतिभागेण ऊणा सेसा तं चेव पडिपुण्णं बंधंति, जत्थ एगिंदिया न बंधंति तत्थ एतेवि न बंधंति.
बेइंदिया णं भंते! जीवा मिच्छत्तवेयणिज्जस्स किं बंधंति?, गो०! जह० सागरोवमपणवीसं पलिओवमस्स असंखेजइभागेण ऊणयं उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति, तिरिक्खजो-
णियाउयस्स जह० अंतो० उक्को० पुब्वकोडिं चउहिं वासेहिं अहियं बंधंति, एवं मणुयाउयस्सवि, सेसं जहा एगिंदियाणं, जाव अंतराइयस्स, तेइंदिया णं भंते! जीवा णाणावरणि-
ज्जस्स किं बंधंति?, गो०! जह० सागरोवमपण्णासाए तिप्पि सत्तभागा पलितोवमस्स असंखेजइभागेण ऊणया उक्को० ते चेव पडिपुण्णे बंधंति, एवं जस्स जति भागा ते तस्स साग-
रोवमपण्णासाए सह भाणितत्था, तेइंदिया णं भंते! मिच्छत्तवेदणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधंति?, गो०! जह० सागरोवमपण्णासं पलितोवमस्सासंखेजतिभागेण ऊणयं उक्को० तं चेव
पडिपुण्णं बंधंति, तिरिक्खजोणियाउयस्स जह० अंतो० उक्को० पुब्वकोडिं सोलसहिं दिवसेहिं राइंदियतिभागेण य अहियं बंधंति, एवं मणुस्साउयस्सवि, सेसं जहा बेइंदियाणं जाव अंत-
राइयस्स, चउरिंदिया णं भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स किं बंधंति?, गो०! जह० सागरोवमसयस्स तिप्पि सत्तभागे पलितोवमस्स असंखेजतिभागेण ऊणए उक्को० ते चेव पडिपुण्णे
बंधंति, एवं जस्स जति भागा तस्स सागरोवमसतेण सह भाणितत्था, तिरिक्खजोणियाउयस्स कम्मस्स जह० अंतो० उक्को० पुब्वकोडिं दोहिं मासेहिं अहियं, एवं मणुस्साउयस्सवि, सेसं
जहा बेइंदियाणं, णवरं मिच्छत्तवेदणिज्जस्स जह० सागरोवमसतं पलितोवमस्स असंखेजतिभागेण ऊणयं उक्को० तं चेव पडिपुण्णं बंधंति, सेसं जहा बेइंदियाणं जाव अंतराइयस्स,
असण्णी णं भंते! जीवा पंचिंदिया णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधंति?, गो०! जह० सागरोवमसहस्सस्स तिप्पि सत्तभागे पलितोवमस्सासंखेजतिभागेण ऊणए उक्को० ते चेव
पडिपुण्णे, एवं सो चेव गमो जहा बेइंदियाणं, णवरं सागरोवमसहस्सेण समं भाणितत्थं जस्स जति भागत्ति, मिच्छत्तवेदणिज्जस्स जह० सागरोवमसहस्सं पलितोवमासंखेजतिभागेण
ऊणयं उक्को० तं चेव पडिपुण्णं, नेरइयाउयस्स जह० दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्को० पलितोवमस्स असंखेजतिभागं पुब्वकोडितिभागम्भहियं बंधंति, एवं तिरि-
क्खजोणियाउयस्सवि णवरं जह० अंतो०, मणुयाउयस्सवि, देवाउयस्स जहा नेरइयाउयस्स, असण्णी णं भंते! जीवा पंचिंदिया निरयगतिनामाए कम्मस्स किं बंधंति?, गो०! जह०
सागरोवमसहरसस्स दो सत्तभागे पलितोवमस्स असंखेजतिभागेण ऊणए उक्को० ते चेव पडिपुण्णे, एवं तिरियगतीतेवि, मणुयगतिनामाएवि एवं चेव णवरं जह० सागरोवमसह-
स्सस्स दिवइढं सत्तभागं पलितोवमस्सासंखेजइभागेण ऊणं उक्को० तं चेव पडिपुण्णं बंधंति, एवं देवगतिनामाए नवरं जह० सागरोवमसहस्सस्स एगं सत्तभागं पलिओवमस्सासंखे०
ऊणं उक्को० तं चेव पडिपुण्णं, वेउब्रियसरीरनामाए पुच्छा, गो०! जह० सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागे पलितोवमस्सासंखेजतिभागेण ऊणे उक्को० दो पडिपुण्णे बंधंति, सम्मत्त-
सम्मामिच्छत्तआहारगसरीरनामाते तित्थगरनामाए य ण किंचि बंधंति, अवसिट्ठं जहा बेइंदियाणं, णवरं जस्स जत्तिया भागा तस्स ते सागरोवमसहस्सेण सह भाणितत्था, सब्बेसिं आणु-
पुव्वीए जाव अंतराइयस्स, सण्णी णं भंते! जीवा पंचिंदिया णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधंति?, गो०! जह० अंतोमुहुत्तं उक्को० तीसं सागरकोडाकोडीओ तिप्पि वाससहस्साइं
अबाहा०, सण्णी णं भंते! पंचिंदिया णिहापंचगस्स किं बंधंति?, गो०! जह० अंतो० उक्को० तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ तिप्पि य वाससहस्साइं अबाहा०, दंसणचउक्कस्स जहा
णाणावरणिज्जस्स, सायावेदणिज्जस्स जहा ओहिया ठिती भणिता तहेव भाणितत्था ईरियावहियबंधयं पडुच्च संपराइयबंधयं च, असायावेयणिज्जस्स जहा णिहापंचगस्स, सम्मत्तवेद-
णिज्जस्स सम्मामिच्छत्तवेदणिज्जस्स जा ओहिया ठिती भणिता तं बंधंति, मिच्छावेदणिज्जस्स जह० अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ उक्को० सत्तरिं सागरोवमकोडाकोडीओ सत्तरि

य वासतहस्साइं अबाहा०, कसायबारसगस्स जह० एवं चेव उक्को० चत्तालीसं सागरोवमकोडाकोडीओ चत्तालीस य वाससयातिं अबाहा०, कोहमाणमायालोभसंजलणाए य दो मासा मासो अद्धमासो अंतोमुहुत्तो, एवं जहन्नगं, उक्कोसगं पुण जहा कसायबारसगस्स, चउण्हवि आउयाणं जा ओहिया ठिती भणिता तं बंधंति, आहारगसरीरस्स तित्थगरनामाए य जह० अंतोसागरोवमकोडाकोडीतो उक्को० अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ, पुरिसवेदणिजस्स जह० अट्ट संवच्छराइं उक्को० दस सागरोवमकोडाकोडीओ दस य वाससयाइं अबाहा०, जसोकित्तिणामाए उच्चागोत्तस्स एवं चेव, नवरं जह० अट्ट मुहुत्ता, अंतराइयस्स जहा णाणावरणिजस्स, सेसएसु सव्वेसु ठाणेसु संघयणेसु संठाणेसु वण्णेसु गंधेसु य जह० अंतोसागरो-वमकोडाकोडीओ उक्को० जा जस्स ओहिया ठिती भणिता तं बंधंति णवरं इमं नाणत्तं अबाहा अबाहूणिया० ण वुच्चति, एवं आणुपुब्बीते सव्वेसिं, जाव अंतरायस्स ताव भाणितव्वं । २९७ । णाणावरणिजस्स णं भंते ! कम्मस्स जहण्णट्ठित्तिबंधए केरिसए ?, गो० ! अण्णयरे सुहुमसंपरायते उवसामए वा खवगे वा एस णं गो० ! णाणावरणिजस्स कम्मस्स जहण्णय-ठितीबंधते, तव्वइरित्ते अजहण्णे, एवं एएणं अभिलावेणं मोहाउयवजाणं सेसकम्माणं भाणितव्वं, मोहणिजस्स णं भंते ! कम्मस्स जहण्णठितीबंधते के० ?, गो० ! अण्णयरे बादरसंपराए उवसामए वा खवए वा एस णं गो० ! मोहणिजस्स कम्मस्स जहण्णठितीबंधते, तव्वतिरित्ते अजहण्णे, आउयस्स णं भंते ! कम्मस्स जहण्णठितीबंधते के० ?, गो० ! जे णं जीवे असंखे-प्पद्दापविट्ठे सव्वनिरुद्धे से आउते, सेसे सव्वमहंतीए आउयबंधद्दाए, तीसे णं आउयबंधद्दाए चरिमकालसमयंसि सव्वजहण्णियं ठिइं अपजत्तापजत्तियं निव्वत्तेति, एस णं गो० ! आउ-यकम्मस्स जहण्णठितीबंधते, तव्वइरित्ते अजहण्णे । २९८ । उक्कोसकालट्ठित्तीयं णं भंते ! णाणावरणिजं किं नेरइओ तिरिक्खजोणिओ तिरिक्खजोणिणी मणुस्सो मणुस्सिणी देवो देवी बंधइ ?, गो० ! नेरइओवि जाव देवीवि बंधइ, केरिसए णं भंते ! नेरइए उक्कोसकालट्ठित्तीयं णाणावरणिजं कम्मं बंधइ ?, गो० ! सण्णी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्ते सागारे जागरे सुत्तो(तो)वउत्ते मिच्छादिट्ठी कण्हलेसे य उक्कोससंकिलिट्ठपरिणामे ईसिमज्झिमपरिणामे वा एरिसए णं गो० ! नेरइए उक्कोसकालट्ठित्तीयं णाणावरणिजं कम्मं बंधति, केरिसए णं भंते ! तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठित्तीयं णाणावरणिजं कम्मं बंधति ?, गो० ! कम्मभूमए वा कम्मभूमगपलिभागी वा सण्णी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्ते सागारे जागरे सुत्तोवउत्ते मिच्छादिट्ठी परमकण्हलेसे उक्कोससंकिलिट्ठपरिणामे, एरिसए णं गो० ! तिरिक्खजोणिते उक्कोसकालट्ठित्तीयं आउयं कम्मं बंधति, केरिसए णं भंते ! मणूसे उक्कोसकालट्ठित्तीयं आउयं कम्मं बंधति ?, गो० ! कम्म-भूमए वा कम्मभूमगपलिभागी वा जाव सुत्तो(तो)वउत्ते सम्मदिट्ठी वा मिच्छादिट्ठी वा कण्हलेसे वा सुक्कलेसे वा णाणी वा अण्णाणी वा उक्को० संकिलिट्ठपरिणामे वा असंकिलिट्ठप-रिणामे वा तप्पाउग्गविसुज्झमाणपरिणामे वा एरिसए णं गो० ! मणूसे उक्कोसकालट्ठित्तीयं आउयं कम्मं बंधति, केरिसया णं भंते ! मणुसी उक्कोसकालट्ठित्तीयं आउयं कम्मं बंधइ ?, गो० ! कम्मभूमिया वा कम्मभूमगपलिभागी वा जाव सुत्तोवउत्ता सम्मदिट्ठी सुक्कलेसा तप्पाउग्गविसुज्झमाणपरिणामा एरिसिया णं गो० ! मणूसी उक्कोसकालट्ठित्तीयं आउयं कम्मं बंधति, अंतराइयं जहा णाणावरणिजं । २९९ ॥ कम्मपगइपयं २३ ॥ कति णं भंते ! कम्मपगडीओ पं० ?, गो० ! अट्ट कम्मपगडीओ पं० तं०-णाणावरणिजं जाव अंतराइयं, एवं नेर-इयाणं जाव वेमाणियाणं, जीवे णं भंते ! णाणावरणिजं कम्मं बंधमाणे कति कम्मप० बंधइ ?, गो० ! सत्तविहबंधए वा अट्टविह० छव्विह० वा, नेरइए णं भंते ! णाणावरणिजं कम्मं बंधमाणे कति कम्म० बंधति ?, गो० ! सत्तविहबंधए वा अट्टविह०, एवं जाव वेमाणिते णवरं मणुस्से जहा जीवे, जीवा णं भंते ! णाणावरणिजं कम्मं बंधमाणा कति कम्म० बंधंति ?, गो० ! सव्वेवि ताव होज्ज सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधगे य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधगा य, णेरइया णं भंते ! णाणावरणिजं कम्मं बंधमाणा कति कम्म० बंधंति ?, गो० ! सव्वेवि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंध-धगा य तिण्णि भंगा, एवं जाव थणियकुमारा, पुढवीकाइया णं पुच्छा, गो० ! सत्तविहबंधगावि अट्टविहबंधगावि एवं जाव वणप्फइकाइया, विगलाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाण य तियभंगो सव्वेवि ताव होज्ज सत्तविह०गा अहवा सत्तविह०गा य अट्टविहबंधगे य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य, मणूसा णं भंते ! णाणावरणिजस्स पुच्छा, गो० ! सव्वेवि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टवि०गा य अहवा सत्तविहबंधगा य छव्विहबंधए य अहवा सत्तविहबंधगा य छव्विह०गा य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य छव्विहबंधगा य अहवा सत्तवि०गा य अट्टवि०गा य छव्विहबंधगे य अहवा (१९१)

सत्तविहबंधगा य अट्टवि०गा य छद्दिहबंधगा य एवं एते नव भंगा, सेसा वाणमंतरादिया जाव वेमाणिया जहा नेरइया सत्तविहादिबंधगा भणिता तहा भाणितत्ता, एवं जहा णाणा-
वरणं बंधमाणा जहिं भणिता दंसणावरणंपि बंधमाणा तहिं जीवादीया एगत्तपोहुत्तेहिं भाणितत्ता, वेयणिजं बंधमाणे जीवे कति०?, गो०! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा छद्दि-
हबंधए वा एगविहबंधए वा, एवं मणूसेवि, सेसा नारगादीया सत्तवि०गा अट्टविहबंधगा जाव वेमाणिते, जीवा णं भंते! वेदणिजं कम्मं पुच्छा, गो०! सबेवि ताव होज्जा सत्तविहबंध-
गा य अट्टवि०गा य एगवि०गा य छद्दिहबंधए य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविह०गा एगवि०गा य छद्दि०गा य, अवसेसा नारगादीया जाव वेमाणिता जहिं णाणावरणं बंधंति
तहिं भाणितत्ता एवं, नवरं मणूसा णं भंते! वेदणिजं कम्मं बंधमाणा कति कम्मपगडीतो बंधंति?, गो०! सबेवि ताव होज्जा सत्तवि०गा य एगवि०गा अहवा सत्तविहबंधगा य एगवि०गा
अट्टविहबंधगे य अहवा सत्तविहबंधगा य एगवि०गा य अट्टवि०गा अहवा सत्तविहबंधगा य एगवि०गा य छद्दिहबंधगे य अहवा सत्तविहबंधगा य एगवि०गा छद्दिह०गा अहवा सत्त-
विहबंधगा य एगवि०गा अट्टविहबंधते य छद्दिह०गा य अहवा सत्तविहबंधगा य एगवि०गा य अट्टविहबंधते य छद्दिहबंधगा य अहवा सत्तविहबंधगा य एगवि०गा य अट्टवि०गा
छद्दिहबंधगे य अहवा सत्तविहबंधगा य एगवि०गा अट्टवि०गा छद्दिह०गा एवं एए नव भंगा भाणियत्ता, मोहणिजं बंधमाणे जीवे कति०?, गो०! जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, जीवे-
गिंदिया सत्तविहबंधगावि अट्टवि०गावि, जीवे णं भंते! आउयं कम्मं बंधमाणे कति कम्म०?, गो०! नियमा अट्ट, एवं नेरइए जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेणवि, णामगोयअंतराइयं बंध-
माणे जीवे कति०?, गो०! जीवो णाणावरणिजं बंधमाणे जहिं बंधति तहिं भणितत्ता, एवं नेरइएवि जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेणवि भाणियत्ता । ३०० ॥ कम्मबंधबंधपयं २४ ॥ कति णं
भंते! कम्मपगडीओ पं०?, गो०! अट्ट कम्म० पं० तं०-णाणावरणिजं जाव अंतराइयं, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, जीवे णं भंते! णाणावरणिजं कम्मं बंधमाणे कति कम्म०
वेदेति?, गो०! नियमा अट्ट कम्मपगडीतो वेदेति, एवं नेरइए जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेणवि, एवं वेदणिज्जवज्जं जाव अंतराइयं, जीवे णं भंते! वेदणिज्जं कम्मं बंधमाणे कति
कम्मपगडीतो वेदेति?, गो०! सत्तविहवेदए वा अट्टविहवेदए वा चउद्दिहवेदए वा, एवं मणूसेवि, सेसा नेरइयाई एगत्तेण पुहुत्तेणवि नियमा अट्ट कम्मपगडीओ वेदंति जाव वेमा-
णिए, जीवा णं भंते! वेदणिज्जं कम्मं बंधमाणा कति कम्मपगडीतो वेदंति?, गो०! सबेवि ताव होज्जा अट्टविहवेदगा य चउद्दिहवेदगा य अहवा अट्टविहवेदगा य चउद्दिह०गा
सत्तविहवेदगे य अहवा अट्टविहवेदगा य चउद्दि०गा सत्तवि०गा, एवं मणूसावि भाणियत्ता । ३०१ ॥ कम्मबंधवेयपयं २५ ॥ कति णं भंते! कम्मपगडीओ, गो०! अट्ट कम्मप० पं० तं०-
णाणावरणिजं जाव अंतराइयं, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, जीवे णं भंते! णाणावरणिजं कम्मं वेदेमाणे कति कम्मपगडीओ बंधति?, गो०! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा
छद्दिहबंधए वा एगविहबंधए वा, नेरइए णं भंते! णाणावरणिजं कम्मं वेदेमाणे कति कम्म० बंधति?, गो०! सत्तविहबंधए वा अट्टवि०गे, एवं जाव वेमाणिते, मणूसे जहा जीवे, जीवा
णं भंते! णाणावरणिजं कम्मं वेदेमाणा कति कम्मपगडीतो बंधंति?, गो०! सबेवि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा य अट्टविह०गा अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा छद्दिहबंधगे
य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छद्दिहबंधगा अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा एगविहबंधए य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टवि०गा एगवि०गा य अहवा सत्त
विहबंधगा य अट्टवि०गा छद्दिहबंधए य एगविहबंधए य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टवि० छद्दिहबंधए य एगविहबंधगा य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टवि०गा छद्दिह०गा एगवि-
हबंधए य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टवि०गा छद्दिह०गा एगविह०गा एवं एते नव भंगा, अवसेसाणं एगिंदियमणूसवज्जाणं तियभंगो जाव वेमाणियाणं, एगिंदियाणं सत्तविहबंधगा
य अट्टविह०गा, मणूसाणं पुच्छा, गो०! सबेवि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य अहवा सत्तविहबंधगा
य छद्दिहबंधए य, एवं छद्दिहबंधएणवि समं दो भंगा, एगविहबंधएणवि समं दो भंगा, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधए य छद्दिहबंधए य चउभंगो, अहवा सत्तविहबंधगा य
अट्टविहबंधए य एगविहबंधगे य चउभंगो, अहवा सत्तविहबंधगा य छद्दिहबंधए य एगविहबंधए य चउभंगो, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधए य छद्दिहबंधए य एगविहबंधए य
भंगा अट्ट, एवं एते सत्तावीसं भंगा, एवं जहा णाणावरणिजं तहा दंसणावरणिजंपि अंतराइयंपि, जीवे णं भंते! वेदणिजं कम्मं वेदेमाणे कति कम्मपगडीतो बंधति?, गो०! सत्तवि-
हबंधते वा अट्टविहबंधते वा छद्दिहबंधए वा एगविहबंधए वा अबंधए वा, एवं मणूसेवि, अवसेसा नारगादीया सत्तविह०गा अट्टविह०गा, एवं जाव वेमाणितो, जीवा णं भंते! वेदणिजं
कम्मं वेदेमाणा कति० बंधंति?, गो०! सबेवि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य एगविहबंधगा य अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टवि०गा एगवि०गा छद्दिहबंधगे य अहवा
सत्तविहबंधगा य अट्टविह०गा एगविह०गा छद्दिह०गा य, अबंधगेणवि समं दो भंगा भाणितत्ता, अहवा सत्तविह०गा य अट्टविह०गा एगविह०गा छद्दिह०गे य अबंधगे य चउभंगो,

एवं एए नव भंगा, एगिंदियाणं अभंगतं, नारगादीणं तियभंगो जाव वेमाणियाणं, नवरं मणूसाणं पुच्छा, सवेवि ताव होजा सत्तविह०गा एगविह०गा य अहवा सत्तविह०गा य एग-
 विह०गा य छविह०गा य अट्टविह०गा अबंधते य, एवं एते सत्तावीसं भंगा भाणित्वा, एवं जहा वेदणिज्जं तहा आउयं नामं गोयं च भाणित्वा, मोहणिज्जं वेदेमाणे जहा णाणावर-
 णिज्जं तहा भाणियच्च । ३०२ ॥ कम्मवेयबंधपयं २६ ॥ कति णं भंते ! कम्मपगडीओ पं०?, गो०! अट्ट, तं०-णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, जीवे णं
 भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेमाणे कति कम्मपगडीतो वेदेति ?, गो०! सत्तविहवेयए वा अट्टविहवेयए वा, एवं मणूसेवि, अवसेसा एगत्तेणवि पुहुत्तेणवि णियमा अट्ट कम्मपगडीतो
 वेदेति जाव वेमाणिए, जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं वेदेमाणा कति कम्मपगडीतो वेदेति ?, गो०! सवेवि ताव होजा अट्टविहवेदगा अहवा अट्ट०गा सत्त०गे अहवा अट्ट०गा य सत्त-
 विहवेदगा य, एवं मणूसावि, दरिसणावरणिज्जं अंतराइयं च एवं चेव भाणित्वा, वेदणिज्जं आउयनामगोत्तातिं वेदेमाणे कति कम्मपगडीओ वेएति ?, गो०! जहा बंधगवेदगस्स वेय-
 णिज्जं तहा भाणित्वाणि, जीवे णं भंते ! मोहणिज्जं वेदेमाणे कति कम्मपगडीतो वेदेति ?, गो०! नियमा अट्ट कम्मपगडीतो वेदेति, एवं नेरतिए जाव वेमाणिते, एवं पुहुत्तेणवि
 । ३०३ ॥ कम्मवेदवेदपयं २७ ॥ 'सचित्ताऽऽहारद्वी केवति किं वावि सव्वतो चेव । कतिभागं सवे खलु परिणामे चेव बोद्धवे ॥ २१८ ॥ एगिंदियसरीरादी लोमाहारो तहेव मणभक्खी । एतेसिं तु
 पदाणं विभावणा होति कातवा ॥ २१९ ॥ नेरइया णं भंते ! किं सचित्ताहारा अचित्ताहारा मीसाहारा ?, गो०! नो सचित्ताहारा अचित्ताहारा नो मीसाहारा, एवं असुरकुमारा जाव
 वेमाणिया, ओरालियसरीरा जाव मणूसा सचित्ता० अचित्ता० मीसाहारावि, नेरइया णं भंते ! आहारद्वी ?, हंता आहारद्वी, नेरइयाणं भंते ! केवतिकालस्स आहारद्वे समुप्पज्जति ?, गो०!
 नेरइयाणं दुविधे आहारे पं० तं०-आभोगनिव्वत्तिते य अणाभोगनिव्वत्तिते य, तत्थ णं जे से अणाभोगनिव्वत्तिते से णं अणुसमयमविरहिते आहारद्वे समुप्पज्जति, तत्थ णं जे से आभो-
 गनिव्वत्तिते से णं असंखिज्जसमतिए अंतोमुहुत्तिते आहारद्वे समुप्पज्जति, नेरइया णं भंते ! किमाहारमाहारेंति ?, गो०! दव्वतो अणंतपदेसियातिं खेत्तओ असंखेज्जपदेसोगाढातिं कालतो
 अण्णयरट्टिइयातिं भावओ वण्ण० गंध० रस० फासमंताइं, जाइं भावतो वण्णमंताइं आहारेंति ताइं किं एगवण्णातिं आहारेंति जाव किं पंचवण्णाइं आहारेंति ?, गो०! ठाणमग्गणं
 पडुच्च एगवण्णाइंपि आहारेंति जाव पंचवण्णाइंपि० विहाणमग्गणं पडुच्च कालवण्णाइंपि आहारेंति जाव सुक्खिइाइंपि०, जातिं वण्णतो कालवणातिं आहारेंति ताइं किं एगगुणकालाइं जाव
 दंसगुणकालाइं संखिज्ज० आहा० जाव अणंतगुणकालाइं आ०?, गो०! एगगुणकालाइंपि जाव अणंतगुणकालाइंपि आ०, एवं जाव सुक्खिइाइं, एवं गंधतोवि रसतोवि, जाइं भावओ
 फासमंताइं ताइं नो एगफासाइं नो दुफासाइं नो तिफासाइं चउफासाइं आहारेंति जाव अट्टफासाइंपि आ० विहाणमग्गणं पडुच्च कक्खडाइंपि जाव लुक्खाइंपि, जातिं फासतो कक्खडातिं
 ताइं किं एगगुणकक्खडाइं जाव अणंतगुणकक्खडाइं आ०?, गो०! एगगुणकक्खडाइंपि जाव अणंतगुणकक्खडाइंपि आ०, एवं अट्टवि फासा भाणित्वा जाव अणंतगुणलुक्खाइंपि आ०,
 जातिं भंते ! अणंतगुणलुक्खाइं ताइं किं पुट्ठाइं अपुट्ठाइं आ०?, गो०! पुट्ठाइं० नो अपुट्ठाइं आ०, जहा भासुदेसए जाव णियमा छदिसिं आ०, ओसण्णं कारणं पडुच्च वण्णओ कालनी-
 लातिं गंधओ दुब्धिगंधातिं रसओ तिक्तकडुयाइं फासओ कक्खडगुरुयसीयलुक्खाइं, तेसिं पोराणे वण्णगुणे गंधगुणे रसगुणे फासगुणे विपरिणामइत्ता परिपीलइत्ता परिसाडइत्ता परिवि-
 दंसइत्ता अण्णे अपुव्वे वण्णगुणे जाव फासगुणे उप्पाइत्ता आयसरीरखेत्तोगाढे पोग्गले सव्वप्पण्याए आहारं आहारेंति, नेरइया णं भंते ! सव्वओ आहारेंति सव्वओ परिणामंति सव्वओ
 ऊससंति सव्वओ नीससंति अभिक्खणं आहारेंति अभिक्खणं परिणामंति अभिक्खणं ऊससंति अभिक्खणं नीससंति आहच्च आहारेंति आहच्च परिणामंति आहच्च ऊससंति आहच्च
 नीससंति ?, हंता गो०! नेरइया सव्वतो आहारेंति एवं तं चेव जाव आहच्च नी०, नेरइया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताते गिण्हंति ते णं तेसिं पोग्गलाणं सेयालंसि कतिभागं आहारेंति
 कतिभागं आसाएंति ?, गो०! असंखेज्जतिभागं आ० अणंतभागं अस्साएंति, नेरइया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताते गिण्हंति ते किं सवे आहारेंति नोसव्वे आहारेंति ?, गो०! ते सव्वे
 अपरिसेसए आहारेंति, नेरइया णं भंते ! जे पोग्गला आहारत्ताए गिण्हंति ते णं तेसिं पोग्गला कीसत्ताए भुज्जो २ परिणमंति ?, गो०! सोतिंदियत्ताते जाव फासिंदियत्ताते अणिट्टत्ताते
 अकंतत्ताए अपियत्ताए असुभत्ताए अमणुणत्ताए अमणामत्ताते अणिच्छियत्ताते अ(प्र० अण)भिज्झियत्ताए अहत्ताते नो उदत्ताए दुक्खत्ताते नो सुहत्ताते एतेसिं भुज्जो २ परि-
 णमंति । ३०४ । असुरकुमारा णं भंते ! आहारद्वी ?, हंता आहारद्वी, एवं जहा नेरइयाणं तहा असुरकुमाराणवि भाणित्वं जाव तेसिं भुज्जो २ परिणमंति, तत्थ णं जे से आभोगनिव्व-
 त्तिते से णं जह० चउत्थभत्तस्स उक्को० सातिरेगवाससहस्सस्स आहारद्वे समुप्पज्जइ, ओसण्णं कारणं पडुच्च वण्णतो हालिइसुक्खिइातिं गंधतो सुब्धिगंधातिं रसतो अंबिलमहुरातिं
 फासओ मउयलहुयनिद्धुण्हातिं, तेसिं पोराणे वण्णगुणे जाव फासिंदियत्ताते जाव मणामत्ताते इच्छियत्ताते भि(प्र० अभि)ज्झियत्ताते उदत्ताते नो अहत्ताए सुहत्ताए नो दुहत्ताए

एतेसिं भुज्जो २ परिणमंति, सेसं जहा नेरइयाणं, एवं जाव थणियकुमाराणं णवरं आभोगनिव्वत्तिते उक्को० दिवसपुहुत्तस्स आहारट्टे समुप्पज्जति । ३०५। पुढवीकाइया णं भंते ! आहारट्टी ?, हंता आहारट्टी, पुढवीकाइया णं भंते ! केवतिकालस्स आहारट्टे समुप्पज्जति ?, गो० ! अणुसमयमविरहिते आहारट्टे समुप्पज्जइ, पुढवीकाइया णं भंते ! किमाहारमाहारंति ? एवं जहा नेरइयाणं जाव ताइं कतिदिसिं आहारंति ?, गो० ! निव्वाघातेणं छदिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं नवरं ओसन्नकारणं न भण्णति, वण्णओ कालनी-ललोहितहालिदसुक्खिहातिं गंधतो सुब्भिगंधदुब्भिगंधातिं रसतो तित्तकडुयकसायअंबिलमहुराइं फासतो कक्खडमउयगुरुयलहुयसीतउण्ह(प्र० सिण)णिद्धलुक्खातिं, तेसिं पोराणे वण्णगुणे सेसं जहा नेरइयाणं जाव आहच्च नीससंति, पुढवीकाइया० गिण्हंति तेसिं भंते ! पोग्गलाणं सियालंसि कतिभागं आहारंति कतिभागं आसाएंति ?, गो० ! असंखेज्जतिभागं आहारंति अणंतभागं आसाएंति, पुढवीकाइया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताते गिण्हंति ते किं सब्बे आहारंति नोसब्बे आहारंति ?, जहेव नेरइया तहेव, पुढवीकाइया० गिण्हंति ते णं तेसिं पोग्गला कीसत्ताए भुज्जो २ परिणमंति ?, गो० ! फासिंदियवेमायत्ताते भुज्जो २ परिणमंति, एवं जाव वणप्फइकाइया । ३०६। बेइंदिया णं भंते ! आहारट्टी ?, हंता आहारट्टी, बेइंदियाणं भंते ! केवतिकालस्स आहारट्टे समुप्पज्जति ?, जहा नेरइयाणं, नवरं तत्थ णं जे से आभोगनिव्वत्तिते से णं असंखिज्जसमइए अंतोमुहुत्तिए वेमायाए आहारट्टे समुप्पज्जति, सेसं जहा पुढवीकाइयाणं जाव आहच्च नीससंति नवरं नियमा छदिसिं, बेइंदियाणं भंते !० पुच्छा, गो० ! जे पोग्गले आहारत्ताते गिण्हंति ते णं तेसिं पुग्गलाणं सियालंसि कतिभागं आहारंति कतिभागं आसाएंति ?, एवं जहा नेरइयाणं, बेइंदियाणं भंते ! जे पोग्गला आहारत्ताए गिण्हंति ते किं सब्बे आहारंति नोसब्बे आहारंति ?, गो० ! बेइंदियाणं दुविधे आहारे पं० तं०-लोमाहारे य पक्खेवाहारे य, जे पोग्गले लोमाहारत्ताए गिण्हंति ते सब्बे अपरिसेसे आहारंति, जे पोग्गले पक्खेवाहारत्ताए गेण्हंति तेसिमसंखेज्जतिभागमाहारंति अणेगाइं च णं भागसहस्साइं अफासाइज्जमाणानं अणासाइज्जमाणानं विद्धंसमागच्छंति, एतेसिं णं भंते ! पोग्गलाणं अणासाइज्जमाणानं अफासाइज्जमाणानं य कयरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा पोग्गला अणासाइज्जमाणा अफासाइज्जमाणा अणंतगुणा, बेइंदियाणं भंते ! जे पोग्गला आहारत्ताते पुच्छा, गो० ! जिब्भिदियफासिंदियवेमायत्ताए तेसिं भुज्जो २ परिणमंति, एवं जाव चउरिंदिया, णवरं नेगाइं च णं भागसहस्साइं अणाघाइज्जमाणानं अणासाइज्जमाणानं अफासाइज्जमाणानं विद्धंसमागच्छंति, एतेसिं णं भंते ! पोग्गलाणं अणाघाइज्जमाणानं अणासाइज्जमाणानं अफासाइज्जमाणानं य कयरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा पोग्गला अणाघाइ० अणासा० अणंतगुणा अफासा० अणंत०, तेइंदियाणं भंते ! जे पोग्गला पुच्छा, गो० ! घाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियवेमायत्ताए तेसिं भुज्जो २ परिणमंति, चउरिंदियाणं चक्खिदियघाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियवेमायत्ताए तेसिं भुज्जो २ परिणमंति, सेसं जहा तेइंदियाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा तेइंदिया, णवरं तत्थ णं जे से आभोगनिव्वत्तिते से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तस्स उक्को० छट्ठभत्तस्स आहारट्टे समुप्पज्जति, पंचिंदियतिरिक्खजो-णिया णं भंते ! जे पोग्गला आहा० पुच्छा, गो० ! सोतिंदियचक्खिदियघाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियवेमायत्ताए भुज्जो २ परिणमंति, मणूसा एवं चेव नवरं आभोगनिव्वत्तिते जह० अंतोमुहुत्तस्स उक्को० अट्ठमभत्तस्स आहारट्टे समुप्पज्जति, वाणमंतरा जहा नागकुमारा, एवं जोतिसियावि, णवरं आभोगनिव्वत्तिते जह० दिवसपुहुत्तस्स उक्को० दिवसपुहुत्तस्स आहारट्टे समुप्पज्जइ, एवं वेमाणियावि, नवरं आभोगनिव्वत्तिए जह० दिवसपुहुत्तस्स उक्को० तेत्तीसाए वाससहस्साणं आहारट्टे समुप्पज्जति, सेसं जहा असुरकुमाराणं जाव एतेसिं भुज्जो २ परिणमंति, सोहम्मे आभोगनिव्वत्तिते जह० दिवसपुहुत्तस्स उक्को० दोण्हं वाससहस्साणं आहारट्टे स०, ईसाणे णं पुच्छा, गो० ! जह० दिवसपुहुत्तस्स सातिरेगस्स उक्को० सातिरेगाणं दोण्हं वाससहस्साणं, सणकुमाराणं पुच्छा, गो० ! जह० दोण्हं वाससहस्साणं उक्को० सत्तण्हं वाससहस्साणं, माहिंदे पुच्छा, गो० ! जह० दोण्हं वाससहस्साणं सातिरेगाणं उक्को० सत्तण्हं वाससहस्साणं सातिरेगाणं, बंभलोए पुच्छा, गो० ! जह० सत्तण्हं वाससहस्साणं उक्को० दसण्हं वाससह०, लंतए णं पुच्छा, गो० ! जह० दसण्हं वाससह०, उक्को० चउदसण्हं वाससह०, महासुक्के णं पुच्छा, गो० ! जह० चउदसण्हं वाससह० उक्को० सत्तरसण्हं वाससह०, सहस्सारे पुच्छा, गो० ! जह० सत्तरसण्हं वाससह० उक्को० अट्ठारसण्हं वाससह०, आणए णं पुच्छा, गो० ! जह० अट्ठारसण्हं वाससह० उक्को० एगूणवीसाए वाससहस्साणं, पाणए णं पुच्छा, गो० ! जह० एगूणवीसाए वास० उक्को० वीसाए वाससहस्साणं, आरणे णं पुच्छा, गो० ! जह० वीसाए वाससह० उक्को० एकवीसाए वाससह०, अब्बुए णं पुच्छा, गो० ! जह० एकवीसाए वाससह० उक्को० बावीसाए वा०, हिट्ठिमहिट्ठिम-गेविज्जगाणं पुच्छा, गो० ! जह० बावीसाए वा० उक्को० तेवीसाए वा०, एवं सब्बत्थ सहस्साणि भाणियवाणि जाव सब्बट्ठं, हिट्ठिममज्झिमगाणं पुच्छा, गो० ! जह० तेवीसाए उक्को० चउवीसाए, हेट्ठिमउवरिमाणं पुच्छा, गो० ! जह० चउवीसाए उक्को० पणवीसाए, मज्झिमहेट्ठिमाणं पुच्छा, गो० ! जह० पणवीसाए उक्को० छवीसाए, मज्झिममज्झिमाणं पुच्छा,

गो०! जह० छव्वीसाए उक्को० सत्तावीसाए, मज्झिमउवरिमाणं पुच्छा, गो०! जह० सत्तावीसाए उक्को० अट्ठवीसाए, उवरिमहेट्ठिमाणं पुच्छा, गो०! जह० अट्ठवीसाए उक्को० एगूणती-
 साए, उवरिममज्झिमाणं पुच्छा, गो०! जह० एगूणतीसाए उक्को० तीसाए, उवरिमउवरिमाणं पुच्छा, गो०! जह० तीसाए उक्को० एगतीसाए, विजयवेजयंतजयंतअपराजियाणं पुच्छा,
 गो०! जह० एगतीसाए उक्को० तेत्तीसाए, सब्बट्ठगसिद्धदेवाणं पुच्छा, गो०! अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसाए वाससहस्साणं आहारट्ठे समुप्पज्जति । ३०७ । नेरइया णं भंते! किं एगिं
 दियसरीराइं आहारंति जाव पञ्चिदियसरीराइं०?, गो०! पुब्बभावपण्णवणं पडुच्च एगिंदियसरीराइंपि आहारंति जाव पंचिदिय०, पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च नियमा पंचिदियसरीरातिं
 आ०, एवं जाव थणियकुमारा, पुढवीकाइयाणं पुच्छा, गो०! पुब्बभावपण्णवणं पडुच्च एवं चेव, पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च नियमा एगिंदियसरीरातिं, बेइंदिया पुब्बभावपण्णवणं पडुच्च
 एवं चेव, पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च नियमा बेइंदियाणं सरीरातिं आ०, एवं जाव चउरिंदिया ताव पुब्बभावपण्णवणं पडुच्च एवं, पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च नियमा जस्स जति
 इंदियाइं तइंदियसरीराइं ते आहारंति, सेसा जहा नेरइया जाव वेमाणिता, नेरइया णं भंते! किं लोमाहारा पक्खेवाहारा?, गो०! लोमाहारा नो पक्खेवाहारा, एवं एगिंदिया सब्बे भाणि-
 तत्ता, बेइंदि० जाव मणूसा लोमाहारावि पक्खेवाहारावि । ३०८ । नेरइया णं भंते! किं ओयाहारा मणभक्खी?, गो०! ओयाहारा णो मणभक्खी, एवं सब्बे ओरालियसरीरा, देवा
 सब्बेवि जाव वेमाणिया ओयाहारावि मणभक्खीवि, तत्थ णं जे ते मणभक्खी देवा तेसिं णं इच्छामणे समुप्पज्जति-इच्छामो णं मणभक्खणं करित्तते, तते णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकते
 समाणे खिप्पामेव जे पोग्गला इट्ठा कंता जाव मणामा ते तेसिं मणभक्खत्ताए परिणमंति से जहानामए सीया पोग्गला सीयं पप्प सीयं चेव अतिवत्तित्ताणं चिट्ठंति उसिणा वा पोग्गला
 उसिणं पप्प उसिणं चेव अइवइत्ताणं चिट्ठंति एवामेव तेहिं देवेहिं मणभक्खणे कए समाणे से इच्छामणे खिप्पामेव अवेति । ३०९॥ आहारपयं २८ उ० १॥ ‘आहार भविय सण्णी लेसा
 दिट्ठी य संजत कसाए । णाणे जोगुवओगे वेदे य सरीर पज्जत्ती ॥ २२० ॥ जीवे णं भंते! किं आहारए अणाहारए?, गो०! सिय आहारए सिय अणाहारए, एवं नेरइए जाव असुरकुमारे
 जाव वेमाणिए, सिद्धे णं भंते! किं आहारए अणाहारए?, गो०! नो आहारए अणाहारए, जीवा णं भंते! किं आहारया अणाहारया?, गो०! आहारयावि अणाहारयावि, नेरइयाणं,
 पुच्छा, गो०! सब्बेवि ताव होज्जा आहारया अहवा आहारगा य अणाहारए य अहवा आहारगा य अणाहारगा य, एवं जाव वेमाणिया, णवरं एगिंदिया जहा जीवा, सिद्धाणं पुच्छा,
 गो०! नो आहारगा अणाहारगा । दारं १ । भवसिद्धिए णं भंते! जीवे किं आहारते अणाहारते?, गो०! सिय आहारते सिय अणाहारए, एवं जाव वेमाणिए, भवसिद्धिया णं भंते!
 जीवा किं आहारगा अणा०?, गो०! जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, अभवसिद्धिएवि एवं चेव, नोभवसिद्धियनोअभवसिद्धिए णं भंते! जीवे किं आहारए अणाहारए?, गो०! णो आहारए
 अणाहारए, एवं सिद्धेवि, नोभवसिद्धियनोअभवसिद्धिया णं भंते! जीवा किं आहारगा अणाहारगा?, गो०! नो आहारगा अणाहारगा, एवं सिद्धावि । दारं २ । सण्णी णं भंते! जीवे किं
 आहारए अणाहारए?, गो०! सिय आ० सिय अणा०, एवं जाव वेमाणिए णवरं एगिंदियविगलिंदिया नो पुच्छिज्जंति, सण्णी णं भंते! जीवा किं आहारगा अणाहारगा?, गो०!
 जीवाइओ तियभंगो जाव वेमाणिया, असण्णी णं भंते! जीवे किं आहारए अणाहारए?, गो०! सिय आ० सिय अणा०, एवं नेरइए जाव वाणमंतरे, जोइसियवेमाणिया ण पुच्छिज्जंति,
 असण्णी णं भंते! जीवा किं आ० अणा०?, गो०! आहारगावि अणाहारगावि एगो भंगो, असण्णी णं भंते! नेरइया किं आहारया अणा०?, गो०! आहारगा वा अणाहारगा वा अहवा
 आहारए य अणाहारए य अहवा आहारए य अणाहारया य अहवा आहारगा य अणाहारए य अहवा आहारगा य अणाहारगा य, एवं एते छब्भंगा, एवं जाव थणियकुमारा, एगिंदिएसु
 अभंगतं, बेइंदियजावपंचिदियतिरिक्खजोणिएसु तियभंगो, मणूसवाणमंतरेसु छब्भंगा, नोसण्णीनोअसण्णी णं भंते! जीवे किं आ० अणा०?, गो० सिय आहा० सिय अणाहारए
 य, एवं मणूसेवि, सिद्धे अणाहारते, पुहुत्तेणं नोसण्णीनोअसण्णी जीवा आहारगावि अणाहारगावि, मणूसेसु तियभंगो, सिद्धा अणाहारगा । दारं ३ । ३१० । सलेसे णं भंते! जीवे किं
 आहा० अणा०?, गो०! सिय आहारए सिय अणाहारए, एवं जाव वेमाणिते, सलेसा णं भंते! जीवा किं आहारगा अणा०?, गो०! जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, एवं कण्हलेसावि नीललेसावि
 काउलेसावि जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, तेउलेसाए पुढवीआउवणस्सइकाइयाणं छब्भंगो, सेसाणं जीवादिओ तियभंगो जेसिं अत्थि तेउलेसा, पण्हलेसाए सुक्कलेसाए य जीवादिओ
 तियभंगो, अलेसा जीवा मणुस्सा सिद्धा य एगत्तेणवि पुहुत्तेणवि नो आहारगा अणाहारगा । दारं ४ । सम्मदिट्ठी णं भंते! जीवा किं आहा० अणा०?, गो०! सिय आहा० सिय अणा०, बेइंदिया
 तेइंदिया चउरिंदिया छब्भंगा, सिद्धा अणाहारगा, अवसेसाणं तियभंगो, मिच्छादिट्ठीसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, सम्मामिच्छादिट्ठी णं भंते! किं आहा० अणा०?, गो०! आहारते
 नो अणा०, एवं एगिंदियविगलिंदियवज्जं जाव वेमाणिते, एवं पुहुत्तेणवि । दारं ५ । संजए णं भंते! जीवे किं आहा० अणा०?, गो०! सिय आहारए सिय अणाहारए, एवं मणूसेवि,
 पुहुत्तेणं तियभंगो, असंजते पुच्छा, सिय आहारए सिय अणाहारए, पुहुत्तेणं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, संजतासंजते णं जीवे०?, पंचिदियतिरिक्खजोणिते मणूसे य, एते (१९२)

एगत्तेणवि पुहुत्तेणवि आहारगा नो अणा०, नोसंजतनोअसंजतनोसंजतासंजते जाव सिद्धे य एते एगत्तेण पोहत्तेणवि नो आहा० अणा० । दारं ६ । सकसाई णं भंते ! जीवे किं आहार-
ए अणा०?, गो०! सिय आहा० सिय अणाहारते, एवं जाव वेमाणिए, पुहुत्तेण जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, कोहकसाईसु जीवादीसु एवं चेव नवरं देवेसु छब्भंगा, माणकसाईसु
जीवादिसु एवं चेव नवरं देवेसु छब्भंगा, मायाकसाईसु य देवनेरइएसु छब्भंगा अवसेसाणं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, लोहकसाईसु नेरइएसु छब्भंगा अवसेसेसु जीवेगिंदियवज्जो
तियभंगो, अकसाई जहा णोसण्णीणोअसण्णी । दारं ७ । ३११ । णाणी जहा सम्मदिट्ठी, आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी य बेइंदियतेइंदियचउरिंदिएसु छब्भंगा अवसेसेसु जीवा-
दिओ तियभंगो जेसिं अत्थि, ओहिणाणी पंचिंदियतिरिक्खजोणिया आहारगा णो अणाहारगा अवसेसेसु जीवादियो तियभंगो जेसिं अत्थि ओहिनाणं, मणपज्जवनाणी जीवा मणूसा
य एगत्तेणवि पुहुत्तेणवि आहा० णो अणाहारगा, केवलनाणी जहा नोसण्णीनोअसण्णी । दारं ७ । अण्णाणी मतिअण्णाणी सुयअण्णाणी जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, विभंगनाणी
पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणूसा य आहारगा णो अणा० अवसेसेसु जीवादियो तियभंगो । दारं ८ । सजोगीसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, मणजोगी वइजोगी जहा सम्माभिच्छा-
दिट्ठी, नवरं वइजोगी विगल्लिंदियाणवि, कायजोगीसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, अजोगी जीवमणूससिद्धा अणाहारगा । दारं ९ । सागाराणागारोवउत्तेसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो,
सिद्धा अणाहारगा । दारं १० । सवेदे जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, इत्थिवेदपुरिसवेदेसु जीवादियो तियभंगो, नपुंसगवेदए य जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, अवेदए जहा केवलनाणी । दारं
११ । ससरीरी०?, जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, ओरालियसरीरी०?, जीवमणूसेसु तियभंगो, अवसेसा आहारगा नो अणाहारगा जेसिं अत्थि ओरालियसरीरं, वेउवियसरीरी आहारग-
सरीरी य आहारगा नो अणा० जेसिं अत्थि, तेयकम्मसरीरी जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, असरीरी जीवा सिद्धा य नो आहारगा अणा० । दारं १२ । आहारपज्जत्तीए पज्जत्ते सरीरपज्ज-
त्तीए पज्जत्ते इंदियपज्जत्तीए पज्जत्ते आणापाणपज्जत्तीए पज्जत्ते भासामणपज्जत्तीए पज्जत्ते एतासु पंचसुवि पज्जत्तीसु जीवेसु मणूसेसु य तियभंगो अवसेसा आहारगा नो अणा-
हारगा, भासामणपज्जत्ती पंचिंदियाणं अवसेसाणं नत्थि, आहारपज्जत्तीअपज्जत्ते णो आहारए अणा०, एगत्तेणवि पुहुत्तेणवि, सरीरपज्जत्तीअपज्जत्ते सिय आहारए सिय अणाहारए,
उवरिल्लियासु चउसु अपज्जत्तीसु नेरइयदेवमणूसेसु छब्भंगा, अवसेसाणं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, भासामणपज्जत्तेसु जीवेसु पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु य तियभंगो, नेरइयदेव-
मणुएसु छब्भंगा, सव्वपदेसु एगत्तपोहत्तेणं जीवादिया दंडगा पुच्छाए भाणितव्वा जस्स जं अत्थि तस्स तं पुच्छिज्जति जस्स जं णत्थि तस्स तं न पुच्छिज्जति जाव भासामणपज्जत्ति-
अपज्जत्तेसु नेरइयदेवमणुएसु छब्भंगा सेसेसु तियभंगो । ३१२॥ उ० २ आहारपयं २८॥ कइविहे णं भंते ! उवओगे पं०?, गो०! दुविहे उवओगे पं० तं०-सागारोवओगे य अणा-
गारोवओगे य, सागारोवओगे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! अट्ठविहे पं० तं०-आभिणिबोहियणाणासागारोवओगे सुय० ओहि० मणपज्जव० केवल० मतिअण्णाण० सुयअ० विभं-
गणाणसा०, अणागारोवओगे णं भंते ! कतिविधे पं०?, गो०! चउव्विहे पं० तं०-चक्खुदंसणअणागारोवओगे अचक्खुदं० ओहिदं० केवलदंसणअणागारोवओगे य, एवं जीवाणं, नेरइयाणं
भंते ! कतिविधे उवओगे पं०?, गो०! दुविधे उवओगे पं० तं०-सागारोवओगे य अणागारोवओगे य, नेरइयाणं भंते ! सागारोवओगे कइविहे पं०?, गो०! छव्विहे पं० तं०-मतिणाणसागा-
रोवओगे सुयणा० ओहिणा० मतिअण्णा० सुयअ० विभंगणाणसा०, नेरइया णं भंते ! अणागारोवओगे कइविहे पं० तं०?, गो०! तिविहे पं० तं०-चक्खुदंसण० अचक्खु० ओहिदं-
सणअणा०, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढवीकाइयाणं पुच्छा, गो०! दुविहे उवओगे पं० तं०-सागारो० अणगारोव०, पुढवी० सागारोवओगे कतिविधे पं०?, गो०! दुविहे पं० तं०-
मतिअण्णाण० सुयअ०, पुढवीका० अणागारो० कतिविधे पं०?, गो०! एगे अचक्खुदंसणअणा० पं०, एवं जाव वणप्फइकाइयाणं, बेइंदियाणं पुच्छा, गो०! दुविधे उवओगे पं० तं०-
सागारोवओगे य अणागारोवओगे य, बेइंदियाणं भंते ! सागारो० कतिविधे पं०?, गो०! चउव्विहे पं० तं०-आभिणि० सुय० मतिअण्णाण० सुतअण्णाणसा०, बेइंदियाणं अणा० कइ-
विहे पं०?, गो०! एगे अचक्खुदंसणअणागारो०, एवं तेइंदियाणवि, चउरिंदियाणवि एवं चेव नवरं अणागारोवओगे दुविधे पं० तं०-चक्खुदंसणअणा० अचक्खु०, पंचिंदियतिरिक्ख-
जोणियाणं जहा नेरइयाणं, मणुस्साणं जहा ओहिए उवओगे भणितं तहेव भाणितव्वं, वाणमंतरजोतिसियवेमाणियाणं भंते !०, जहा णेरइयाणं, जीवा णं भंते ! किं सागारो० अणागारो-
वउत्ता?, गो०! सागारोवउत्तावि अणा०, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जीवा सागारोवउत्तावि अणा०?, गो०! जे णं जीवा आभिणिबोहियणाण० सुय० ओहि०मण०केवल०मइअ-
ण्णाणसुयअण्णाणविभंगणाणोवउत्ता ते णं जीवा सागारोवउत्ता, जे णं जीवा चक्खु०अचक्खु०ओहि०केवलदंसणोवउत्ता ते णं जीवा अणागारोवउत्ता से तेणट्ठेणं गो०! एवं वुच्चइ-
जीवा सागारोवउत्तावि अणागारो०, नेरइया णं भंते ! किं सागारोवउत्ता अणा०?, गो०! नेरइया सागारोवउत्तावि अणागा०, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति०?, गो०! जे णं नेरइया

आभिणिबोहिय० सुय० ओहि० मतिअण्णाण० सुय० विभंगनाणोवउत्ता ते णं नेरइया सागा०, जे णं नेरइया चक्खु० अचक्खुदंसण० ओहि० ते णं नेरइया अणागारोवउत्ता, से तेणट्टेणं गो०! एवं वुच्चइ जाव सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि, एवं जाव थणियकुमारा, पुढवीकाइयाणं पुच्छा, गो०! तहेव जाव जे णं पुढवी० मतिअण्णाणसुयअण्णाणोवउत्ता ते णं पुढवी० सागारोव० जे णं पुढवी० अचक्खुदंसणोवउत्ता ते णं पुढ० अणागारोवउत्ता, से तेणट्टेणं गो०! एवं वु०-जाव वणप्फइकाइया, बेइंदियाणं भंते! अट्टसहिया तहेव पुच्छा, गो०! जाव जे णं बेइंदिया आभिणिबोहिय० सुयणाणमतिअण्णाणसुयअण्णाणोवउत्ता ते णं बेइंदिया सागारोवउत्ता, जे णं बेइंदिया अचक्खुदंसणोवउत्ता ते णं अणागा०, से तेणट्टेणं गो०! एवं वु०, एवं जाव चउरिंदिया णवरं चक्खुदंसणं अभिदियं चउरिंदियाणंति, पंचिदियतिरिक्खजोणिया जहा नेरइया, मणूसा जहा जीवा, वाणमंतरजोतिसियवेमाणिया जहा नेरइया । ३१३ ॥ उवओगपयं २९ ॥ कतिविहा णं भंते! पासणया पं०?, गो०! दुविहा पासणया पं० तं०-सागारपासणया अणागारपासणया, सागारपासणया णं भंते! कइविहा पं०?, गो०! छविहा पं० तं०-सुयणाणपा० ओहिणाणपा० मणपज्जवणाणपा० केवलणाणपा० सुयअण्णाणपा० विभंगणाणपासणया, अणागारपा० णं भंते! कइविहा पं०?, गो०! तिविहा पं० तं०-चक्खुदंसणअणागारपा० ओहिदं० केवलदं०, एवं जीवाणंपि, नेरइयाणं भंते! कतिविहा पासणया पं०?, गो०! दुविहा पं० तं०-सागारपा० अणागा०, नेरइया णं भंते! सागारपा० कइविहा पं०?, गो०! चउविहा पं० तं०-सुयणाणपा० ओहिणाणपा० सुअअण्णाणपा० विभंगणाण०, नेरइयाणं भंते! अणागारपा० कतिविहा पं०?, गो०! दुविहा पं० तं०-चक्खु-दंसण० ओहिदं०, एवं जाव थणियकुमारा, पुढवीकाइयाणं भंते! कतिविहा पासणया पं०?, गो०! एगा सागारपा०, पुढवीकाइयाणं भंते! सागारपा० कतिविहा पं०?, गो०! एगा सुयअण्णाणसागारपा० पं०, एवं जाव वणप्फइकाइयाणं, बेइंदियाणं भंते! कतिविहा पासणया पं०?, गो०! एगा सागारपासणया पं०, बेइंदियाणं भंते! सागारपा० कइविहा पं०?, गो०! दुविहा पं० तं०-सुयणाणसा० सुयअण्णाणसा०, एवं तेइंदियाणवि, चउरिंदियाणं पुच्छा, गो०! दुविहा पं० तं०-सागारपा० अणागारपा०, सागारपासणया जहा बेइंदियाणं, चउरिंदियाणं भंते! अणागारपा० कइविहा पं०?, गो०! एगा चक्खुदंसणअणागारपा० पं०, मणूसाणं जहा जीवाणं, सेसा जहा नेरइया जाव वेमाणियाणं, जीवा णं भंते! किं सागारपस्सी अणागारपस्सी?, गो०! जीवा सागारपस्सीवि अणागार०, से केणट्टेणं भंते! एवं वुच्चइ-जीवा सागार० अणागार०?, गो०! जे णं जीवा सुतणाणी ओहि० मणपज्जव० केवल० सुअअ० विभंगनाणी ते णं जीवा सागारपस्सी, जे णं जीवा चक्खुदंसणी ओहिदंसणी केवलदंसणी ते णं जीवा अणागारपस्सी, से एतेणट्टेणं गो०! एवं वुच्चइ-जीवा सागारपस्सीवि अणागा०, नेरइया णं भंते! किं सागारपस्सी अणागा०, गो०! एवं चेव, नवरं सागारपासणयाए मणपज्जवणाणी केवलनाणी न वुच्चति, अणागारपासणयाए केवलदंसणं नत्थि, एवं जाव थणियकुमारा, पुढवीकाइयाणं पुच्छा, गो०! पुढवीकाइया सागारपस्सी णो अणागारपस्सी, से केणट्टेणं भंते! एवं वुच्चइ०, गो०! पुढवीकाइयाणं एगा सुयअण्णाणसागारपासणया पं०, से तेण०?, गो०!, एवं जाव वणस्सतिकाइयाणं, बेइंदियाणं पुच्छा, गो०! सागारपस्सी णो अणा०, से केणट्टेणं भंते! एवं वुच्चति०?, गो०! बेइंदियाणं दुविहा सागारपासणया पं० तं०-सुयणाणसा० सुअअणाण०, से एएणट्टेणं गो०! एवं वुच्चइ०, एवं तेइंदियाणवि, चउरिंदियाणं पुच्छा, गो०! चउरिंदिया सागारपस्सीवि अणागारपस्सीवि, से केणट्टेणं०?, गो०! जेणं चउरिंदिया सुयणाणी सुयअणाणी तेणं चउरिंदिया सागारपस्सी, जेणं चउरिंदिया चक्खुदंसणी तेणं चउरिंदिया अणागारपस्सी, से एएणट्टेणं गो०! एवं वुच्चइ-चउरिंदिया०, मणूसा जहा जीवा, अवसेसा जहा नेरइया जाव वेमाणिया । ३१४ । केवली णं भंते! इमं रयणप्पभं पुढवीं आगारेहिं हेतूहिं उवमाहिं दिट्ठंतेहिं वण्णेहिं संठाणेहिं पमाणेहिं पडोयारेहिं जंसमयं जाणति तंसमयं पासइ जंसमयं पासइ तंसमयं जाणइ?, गो०! नो तिणट्टे समट्टे, से केणट्टेणं भंते! एवं वुच्चति केवली णं इमं रयणप्पभं पुढवीं आगारेहिं० जंसमयं जाणति नो तंसमयं पासति जंसमयं पासइ नो तंसमयं जाणइ?, गो०! सागारे से णाणे भवति अणागारे से दंसणे भवति, से तेणट्टेणं जाव णो तंसमयं जाणाति, एवं जाव अहे सत्तमं, एवं सोहम्मकप्पं जाव अच्चुयं, गेविज्जगविमाणा अणुत्तरविमाणा ईसीपब्भारं पुढवीं परमाणुपोग्गलं दुपदेसियं खंधं जाव अणंतपदेसियं खंधं, केवली णं भंते! इमं रयणप्पभं पुढवीं अणागारेहिं अहेतूहिं अणुवमाहिं अदिट्ठंतेहिं अवण्णेहिं असंठाणेहिं अपमाणेहिं अपडोयारेहिं पासति न जाणति?, हुंता गो०! केवली णं इमं रयणप्पभं पुढवीं अणागारेहिं जाव पासति न जाणति, से केणट्टेणं भंते! एवं वुच्चति-केवली इमं रयणप्पभं पुढवीं अणागारेहिं जाव पासति न जाणति, गो०! अणागारे से दंसणे भवति सागारे से नाणे भवति, से तेण० गो०! एवं वुच्चइ-केवली णं इमं रयणप्पभं पुढवीं अणागारेहिं जाव पासति न जाणति, एवं जाव ईसिपब्भारं पुढवीं परमाणुपोग्गलं अणंतपदेसियं खंधं पासति न जाणति । ३१५ ॥ पासणयापयं ३० ॥ जीवा णं भंते! किं सण्णी असण्णी नोसण्णीनोअसण्णी?, गो०! जीवा सण्णीवि असण्णीवि नोसण्णीनोअसण्णीवि, नेरइयाणं पुच्छा, गो०! नेरइया सण्णीवि असण्णीवि नो नोसण्णीनोअ-

सण्णी, एवं असुरकुमारा जाव थणियकुमारा, पुढवीकाइयाणं पुच्छा, गो०! नो सण्णी असण्णी नो नोसण्णीनोअसण्णी, एवं बेइंदियतेइंदियचउरिंदियावि, मणूसा जहा जीवा, पंचि-
दियतिरिक्खजोणिया वाणमंतरा य जहा नेरइया, जोतिसियवेमाणिया सण्णी नो असण्णी नो नोसण्णीनोअसण्णी, सिद्धाणं पुच्छा, गो०! नो सण्णी नो असण्णी नोसण्णीनोअसण्णी,
‘नेरइयतिरियमणुया य वणयरअसुराइ सण्णीऽसण्णी य। विगल्लिंदिया असण्णी जोतिसियवेमाणिया सण्णी ॥२२१॥३१६। सण्णीपयं ३१। जीवा णं भंते! किं संजया असंजया संजया-
संजया नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजया?, गो०! जीवा संजयावि असंजयावि संजयासंजयावि नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजयावि, नेरइया णं भंते! पुच्छा, गो०! नेरइया नो
संजया असंजया नोसंजयासंजया नो नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजया, एवं जाव चउरिंदिया, पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गो०! पंचिदियतिरिक्खजोणिया नो संजता
असंजतावि संजतासंजतावि नो नोसंजतनोअसंजतनोसंजतासंजता, मणुस्साणं पुच्छा, गो०! मणूसा संजतावि असंजतावि संजतासंजतावि नो नोसंजतनोअसंजतनोसंजतासंजता,
वाणमंतरजोतिसियवेमाणिया जहा नेरइया, सिद्धा णं पुच्छा, गो०! सिद्धा नो संजता नो असंजता नो संजतासंजता नोसंजतनोअसंजतनोसंजतासंजता, गाहा ‘संजयअसंजय मीसगा
य जीवा तहेव मणुया य। संजतरहिया तिरिया सेसा अस्संजता होंति ॥२२२॥३१७॥ संजयपयं ३२॥ ‘भेद विसय संठाणे अब्भितरबाहिरे य देसोही। ओहिस्स य खयवुड्ढी पडि-
वाई चेव अपडिवाई ॥२२३॥ कइविहा णं भंते! ओही पं०?, गो०! दुविहा ओही पं० तं०-भवपच्चइया य खओवसमिया य, दोण्हं भवपच्चइया, तं०-देवाण य नेरइयाण य, दोण्हं
खओवसमिया, तं०-मणूसाणं पंचिदियतिरिक्खजोणियाण य। ३१८। नेरइया णं भंते! केवइयं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति?, गो०! जह० अद्धगाउयं उक्को० चत्तारि गाउयाइं
ओहिणा जाणंति पासंति, रयणप्पभापुढवीनेरइया णं भंते! केवइयं खेत्तं०?, गो०! जह० अद्धुट्ठाइं गाउयाइं उक्को० चत्तारि गाउयाइं, सक्करप्पभापुढवीनेरइया जह० तिण्णि गा०
उक्को० अद्धुट्ठाइं गाउ०, वालुयप्पभापुढवीनेरइया जह० अद्धाइज्जाइं गाउ० उक्को० तिण्णि गाउयाइं, पंकप्पभापुढवीनेरइया जह० दोण्णि गाउ० उक्को० अद्धाइज्जाइं गाउ०, धूमप्प-
भापु० नेर० जह० दिवद्धं गाउयं उक्को० दो गाउ०, तमापु० जह० गाउयं उक्को० दिवद्धं गाउयं, अघेसत्तमाए पुच्छा, गो०! जह० अद्धं गाउयं उक्को० गाउयं ओहिणा जाणंति पासंति,
असुरकुमारा णं भंते! ओहिणा केवइयं०?, गो०! जह० पणवीसं जोअणाइं उक्को० असंखेजे दीवसमुदे, नागकुमारा णं जह० पणवीसं जोअणाइं उक्को० असंखेजे दीवसमुदे, एवं
जाव थणियकुमारा, पंचिदियतिरिक्खजोणिया णं भंते! केवइयं खेत्तं०?, गो०! जह० अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं उक्को० असंखेजे दीवसमुदे, मणूसा णं भंते! ओहिणा केवतितं०?,
गो०! जह० अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं उक्को० असंखेज्जाइं अलोए लोयप्पमाणमेत्ताइं खंडाइं ओहिणा जा० पा०, वाणमंतरा जहा नागकुमारा, जोइसिया णं भंते! केवतितं० ओ०?,
गो०! जह० संखेजे दीवसमुदे उक्को० संखेजे दीवसमुदे, सोहम्मगदेवा णं भंते! केवइयं खेत्तं०?, गो०! जह० अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं उक्को० अहे जाव इमीसे रयणप्पभाए हिट्ठिल्ले
चरमंते तिरियं जाव असंखिजे दीवसमुदे उद्धं जाव सगाइं विमाणाइं, एवं ईसाणगदेवावि, सणकुमारावि एवं चेव, नवरं जाव अहे दोच्चाए सक्करप्पभाए पुढवीए हिट्ठिल्ले चरमंते, एवं माहिंददे-
वावि, बंभलोयलंतगदेवा तच्चाए पुढवीए हिट्ठिल्ले चरमंते, महासुक्कसहस्सारतदेवा चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए हेट्ठिल्ले चरमंते, आणयपाणयआरणच्चुयदेवा अहे जाव पंचमाए धूमप्पभाए
हेट्ठिल्ले चरमंते, हेट्ठिममज्झिमगेवेज्जगदेवा अघे जाव छट्ठाए तमाए पुढवीए हेट्ठिल्ले चरमंते, उवरिमगेविज्जगदेवा णं भंते! केवइयं खेत्तं०?, गो०! जह० अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं
उक्को० अघे सत्तमाए हेट्ठिल्ले च० तिरियं जाव असंखेजे दीवसमुदे उद्धं जाव सयाइं विमाणाइं, अणुत्तरोववाइयदेवा णं भंते! केवइयं खेत्तं ओ० जा० पा०?, गो०! संभिन्नं लोग-
नालिं ओ० जा० पा०। ३१९। नेरइयाणं भंते! ओही किंसंठिए पं०?, गो०! तप्पागारसंठिए पं०, असुरकुमाराणं पुच्छा, गो०! पल्लगसंठिते, एवं जाव थणियकुमाराणं, पंचिदियति-
रिक्खजोणियाणं पुच्छा, गो०! णाणासंठाणसं०, एवं मणूसाणवि एवं, वाणमंतराणं पुच्छा, गो०! पडहगसं०, जोतिसियाणं पुच्छा?, गो०! झल्लरिसंठाणसं० पं०, सोहम्मगदेवाणं
पुच्छा, गो०! उद्धमुयंगगारसंठिए पं०, एवं जाव अच्चुयदेवाणं, गेवेज्जगदेवाणं पुच्छा, गो०! पुप्फचंगेरिसंठिए पं०, अणुत्तरोववाइयाणं पुच्छा, गो०! जवनालियासंठिते ओही पं०
। ३२०। नेरइयाणं भंते! ओहिस्स किं अंतो बाहिं?, गो०! अंतो नो बाहिं, एवं जाव थणियकुमारा, पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गो०! नो अंतो बाहिं, मणूसाणं पुच्छा, गो०!
अंतोवि बाहिंपि, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं, नेरइयाणं भंते! किं देसोही सबोही?, गो०! देसोही नो सबोही, एवं जाव थणियकुमारा, पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं
पुच्छा, गो०! देसोही नो सबोही, मणूसाणं पुच्छा, गो०! देसोहीवि सबोहीवि, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं, नेरइयाणं भंते! ओही किं आणुगामिते अणाणुगा-
मिते वड्ढमाणते हीयमाणए पडिवाई अप्पडिवाई अवट्टिए अणवट्टिए?, गो०! आणुगामिए नो अणाणुगामिए नो वड्ढमाणते नो हीयमाणए नो पडिवाई अप्पडिवाई अवट्टिए नो

अणवट्टिए, एवं जाव थणियकुमाराणं, पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गो०! आणुगामितेवि जाव अणवट्टिएवि, एवं मणूसाणवि, वाणमंतरजोतिसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं । ३२१ ॥ ओहिपदं ३३ ॥ 'अणंतरगयाहारे, आहारे भोयणाइय । पोग्गला नेव जाणंति, अज्झवसाणा य आहिया ॥ २२४ ॥ सम्मत्तस्साहिगमे ततो परियारणा य बोद्धवा । काए फासे रूवे सदे य मणे य अप्पबहुं ॥ २२५ ॥ नेरइया णं भंते ! अणंतराहारा ततो निवत्तणा ततो परियाइणया ततो परिणामणया ततो परियारणया तओ पच्छा विउव्वणया ?, हंता गो०! नेरइयाणं अणंतराहारा ततो निवत्तणया जाव तओ पच्छा विउव्वणया, असुरकुमारा णं भंते ! अणंतराहारा ततो निवत्तणया जाव तओ पच्छा परियारणया ?, हंता गो०! असुरकुमारा अणंतराहारा ततो निवत्तणया जाव ततो पच्छा परिया०, एवं जाव थणियकुमारा, पुढवीकाइया णं भंते ! अणंतराहारा ततो निवत्तणया जाव ततो विउ० ?, हंता गो०! तं चेव जाव परियारणया नो चेव णं विउव्वणया, एवं जाव चउरिंदिया, नवरं वाउक्काइया पंचिदियतिरिक्खजोणिया मणूसा य जहा नेरइया, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा । ३२२ । नेरइया णं भंते ! आहारे किं आभोगनिवत्तिते अणाभोगनि०?, गो०! आभोगनिवत्तिएवि अणा०, एवं असुरकुमाराणं जाव वेमाणियाणं, णवरं एगिंदियाणं नो आभोग-निवत्तिए अणाभोग०, नेरइया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गिण्हंति ते किं जाणंति पा० आहारंति उदाहु न याणंति न पासंति आहारंति ?, गो०! न याणंति न पासंति आहारंति, एवं जाव तेइंदिया, चउरिंदियाणं पुच्छा, गो०! अत्थेगतिया न याणंति पासंति आहा० अत्थेगइया न याणंति न पासंति आहा०, पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गो०! अत्थे० जा० पा० आहा० अत्थे० जा० न पा० आहा० अत्थे० न याणंति पासंति आहा० अत्थे० न जा० न पा० आ०, एवं जाव मणुस्साणवि, वाणमंतरजोइसिया जहा नेरइया, वेमा-णियाणं पुच्छा, गो०! अत्थे० जा० पा० आ० अत्थे० न जा० न पा० आ०, से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ-वेमाणिया अत्थे० जा० पा० आ० अत्थे० न जा० न पा० आ०?, गो०! वेमाणिया दुविहा पं० तं०-माइमिच्छादिट्टिउव्वन्नगा य अमाइसम्महिट्टिउव०, एवं जहा इंदियउद्देसए पढमे भणितं तहा भाणितव्वं जाव से एएणट्टेणं गो०! एवं वुच्चति०, नेरइया णं भंते ! केवतिया अज्झवसाणा पं०?, गो०! असंखेज्जा अज्झवसाणा पं०, ते णं भंते ! किं पसत्था अपसत्था ?, गो०! पसत्थावि अप०, एवं जाव वेमाणियाणं, नेरइया णं भंते ! किं सम्मत्ताभिगमी मिच्छत्ताभिगमी सम्मामिच्छत्ताभिगमी ?, गो०! सम्मत्ताभिगमीवि मिच्छत्ताभिगमीवि सम्मामिच्छत्ताभिगमीवि, एवं जाव वेमाणियावि, नवरं एगिंदियविगलिं-दिया णो सम्मत्ताभिगमी मिच्छत्ताभिगमी नो सम्मामिच्छत्ताभिगमा । ३२३ । देवा णं भंते ! किं सदेवीया सपरियारा सदेवीया अपरियारा अदेवीया सपरियारा अदेवीया अपरि-यारा ?, गो०! अत्थेगतिया देवा सदेवीया सपरियारा अत्थे० देवा अदेवीया सपरियारा अत्थे० देवा अदेवीया अपरिचारा नो चेव णं देवा सदेवीया अपरिचारा, से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति-अत्थे० देवा सदेवीया सपरिचारा तं चेव जाव नो चेव णं देवा सदेवीया अप०?, गो०! भवणपतिवाणमंतरजोतिससोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवा सदेवीया सपरियारा सणंकुमारमा-हिंदबंभलोगलंतगमहासुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणच्चुएसु कप्पेसु देवा अदेवीया सपरिचारा गेवेज्जअणुत्तरोववाइया देवा अदेवीया अपरियारगा नो चेव देवा सदेवीया अपरिचारा से तेणट्टेणं ?, गो०! एवं वुच्चइ-अत्थे० देवा सदेवीया सपरिचारा तं चेव नो चेव णं देवा सदेवीया अपरियारा । ३२४ । कतिविहा णं भंते ! परियारणा पं०?, गो०! पंचविहा परियारणा पं० तं०-कायपरियारणा फास० रूवप० सह० मणप०, से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ-पंचविहा परि० पं०?, गो०! भवणवइवाणमंतरजोइससोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवा कायपरि० सणंकुमारमाहिंदेसु देवा फासपरि० बंभलोयलंतगेसु देवा रूवपरिया० महासुक्कसहस्सारेसु देवा सहप० आणयपाणयआरणच्चुएसु कप्पेसु देवा मणप० गेवेज्जअणुत्तरोववाइया देवा अपरियारगा, से तेणट्टेणं गो०! तं चेव जाव मणपरियारगा, तत्थ णं जे ते कायपरियारगा देवा तेसिं णं इच्छामणे समुप्पज्जति-इच्छामो णं अच्छराहिं सद्धिं कायपरियारं करेत्तए, तए णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे खिप्पामेव ताओ अच्छराओ ओरालातिं सिंगाराइं मणुण्णाइं मणोहराइं मणोरमाइं उत्तरवेउव्वियरूवाइं विउव्वंति ता तेसिं देवाणं अंतियं पाउव्वंति, तते णं ते देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं कायपरियारणं करंति । ३२५ । से जहाणामए सीया पोग्गला सीतं पप्प सीयं चेव अतिवत्तित्ताणं चिट्ठंति उसिणा वा पोग्गला उसिणं पप्प उसिणं चेव अतिवत्तित्ताणं चिट्ठंति एवामेव तेहिं देवेहिं ताहिं अच्छराहिं सद्धिं कायपरियारणे कते समाणे से इच्छामणे खिप्पामेव अवेति । ३२६ । अत्थि णं भंते ! तेसिं देवाणं सुक्कपोग्गला ?, हंता अत्थि, ते णं भंते ! तासिं अच्छराणं कीसत्ताते भुज्जो २ परिणमंति ?, गो०! सोंतिदियत्ताते चक्खुइंदि० घाणिंदिय० रसिंदिय० फासिंदियत्ताते इट्ठत्ताते कंतत्ताते मणुन्नत्ताते मणामत्ताते सुभगत्ताते सोहग्गरूवजोव्वणगुणलावन्नत्ताए ते तासिं भुज्जो २ परिणमंति । ३२७ । तत्थ णं जे ते फासपरियारगा देवा तेसिं णं इच्छामणे समुप्पज्जति, एवं जहेव कायपरियारगा तहेव निरवसेसं भाणितव्वं, तत्थ णं जे ते रूवपरियारगा देवा तेसिं णं इच्छामणे समुप्पज्जति-इच्छामो णं अच्छराहिं सद्धिं रूवपरियारणं करेत्तते, ते णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकते समाणे तहेव जाव उत्तरवेउव्वितातिं रूवाइं विउव्वंति ता जेणामेव ते देवा तेणामेव उवागच्छंति तेसिं देवाणं अदूरसामंते ठिच्चा ताइं उरालाइं जाव (१९३)

मणोरमाइं उत्तरवेउच्चिताइं रूवाइं उवदंसेमाणीतो २ चिट्ठंति, तते णं ते देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं रूवपरियारणं करेंति, सेसं तं चेव जाव भुज्जो २ परिणमन्ति, तत्थ णं जे ते सहप-
रियारणा देवा तेसिं णं इच्छामणे समुप्पज्जति-इच्छामो णं अच्छराहिं सद्धिं सहपरियारणं करेत्तए, तते णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे तहेव जाव उत्तरवेउच्चियातिं रूवातिं
विउच्चंति ता जेणामेव ते देवा तेणामेव उवागच्छंति ता तेसिं देवाणं अदूरसामंते ठिच्चा अणुत्तराइं उच्चावयाइं सदाइं समुदीरेमाणीतो २ चिट्ठंति, तते णं ते देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं
सहपरियारणं करेंति सेसं तं चेव जाव भुज्जो २ परिणमन्ति, तत्थ णं जे ते मणपरियारणा देवा तेसिं इच्छामणे समुप्पज्जति-इच्छामो णं अच्छराहिं सद्धिं मणपरियारणं करेत्तते, तते णं
तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे खिप्पामेव ताओ अच्छराओ तत्थ गयाओ चेव समाणीओ अणुत्तरातिं उच्चावयातिं मणाइं संपहारेमाणीतो २ चिट्ठंति, तते णं ते देवा ताहिं अच्छ-
राहिं सद्धिं मणपरियारणं करेंति, सेसं निरवसेसं तं चेव जाव भुज्जो २ परि० । ३२८ । एतेसिं णं भंते ! देवाणं कायपरि० जाव मणपरि० अपरियारणाण य कयरे०?, गो० ! सब्बथोवा देवा
अपरि० मणपरि० संखे० सहपरि० असंखे० रूवप० असं० फासप० असं० कायप० असं० । ३२९ ॥ परियारणापयं ३४ ॥ 'सीता दव्वसरीरा साता तह वेदणा भवति दुक्खा ।
अब्भुवगमोवक्कमिया निदाय अणिदाय नायव्वा ॥ २२६ ॥ सायमसायं सब्बे सुहं च दुक्खं अदुक्खमसुहं च । माणसरहियं विगल्लिंदिया उ सेसा दुविहमेव ॥ २२७ ॥ कइविहा णं भंते !
वेदणा पं०?, गो० ! तिविहा वेदणा पं० तं०-सीता उसिणा सीतोसिणा, नेरइया णं भंते ! किं सीतं वेदणं वेदंति उसिणं वे० वे० सीतोसिणं वेयणं वेदंति ?, गो० ! सीतंपि० उसिणंपि० नो
सीतोसिणं वे० वे०, केई एक्केक्कपुढवीए वेदणाओ भणंति, रयणप्पभापुढवीनेरइयाणं भंते ! पुच्छा, गो० ! नो सीतं० उसिणं० नो सीतोसिणं०, एवं जाव वालुयप्पभापुढवीनेरइया, पंकप्पभा-
पुढवीनेरइयाणं पुच्छा, गो० ! सीतंपि उसिणंपि नो सीतोसिणं, ते बहुयतरागा जे उसिणं० ते थोवतरागा जे सीतं वेदणं वे०, धूमप्पभाए एवं चेव दुविहा नवरं ते बहुतरागा जे सीतं० ते
थोवतरागा जे उसिणं०, तमाए य तमतमाए य सीयं० नो उसिणं० नो सीतोसिणं वे० वेदंति, असुरकुमाराणं पुच्छा, गो० ! सीतंपि उसिणंपि सीतोसिणंपि, एवं जाव वेमाणिया, कतिविहा
णं भंते ! वेदणा पं०?, गो० ! चउच्चिहा पं० तं०-दव्वतो खेत्ततो कालतो भावतो, नेरइया णं भंते ! किं दव्वतो वेदणं जाव किं भावतो वेयणं वेएंति ?, गो० ! दव्वओवि जाव भावओवि वे०
वे०, एवं जाव वेमाणिया, कतिविहा णं भंते ! वेदणा पं०?, गो० ! तिविहा पं० तं०-सारीरा माणसा सारीरमाणसा, नेरइया णं भंते ! किं सारीरं० माणसं० सारीरमाणसं वे० वे०?, गो० !
सारीरंपि माणसंपि सारीरमाणसंपि वे० वे०, एवं जाव वेमाणिया, नवरं एगिंदियविगल्लिंदिया सारीरं नो माणसं नो सारीरमाणसं वे० वे०, कइविहा णं भंते ! वेयणा पं०?, गो० ! ति-
विहा वेयणा पं० तं०-साता असाता सातासाता, नेरइया णं भंते ! किं सायं० असातं० सायासायं वे० वे०?, गो० ! तिविहंपि, एवं सब्बजीवा जाव वेमाणिया, कतिविहा णं भंते ! वेदणा
पं०?, गो० ! तिविहा पं० तं०-दुक्खा सुहा अदुक्खसुहा, नेरइया णं भंते ! किं दुक्खं वेदणं पुच्छा, गो० ! दुक्खंपि० सुहंपि० अदुक्खमसुहंपि वे० वे०, एवं जाव वेमाणिया । ३३० ।
कतिविहा णं भंते ! वेदणा पं०?, गो० ! दुविहा पं० तं०-अब्भोवगमिया य उवक्कमिया य, नेरइया णं भंते ! अब्भोवगमियं वेदणं० उवक्कमियं वेदणं वे०?, गो० ! नो अब्भोवगमियं
उवक्कमियं वे० वे०, एवं जाव चउरिंदिया, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणूसा य दुवेहंपि वे० वे०, वाणमंतरजोतिसियवेमाणिया जहा नेरइया । ३३१ । कतिविहा णं भंते ! वेदणा
पं०?, गो० ! दुविहा वेदणा पं० तं०-निदाय अणिदाय, नेरइया णं भंते ! किं निदायं० अणिदायं वेयणं वेएंति० ?, गो० ! निदायंपि० अणिदायंपि वेदणं वे०, से केणट्टेणं भंते ! एवं
वुच्चइ-नेरइया निदायंपि अनिदायंपि वे० वे०?, गो० ! नेरइया दुविहा पं० तं०-सणीभूया य असणीभूया य, तत्थ णं जे ते सणीभूया ते णं निदायंपि० अनिदायंपि०, तत्थ णं जे ते
असणीभूया ते णं अणिदायं०, से तेणट्टेणं गो० ! एवं वुच्चइ-नेरइया निदायंपि० अणिदायंपि०, एवं जाव थणियकुमारा, पुढवीकाइयाणं पुच्छा, गो० ! नो निदायं० अणिदायं वे० वे०,
से केणट्टेणं भंते ! एवं०-पुढवीकाइया नो निदायं० अनिदायं वे० वे०?, गो० ! पुढवीकाइया सब्बे असणी असणीभूयं अणिदायं वे० वे० से तेणट्टेणं गो० ! एवं०-पुढवीकाइया नो
निदायं० अणिदायं वे० वे०, एवं जाव चउरिंदिया, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणूसा वाणमंतरा जहा नेरइया, जोइसियाणं पुच्छा, गो० ! निदायंपि० अणिदायंपि वेयणं वेदन्ति, से
केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ-जोइसिया निदायंपि० अणिदायंपि वेयणं वेदंति ?, गो० ! जोइसिया दुविहा पं० तं०-माइमिच्छादिट्ठिउववण्णगा य अमाइसम्महिट्ठीउववण्णगा य, तत्थ णं
जे ते माइमिच्छादिट्ठिउववण्णगा ते णं अणिदायं वेयणं वेयंति, तत्थ णं जे ते अमाइसम्महिट्ठीउ० ते णं निदायं वे० वे०, से एतेणट्टेणं गो० ! एवं० जोइसिया दुविहंपि वेदणं वे०, एवं
वेमाणियावि । ३३२ ॥ वेयणापयं ३५ ॥ 'वेयण कसाय मरणे वेउच्चिय तेयए य आहारे । केवल्लिए चेव भवे जीवमणुस्साण सत्तेव ॥ २२८ ॥ कति णं भंते ! समुग्घाया पं०?, गो० ! सत्त
समुग्घाया पं० तं०-वेदणासमुग्घाते कसाय० मारणंतिय० वेउच्चिय० तेया० आहार० केवल्लिसमुग्घाते, वेदणासमुग्घाए णं भंते ! कतिसमइए पं०?, गो० ! असंखेजसमइए अंतोमुहु-

त्तिते पं०, एवं जाव आहारसमुग्धाते, केवलिसमुग्धाए णं भंते ! कतिसमइए पं०?, गो०! अट्टसमइए पं०, नेरइयाणं भंते ! कति समुग्धाया पं०?, गो०! चत्तारि समुग्धाया पं० तं०-वेदणा० कसाय० मारणंतियस० वेउच्चियस०, असुरकुमाराणं भंते ! कति समुग्धाया पं०?, गो०! पंच पं० तं०-वेदणा० जाव तेयासमुग्धाए, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढवीकाइयाणं भंते ! कति समुग्धाया पं०?, गो०! तिण्णि तं०-वेदणा० कसाय० मारणंतियस०, एवं जाव चउरिंदियाणं, नवरं वाउकाइयाणं चत्तारि समुग्धाया पं० तं०-वेदणा० कसाय० मारणंतिय० वेउच्चियस०, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं जाव वेमाणियाणं भंते ! कति समुग्धाया पं०?, गो०! पंच समुग्धाया पं० तं०-वेयणा० जाव तेयास०, नवरं मणूसाणं सत्तविहे समुग्धाए पं० तं०-वेदणा० जाव केवलिसमुग्धाते । ३३३। एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स केवइया वेदणासमुग्धाया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया पुरेक्खडा ?, गो०! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि तस्स जह० एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्को० संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवमसुरकुमारस्सवि निरंतरं जाव वेमाणियस्स, एवं जाव तेयगसमुग्धाते, एवमेते पंच चउवीसा दंडगा, एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स केवइया आहारगसमुग्धाया अतीता ?, गो०! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्स अत्थि तस्स जह० एक्को वा दो वा उक्को० तिण्णि, केवइया पुरेक्खडा ?, कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्सत्थि जह० एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्को० चत्तारि, एवं निरंतरं जाव वेमाणियस्स, नवरं मणूस्स अतीतावि पुरेक्खडावि जहा नेर-इयस्स पुरेक्खडा, एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स केवतिया केवलिसमुग्धाया अतीता ?, गो०! नत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?, गो०! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्सत्थि एक्को, एवं जाव वेमाणियस्स, नवरं मणूस्स अतीता कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्सत्थि एक्को, एवं पुरेक्खडावि । ३३४। नेरइया णं भंते ! केवइया वेदणासमुग्धाया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया पुरेक्खडा ?, गो०! अणंता, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव तेयगसमुग्धाए, एवं एतेवि पंच चउवीसदंडगा, नेरइयाणं भंते ! केवइया आहारगसमुग्धाया अतीता ?, गो०! असंखेज्जा, केवइया पुरेक्खडा, गो०! असंखेज्जा, एवं जाव वेमाणियाणं, नवरं वणस्सइकाइयाणं मणूसाण य इमं णाणत्तं-वणस्सइकाइयाणं भंते ! केवइया आहारगसमुग्धाया अईया ?, गो०! अणंता, मणूसाणं भंते ! केवइया आहारगसमुग्धाया अईया ?, गो०! सिय संखेज्जा सिय असं०, एवं पुरेक्खडावि, नेरइयाणं भंते ! केवइया केवलिसमुग्धाया अतीता ?, गो०! नत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?, गो०! असंखेज्जा, एवं जाव वेमाणियाणं, नवरं वणस्सइमणूसेसु इमं नाणत्तं-वणस्सइकाइयाणं भंते ! केवइया केवलिसमुग्धाया अतीता ?, गो०! नत्थि, केवइया पुरे०?, गो०! अणंता, मणूसाणं भंते ! केवइया केवलिस० अतीता०?, गो०! सिय अत्थि सिय नत्थि जइ अत्थि जह० एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्को० सतपुहुत्तं, केवतिया पुरेक्खडा ?, गो०! सिय संखेज्जा सिय असं० । ३३५। एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया वेदणास० अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया पुरेक्खडा ?, गो०! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्स अत्थि जह० एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्को० संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं असुरकुमारत्ते जाव वेमाणियत्ते, एगमेगस्स णं भंते ! असुरकुमारस्स नेरइयत्ते केवइया वेदणासमुग्धाया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया० पुच्छा, गो०! कस्सइ अत्थि कस्सति नत्थि जस्सत्थि तस्स सिय सं० सिय असं० सिय अणंता, एगमेगस्स णं भंते ! असुर-कुमारस्स असुरकुमारत्ते केवइया वेदणासमुग्धाया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया पु०?, गो०! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्सत्थि जह० एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्को० सं० असंखे० अणंता वा, एवं नागकुमारत्तेवि जाव वेमाणियत्ते, एवं जहा वेयणासमुग्धातेणं असुरकुमारे नेरइयादिवेमाणियपजवसाणेसु भणितो तहा नागकुमारादिया अवसेसेसु सट्टाणेसु परट्टाणेसु भाणितवा जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते, एवमेते चउवीसा चउवीसं दंडगा भवंति । ३३६। एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया कसायसमुग्धाया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया पु०?, गो०! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्सत्थि एगुत्तरियाते जाव अणंता, एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स असुरकुमारत्ते केवइया कसायसमुग्धाया अतीता ?, गो०! अणंता, केवइया पु०?, गो०! कस्सति अत्थि कस्सति नत्थि जस्सत्थि सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा सिय अणन्ता, एवं जाव नेरइयस्स थणियकुमारत्ते, पुढवीका० एगुत्तरियाए नेतव्वं, एवं जाव मणुयत्ते, वाणमंतरत्ते जहा असुरकुमारत्ते, जोइसियत्ते अतीता अणंता पुरेक्खडा कस्सति अत्थि कस्सति नत्थि जस्सत्थि सिय असंखेज्जा सिय अणंता एवं वेमाणियत्तेवि सिय असंखेज्जा सिय अणंता, असुरकुमारस्स नेरइयत्ते अतीता अणंता, पुरेक्खडा कस्सति अत्थि कस्सति नत्थि जस्सत्थि सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा सिय अणंता, असुरकुमारस्स असुरकुमारत्ते अतीता अणंता पुरेक्खडा एगुत्तरिया, एवं नागकुमारत्ते जाव निरंतरं वेमाणियत्ते जहा नेरइयस्स भणितं तहेव भाणितव्वं, एवं जाव थणियकुमारस्सवि वेमाणियत्ते नवरं सब्बेसिं सट्टाणे एगुत्तरियाए परट्टाणे जहेव असुरकुमारस्स, पुढवीकाइयस्स नेरइयत्ते जाव थणियकुमारत्ते अतीता अणंता पुरेक्खडा कस्सति अत्थि कस्सति नत्थि जस्सत्थि सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा सिय अणंता, पुढवीकाइयस्स पुढवीकाइयत्ते जाव मणूस्स अतीता अणंता पुरे० क० अत्थि क० नत्थि जस्स अत्थि एगुत्तरिया, वाणमंतरत्ते जहा नेरइयत्ते

जोतिसियवेमाणियत्ते अतीता अणंता, पुरेक्खडा कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि जस्स अत्थि सिय असंखेज्जा सिय अणंता, एवं जाव मणूसत्तेवि नेयद्धं, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा णवरं सट्ठाणे एगुत्तरियाए भाणितद्धं जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते, एवं एते चउवीसं चउवीसा दंडगा । १३७। मारणंतियसमुग्घातो सट्ठाणेवि परट्ठाणेवि एगुत्तरियाए नेयद्धो जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते, एवमेते चउवीसं चउवीसदंडगा भाणियद्धा, वेउच्चियसमुग्घातो जहा कसायस० तहा निरवसेसो भाणितद्धो, नवरं जस्स नत्थि तस्स न वुच्चति, एत्थवि चउवीसं चउवीसा दंडगा भाणियद्धा, तेयगसमु० जहा मारणंतियस०, णवरं जस्सत्थि, एवं एतेवि चउवीसं चउवीसा दंडगा भाणितद्धा, एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया आहारगसमुग्घाया अतीता ?, गो० ! नत्थि, केवइया पुरे० ?, गो० ! नत्थि, एवं जाव वेमाणियत्ते, नवरं मणूसत्ते अतीता कस्सई अत्थि कस्सई नत्थि जस्सत्थि जह० एक्को वा दो वा उ० तिणि, केवइया पु० ?, गो० ! कस्सति अत्थि क० नत्थि, जस्सत्थि जह० एक्को वा दो वा तिणि वा उ० चत्तारि, एवं सब्बजीवाणं मणुस्साणं भाणियद्धं, मणूसस्स मणूसत्ते अतीता कस्सति अत्थि कस्सति नत्थि, जस्सत्थि जह० एक्को वा दो वा तिणि वा उ० चत्तारि, एवं पुरेक्खडावि, एवमेते चउवीसं चउवीसा दंडगा जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते, एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया केवलिसमुग्घाया अतीता ?, गो० ! नत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?, गो० ! नत्थि, एवं जाव वेमाणियत्ते, णवरं मणूसत्ते अतीता नत्थि, पुरेक्खडा क० अत्थि क० नत्थि, जस्सत्थि इक्को, मणूसस्स मणूसत्ते अतीता कस्सति अत्थि क० नत्थि, जस्सत्थि एक्को, एवं पुरेक्खडावि, एवमेते चउवीसं चउवीसा दंडगा । ३३८। नेरइयाणं भंते ! नेरइयत्ते केवइया वेदणास० अतीता ?, गो० ! अणंता, के० पुरे० ?, गो० ! अणंता, एवं जाव वेमाणियत्ते, एवं सब्बजीवाणं भाणितद्धं जाव वेमाणियाणं वेमाणियत्ते, एवं जाव तेयगस०, णवरं उवउज्जिऊण नेयद्धं जस्सत्थि वेउच्चियतेयगा, नेरइयाणं भंते ! नेरइयत्ते केवतिता आहारगस० अतीता ?, गो० ! नत्थि, केवतिता पु० ?, गो० ! नत्थि, एवं जाव वेमाणियत्ते णवरं मणूसत्ते अतीता असं० पुरेक्खडा असंखेज्जा एवं जाव वेमाणियाणं णवरं वणस्सइकाइयाणं मणूसत्ते अतीता अणंता पुरेक्खडा अणंता, मणूसाणं मणूसत्ते अतीता सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा, एवं पुरेक्खडावि, सेसा सब्बे जहा नेरइया, एवं एते चउवीसं चउवीसा दंडगा, नेरइयाणं भंते ! नेरइयत्ते केव० केवलिसमुग्घाया अतीता ?, गो० ! नत्थि, के० पु० ?, गो० ! नत्थि, एवं जाव वेमाणियत्ते णवरं मणूसत्ते अतीता नत्थि पुरे० असंखेज्जा, एवं जाव वेमाणिया नवरं वणस्सइकाइयाणं मणूसत्ते अतीता नत्थि पु० अणंता, मणूसाणं मणूसत्ते अतीता सिय अत्थि सिय नत्थि जइ अत्थि जह० एक्को वा दो वा तिणि वा उक्को० सतपुहुत्तं, केवइया पुरे० ?, गो० ! सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा, एवं एते चउवीसं चउवीसा दंडगा सब्बे पुच्छाए भाणितद्धा जाव वेमाणियाणं वेमाणियत्ते । ३३९। एतेसिं णं भंते ! जीवाणं वेदणासमुग्घातेणं कसाय० मारणंतिय० वेउच्चिय० तेय० आहारग० केवलिस० समोहयाणं असमोहयाण य कयरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा जीवा आहारगसमुग्घाएणं समोहया केवलिसमु० संखे० तेयगसमु० असं० वेउच्चिय० असं० मारणंतियसमु० अणंत० कसायस० असं० वेदणास० विसेसाहिया असमोहया असंखिज्जगुणा । ३४०। एतेसिं णं भंते ! नेरइयाणं वेदणासमुग्घाएणं कसायस० मारणंतियस० वेउच्चियस० समोहयाणं असमोहयाण य कतरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा नेरइया मारणंतियसमुग्घातेणं समोहया वेउच्चियसमुग्घातेणं० असं० कसायसमुग्घाएणं० संखे० वेदणासमुग्घा० संखे० असमोहया संखे०, एतेसिं णं भंते ! असुरकुमाराणं वेदणासमुग्घातेणं कसायस० मारणंतिय० वेउच्चिय० तेयगसमोहयाण असमोहयाण य कयरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा असुरकुमारा तेयगसमुग्घाएणं समोहया मारणंतियस० असं० वेदणास० असं० कसायसमु० संखे० वेउच्चियसमु० संखे० असमोहया असंखेज्जगुणा, एवं जाव थणियकुमारा, एएसिं णं भंते ! पुढवीकाइयाणं वेदणास० कसाय० मारणं० असमो० ?, गो० ! सब्बत्थोवा पुढवीकाइया मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया कसायसमु० संखे० वेदणासमु० विसेसाहिया असमोहया असं०, एवं जाव वणस्सइकाइया णवरं सब्बत्थोवा वाउक्काइया वेउच्चियसमुग्घाएणं समोहया मारणंतियसमु० असंखेज्ज० कसायसमु० संखे० वेदणास० विसेसाहिया असमोहया असंखेज्जगुणा, बेइंदियाणं भंते ! वेदणासमुग्घाएणं कसायस० मारणंतियस० समोहयाणं असमोहयाण य कतरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा बेइंदिया मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया वेदणासमु० असंखे० कसायस० असंखे० असमोहया संखे०, एवं जाव चउरिंदिया, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! वेदणास० कसायसमु० मारणंतियस० वेउच्चियस० तेयासमु० समोहयाणं असमोहयाण य कतरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा पंचिंदियतिरि० तेयासमुग्घायसमोहया वेउ० असं० मारणंतियस० असं० वेदणास० असं० कसायस० संखे० असमो० संखे०, मणुस्साणं भंते ! वेदणासमुग्घातेणं समोहयाणं कसायसमु० मारणंतियस० वेउच्चियस० तेयगस० आहारगसमुग्घाएणं केवलिस० समोहयाणं असमोहयाण य कयरे० ?, गो० ! सब्बत्थोवा मणुस्सा आहारगस० समोहया केवलि० सं० तेयगस० संखे० वेउच्चियस० संखे० मारणंतियस० असं० वेदणास० असं० कसायस० संखे० असमोहया असंखेज्जगुणा, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं । ३४१।

कति णं भंते ! कसायसमुग्घाया पं०?, गो०! चत्तारि कसायस० पं० तं०-कोहसमुग्घाते माण० माया० लोह०, नेरइयाणं भंते ! कति कसायस०?, गो०! चत्तारि कसायस० पं०, एवं जाव वेमाणियाणं, एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स केवतिता कोहसमुग्घाता अतीता?, गो०! अणंता, केवतिता पुरे०?, गो०! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्सत्थि जह० एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्को० संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं जाव वेमाणियस्स, एवं जाव लोभसमुग्घाते, एते चत्तारि दंडगा, नेरइयाणं भंते ! केवइया कोहसमु० अतीता?, गो०! अणंता, के० पु०?, गो०! अणंता, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोभसमुग्घाए, एवं एएवि चत्तारि दंडगा, एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया कोहस० अतीता?, गो०! अणंता, एवं जहा वेदणासमुग्घातो भणितो तहा कोहसमुग्घातोवि निरवसेसं जाव वेमाणियत्ते, माणसमुग्घाए मायासमुग्घातेवि निरवसेसं जहा मारणंतियसमुग्घाते, लोहसमुग्घातो जहा कसायसमुग्घातो नवरं सब्बजीवा असुरादिनेरइएसु लोहकसाएणं एगुत्तरियाते नेतद्वा, नेरइयाणं भंते ! नेरइयत्ते केवइया कोहसमु० अतीता?, गो०! अणंता, केव० पुरे०?, गो०! अणंता, एवं जाव वेमाणियत्ते, एवं सट्ठाणपरट्ठाणेषु सब्बत्थ भाणियद्वा, सब्बजीवाणं चत्तारिवि समुग्घाया जाव लोभसमुग्घातो जाव वेमाणियाणं वेमाणियत्ते । ३४२। एतेसिं णं भंते ! जीवाणं कोहसमुग्घातेणं माण० माया० लोभसमुग्घातेण य समोहयाणं अकसायसमुग्घातेणं समोह० असमोहयाण य कयरे०?, गो०! सब्बत्थोवा जीवा अकसायसमुग्घाएणं समो० मरणसमुग्घाएणं अणंतः कोह० विसे० माया० विसे० लोभ० विसे० असमोहया संखेज्जगुणा, एतेसिं णं भंते ! नेरइयाणं कोह० माण० माया० लोभ० समोहयाणं असमोहयाण य कयरे०?, गो०! सब्बत्थोवा नेरइया लोभ० समोहया माया० संखेज्ज० माणस० संखे० कोहस० संखे० असमोहया संखे०, असुरकुमारणं पुच्छा, गो०! सब्बत्थोवा असुरकुमारा कोहस० समोहया माणसमुग्घाएणं संखे० माया० संखे० लोभ० संखे० असमोहया संखेज्जगुणा, एवं सब्बदेवा जाव वेमाणिया, पुढवीकाइयाणं पुच्छा, गो०! सब्बत्थोवा पुढवीकाइया माणसमुग्घाएणं समोहया कोहसमु० विसे० मायासमु० विसे० लोभस० विसे० असमो० संखे०, एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया, मणुस्सा जहा जीवा णवरं माणसमु० असं० । ३४३। कइ णं भंते ! छाउमत्थिया समुग्घाया पं०?, गो०! छ छाउमत्थिया० पं० तं०-वेदणा० कसाय० मारणंतिय० वेउच्चिय० तेया० आहारगसमुग्घाते, नेरइयाणं भंते ! कति छाउमत्थिया स० पं०?, गो०! चत्तारि छाउमत्थिया० पं० तं०-वेदणा० कसाय० मारणंतिय० वेउच्चियस०, असुरकुमारणं पुच्छा, गो०! पंच छाउ० समु० पं० तं०-वेदणा० कसाय० मारणंतिय० वेउच्चिय० तेयगसमु०, एगिंदियविगल्लिंदियाणं पुच्छा, गो०! तिण्णि छाउ० समु० पं० तं०-वेदणासमु० कसायस० मारणंतियस०, णवरं वाउकाइयाणं चत्तारि स० पं० तं०-वेदणा० कसाय० मारणंतिय० वेउच्चिय०, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गो०! पंच० छाउ० स० पं० तं०-वेदणा० कसाय० मारणंतिय० वेउच्चिय० तेयगस०, मणूसाणं कति छाउमत्थिया समु० पं०?, गो०! छ छाउमत्थिया स० पं० तं०-वेदणा० कसाय० मारणंतिय० वेउच्चिय० तेयग० आहारगस० । ३४४। जीवे णं भंते ! वेदणासमुग्घाएणं समोहते समोहणित्ता जे पोग्गले निच्छुभति तेहिं णं भंते ! पोग्गलेहिं केवइते खेत्ते अप्फुण्णे केवतिते खेत्ते फुडे?, गो०! सरीरप्पमाणमेत्ते विक्खंभबाहल्लेणं नियमा छदिसिं एवतिते खेत्ते अप्फुण्णे एवतिते खेत्ते फुडे, से णं भंते ! खित्ते केवतिकालस्स अप्फुण्णे केव० फुडे?, गो०! एगसमइएण वा दु० वा ति० वा विग्गहेणं एवतिकालस्स अप्फुण्णे एवइयकालस्स फुडे, ते णं भंते ! पोग्गले केवतिकालस्स निच्छुभति?, गो०! जह० अंतोमुहुत्तस्स उक्को० अंतो०, ते णं भंते ! पोग्गला निच्छूढा समाणा जातिं तत्थ पाणातिं भूयातिं जीवातिं सत्तातिं अभिहणंति वत्तेति लेसेंति संघाएंति संघट्टेति परितावेति किलामेति उद्वेति तेहिंतो णं भंते ! से जीवे कतिकिरिए?, गो०! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, ते णं भंते ! जीवा तातो जीवाओ कतिकिरिया?, गो०! सिय तिकिरिया सिय चउकिरिया सिय पंचकिरिया, से णं भंते ! जीवे ते य जीवा अण्णेसिं जीवाणं परंपराघाएणं कतिकिरिया?, गो०! तिकिरियावि चउकिरियावि पंचकिरियावि, नेरइए णं भंते ! वेदणासमुग्घाएणं समोहते एवं जहेव जीवे, णवरं नेरइयाभिलावो, एवं निरवसेसं जाव वेमाणिते, एवं कसायसमुग्घातोवि भाणितद्वा, जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घातेणं समोहणइ त्ता जे पोग्गले निच्छुभति तेहिं णं भंते ! पोग्गलेहिं केवतिते खेत्ते अप्फुण्णे केवतिते खेत्ते फुडे?, गो०! सरीरप्पमाणमेत्ते विक्खंभबाहल्लेणं आयामेणं जह० अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं उक्को० असंखेज्जातिं जोयणातिं एगदिसिं एवतिते खेत्ते अप्फुण्णे एवतिए खेत्ते फुडे, से णं भंते ! खेत्ते केवतिकालस्स अप्फुण्णे केवतिकालस्स फुडे?, गो०! एगसमइएण वा दुस० वा तिस० वा चउस० वा विग्गहेणं एवतिकालस्स अप्फुण्णे एवतिकालस्स फुडे, सेसं तं चेव जाव पंचकि०, एवं नेरइएवि, णवरं आयामेणं जह० साइरेगं जोयणसहस्सं उक्को० असंखेज्जातिं जोअणातिं एगदिसिं एवतिते खेत्ते अप्फुण्णे एवतिते खित्ते फुडे विग्गहेणं एगसमइएण वा दु० वा ति० वा चउ० वा भज्जति, सेसं तं चेव जाव पंचकिरियावि, असुरकुमारस्स जहा जीवपदे णवरं विग्गहो तिसमइओ जहा नेरइयस्स, सेसं तं चेव जहा असुरकुमारे, एवं जाव वेमाणिए, णवरं एगिंदिये जहा जीवे निरवसेसं । ३४५। जीवे णं भंते ! वेउच्चियसमुग्घाएणं समोहते समोहणित्ता जे पुग्गले निच्छुभति तेहिं णं भंते ! पोग्गलेहिं केवतिते खेत्ते अप्फुण्णे केवतिए खित्ते (१९४)

फुडे?, गो०! सरीरप्पमाणमेत्ते विक्खंभवाहल्लेणं आयामेणं जह० अंगुलस्स संखेज्जतिभागं उक्को० संखिज्जातिं जोअणातिं एगदिसिं विदिसिं वा एवइए खित्ते अप्फुण्णे एवतिते खेत्ते
 फुडे, से णं भंते! केवतिकालस्स अप्फुण्णे केवतिकालस्स फुडे?, गो०! एगसमइएण वा दु० वा ति० वा विग्गहेणं एवतिकालस्स अप्फुण्णे एवतिकालस्स फुडे, सेसं तं चेव जाव पंच-
 किरियावि, एवं नेरइएवि, णवरं आयामेणं जह० अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं उक्को० संखिज्जातिं जोअणातिं एगदिसिं, एवतिते खेत्ते०, केवतिकालस्स०?, तं चेव जहा जीवपदे, एवं जहा
 नेरइयस्स तहा असुरकुमारस्स, नवरं एगदिसिं विदिसिं वा, एवं जाव थणियकुमारस्स, वाउकाइयस्स जहा जीवपदे, णवरं एगदिसिं, पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स निरवसेसं जहा
 नेरइयस्स, मणूसवाणमंतरजोइसियवेमाणियस्स निरवसेसं जहा असुरकुमारस्स, जीवे णं भंते! तेयगसमुग्घाएणं समोहते समोहणित्ता जे पोग्गले निच्छुब्भति तेहिं णं भंते! पोग्गलेहिं
 केवतिते खेत्ते अप्फुण्णे केवइए खित्ते फुडे?, एवं जहेव वेउविते समुग्घाते तहेव, नवरं आयामेणं जह० अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं सेसं तं चेव एवं जाव वेमाणियस्स, णवरं पंचिंदिय-
 तिरिक्खजोणियस्स एगदिसिं एवतिते खेत्ते अप्फुण्णे एवइखित्तस्स फुडे, जीवे णं भंते! आहारगसमुग्घातेणं समोहते समोहणित्ता जे पोग्गले निच्छुब्भति तेहिं णं भंते! पोग्गलेहिं
 केवइए खित्ते अप्फुण्णे केवइए खेत्ते फुडे?, गो०! सरीरप्पमाणमेत्ते विक्खंभवाहल्लेणं आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं उक्को० संखेज्जातिं जोयणातिं एगदिसिं, एवतिते
 खेत्ते०, एगसमतिएण वा दु० ति० विग्गहेणं एवतिकालस्स अप्फुण्णे एवतिकालस्स फुडे, ते णं भंते! पोग्गला केवतिकालस्स निच्छुब्भति?, गो०! जह० अंतो० उक्को० अंतोमुहु-
 त्तस्स, ते णं भंते! पोग्गला निच्छुब्भता समाणा जातिं तत्थ पाणातिं भूयातिं जीवातिं सत्तातिं अभिहणंति जाव उद्वेति ते णं भंते! जीवे कतिकिरिए?, गो०! सिय तिकि० सिय चउ०
 सिय पंचकिरिए, ते णं भंते! जीवाओ कतिकिरिया?, गो०! एवं चेव, से णं भंते! ते य जीवा अण्णेसिं जीवाणं परंपराघातेणं कतिकिरिया?, गो०! तिकिरियावि चउकिरियावि पंच-
 कि०, एवं मणूसेवि । ३४६ । अणगारस्स णं भंते! भावियप्पणो केवलिसमुग्घातेणं समोहयस्स जे चरमा निज्जरापोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला पं०? समणाउसो! सब्बलोगंपिय णं ते
 फुसित्ताणं चिट्ठंति?, हंता गो०! अणगारस्स भावियप्पणो केवलिसमुग्घाएणं समोहयस्स जे चरमा निज्जरापोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला पं० समणाउसो!, सब्बलोगंपिय णं फुसित्ताणं
 चिट्ठंति, छउमत्थे णं भंते! मणूसे तेसिं निज्जरापोग्गलाणं किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेण वा रसं फासेण वा फासं जाणति पासति?, गो०! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते!
 एवं वुच्चति छउमत्थे णं मणूसे तेसिं निज्जरापोग्गलाणं णो किंचि वण्णेणं० गंधेणं० रसेणं० फासेणं० णो जाणति पासति?, गो०! अयण्णं जंबुदीवे दीवे सब्बदीवसमुदाणं सब्बभंतराए
 सब्बखुड्डाए वट्ठे तेह्हापूयसंठाणसंठित्ते वट्ठे रहचक्कवालसंठाणसंठिए वट्ठे पुक्खरकणियासंठाणसंठिए वट्ठे पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिए एगं जोअणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं तिण्णि
 जोयणसयसहस्साइं सोलस सहस्साइं दोण्णि सत्तावीसे जोयणसते तिण्णि य कोसे अट्ठावीसं च धणुसतं तेरस य अंगुलाइं अद्वंगुलं च किंचिविसेसाहिते परिकखेवेणं पं० देवे णं महि-
 ड्ढीते जाव महासो(हेस पा०)क्खे एगं महं सविलेवणं गंधसमुग्गतं गहाय तं अवदालेति त्ता इणामेवत्तिकट्टु केवलकप्पं जंबुदीवं दीवं तिहिं अच्छराणिवातेहिं तिसत्तखुत्तो अणुपरिय-
 ट्ठित्ताणं हव्वमागच्छेज्जा, से नूणं गो०! से केवलकप्पे जंबुदीवे दीवे तेहिं घाणपोग्गलेहिं फुडे?, हंता फुडे, छउमत्थे णं गो०! मणूसे तेसिं घाणपुग्गलाणं किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं
 रसेणं रसं फासेणं फासं जाणति पासति?, गो०! नो इणट्ठे समट्ठे, से एएणट्ठेणं गो०! एवं वुच्चइ-छउमत्थे णं मणूसे तेसिं निज्जरापोग्गलाणं नो किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं
 फासेणं फासं जाणति पासति सुहुमा णं ते पोग्गला पं० समणाउसो!, सब्बलोगंपिय णं फुसित्ताणं चिट्ठंति । ३४७ । कम्हा णं भंते! केवली समुग्घायं गच्छति?, गो०! केवलिसस चत्तारि
 कम्मंसा अक्खीणा अवेदिया अणिज्जिणा भवंति, तं० वेदणिज्जे आउए नामे गोए, सब्बहुप्पएसे से वेदणिज्जे कम्मे हवति सब्बत्थोवे आउए कम्मे हवइ, विसमं समं करेति बंधणेहिं
 ठितीहि य, विसमसमीकरणयाए बंधणेहिं ठितीहि य सब्बे खलु केवली समोहणंति, एवं खलु केवली समुग्घायं गच्छंति, सब्बेवि णं भंते! केवली समोहणंति?, सब्बेवि णं भंते! केवली
 समुग्घातं गच्छंति?, गो०! णो इणट्ठे समट्ठे, 'जस्साउएण तुल्लातिं, बंधणेहिं ठितीहि य । भवोवग्गहकम्माइं, समुग्घातं से ण गच्छति ॥ २२९ ॥ अगंतूणं समुग्घातं, अणंता केवली
 जिणा । जरमरणविप्पमुक्का, सिद्धिं वरगतिं गता ॥ २३० ॥ ३४८ । कतिसमतिए णं भंते! आउज्जी (आवजिय, आउजिया, आउस्सिया पा०) करणे पं०?, गो०! असंखेज्जसमतिए
 अंतोमुहुत्तिए आउज्जीकरणे पं० । ३४९ । कतिसमतिए णं भंते! केवलिसमुग्घाए पं०?, गो०! अट्ठसमतिते पं० तं०-पढमे समए दंडं करेति बीए कवाडं करेति ततिए मंथं करेति चउत्थे
 लोगं पूरेति पंचमे लोयं पडिसाहरति छट्ठे मंथं पडि० सत्तमए समए कवाडं पडि० अट्ठमे समए दंडं पडिसाहरति त्ता तओ पच्छा सरीरत्थे भवति, से णं भंते! तहा समुग्घायगते किं
 मणजोगं जुंजति वइजोगं जुंजति कायजोगं जुंजति?, गो०! नो मणजोगं नो वइजोगं कायजोगं जुंजइ, कायजोगं णं भंते! जुंजमाणे किं ओरालियकायजोगं जुंजति ओरालिय-

मीसा० किं वेउविय० वेउवियमीसा० आहारग० आहारगमीसा० कम्मगसरीरका०?, गो०! ओरालिय० ओरालियमीसा० जुंजइ नो वेउवियसरीरका० नो वेउवियमीसा० नो आहार०
 नो आहारगमीसा० कम्मगसरीरकायजोगंपि जुंजति, पढमट्टमेसु समएसु ओरालियसरीर० बितियछट्टसत्तमेसु समएसु ओरालियमीसा० ततियचउत्थपंचमेसु समएसु कम्मगसरी-
 रकायजोगं जुंजति । ३५० । से णं भंते ! तहा समुग्घातगते किं सिज्झति बुज्झति मुच्चति परिनिव्वाति सब्बदुक्खाणं अंतं करेति ?, गो०! नो इणट्ठे समट्ठे, से णं भंते ! ततो पडिनियत्तति
 ता ततो पच्छा मणजोगंपि जुंजति वइजोगंपि जुंजइ कायजोगंपि जुंजति, मणजोगं जुंजमाणे किं सच्चमणजोगं जुंजति जाव असच्चामोसमणजोगं जुंजति ?, गो०! सच्चमणजो०
 नो मोसमण० नो सच्चामोस० असच्चामोसमणजोगं०, वतिजोगं जुंजमाणे किं सच्चवइजोगं जाव असच्चामोसवइजो०?, गो०! सच्चवतिजो० नो मोसवइ० नो सच्चामोसवति० असच्चा-
 मोसवइजोगंपि जुंजति, कायजोगं जुंजमाणे आगच्छेज्ज वा गच्छेज्ज वा चिट्ठेज्ज वा निसीएज्ज वा तुयट्ठेज्ज वा उल्लंघेज्ज वा पलंघेज्ज वा पाडिहारियं पीढफल्लगसेज्जासंथारगं पच्चप्पिणेज्जा । ३५१ ।
 से णं भंते ! तहा सजोगी सिज्झति जाव अंतं करेति ?, गो०! नो इणट्ठे समट्ठे, से णं पुद्दामेव सण्णिस्स पंचिंदियपज्जत्तयस्स जहण्णजोगिस्स हेट्ठा असंखेज्जगुणपरिहीणं पढमं मणजोगं
 निरुंभति, ततो अणंतरं बेइंदियपज्जत्तयस्स जहण्णजोगिस्स हेट्ठा असंखिज्जगुणपरिहीणं दोच्चं वतिजोगं निरुंभति, ततो अणंतरं च णं सुहुमस्स पणगजीवस्स अपज्जत्तयस्स जहण्णजो-
 गिस्स हेट्ठा असंखेज्जगुणपरिहीणं तच्चं कायजोगं निरुंभति, से णं एतेण उवाएणं पढमं मणजोगं निरुंभति ता वतिजोगं निरुंभति ता कायजोगं निरुंभइ ता जोगनिरोहं करेति ता
 अजोगत्तं पाउणति ता ईसिं हस्सपंचक्खरुच्चारणद्धाए असंखेज्जसमइयं अंतोमुहुत्तियं सेलेसिं पडिवज्जइ, पुव्वरइयगुणसेदीयं च णं कम्मं तीसे सेलेसिमद्धाए असंखेज्जाहिं गुणसेदीहिं
 असंखेजे कम्मखंधे खवयति ता वेदणिज्जाउणामगोत्ते इच्चेते चत्तारि कम्मसे जुगवं खवेति ता ओरालियतेयाकम्मगाइं सव्वाहिं विप्पजहणाहिं विप्पजहति ता उज्जुसेदीपडिवण्णो
 अफुसमाणगतीए एगसमएणं अविग्गहेणं उड्ढं गंता सागारोवउत्ते सिज्झइ बुज्झइ० तत्थ सिद्धो भवति, ते णं तत्थ सिद्धा भवन्ति असरीरा जीवघणा दंसणणाणोवउत्ता णिट्ठियट्ठा
 णीरया णिरेयणा वितिमिरा विमुद्धा सासयमणागयद्धं कालं चिट्ठंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-ते णं तत्थ सिद्धा भवन्ति असरीरा जीवघणा दंसणणाणोवउत्ता निट्ठियट्ठा नीरया निरे-
 यणा वितिमिरा विमुद्धा सासयमणागयद्धं कालं चिट्ठंति ?, गो०! से जहाणामए बीयाणं अग्गिदइढाणं पुणरवि अंकुरप्पत्ती ण भवति एवामेव सिद्धाणवि कम्मबीएसु दइढेसु पुणरवि
 जम्मुप्पत्ती ण भवति, से तेणट्ठेणं गो० ! एवं वुच्चइ-ते णं तत्थ सिद्धा भवन्ति असरीरा जीवघणा दंसणणाणोवउत्ता णिट्ठियट्ठा णीरया णिरेयणा वितिमिरा विमुद्धा सासयमणागतद्धं कालं चिट्ठं-
 तित्ति 'निच्छिण्णसव्वदुक्खा जाइजरामरणबंधणविमुक्का । सासयमव्वावाहं चिट्ठंति सुही सुहं पत्ता ॥ २३१ ॥ ३५२ ॥ समुग्घायपयं ३६ ॥ श्रीप्रज्ञापनोपांगं समाप्तं २४६८ आपाढपौर्णमास्यां ॥